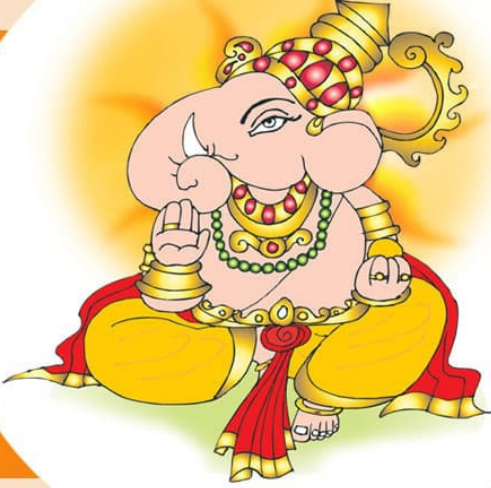


बृहत् कुंडली

सबसे विस्तृत, सुंदर व सटीक कुंडली



Pooja Sharma

23:8:1979

23:53:18

Delhi(28N4077E13 5.5)

 **AstroSage**

World's No. 1 Astrology Portal & App

विषय-सूची

<u>मुख्य विवरण</u>	6
<u>घात एवं अनुकूल बिन्दु</u>	7
<u>ग्रह स्थिति</u>	8
<u>चलित तालिका एवं चलित चक्र</u>	10
<u>आपकी कुंडली के प्रमुख बिंदु</u>	11
<u>आपकी लग्न रिपोर्ट</u>	12
<u>चंद्र राशि</u>	14
<u>आपकी नक्षत्र रिपोर्ट</u>	16
<u>पंचांग फल</u>	18
<u>विस्तृत भविष्यफल</u>	20
<u>ज्योतिष में ग्रह विचार</u>	23
<u>भाव फल</u>	29
<u>कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग</u>	35
<u>अंक ज्योतिष रिपोर्ट</u>	39
<u>मंगलदोष विवेचन</u>	43
<u>साढ़े साती रिपोर्ट</u>	45
<u>कालसर्प दोष / योग - कालसर्प उपाय</u>	49
<u>विंशोत्तरी महादशा फल</u>	50

<u>अंतर्दशा फल</u>	53
<u>आज का गोचर</u>	64
<u>लाल किताब ग्रह, घर एवं कुण्डली</u>	67
<u>लाल किताब दशा (महादशा एवं अन्तर्दशा)</u>	69
<u>लाल किताब फलकथन</u>	72
<u>लाल किताब टेवा</u>	77
<u>आपके लाल किताब कुंडली पर आधारित ऋण</u>	79
<u>लाल किताब वार्षिक कुण्डली</u>	83
<u>रत्न भविष्यवाणी</u>	86
<u>इष्ट देवता</u>	89
<u>उपाय</u>	91
<u>जड़ी सुझाव रिपोर्ट</u>	94
<u>रुद्राक्ष सुझाव रिपोर्ट</u>	96
<u>यंत्र सुझाव रिपोर्ट</u>	98
<u>शुभ घड़ी</u>	100
<u>मैत्री चक्र</u>	108
<u>शोडषवर्ग तालिका</u>	110
<u>शोडषवर्ग कुण्डलियाँ</u>	112
<u>षड्बल एवं भावबल तालिका</u>	116
<u>अष्टकवर्ग - सर्वाष्टकवर्ग</u>	118
<u>प्रस्तरअष्टकवर्ग</u>	119

<u>केपी पद्धति</u>	126
<u>4-स्टेप ग्रह निर्देशन</u>	129
<u>कस्पल इंटरलिंक्स (सब)</u>	131
<u>कस्पल इंटरलिंक्स (सब सब)</u>	132
<u>ग्रह निर्देशन (खाका 2)</u>	133
<u>ग्रह निर्देशन (नक्षत्र नाडी)</u>	133
<u>पाश्चात्य पद्धति</u>	134
<u>पाश्चात्य दृष्टि</u>	135
<u>भावमध्य पर दृष्टि</u>	136
<u>केपी संधि पर दृष्टि</u>	137
<u>ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य)</u>	138
<u>विंशोत्तरी दशा</u>	139
<u>विंशोत्तरी दशा - प्रत्यंतर</u>	141
<u>योगिनी दशा</u>	151
<u>योगिनी दशा फल</u>	155
<u>जैमिनी पद्धति: कारकांश और स्वांश कुण्डली</u>	158
<u>आरूढ कुंडली</u>	159
<u>चरदशा</u>	160
<u>जैमिनी चर दशा फल</u>	163
<u>वर्षफल विवरण 2020</u>	166

वर्षफल विवरण 2021

178

वर्षफल विवरण 2022

195

वर्षफल विवरण 2023

212

वर्षफल विवरण 2024

229

वर्षफल विवरण 2025

246

मुख्य विवरण

व्यक्ति विवरण

लिंग : स्त्री

जन्म दिनांक : 23 : 8 : 1979

जन्म समय : 23 : 53 : 18

जन्म दिन : गुरुवार

इष्टकाल : 044-57-58

जन्म स्थान : Delhi

टाइम जोन : 5.5

अक्षांश : 28 : 40 : N

रेखांश : 77 : 13 : E

स्थानीय समय संशोधन : 00 : 21 : 07

युद्ध कालिक संशोधन : 00 : 00 : 00

स्थानीय औसत समय : 23:32:10

जन्म समय - जीएमटी : 18:23:18

तिथि : प्रतिपद

हिन्दू दिन : गुरुवार

पक्ष : शुक्ल

योग : शिव

करण : भाव

सूर्योदय : 05 : 54 : 06

सूर्यास्त : 18 : 53 : 43

अवकहड़ा चक्र

पाया (नक्षत्र आधारित) : चांदी

वर्ण (ज्योतिषीय) : क्षत्रिय

योनि : मूषक

गण : मानव

वश्य : वनचर

नाडी : मध्य

दशा भोग्य : शुक्र 13 व 3 मा 11 दि

लग्न : वृषभ

लग्न स्वामी : शुक्र

राशि : सिंह

राशि स्वामी : सूर्य

नक्षत्र-पद : पू०फाल्गुनी-2

नक्षत्र स्वामी : शुक्र

जुलियन दिन : 2444109

सूर्य राशि (हिन्दू) : सिंह

सूर्य राशि (पाश्चात्य) : कन्या

अयनांश : 023-34-20

अयनांश नाम : लाहिडी

अक्ष से झुकाव : 023-26-31

साम्पातिक काल : 21 : 37 : 56

राशि

सिंह

लग्न

वृषभ

नक्षत्र-पद

पू०फाल्गुनी-2

राशि स्वामी

सूर्य

लग्न स्वामी

शुक्र

नक्षत्र स्वामी

शुक्र

घात एवं अनुकूल बिन्दु

घात (अशुभ)

शनिवार

दिन

बालव

करण

मकर

लग्न

ज्येष्ठ

माह

मूल

नक्षत्र

1

प्रहर

मकर

राशि

3, 8, 13

तिथि

प्रीत

योग

शनि, शुक्र

ग्रह

अनुकूल बिन्दु

5

भाग्यशाली अंक

1, 3, 7, 9

शुभ अंक

8

अशुभ अंक

14,23,32,41,50

शुभ वर्ष

गुरुवार, मंगलवार

भाग्यशाली दिन

गुरु, मंगल, चंद्र

शुभ ग्रह

मेष, धनु, मिथुन

मित्र राशियां

सिंह, वृश्चिक, मीन

शुभ लग्न

सुवर्ण

भाग्यशाली धातु

माणिक

भाग्यशाली रत्न

ग्रह स्थिति

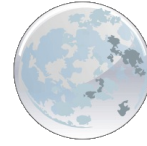
आपकी राहु में शनि में शनि की प्रत्यंतरदशा चल रही है जो कि 11 जनवरी 2021 से 23 जून 2021 तक चलेगी ।



लग्न
वृषभ
रोहिणी



सूर्य
सिंह
मघा



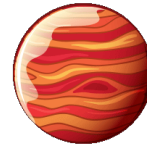
चंद्र
सिंह
पूर्वाश्लेषा



मंगल
मिथुन
आर्द्रा



बुध
कर्क
आश्लेषा



गुरु
कर्क
आश्लेषा



शुक्र
सिंह
मघा



शनि
सिंह
पूर्वाश्लेषा



राहु
सिंह
पूर्वाश्लेषा



केतु
कुंभ
शतभिषा



अरुण
तुला
विशाखा



वरुण
वृश्चिक
ज्येष्ठा

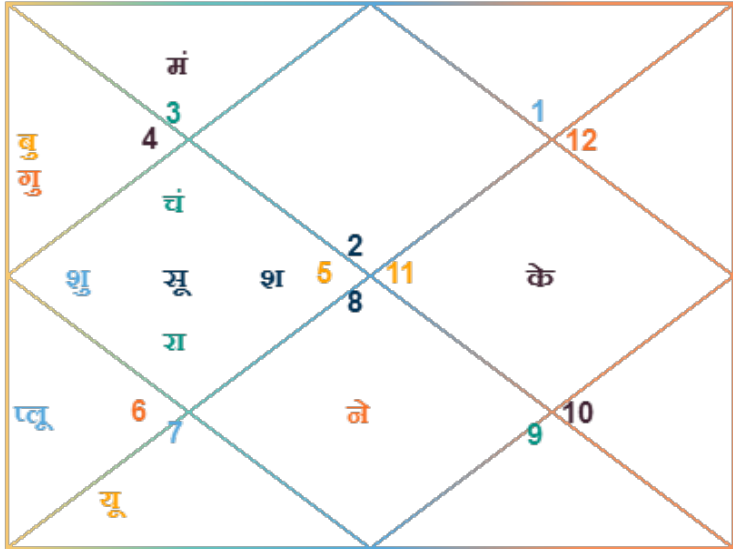


यम
कन्या
चित्रा

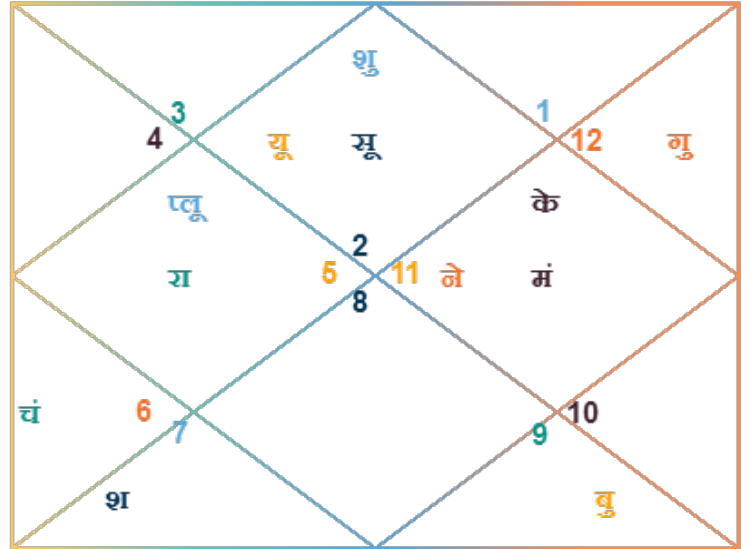
ग्रह	राशि	रेखांश	नक्षत्र	पद	व	अ	संबंध
लग्न	वृषभ	15-14-32	रोहिणी	2	--	--	--
सूर्य	सिंह	06-27-41	मधा	2	मा	--	स्व-राशि
चंद्र	सिंह	17-48-46	पू०फाल्गुनी	2	मा	अ	मित्र राशि
मंगल	मिथुन	16-23-41	आद्रा	3	मा	--	शत्रु राशि
बुध	कर्क	18-55-05	आश्लेषा	1	मा	--	शत्रु राशि
गुरु	कर्क	28-42-40	आश्लेषा	4	मा	अ	उच्च राशि
शुक्र	सिंह	05-59-04	मधा	2	मा	अ	शत्रु राशि
शनि	सिंह	21-28-48	पू०फाल्गुनी	3	मा	अ	शत्रु राशि
राहु	सिंह	15-13-08	पू०फाल्गुनी	1	व	--	--
केतु	कुंभ	15-13-08	शतभिषा	3	व	--	--
अरुण	तुला	23-43-27	विशाखा	2	मा	--	--
वरुण	वृश्चिक	24-08-51	ज्येष्ठा	3	व	--	--
यम	कन्या	23-45-21	चित्रा	1	मा	--	--

नोट: [अ] - अस्त [मा] - मार्गी [व] -वक्री [ग्र] -ग्रहण

लग्न कुण्डली



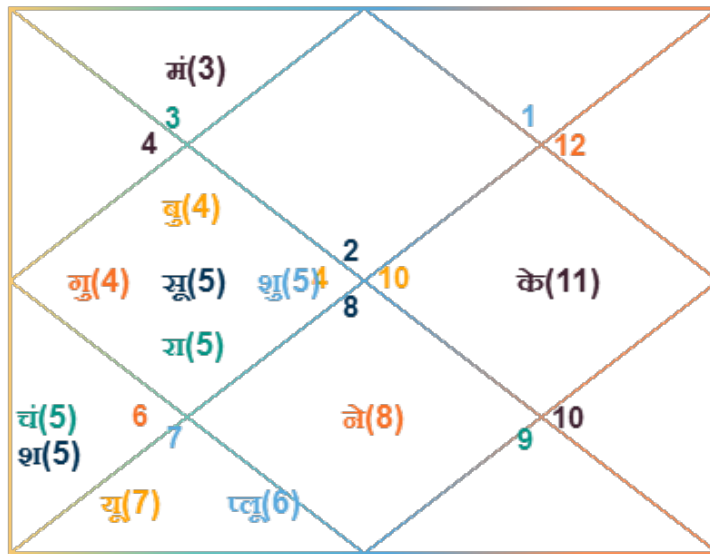
नवमांश कुण्डली



चलित तालिका एवं चलित चक्र

भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	मेष	27 . 27 . 36	वृषभ	15 . 14 . 32
2	वृषभ	27 . 27 . 36	मिथुन	09 . 40 . 39
3	मिथुन	21 . 53 . 43	कर्क	04 . 06 . 46
4	कर्क	16 . 19 . 50	कर्क	28 . 32 . 53
5	सिंह	16 . 19 . 50	कन्या	04 . 06 . 46
6	कन्या	21 . 53 . 43	तुला	09 . 40 . 39
7	तुला	27 . 27 . 36	वृश्चिक	15 . 14 . 32
8	वृश्चिक	27 . 27 . 36	धनु	09 . 40 . 39
9	धनु	21 . 53 . 43	मकर	04 . 06 . 46
10	मकर	16 . 19 . 50	मकर	28 . 32 . 53
11	कुंभ	16 . 19 . 50	मीन	04 . 06 . 46
12	मीन	21 . 53 . 43	मेष	09 . 40 . 39

चलित चक्र



आपकी कुंडली के प्रमुख बिंदु

आपके जीवन की महत्वाकांक्षा
सुखों की प्राप्ति



आपकी जीवन ऊर्जा
आपका साथी



जीवन का उद्देश्य
जीवन में ऊँचाई हासिल करना



आपकी ताकत / प्रतिभा
शारीरिक तंदुरुस्ती



आपकी कमजोरी
अपनी ही धुन में मगन रहना



आपका प्रधान वाक्य
में हूँ ना



जीवन जीने की दिशा
जमीन से जुड़कर काम करना



जीवन का प्रतीक
आपकी मेहनत



आपकी लग्न रिपोर्ट

आपका लग्न है:

वृषभ



वैदिक ज्योतिष में लग्न का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। बालक के जन्म के समय में जो राशि पूर्वोक्त क्षितिज पर उदित होती है। वह राशि लग्न राशि कहलाती है। तथा यह राशि जिस भाव में पड़ती है। वह भाव लग्न भाव कहलाता है। लग्न ज्योतिष से एक व्यक्ति के जीवन की सूक्ष्मतम घटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती है। जबकि दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक भविष्यवाणियां चन्द्र राशि और सूर्य राशि पर आधारित होती हैं।



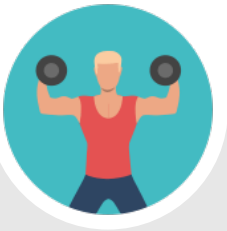
वृषभ लग्न के लिए स्वास्थ्य

वृषभ लग्न आपको एक मजबूत और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। लेकिन कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना आपको जीवन भर करना पड़ सकता है। विशेष रूप से आप तंत्रिका तंत्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। यदि आपका जन्म मई मास में हुआ है तो आपको अधिक वजन की भी समस्या हो सकती है। कभी कभी यौन रोग आपको अपने प्रभाव में ले सकते हैं। इसके अलावा जीवन में ग्रीवा कशेरुक, निचले जबड़े, दांत, ठोड़ी और तालु की समस्याएं होने की संभावनाएं भी बनती हैं। गुर्दे, गुसांग, मूत्राशय, गर्दन और गले में होने वाले रोगों से आपको सतर्क रहना चाहिए।



वृषभ लग्न के लिए स्वभाव व व्यक्तित्व

वृषभ लग्न के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप कुछ अव्यवहारिक हो सकते हैं। जिसके कारण नए लोगों को आप न भाये। अपने शांत और अंतर्मुखी व्यवहार, के कारण नए लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। अगर आपके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जाता और समझा भी नहीं जाता, तो आपमें दूसरों के प्रति आक्रोश और रूढ़िवादिता की भावना उत्पन्न हो सकती हैं। आपको अक्सर नए दोस्त बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण आप नए लोगों से मिलने में संकोच करते हैं। आप विश्वसनीय और व्यवहारिक प्रकृति के हो सकते हैं। आपका यह स्वभाव आपको कारोबार में आपको अच्छी सफलता दिला सकता है। आपके व्यक्तित्व में कामुकता का भाव भी हो सकता है। इसके कारण आप सभी क्षेत्रों में भौतिक सुख प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहते हैं और आप काफी उद्यमी प्रकृति के भी हो सकते हैं। आप अपने कार्यों को अपने अनुसार निश्चित समय में पूरा करते हैं। व दूसरे लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी करते हैं तथा उनकी प्रतिभा की भी खुलकर तारीफ करते हैं। उस समय आपका व्यवहार किसी बॉस के समान भी हो सकता है। आपकी राशि के व्यक्तियों को आसानी से आकर्षित नहीं किया जा सकता और अगर ऐसा किया भी जाता है तो काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। आप लोग अपने मूल्य और सिद्धांतों के प्रति काफी अडिग रहते हैं, और आपके दृष्टिकोण को बदलना आसान नहीं होता है। आपकी स्नेही प्रकृति और सच्चाई की सराहना करने का गुण, दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करता है। इसी के कारण आप एक चुम्बकीय व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आप स्वभाव से आवेगी नहीं होंगे लेकिन अगर आप के साथ जबदस्ती का व्यवहार किया जाए तो आप उग्र हो सकते हैं। कई बार आप पूर्वाग्रही और जिद्दी भी हो सकते हैं। आप काफी सावधानी से अपने दोस्तों का चयन करते हैं। तथा आप झूठ बोलना पसंद नहीं करते हैं हालांकि आपको आसानी से मनाया जा सकता है।



वृषभ लग्न के लिए शारीरिक रूप-रंग

वृषभ लग्न के लोगों में कम ऊंचाई वाले और कभी कभी दुबले कद काठी के होते हैं। आमतौर पर आप लोग सुंदर कद काठी, ऊंची नाक, चमकदार आँख और कामुक होठ वाले होते हैं। आपका जितना चेहरा सुंदर देखने में होता है उतना आप भाग्यशाली नहीं होते हैं। आपकी शारीरिक संरचना चौकोर आकार ही होती है। आप लोगों के पीठ पर कुछ निशान भी होते हैं। वृषभ लग्न के लोग मेलजोल वाले होते हैं।

चंद्र राशि

आपकी राशि
सिंह



चंद्र राशि क्या है?

भारतीय ज्योतिष में सूर्य राशि से ज्यादा चंद्र राशि को महत्व दिया गया है। यहां तक कि भारतीय ज्योतिष में चंद्र राशि को लग्न की जगह प्रयोग करने की सलाह दी गई है, अगर चंद्र लग्न से ज्यादा बलशाली हो। चंद्र राशि से वे कई बातें पता चल सकती हैं जो कि सूर्य राशि से पता नहीं चल पाती हैं।



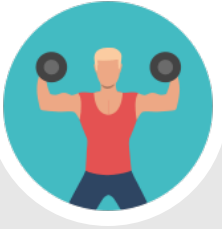
सिंह राशि के लिए स्वास्थ्य

सिंह चंद्र राशि के स्वामी होने के कारण आपको हृदय सम्बन्धी समस्या खासकर धमनियों में खून का थक्का जमने से दिल का दौरा पड़ने की संभावना जैसे रोग होने का खतरा बन रहा है। पीठ में दर्द, फेंफड़े संबंधी समस्याएं, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी हुई समस्याएं, बुखार, जलन, पसली आदि की समस्या आमतौर पर हो सकती हैं। तथा मानसिक तनाव से आपके हृदय को नुकसान पहुंच सकता है और कभी कभी आँखों के विकार भी हो सकते हैं।



सिंह राशि के लिए स्वभाव व व्यक्तित्व

आपकी चंद्र राशि के लोग गतिशील और आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक होते हैं। तथा आपके महत्वाकांक्षी, साहसी, मजबूत इच्छाशक्ति, सकारात्मक, स्वतंत्र और आत्म विश्वास से ओतप्रोत होने की संभावनाएं बन रही हैं। आपका स्वभाव खरी खरी बात करने का सकता है और आपको अच्छी तरह पता होता है कि आपको क्या चाहिए और आप उसे पाने के लिए पूरे मन और रचनात्मक तरीके से उसे पूरा करते हैं। हालांकि आप गुस्सैल और कभी कभी किसी बात पर दुखी होने पर आक्रामक होने की प्रवृत्ति रखने वाले भी हो सकते हैं। आप निजी आक्षेप के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं और जब आपके आदर्शों की आलोचना होती है तो आप काफी गुस्से में आ जाते हैं। आप स्वभाव से जिद्दी हो सकते हैं और इस बात में यकीन करते हैं कि आपके द्वारा उठाया गया कदम सही है। वह सही या गलत हो आप अंत समय तक उसपर अड़े रहते हैं। आपके मानवीय गुणों से संपन्न होने की संभावना बन रही है। आपकी चंद्र राशि के लोग सहज, खुश रहने वाले बुद्धिमान और खुले विचार वाले होते हैं। तथा आप धर्म में रूढ़िवादी सिद्धांतों का पालन करते हैं लेकिन दूसरे के उपदेशों के प्रति संवेदनशील भी होते हैं।



सिंह राशि के लिए शारीरिक रूप-रंग

सिंह चंद्र राशि के लोग करिश्माई व्यक्तित्व के मालिक होते हैं और आपके व्यक्तित्व से लोग काफी आकर्षित होते हैं। व्यक्तित्व के मुकाबले शारीरिक बनावट के मामले में वे उतने भाग्यशाली नहीं होते, आप औसत ऊंचाई वाले और शरीर का उपरी हिस्सा बेहतर बनावट वाला होता है। आपकी चंद्र राशि के लोगों की आँखें हल्की पीली और चेहरा अंडाकार होता है। आपकी चंद्र राशि के पुरुष या महिला भले ही नियंत्रित दिखे लेकिन आसानी से उन्हें मनाया जा सकता है। जोश और जूनून आपमें आम होती है।

आपकी नक्षत्र रिपोर्ट

आपका नक्षत्र

पू०फाल्गुनी

आपका नक्षत्र चरण

2

नक्षत्र क्या है?

हिन्दू ज्योतिष में नक्षत्रों का विशेष महत्व है। आकाश को यदि 27 (कभी-कभी 28) बराबर भागों में विभाजित किया जाए, तो प्रत्येक भाग एक नक्षत्र कहलाता है। हर नक्षत्र को बराबर-बराबर चार पदों में भी विभाजित किया गया है। ज्योतिष की अवधारणा के अनुसार हर पद एक अक्षर को इंगित करता है। प्रायः किसी व्यक्ति के जन्म के समय चन्द्रमा जिस पद में होता है, उससे जुड़े अक्षर से उस व्यक्ति का नाम रखा जाता है।

पू०फाल्गुनी नक्षत्र फल

आप संगीत, कला और साहित्य के अच्छे जानकार हैं क्योंकि इन विषयों के प्रति आपकी बचपन से रुचि है। आपकी विचारधारा शांत है। नैतिकता और सच्चाई के रास्ते पर चलकर जीवन जीना आपको पसंद है। प्रेम का स्थान आपके जीवन में सर्वोपरि है क्योंकि प्रेम को आप अपने जीवन का आधार मानते हैं। मार-पीट, लड़ाई झगड़ों से दूर रहना आपको पसंद है क्योंकि आप शांतिप्रिय हैं। कोई कलह या विवाद होने पर आप बहुत शांतिपूर्ण तरीके से उसका समाधान निकालते हैं, परन्तु जब आपके मान-सम्मान पर कोई आँच आती है तो विरोधियों को परास्त करने में भी आप पीछे नहीं रहते हैं। दोस्तों और अच्छे लोगों का दिल से स्वागत करना भी आप बखूबी जानते हैं। अंतर्ज्ञान की शक्ति तो जैसे आपको विरासत में मिली हो, इसलिए लोगों की भावनाओं को आप पहले से ही भाँप जाते हैं। स्वभाव से आप परोपकारी हैं और घूमने-फिरने के शौकीन हैं। ईमानदारी से कार्य करना आपको पसंद है और जीवन में तरक्की के लिए और आगे बढ़ने के लिए आप सदैव अच्छे और सच्चे मार्ग को चुनते हैं। जीवन में किसी-न-किसी एक क्षेत्र में आप विशेष ख्याति प्राप्त करेंगे, फिर भी किसी कारण से आपका मन अशांत रह सकता है। दूसरों की मदद के लिए आप उनकी याचना करने से पहले ही हाज़िर हो जाते हैं क्योंकि आपमें जन्मजात सहानुभूति है। आप स्वतंत्रता-प्रिय हैं इसलिए किसी बंधन में फँसना आपको पसंद नहीं है। ऐसा कोई भी कार्य करना आपको पसंद नहीं है जिसमें दूसरों के अधीन होकर काम करना पड़े। आपमें एक खासियत यह है कि नौकरी में होने पर भी अपने अधिकारी की चापलूसी नहीं करते, इसलिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों की कृपादृष्टि से आप वंचित रह जाते हैं। दूसरों के सहारे आप कोई लाभ नहीं लेना चाहेंगे क्योंकि आप त्यागी मनोवृत्ति के हैं। परिवार से आपका विशेष लगाव है और आप अपने परिवार के लिए सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार रहते हैं।

शिक्षा और आय : रोजगार के क्षेत्र में आप अपने कार्य बदलते रहेंगे। आयु के 22, 27, 30, 32, 35, 37 और 44 वर्ष नौकरी और व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। आप सरकारी कर्मचारी, उच्च अधिकारी, स्त्रियों के वस्त्राभूषण व सौंदर्य-प्रसाधन के निर्माता या विक्रेता, जनता का मनोरंजन करने वाले कलाकार, मॉडल, फोटोग्राफर, गायक, अभिनेता, संगीतज्ञ, विवाह के लिए वस्त्राभूषण या उपहार सामग्री का व्यापार करने वाले, जीव विज्ञानी, आभूषण निर्माता, सूती, ऊनी या रेशमी वस्त्र के कार्य करने वाले आदि हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन : आपका पारिवारिक जीवन सुखी होगा। जीवनसाथी और बच्चे अच्छे स्वभाव के मिलेंगे और उनसे भरपूर सुख प्राप्त होगा। आपका जीवनसाथी कर्तव्यनिष्ठ होगा और अपने परिवार के लिए सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर रहेगा। आप प्रेम-विवाह भी कर सकते हैं या किसी पूर्व परिचित व्यक्ति से विवाह कर सकते हैं।

पंचांग फल

जन्म वार, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म योग तथा जन्म करण इन पाँचों को मिलाकर पंचांग फल की गणना की गई है। जन्म के समय उपरोक्त सभी पाँचों कारकों को ध्यान में रखने के बाद जातक के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की गणना की जाती है। आपकी कुंडली में पंचांग फल निम्न प्रकार वर्णित है:

प्रतिपदा (प्रथमा)

तिथि

गुरुवार

दिन

शिव

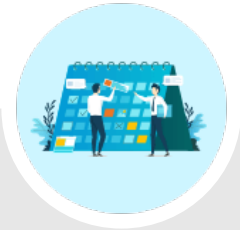
योग

बव

करण

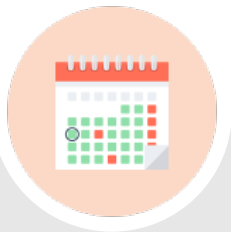
पूर्वा फाल्गुनी

नक्षत्र



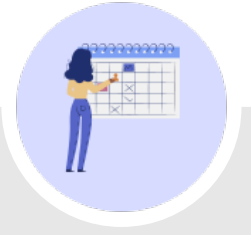
तिथि: प्रतिपदा (प्रथमा)

प्रतिपदा यानि प्रथमा तिथि में जन्म होने से आपका स्वभाव मित्रवत होगा। इस मित्रवत व्यवहार की वजह से आप सामाजिक जीवन में सक्रिय रहेंगे और एक अलग पहचान बनाएंगे। आप एक संयुक्त परिवार में रहेंगे। आपके पास अच्छी मात्रा में धन और स्वर्ण आभूषण होंगे। खास बात है कि आपको धन अर्जित करने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। चूंकि आपका जन्म प्रतिपदा तिथि में हुआ है इसलिए आपको सरकारी संस्थानों और सरकारी प्राधिकरणों से भी धन की प्राप्ति होगी। आपका मस्तक चौड़ा होगा और यह आपकी बुद्धिमता को प्रदर्शित करेगा।



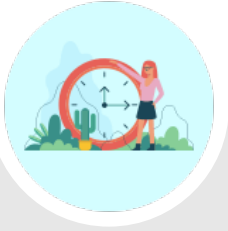
हिन्दू दिन: गुरुवार

आपका जन्म गुरुवार के दिन हुआ है। इस दिन जन्म लेने की वजह से समाज में आपको प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। अच्छे कार्यों में आपकी सहभागिता होगी और आप जन समुदाय का विश्वास जीतने में सफल रहेंगे। आप उन लोगों में से होंगे जिनके पास दूरदृष्टि होगी। इस कौशल की वजह से आप समाज और आसपास रहने वाले लोगों को अच्छी बातें सीखाएंगे।



योग: शिव

इस योग में जन्म लेने से आप बहुत बुद्धिमान होंगे और लोगों की भलाई के लिए कार्य करेंगे। आपको किसी भौतिक सुख-साधनों की चाह नहीं होगी बल्कि आप निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करने के लिए समर्पित रहेंगे। आपका दयालु और सौम्य स्वभाव समाज में आपको सम्मान दिलाएगा।



करण: बव

आपका जन्म बव करण में हुआ है। इस वजह से आपके मन में भौतिक सुख-सुविधाओं की लालसा अधिक रहेगी। दूसरों के प्रति आपका स्वभाव दयालु प्रकृति का होगा। आप साहसिक होने के साथ-साथ ईमानदार छवि के व्यक्ति होंगे। आप बहुत चालाक होंगे और आप सदैव दूसरों से आगे चलने की सोच रखेंगे। आप भाग्यशाली होंगे और सभी प्रकार की चल व अचल संपत्ति का संचय कर सकते हैं।



नक्षत्र: पूर्वा फाल्गुनी

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में हुआ है। इस नक्षत्र में जन्म लेने की वजह से आप साहसिक प्रवृत्ति के होंगे। आप उन लोगों में से होंगे जो दूसरों के लिए त्याग कर सकते हैं। नौकर और दास आपकी सेवा में खड़े रहेंगे। आपके बाल मजबूत और चमकीले होंगे। आप चतुर, चालाक और विनोदी स्वभाव के व्यक्ति होंगे।

विस्तृत भविष्यफल



चरित्र

आप एक संवेदनशील एवं भावुक व्यक्ति हैं। जीवन की कठनाइयों का आप पर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा प्रभाव पड़ता है परिणामस्वरूप आप जीवन के कुछ सुखद पल खो देते हैं। दूसरों द्वारा कही गयीं बातों को आप दिल पर ले लेते हैं। अतः कुछ ऐसी बातें हैं जो आपको दुःख देती हैं परन्तु उस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिये। आपके कार्य करने का तरीका शान्तिपूर्ण है, परिणामस्वरूप आप अपने सहकर्मियों की नजर में मजबूत इच्छाशक्ति एवं दृढ़-निश्चयी वाले व्यक्ति प्रतीत होते हैं। आपकी यह प्रवृत्ति आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करती है। आप बोलने से अधिक सोचते हैं और आपका यह चिन्तनतार्किक होता है। लोग आपसे सलाह मांगने इसलिये आते हैं क्योंकि आपका निर्णयपालन करने योग्य और निष्पक्ष होता है। आपमें अनेक उत्तम गुण हैं। आप एक सहानुभूतिपूर्ण मनुष्य हैं, जोकि आपको एक अच्छा मित्र बनाता है। आप अनुरागी व देशभक्त हैं, यही कारण है कि आप एक अच्छे नागरिक भी हैं। आप प्यारे माताधिपता होंगे। आप अपने माता-पिता की इच्छानुसार कार्य करेंगे। निश्चय ही आपकी ये अच्छाइयां दूसरों पर भारी पड़ेंगी।



सौभाग्य व संतुष्टि

आप दूसरों के साथ का पूरा आनन्द लेते हैं। आप हंसमुख और खुशमिजाज हैं एवं हंसने में संकोच नहीं करते तथा प्रायः अच्छा 'सेंस ऑफ ह्यूमर' रखते हैं। आपका मन सौन्दर्य से अत्यन्त प्रभावित रहता है और आप इसे प्रमुखता से अपन आस-पास के वातावरण में दिखाते हैं। जो व्यक्ति अपने चारों ओर सुन्दरता ला सकता है, वह सदैव आनन्दोन्मुखी होता है।



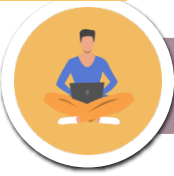
जीवन शैली

आपके माता-पिता आपके आध्यात्मिक गुरु की तरह कुछ विशेष लक्ष्य पाने के लिये आपको प्रभावित करते हैं। आप जो करना चाहते हैं उसको करने का प्रयास करें। आप अपने लिये प्रयास करें, न कि उनके लिये।



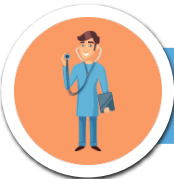
रोजगार

आपको ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए जिसमें आप समूह में काम करते हों और जहाँ कार्य सम्पन्न करने की समय-सीमा अनिश्चित हो। आपको कोई ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ सहभागिता से काम होता हो, उदाहरणार्थ समूह का नेतृत्व करना आदि।



व्यवसाय

आप ज्यादा कार्य करने के लिये उपयुक्त नहीं हैं, न ही आप अत्यधिक उत्तरदायित्व वहन कर सकते हैं। हालांकि आपको काम करने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन उसमें अत्यधिक उत्तरदायित्व नहीं होना चाहिए। आप किसी भी तरह के कार्य को अपने हाथ में लेने के लिये सदैव तैयार रहते हैं, पर आपका स्वच्छ व व्यवस्थित कार्यों की तरफ विशेष रुझान है। साथ ही, शायद आपने यह ध्यान दिया होगा कि ऐसा कोई भी कार्य जिसके द्वारा आप प्रकाश में आते हैं, वह अपेक्षाकृत आपको ज्यादा आकर्षित करता है, बजाय कि ऐसा कोई कार्य जो शान्ति में अकेले किया जाए। निश्चित तौर पर आपका स्वभाव शान्त वातावरण को सहन नहीं कर पाता है, बल्कि यह सदैव प्रकाशमान एवं प्रसन्नचित्त वातावरण को तलाशता रहता है।



स्वास्थ्य

आपके लिये आराम की विशेष महत्ता है। परिणामस्वरूप, आप स्वादलोलुप हैं और भोजन का पूर्ण आनन्द उठाते हैं। निश्चित तौर पर आप जीने के लिये नहीं खाते, अपितु खाने के लिये जीते हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पाचन-तन्त्र आपके शरीर का ऐसा भाग है, जो आपको सर्वाधिक परेशानी देगा। आपको अपच जैसी बीमारियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए और जब वे आती हैं, तो उन्हें दवाओं के द्वारा ठीक करने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। आपको सैर एवं हल्का व्यायाम करना चाहिए। हमारी आपको यह सलाह है कि आप पर्याप्त ताजी हवा लें, भोजन पर नियन्त्रण रखें और फलों का सेवन करें। परन्तु यदि फिर भी कोई लाभ न हो, तो चिकित्सक के पास जाने से न झिझकें। पचास साल की आयु के पश्चात् आलस्य जैसे रोगों से दूर रहें। आपकी चीजों को छोड़ने की आदत के कारण आप जिन्दगी से दूर होत जाएंगे। अपनी वस्तुओं में रुचि रखें, अपनी रुचियों का विकास करें एवं ध्यान रखें कि अगर आप युवा-मण्डली में रहते हैं, तो आप कभी भी उम्र का शिकार नहीं होते।



रुचि

आपको अपने मिजाज के अनुरूप ही अपने फुरसत के लम्हों को बिताना चाहिए। यह देखते हुए कि आप आराम पसन्द हैं, आप श्रम व थकावट भरे खेलों को पसन्द नहीं करते हैं। आप दूसरों की संगति पसन्द करते हैं और जीवन के उज्ज्वल भाग को देखते हैं। ताश खेलना आपको पसन्द है, लेकिन सिर्फ तभी जब उसमें पैसा जुड़ा हुआ हो। यहां पर आपको जुए के प्रति सावधान करने की आवश्यकता है। यदि आपने एक बार इसे अनुमति दी, तो यह आप पर नियन्त्रण कर सकता है।



प्रेम आदि

आप जीवन को सिर्फ अपने दृष्टिकोण से देखते हैं, आपकी आयु जैसे-जैसे बढ़ेगी, आपको अपने सुख और

दुःख बांटने के लिये एक जीवनसाथी की आवश्यकता महसूस होगी। आप 'अपने-घर' के सिद्धान्त को मानते हैं और विवाह को इसके क्रियान्वयन का मुख्य साधन मानते हैं। आपका घर आपके लिये ईश्वर-स्वरूप होगा। आप सदैव अपने बच्चों की चाहत रखेंगे, क्योंकि उनके बगैर आप कभी भी पूर्णरूप से खुश नहीं रह पाएंगे। निश्चित तौर पर आप प्रेम के लिये विवाह करेंगे पर जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा, आप अपने जीवनसाथी के बारे में ज्यादा से ज्यादा सोचना आरम्भ कर देंगे। और अन्त में ऐसा समय आएगा, जहां आपके लिये अपने जीवनसाथी से एक या दो दिन के लिये भी अलग रहना सम्भव नहीं होगा।



वित्त

आपके जीवन में वित्त सम्बन्धी कई उतार-चढ़ाव आएंगे, मुख्यतः आपकी जल्दबाजी एवं अपनी क्षमता से अधिक का काम करने के कारण। आप एक सफल कम्पनी प्रमोटर, शिक्षक, वक्ता या आयोजक हो सकते हैं। आपके अन्दर सदैव से ही पैसा बनाने की क्षमता है, लेकिन साथ ही साथ इस दौरान आपके कई शत्रु बन सकते हैं। आपके व्यापार व उद्योग से अच्छी धनार्जन की उम्मीद है और आपके जीवन में असीम धनार्जन की अनेक अवसर आएंगे यदि आप अपनी इच्छा शक्ति पर काबू रखते हैं। जो कि समय-समय पर खर्चीले मुकदमों या आपके शक्तिशाली शत्रुओं की वजह से आपके हाथ से जा सकते हैं। अतः आपको लोगों के नियंत्रण की विद्या सीखने का प्रयास करना चाहिये एवं मतभेदों से भी बचना चाहिये।



शिक्षा

आप एक अच्छी संवाद शैली के लिए जाने जाएंगे और आपके कम्युनिकेशन स्किल इतने बेहतर होंगे कि वह आपको भीड़ में सबसे आगे लेकर जाएंगे। आपकी बुद्धि तीव्र होगी और स्मरण शक्ति भी गजब की होगी इसी वजह से आप किसी भी बात को आसानी से और लंबे समय तक याद रख पाएंगे। आपके जीवन की यही सबसे बड़ी विशेषता होगी और उसी के बल पर आप अपनी शिक्षा को अच्छे से पूरा कर पाएंगे और उसमें सफलता अर्जित कर पाएंगे। आपके मन में शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करने की भी इच्छा विशेष रूप से जागेगी। गणित, सांख्यिकी, तार्किक क्षमता आदि के मामले में आप काफी मजबूत साबित होंगे और इन के दम पर अपनी शिक्षा में सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आपको बीच-बीच में अपनी एकाग्रता को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि अत्यधिक सोच विचार करना आपको पसंद है, लेकिन यही आपकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। इससे बचने का प्रयास करेंगे तो जीवन में और शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम शिखर पर पहुंच सकते हैं।

ज्योतिष में ग्रह विचार



सूर्य विचार

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

स्व-राशि
संबंध

मथा
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में सूर्य सिंह राशि में स्थित है, जो की सूर्य की स्व-राशि है। सूर्य चौथे, घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। सूर्य की दृष्टि दसवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि सूर्य पर है।

यहां स्थित सूर्य आपको आर्थिक रूप से समृद्धशाली बना सकता है, क्योंकि यह आपके भीतर बचत करने की प्रवृत्ति देगा। आप देखने में रूपवान तो हो सकते हैं लेकिन कुछ चिन्ताएं भी आपको घेरे रह सकती हैं। यहां स्थित सूर्य माता पिता की सेवा से वंचित करवाता है। या तो आप दूर रहने के कारण माता पिता की सेवा नहीं कर पाएंगे या फिर साथ रहकर आपसी मनटाव से ग्रस्त रह सकते हैं।

सूर्य की यह स्थिति भाइयों के आपसी सद्भाव में बाधक बनती है। लेकिन यह स्थिति आपको किसी गुप्त विद्या का ज्ञान दे सकती है। हो सकता है कि आप अपनी जन्मभूमि को अधिक महत्त्व न दे पाएं लेकिन फिर भी आप किसी को हानि पहुंचाने से डरेंगे। आपको सोने चांदी के व्यापार से लाभ मिलेगा। आपकी अधिकतर यात्राएं भी लाभकारी सिद्ध होंगी।

यदि आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, कुछ नया बनाएंगे या शोध करेंगे तो यह आपके लिए लाभप्रद रहेगा। कोई भी बुरी लत न लगने दें अन्यथा आपको अपनी बुरी लत को छोड़ने में बड़ी कठिनाई होगी। आपका ससुराल पक्ष कुछ हद तक समस्याग्रस्त रह सकता है। आपको भी आंखों से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। आपको चाहिए कि लालच को आने पास भी न फटकने दें अन्यथा आर्थिक संकट परेशान कर सकता है।



चंद्र विचार

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

मित्र राशि
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

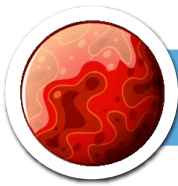
आपकी कुण्डली में चंद्र सिंह राशि में स्थित है, जो की चंद्र की मित्र राशि है। चंद्र तीसरे, घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। चंद्र की दृष्टि दसवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि चंद्र पर है।

यहां बैठा चन्द्रमा इस बात का संकेतक है कि आप अपनी माता और परिवार से आत्मिक लगाव रखते हैं।

आपके स्वाभाव में उदारता सहजता से ही देखने को मिल जाएगी। आमतौर पर आप हमेशा ही प्रसन्न रहते हैं। कुछ परिस्थितियों को छोड़कर आप अक्सर मानसिक शांति का अनुभव कर पाते हैं। चन्द्रमा की यह स्थिति विषय वासना के प्रति अधिक रुचि जगाने वाली कही गई है।

आपको अराम, अच्छे वाहन, अच्छे मित्र और अचल सम्पत्ति की प्राप्ति के लिए अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। अर्थात् ये चीजें आपको सहजता से प्राप्त हो जाएंगी। आपको जलीय स्थानों के पास रहना या घूमना फिरना अधिक पसंद होगा। आपको अपने जीवनकाल में अपना घर कई बार बदलना पड़ सकता है।

आप लोकप्रिय व्यक्ति हैं और आजीवन लोगों के चहेते बने रहेंगे। आपका जीवन साथी भी लोकप्रिय और लोगो का चहेता होगा। चन्द्रमा की यह स्थिति आपकी यादाश्त को मजबूती देने वाली है। यदि आप अपने पैतृक घर में रहते हैं या अपने पैतृक घर के रखरखाव में सहयोग करते रहते हैं तो यह कार्य आपके जीवन में शुभता लाएगा।



मंगल विचार

द्वितीय
भाव

मिथुन
राशि

शत्रु राशि
संबंध

आद्रा
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में मंगल मिथुन राशि में स्थित है, जो की मंगल की शत्रु राशि है। मंगल बारहवें, सातवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में दूसरे घर में स्थित है। मंगल की दृष्टि पांचवें, आठवें, नौवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि मंगल पर है।

मंगल ग्रह की यह स्थिति आपकी बहुत कड़ी मेहनत करा के सफलता देने की संकेतक है। आपकी शिक्षा में कुछ व्यवधान आ सकते हैं। आपके भीतर कभी-कभी जरूरत से ज्यादा चिडचिडपन देखने को मिलेगा अथवा आपकी वाणी कुछ कड़वाहट लिए हुए हो सकती है। आपको दुष्ट लोगों के साथ रहने में भी परेशानी नहीं होगी। मंगल की यह स्थिति जीवन साथी की आयु में भी प्रभावी होती है।

आपको आंखों की तकलीफों के साथ-साथ पेट में कब्ज की तकलीफ भी रह सकती है। आप अपने जन्म स्थान से दूर रह सकते हैं। पिता और बच्चों का स्वभाव गुस्सैल हो सकता है। आपके बच्चे काफी ऊर्जावान और बड़े पदों को प्राप्त करने वाले हो सकते हैं। लेकिन प्रथम पुत्र की पैदाइस के समय कुछ परेशानी हो सकती है। मंगल की यह स्थिति कभी-कभी पारिवारिक असंतोष भी देती है।

मंगल यह की यह स्थिति कभी-कभी धन को बुरी आदतों और गलत माध्यमों के माध्यम से खर्च करने का संकेत भी करती है। आपके भाई या बहन को किसी हिंसक जानवर से खतरा हो सकता है। उन्हें कभी-कभार शत्रुओं से बड़ी परेशानी भी हो सकती है। आपकी माता जी अपने किसी जानकार के गलत परामर्श के कारण कोई जोखिम भरा निर्णय ले सकती हैं।


बुध विचार
**तृतीय
भाव**
**कर्क
राशि**
**शत्रु राशि
संबंध**
**आश्लेषा
नक्षत्र**

आपकी कुण्डली में बुध कर्क राशि में स्थित है, जो की बुध की शत्रु राशि है। बुध दूसरे, पांचवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। बुध की दृष्टि नौवें घर पर है।

तीसरे भाव में स्थित बुध के कारण आपका शारीरिक गठन बहुत अच्छा होगा। आप एक धार्मिक और यशस्वी व्यक्ति हैं। आप देवताओं और गुरुजनों का आदर करते हैं। आप बुद्धिमान और स्वभाव से विनम्र हैं। आपके भीतर साहस और वीरता का समावेश भी है। आप अपनी विनम्रता के कारण उद्वृण्ड व्यक्ति पर भी नियंत्रण पा लेंगे और अपनी आवश्यकतानुसार लाभ ले पाएंगे।

आपके भाई बहनों या सहयोगियों की संख्या अधिक होगी और आप उनके चहेते होंगे। आपका परिवार बड़ा होगा। आपको अपने भाई-बहनों से सुख मिलेगा। आपके दो लड़के और तीन लड़कियां हो सकती हैं। आप स्वजनों से घिरे रहेंगे और उनका हित करते रहेंगे। सरस हृदय होने के कारण स्त्रियों के प्रति स्वभाविक अनुराग होगा।

आप सरस एवं सरल हृदय के व्यक्ति हैं। आपके मित्रों की संख्या अधिक होगी। आप अपने जानने वालों से प्रेम पूर्वक बात करते हैं। आत्मकेन्द्रण आपके लिए उचित नहीं रहेगा। आर्थिक लाभ पर अधिक जोर देना भी उचित नहीं होगा। लेखन प्रकाशन या छपाई के कामों से आपका जुड़ाव हो सकता है। जीवन की अंतिम अवस्था में वैराग्य या मोक्ष की इच्छा भी हो सकती है।


गुरु विचार
**तृतीय
भाव**
**कर्क
राशि**
**उच्च राशि
संबंध**
**आश्लेषा
नक्षत्र**

आपकी कुण्डली में गुरु कर्क राशि में स्थित है, जो की गुरु की उच्च राशि है। गुरु आठवें, ग्यारहवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। गुरु की दृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घर पर है।

तीसरे भाव में बृहस्पति होने के कारण आप साहसी और बलवान होंगे। आप शास्त्रों के जानकार और अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यों को सम्पादित करने वाले व्यक्ति हैं। आप जीतेन्द्रिय, तेजस्वी और ईश्वर पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप काम करने में चतुर हैं। आप जिस काम का संकल्प करते उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहते हैं और आपको आपके काम में आपको सफलता भी मिलती है।

आप प्रवास पर्यटन और तीर्थयात्राएं करने वाले व्यक्ति हैं। आपको अपने सगे भाइयों-बहनों और कुटुम्बियों से सुख मिलता है। आप अपने भाइयों का कल्याण करने वाले और उन्हें उत्तम सुख देने वाले होंगे। आपके

भाई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप मित्रों और आत्मजनों के माध्यम से सुखी और सम्पन्न होंगे। आत्मजनों से आपको लाभ भी होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

आपको राजा या सरकार के द्वारा सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोग आपके अधीनस्थ रहेंगे। अच्छे बुद्धि विवेक के कारण आपको लेखन से लाभ होगा। तीसरे भाव के बृहस्पति के कारण आपको कंजूसी करते हुए देखा जाएगा। भूख न लगने के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है। आपको अपने भाइयों के साथ हमेशा अच्छे सम्बंध बनाए रखना चाहिए। साथ ही धार्मिक और आध्यात्मिक वृत्ति का पोषण करते रहें।

शुक्र विचार

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

शत्रु राशि
संबंध

मथा
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में शुक्र सिंह राशि में स्थित है, जो की शुक्र की शत्रु राशि है। शुक्र पहले, छठे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। शुक्र की दृष्टि दसवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि शुक्र पर है।

चौथे भाव में स्थित शुक्र अधिकांश मामलों में अच्छे फल ही देता है। इसके कारण आपका शरीर सुंदर होगा और आप परोपकारी व्यक्ति होंगे। आप व्यवहार कुशल, पराक्रमी और प्रसन्न रहने वाले व्यक्ति हैं। हालांकि आपमें बाचालता थोड़ी सी ज्यादा हो सकती है। आप मन से उदार और दूसरे का हित चाहने वाले व्यक्ति हैं। धार्मिक कार्यों में भी आपकी अच्छी रुचि होनी चाहिए। आप हमेशा आनंदचित्त रहते हैं।

आपका मन पूजा और उत्सवों के दौरान होने वाले कामों में खूब लगता है। किसी और को प्रसन्न देखकर आपको भी प्रसन्नता होने लगती है। साथ ही किसी को अप्रसन्न देखकर आपका मन भी खिन्न हो जाता है। आपको बुद्धि और विद्या दोनों से धनी होना चाहिए। आप लोगों के द्वारा सम्मानित होंगे। बड़े से बड़ा व्यक्ति भी आपका सम्मान और आदर करता है, और ऐसा करके वे अपने आपको धन्य समझते हैं।

आप राज परिवार में भी सम्मानित और पूज्यनीय होंगे। आप मातृ भक्त और मातृ सेवक हैं। आपको माता का पर्याप्त सुख मिलेगा। आपको सभी प्रकार के भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी। अच्छा घर, वाहन, आभूषण, वस्त्र आदि सबकुछ होगा आपके पास। आपके जीवन साथी का व्यक्तित्व भी सुंदर और आकर्षक होगा। लेकिन इन सबके बाद भी आप आर्थिक मामलों को लेकर चिंता करेंगे।

शनि विचार

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

शत्रु राशि
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में शनि सिंह राशि में स्थित है, जो की शनि की शत्रु राशि है। शनि नौवें, दसवें घर का

स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। शनि की दृष्टि छठे, दसवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि शनि पर है।

यहां स्थित शनि आपको उदार और शांत बनाता है। आप गंभीर धर्य सम्पन्न और लोभरहित व्यक्ति हैं। आप व्यसनहीन, न्यायप्रिय और अतिथियों का सत्कार करने वाले व्यक्ति हैं। आप परोपकार करने में खूब विश्वास रखते हैं। आप गुणवान व्यक्ति हैं। आप प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त करेंगे। आपके पास विभिन्न प्रकार के वाहन होंगे। आपको किसी और की सम्पत्ति भी मिल सकती है।

आप दूर देश में रहकर खूब तरक्की कर सकते हैं। आपके लिए आपकी उम्र सोलहवां, बाइसवां, चौबीसवां, सत्ताइसवां और छत्तीसवां साल भाग्यकारी रहेगा। इन वर्षों में आपको नौकरी, विवाह, सन्तति आदि शुभफल मिल सकते हैं। हालांकि यहां स्थित शनि छत्तीस साल की उम्र तक कभी-कभी कष्ट भी देता रहता है। इसके बाद उम्र के छप्पनवें वर्ष तक सुख मिलता रहता है।

आपको शत्रुओं के माध्यम से भी लाभ मिल सकता है। यहां स्थित शनि के दुष्प्रभाव के रूप में आपको शारीरिक रूप से कम सुख मिल सकता है। आपकी संगति खराब लोगों के साथ हो सकती है। मानसिक चिंता या कष्ट रह सकता है। माता को बीच-बीच में कष्ट रह सकता है। शनि की यह स्थिति कभी-कभी दो विवाह या घरेलू क्लेश की स्थिति भी उत्पन्न करती है। कभी-कभी यह स्थिति पिता की सम्पत्ति से वंचित भी करती है।



राहु विचार

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

अनुपलब्ध
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में राहु सिंह राशि में स्थित है। राहु चौथे घर में स्थित है। राहु की दृष्टि आठवें, दसवें, बारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि राहु पर है।

यहां स्थित राहु आपको साहसी बनाता है और राजसत्ता से माध्यम से सुख दिला सकता है अथवा राजा का प्रेम पात्र बना सकता है। किसी प्राशासनिक व्यक्ति के द्वारा आपका हित साधन हो सकता है। आपको माता से सुख मिलेगा। आपके चित्त में स्थिरता रहेगी। आपके पास विभिन्न प्रकार के वस्त्र और आभूषण होंगे।

आपको अपनी जन्मभूमि में रहने के अवसर कम ही मिलेंगे। आप प्रवासी होंगे या विदेश में रहेंगे। आपको घूमना-फिरना बहुत पसंद होगा। बड़ी उन्नति की राह में यहां स्थित राहु रुकावट उत्पन्न करता है लेकिन नौकरी के मामले में राहु राहत देता है। साझेदारी के मामलों में भी यहां स्थित राहु अच्छे परिणाम देता है।

राहु की यह स्थिति कभी-कभी दो विवाह अथवा दो लोगों से आंतरिक लगाव को दर्शाता है। आपका जीवन साथी आपके विपरीत समय में आपका पूरा सहयोग करेगा। पुत्रों की संख्या कम होती है। उम्र के छत्तीसवें वर्ष से लेकर छप्पनवें वर्ष तक भाग्य अपेक्षाकृत अधिक साथ देता है। लेकिन अशुभ प्रभावी राहु आपको मानसिक अशांति देता है। अपने पास सारे सुख के साधन उपलब्ध हो तो भी मन दुखी रह सकता है।


 केतु विचार

 दशम
भाव

 कुंभ
राशि

 अनुपलब्ध
संबंध

 शतभिषा
नक्षत्र

आपकी कुण्डली में केतु कुंभ राशि में स्थित है। केतु दसवें घर में स्थित है। केतु की दृष्टि दूसरे, चौथे, छठे घर पर है। सूर्य, चंद्र, शुक्र, शनि, राहु की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

दशम भाव में स्थित केतु आपको तेजस्वी और बलवान बनाता है। आप बुद्धिमान और विभिन्न शास्त्रों को जानने वाले व्यक्ति हैं। आप आत्मज्ञानी और शिल्पकला के जानकार भी हैं। आप हर मामले में विजय प्राप्त करने वाले और प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे। आप स्वभाव से मिलनसार व्यक्ति हैं। आप एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और आपका प्रभाव अतुलनीय है।

आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपको यात्राएं बहुत पसंद होंगी। आप शत्रुओं को परास्त करने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन यहां स्थित केतु कुछ अशुभफल भी देता है फलस्वरूप आप कुछ व्यर्थ के कामों में अपने परिश्रम को बेकार कर देते हैं। आप कुछ हद तक अभिमानी भी हैं। माता पिता में से किसी एक का सुख कम मिलेगा। पिता को लेकर कुछ चिंता रह सकती है।

जब भी आप अच्छे काम के लिए प्रयत्नशील होंगे, उसमें कुछ व्यवधान आ सकते हैं। वाहन से भी आपको कुछ भय रह सकता है अतः वाहनादि सावधानी से चलाएं। पशुओं के माध्यम से कुछ पीडा रह सकती है। आपको पराए संबंधों से अधिक लगाव हो सकता है। आप मानसिक रूप से असंतुष्ट रह सकते हैं। यहां स्थित केतु आपको गुदा, पांव, वात आदि रोग दे सकता है। आपको चोरों के द्वारा कष्ट रहेगा।

भाव फल

जन्म कुंडली में 12 खाने होते हैं जो मानव जीवन के सभी संबंधों तथा क्रिया-कलापों को समाहित किए होते हैं। इन्हें भाव कहा जाता है। इस प्रकार भचक्र की 12 राशियां इन 12 भावों में अवस्थित होती हैं और उस राशि के स्वामी ग्रह को उस भाव का भावेश कहा जाता है। प्रत्येक भाव के स्वामी का विभिन्न भावों में उपस्थित होना तथा प्रत्येक भाव पर विभिन्न ग्रहों अथवा भावेशों का प्रभाव जीवन में होने वाली विभिन्न परिस्थितियों को दर्शाता है।



व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति

जन्म कुंडली में चौथा भाव व्यक्तिगत मामलों से जुड़ा होता है। इनमें माता, परिजन, घर और घर से जुड़े मामले आते हैं। इसके अलावा आपके मनोभाव और भावनाएं भी चौथे भाव से संबंधित होती हैं। इस भाव को राज सिंहासन के नाम से भी जाना जाता है। चौथा भाव भूमि, संपत्ति और वाहन से भी संबंधित है।

जब आपके लग्न का स्वामी चौथे भाव में होता है, तो आपका लगाव अपनी माँ और घर से ज्यादा रहता है। आप जीवन में अपने परिवार के लोगों की रक्षा और कल्याण के लिए बहुत कुछ करेंगे। आपका अपनी माँ के साथ बेहतर तालमेल होगा। यह भाव आपकी सोच की क्षमता का निर्धारण करता है। चौथे भाव को राज सिंहासन भी कहा जाता है क्योंकि यह आपके आंतरिक आवरण जैसे मन, इंद्रियां और स्वयं पर नियंत्रण रखने की क्षमता को दर्शाता है। वहीं बाहरी आवरण में घर और राज्य में लोगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। चौथा भाव आपकी छाती, फेफड़े और हृदय को नियंत्रित करता है। लग्न स्वामी के चौथे भाव में स्थित होने से आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होती है। आप जीवन भर संपत्ति, पूँजी और वाहन जैसे साधनों का सुख भोगेंगे।



धन, परिवार, जमीन और जायदाद

द्वितीय भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने से द्वितीय भाव से संबंधित कार्यों में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त तीसरे भाव से संबंधित कार्यों के लिए भी यह श्रेष्ठ है। इस दौरान परिवार के लिए आवश्यक संसाधन, धन और समय व्यतीत करने पर आपका ध्यान होगा साथ ही आप परिवार में रहने वाले सदस्य विशेषकर भाई-बहनों की उन्नति के लिए भी प्रयासरत रहेंगे। बड़े भाई-बहन से संबंधित मामलों पर आपके परिवार का ध्यान केंद्रित रह सकता है। उनकी शिक्षा, सफलता और उन्नति की प्रशंसा की जाएगी। बड़े भाई-बहन की तरक्की और सशक्तिकरण पर अधिक ध्यान दिया जाएगा और उनके दृष्टिकोण व विचारों को ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होना इस बात का भी संकेत है कि, आपके परिवार के संबंध बड़े पैमाने पर पड़ोसी, मित्र और रिश्तेदारों से होंगे। हर पारिवारिक और मनोरंजक कार्यक्रमों में परिवार के लोगों का रिश्तेदारों से मिलना-जुलना होगा। द्वितीय भाव के स्वामी की यह स्थिति दर्शाती है कि, आपके परिवार के आकार, संसाधन और कार्यक्रमों में निरंतर बदलाव होते रहेंगे। यह दर्शाता है कि आपके परिवार की सोच व दृष्टिकोण में बदलाव होता रहेगा और नए विचार व आधुनिक सोच को स्वीकार करने का स्वभाव होगा। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय

भाव में स्थित होना आपकी भाषा और संचार कौशल में वृद्धि तथा बहुमुखी स्वभाव और कला व बौद्धिक क्षेत्र में आपके परिवार की सहभागिता को भी दर्शाता है। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में होना यह भी दर्शाता है कि आपका व्यक्तित्व बेहतर और स्पष्ट होगा।



भाई-बहन, साहस

तृतीय भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में होना तृतीय भाव से संबंधित मामलों में वृद्धि और विस्तार को दर्शाता है। आपके भाई-बहन परिवार के बेहद करीब रहेंगे, विशेष कर उन्हें माँ से ज्यादा लगाव रहेगा। परिवार में भाई-बहनों का अहम स्थान होगा और वे भावनात्मक रूप से परिवार की एकता को बनाये रखेंगे। परिवार के भरण-पोषण या वाहन के रखरखाव पर आपके भाई-बहन का पैसा खर्च होगा। इसके अतिरिक्त वे भूमि और मकान खरीदने में भी सहयोग कर सकते हैं। तृतीय भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में होना घर से संबंधित कार्यों को लेकर आपके प्रयासों की गंभीरता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त यह घर और उससे संबंधित गतिविधियों में आपकी मानसिक व्यस्तता को भी दर्शाता है। आप साहस और बहादुरी के साथ अपने परिवार और परिजनों, विशेष कर माँ का बचाव करेंगे व उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगे। आपकी भाषा शैली में भावनात्मक विचारों का प्रभाव रहेगा। इतना ही नहीं तृतीय भाव का कारक काम यानि आपकी इच्छाओं व जुनून में चतुर्थ भाव के प्रभाव के कारण भावनात्मक पहलू देखने को मिलेगा यानि आप अपना कार्य जी व जान लगाकर करेंगे। तृतीय भाव से संबंधित हम उम्र लोग, सहकर्मी, मित्र और पड़ोसियों का आपसे भावनात्मक रूप से लगाव होगा। तृतीय भाव मानसिक उत्तेजना, परिवर्तन और गति का कारक है इसलिए तृतीय भाव के स्वामी के चतुर्थ भाव में होने से इन कारक तत्व को साहस और बल मिलेगा।



सुख, शिक्षा, घर, माता, प्रॉपर्टी

चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना आपके ग्रह भाव को मजबूती प्रदान करता है। आपका घर आपकी शक्ति है और घर से ही आपको पहचान मिलती है। घर में माँ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हर घर में परिवार के सदस्यों के बीच माँ सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र होती है। परिवार की एकता बनाये रखने के लिए माँ घर के एक स्तम्भ के समान होती है। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित रहना यह दर्शाता है कि, आपको माँ का बराबर सहयोग मिलेगा। घर और घर से जुड़े मामलों में आपकी व्यस्तता और सहभागिता होगी। आप अचल संपत्ति जैसे- ज़मीन तथा आवासीय संपत्ति खरीदने के इच्छुक रहेंगे। जीवन में बहुत जल्द आप संपत्ति खरीद लेंगे या घर के निर्माण संबंधी कार्यों में जुट जायेंगे। आपको महंगे वाहनों का सुख प्राप्त होगा। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना यह दर्शाता है कि, घर में भरण-पोषण को लेकर आपकी भूमिका बेहद अहम रहेगी। माँ और परिवार के अन्य सदस्यों की खुशहाली व सुविधा के लिए आप प्रतिबद्ध रहेंगे। आपका व्यक्तित्व बेहद भावुक रहेगा। आप गहरी सोच और भावुक विचारों के धनी होंगे। हालांकि आप कभी भी भावुकता का ढोंग नहीं करेंगे।



बच्चे, मन, बुद्धि

पंचम भाव आपकी बुद्धि से संबंध रखता है और तृतीय भाव यह दर्शाता है कि, आप कैसे, कहां और कलात्मक रूप से अपनी बुद्धि का उपयोग करेंगे। तृतीय भाव आपकी मनोदशा आपके सहकर्मी, मित्र और पड़ोसियों से संबंध रखता है। पंचम भाव के स्वामी की तृतीय भाव में यह स्थिति भाई-बहन और सहकर्मियों से आपकी निकटता को दर्शाती है। आप हमेशा अपने मित्रों से घिरे रहेंगे या सहकर्मियों के साथ अपनी रुचि के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। चूंकि तृतीय भाव महत्वाकांक्षा का भाव है अतः मानसिक तौर पर आपके लिए कुछ भी पर्याप्त नहीं होगा। आप जहां भी होंगे वहां अपने मित्र बना लेंगे और उनके साथ मनोरंजक व रुचि पूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। पंचम भाव से गणना करने पर तृतीय भाव एकादश स्थान पर आता है और एकादश भाव विस्तार और फैलाव आदि को दर्शाता है। एकादश भाव के ये गुण आपके मस्तिष्क पर प्रभाव डालते हैं, इसके परिणामस्वरूप आपके व्यवहार में दूरदर्शी सोच, क्षमता और प्रदर्शन का अच्छा स्तर देखने को मिलेगा।



बीमारियाँ, ऋण, शत्रु

चतुर्थ भाव हमारे व्यक्तिगत मामलों का भाव होता है। यह हमारे घर, खुशियाँ और माँ व उनसे संबंधित मामलों का प्रतिनिधित्व करता है। जब षष्ठम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में स्थित रहता है, तो षष्ठम भाव के अनिष्ट प्रभाव से आंतरिक स्थिरता, शांति और सद्भाव भंग होता है और विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है। ये पारिवारिक विवाद भी हो सकते हैं, जिसकी वजह से आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। यदि इन चुनौतियों से निपटने के लिए आपके पास कोई बेहतर तरीका है, फिर भी षष्ठम भाव का स्वामी आपके घर का वातावरण शांतिपूर्ण रहने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। आप लगातार बाहरी और आंतरिक संघर्ष से जूझेंगे और असहमत व नाखुश रहेंगे। षष्ठम और चतुर्थ भाव की यह स्थिति माँ के साथ विभिन्न मुद्दों पर आपके विवाद को भी दर्शाती है। षष्ठम भाव के स्वामी की उपस्थित आपको स्थिर नहीं होने देगी। पारिवारिक मामलों को लेकर अशांति, अस्थिरता और क्रोध बना रहेगा। हालांकि षष्ठम भाव के स्वामी के अपने से एकादश स्थान पर स्थित होने से घर में क्रोधी स्वभाव की वजह से भौतिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है लेकिन खुशी और शांति मिले इस बात की कोई गारंटी नहीं है। षष्ठ भाव के स्वामी की चतुर्थ भाव में यह स्थिति इस बात को भी दर्शाती है कि, आप घर और वाहनों के रखरखाव में बेवजह खर्च करेंगे। वहीं दूसरी ओर यह भी हो सकता है कि, आप घरेलू मोर्चे पर भौतिक सुख-सुविधा में बढ़ोतरी के लिए अधिक धन खर्च कर सकते हैं। प्रॉपर्टी से संबंधित मामलों में कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। रोग, शत्रु या कर्ज की वजह से आप पारिवारिक जीवन में आनंद की प्राप्ति नहीं होगी। यदि कोई बाहरी शत्रु नहीं है तो आप स्वयं प्रतिस्पर्धा और तुलना की भावना से अपनी खुशियों को नष्ट कर देंगे।



विवाह, साथी

जन्म कुंडली में द्वितीय भाव परिवार, भाषा, धन अथवा पारिवारिक संचित धन का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा यह परिवार के भौतिक संसाधन से भी संबंधित होता है। सप्तम भाव जीवनसाथी और बिजनेस पार्टनर को दर्शाता है। सप्तम भाव के स्वामी के द्वितीय भाव में स्थित होने से द्वितीय भाव से संबंधित मामलों में वृद्धि को दर्शाता है। इससे इस बात का बोध होता है कि, विवाह के बाद आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी। आपका जीवनसाथी भी पारिवारिक आय में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे

सकता है। इसके अतिरिक्त वह सभी प्रकार के भौतिक सुख-साधन आपके और आपके परिवार के साथ साझा करेगा। बिजनेस में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। विवाह के बाद आपकी भाषा शैली बेहतर होगी और आप हर बात को अच्छे से व्यक्त करने में समर्थ होंगे। इसकी वजह से आपको पहचान मिलेगी। इसके अतिरिक्त विवाह के बाद आपको आर्थिक लाभ मिलने की भी संभावना रहेगी। चूंकि सप्तम भाव अपने से अष्टम स्थान दूर द्वितीय भाव में बैठा है। यह स्थिति सप्तम भाव से संबंधित मामलों में बड़े परिवर्तन और हानि को दर्शाती है। इसका यह मतलब भी हो सकता है कि, जीवनसाथी के व्यक्तित्व में आपके परिजनों की इच्छा अनुरूप कोई बड़ा परिवर्तन हो जाये। इसके अलावा हो सकता है कि आपके जीवनसाथी को मिलने वाली आर्थिक आजादी खत्म हो जाये और उनके द्वारा मिले भौतिक संसाधनों का उपयोग आप अपने परिवार की बेहतरी के लिए करें। यह स्थिति आपके जीवनसाथी और आपके परिजनों के बीच बेहतर सामंजस्य और सहयोग को भी बढ़ावा देता है। विवाह के बाद पारिवारिक रीति-रिवाज समझने पर आपके जीवनसाथी के सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है।



दीर्घायु, खतरा, कठिनाइयाँ

कुंडली में तृतीय व अष्टम भाव दोनों ही बदलाव के कारक हैं। अष्टम भाव के कारण जीवन में नियति द्वारा बदलाव आते हैं, तो वहीं तृतीय भाव के प्रभाव से स्वैच्छिक बदलाव होते हैं। तृतीय भाव शक्ति, धैर्य, छोटे भाई-बहन, सहभागियों व शौक का कारक होता है। अष्टम भाव के पास तीसरे भाव को नष्ट करने की शक्ति होती है। अष्टम भाव के प्रभाव से कुछ ऐसी अकस्मात घटनाएँ घट सकती हैं जो रिश्तों में हमेशा के लिए दूरी ला सकती हैं। अष्टम भाव जब अपने स्थान से आठवें घर यानि तृतीय भाव में जाता है, तब ये संभव है कि उस दौरान भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते में दरार आ जाए या फिर वो रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो जाए। इस भाव में स्थित होने के कारण किसी पुराने मित्र या सहभागी के साथ दोस्ती टूट सकती है या फिर उनकी सेहत में गिरावट आ सकती है। इसके प्रभाव से भाई-बहन से प्राप्त होने वाला सुख व प्यार कम हो सकता है। तृतीय भाव में अष्टम भाव के स्वामी के स्थित होने से जीवनशैली में भी बहुत से बदलाव आने लग जाते हैं। आपके अपने शौक बदलने लग जाते हैं। तृतीय भाव आपकी चाल का भी प्रतिनिधित्व करता है और यदि इस भाव में अष्टम का दुष्प्रभाव आ जाए तो इससे चाल प्रभावित भी हो सकती है। जैसे- अगर आप किसी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए तो इससे आपके रोजमर्रा के कार्यों में रुकावट आ सकती है। ये शारीरिक समस्याएं जैसे लकवा आदि का संकेत देता है। अष्टम भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने के कारण आप किसी लंबी बीमारी से भी पीड़ित हो सकते हैं, या लोगों के साथ मेल-मिलाप और संवाद में कमी आ सकती है जिससे आप तनाव ग्रस्त भी हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आपको मानसिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।



भाग्य, पिता, विरासत

चतुर्थ भाव भावनाओं का कारक होता है इसी कारण इसका प्रभाव आपके घर, माता व घर से जुड़े अन्य लोगों पर पड़ता है। नवम भाव ज्ञान का भाव है। ये उच्च शिक्षा, बुद्धिमत्ता, शिक्षक, पिता और मार्गदर्शक को इंगित करता है। चतुर्थ भाव के ज़रिए आप कई अनुभवों का एहसास करेंगे तो वहीं नवम भाव के प्रभाव से ज्ञान अर्जित करेंगे साथ ही साथ आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी।

ये दोनों भाव शक्ति का एहसास दिलाते हैं। चतुर्थ भाव ध्यान के ज़रिए अर्जित की गई आंतरिक शक्ति को दिखाता है तो वहीं नवम भाव मानसिक शक्ति और परमात्मा की कृपा से प्राप्त हुई अच्छाइयों को इंगित करता है। जब नवम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से आठवें भाव में होता है। इससे ये ज़ाहिर है कि चतुर्थ भाव के प्रभाव से ही नवम भाव के स्वामी में बदलाव आते हैं। धर्म के कारक नवम भाव के प्रभाव से व्यवहार में सहनशीलता की कमी आ सकती है। चतुर्थ भाव जो सभी लोगों और सभी चीज़ों को दया के भाव से देखता है, इस भाव में स्थित नवम भाव का स्वामी सही चीज़ों को संतुलित करने की कोशिश करता है और न्यायाधीश की भूमिका निभाता है। ये भी संभव है कि आपके धार्मिक व सांस्कृतिक दृष्टिकोण में भी थोड़ी सी तब्दीलियां आएंगी और आप बदल जाएंगे। मातृपक्ष की तरफ निभाए जाने वाली पारंपरिक व सांस्कृतिक रस्मों में आपका रुझान बढ़ सकता है। ये आपकी माता की मजबूत छवि को भी इंगित करता है। इन सबके साथ ही चतुर्थ भाव में नवम भाव के स्वामी का स्थित होना परिवार के लोगों के सुख, अच्छे भाग्य आदि को इंगित करता है।



प्रोफेशन

चतुर्थ और दशम भाव दोनों परस्पर विपरीत स्वभाव रखते हैं। इनका उन्मुखीकरण और रुचि भी अलग-अलग होती हैं। जहां चतुर्थ भाव आपकी व्यक्तिगत दुनिया घर-परिवार, माँ, भौतिक साधन आदि को दर्शाता है। वहीं दशम भाव सांसारिक जीवन में आपकी व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और प्रेरणा को दर्शाता है। चतुर्थ भाव आपकी संवेदना के कई रंगों को प्रकट करता है, वहीं दशम भाव अवैयक्तिक स्वभाव को दर्शाता है। जब दशम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में रहता है तो वह अपने मूल भाव से ससम स्थान की दूरी पर रहता है। यह स्थिति दर्शाती है कि, आपका घर आपकी व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। यह स्थिति आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच एक संबंध को दर्शाती है। आप अपने घर से ही अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना अधिक पसंद करेंगे। इसलिए इस बात की संभावना है कि आपके घर में ही एक छोटा सा कार्यालय होगा। परिजन भी आपके साथ व्यावसायिक गतिविधि में जुड़े रहेंगे। इस बात की भी संभावना है कि आप अपनी माँ या परिजनों के साथ पार्टनरशिप में व्यवसाय करें। आपके व्यावसायिक दृष्टिकोण पर चतुर्थ भाव का प्रभाव रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन को लेकर थोड़ा ज्यादा भावुक रहेंगे और हर व्यावसायिक कार्य में व्यक्तिगत तौर पर अधिक ध्यान देंगे। यह स्थिति इस बात को भी दर्शाती है कि, आप फ्रीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं या आप स्वयं घर बैठे एक सलाहकार के रूप में काम करें। आप रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी के बिज़नेस में एक डीलर या एजेंट के तौर पर कार्य कर सकते हैं। या फिर आप कंस्ट्रक्शन, सेल्स और मार्केटिंग से जुड़ा बिज़नेस कर सकते हैं।



आय, लाभ

तृतीय भाव आपके साहस, पहल, प्रयास, मानसिक स्तर, दोस्तों व हम-उम्र साथियों का कारक होता है। वहीं एकादश भाव लाभ, बड़े भाई-बहन, सफलता व आनंद आदि से संबंधित होता है। ये दोनों ही भाव काम यानि इच्छा के भाव हैं। जब एकादश भाव का स्वामी तृतीय भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से पंचम स्थान पर होता है। यह स्थिति मनोरंजन से भरी गतिविधियों और रुचियों में गहरी सहभागिता और भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। एकादश भाव के स्वामी के प्रभाव से तृतीय भाव के

कारक तत्व खुद को विस्तारित कर लेते हैं और अपने दायरों को बढ़ाने लग जाते हैं। ये स्थिति भाई बहनों के साथ भी गहरे संबंध को दर्शाती है। ये भी संभव है कि इस स्थिति के दौरान ईश्वर की कृपा से आपके भाई-बहन की गिनती में बढ़ोतरी हो जाए और उनका ज़्यादा प्यार मिले। इस दौरान स्नेह के बंधन के अलावा, आपके भाई-बहन बौद्धिक कार्यों में भी आपके साथ रूचि दिखाएँगे। इसका मतलब ये भी हो सकता है कि परिवार के बड़े भाई-बहन अपने छोटे भाई-बहनों के लिए दोस्त व सीनियर्स दोनों की भूमिका निभाएं। एकादश भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होने का ये संयोजन परिवार के बड़ों व छोटों के बीच सहज संचार व गहरी समझ को इंगित करता है। इसके साथ ही यह स्थिति ये भी इंगित करती है कि इस दौरान आपके भाई-बहनों या दोस्तों की हॉबीज़ व रुचियां और भी ज़्यादा निखरेंगी व मनोरंजक होने के साथ-साथ बौद्धिक रूप से भी उभरेंगी। सहभागियों के साथ आपका संबंध बौद्धिक तौर पर स्थापित होगा भले ही इसकी शुरुआत एक छोटे कार्य से ही क्यों न हो। एकादश भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने की ये स्थिति आपकी वीरता, प्रयासों और साहस को बढ़ाने का भी कार्य करती है। इस दौरान आप अपने जीवन में अधिक पहल व प्रयास करेंगे। इस स्थिति से चाल भी प्रभावित होगी जिस कारण यात्रा के अवसर मिलते रहेंगे। आपके अंदर साहस की भावना बढ़ेगी जिसके चलते आप स्कूबा डाईविंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, सर्फिंग, रॉक क्लाइम्बिंग आदि गतिविधियों की ओर खुद को ले जाना पसंद करेंगे। इन सब गतिविधियों में शामिल होने से जो रोमांच आपको महसूस होगा वो आपको जोश व साहस से भर देगा।



खर्च, मोक्ष

द्वितीय भाव भौतिक सुख को दर्शाता है। जबकि द्वादश भाव जीवन में भौतिक सुख की लालसा के प्रति विरक्ति पैदा करता है। जब द्वादश भाव का स्वामी द्वितीय भाव में स्थित रहता है तो वह द्वितीय भाव से संबंधित मामलों में हानि का संकेत देता है। द्वादश भाव का स्वामी जब द्वितीय भाव में स्थित रहता है तो वह अपने मूल भाव से तृतीय स्थान पर रहता है। यह स्थिति आपके और आपके परिवार के लिए बड़े बदलाव का कारक बनती है। बारहवें भाव का स्वामी वह आदतें और परम्पराएँ दर्शाता है जो आपकी पारिवारिक संस्कृति से भिन्न हैं। आप इन परंपराओं और परिवार के अंदर क्रांतिकारी परिवर्तन कर सकते हैं। हानि का भाव कहे जाने वाले द्वादश भाव के स्वामी की वजह से आपके पारिवारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। इस बात की भी संभावना है कि परिजनों या पारिवारिक रिश्तों से आपका अलगाव हो जाये। इसका परिणाम यह हो सकता है कि आप वैचारिक और शारीरिक दोनों रूप से अपने परिवार और परिजनों से अलग हो सकते हैं। द्वादश भाव के स्वामी का द्वितीय भाव में स्थित होना यह भी दर्शाता है कि, भौतिक जीवन और धन-संपत्ति को लेकर आपका दृष्टिकोण बदल सकता है। आप संयुक्त संपत्ति और अपने संसाधनों को बाँटना पसंद नहीं करेंगे। इस बात की संभावना है कि आपको अपने परिवार से संसाधन में कोई हिस्सा नहीं मिले या आप अपने किसी परिजन के लिए अपना हिस्सा त्याग कर सकते हैं। द्वादश भाव के स्वामी के प्रभाव से आपकी भाषा शैली प्रभावित या परिवर्तित हो सकती है। इसके कारण आप बोलने में देरी करेंगे या फिर अंतर्मुखी स्वभाव के रहेंगे। द्वादश भाव का स्वामी अलगाव की भावना बढ़ाता है। इसका परिणाम यह होगा कि, परिवार के लोगों के साथ आपकी बातचीत कम हो जाएगी। आपकी बोलचाल में आध्यात्मिकता और सांसारिक जीवन से विरक्ति की भावना देखने को मिलेगी।

कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग

इस राजयोग रिपोर्ट के अंतर्गत हमने प्रयास किया है कि आपको उन विशिष्ट योगों के बारे में बताएँ जो आपकी जन्म-कुंडली में उपस्थित हैं और आपको जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे। रहेगा

आपकी जन्म कुंडली में निम्नलिखित विशिष्ट योग एवं राजयोग उपस्थित हैं:

1 पक्षी या विहग योग

**भ्रमणरुचयोविकृष्टा दूताः सुरतानुजीवनो धृष्टाः ।
कलहप्रियाश्च नित्यं विहगे योगे सदा जाताः**

जब अधिकांश ग्रह चतुर्थ एवं दशम भाव में स्थित हों तो पक्षी योग का निर्माण होता है।

आपकी कुंडली में यह योग होने से आप घुमक्कड़ प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं, इसलिए आप हमेशा एक पक्षी की तरह सैर करना पसंद करते हैं। आपका व्यक्तित्व सशक्त होगा लेकिन आप थोड़े झगड़ालू प्रवृत्ति के हो सकते हैं। आपके करियर में निरंतर बदलाव होते रहेंगे। आप मध्यस्थता कराने वाले या एक अच्छे वार्ताकार हो सकते हैं।

इस योग के प्रभाव से आप सशक्त व्यक्तित्व के स्वामी तथा अच्छे वार्ताकार बनेंगे।

2 अनफा योग

**भूपोऽगदशरीरश्च शीलवान् ख्यातकीर्तिमान् ।
सुरूपश्चाऽनफाजातो सुखैः सर्वैः समन्वितः**

यदि सूर्य और राहू-केतु को छोड़कर कोई भी ग्रह चंद्रमा से द्वादश भाव में स्थित हो और चंद्रमा से द्वितीय भाव में कोई ग्रह नहीं हो तो अनफा योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म अनफा योग में हुआ है इसलिए आप सुंदर, अच्छी सेहत और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आपका दृष्टिकोण यथार्थवादी होगा और आप भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे।

इस योग के प्रभाव से आप अच्छे स्वास्थ्य के स्वामी तथा धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे।

3

पाराशरी राज योग

विष्णुस्थानं च केन्द्रं स्याल्लक्ष्मीस्थानं त्रिकोणकम् ।
तदीशयोश्च सम्बन्धाद्राजयोगः पुरोदितः

जब जन्म-कुंडली में केंद्र भावों का संबंध त्रिकोण भावों से हो तो राजयोग का निर्माण होता है। इस योग में जन्म लेने के कारण दशा अवधि में आपका रुतबा बढ़ेगा। आप धनी, धार्मिक स्वभाव वाले, प्रसिद्ध एवं समृद्धशाली होंगे। कार्यक्षेत्र में आप उच्च पद पर आसीन होंगे। आपके पास वाहन एवं अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी होगी।

इस योग के प्रभाव से आप जीवन में समृद्धि को प्राप्त करने वाले बनेंगे।

4

वोशी योग

वोशौ च निपुणो दाता
यशोविद्याबलावन्तिः

यदि चंद्रमा के अतिरिक्त बुध, बृहस्पति या शुक्र (शुभ ग्रह) सूर्य से द्वादश भाव में स्थित हों और सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह नहीं हो, तो वोशी योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म इस योग में होने से आप लोकप्रिय और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आप मृदुभाषी होंगे और अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित कर देंगे।

इस योग के प्रभाव से आप लोकप्रिय तथा विख्यात होंगे।

5

धन योग

एक, दो, पांच, नौ और ग्यारह धन प्रदायक भाव हैं। अगर इनके स्वामियों में युति, दृष्टि या परिवर्तन सम्बन्ध बनता है तो इस सम्बन्ध को धनयोग कहा जाता है।

क्योंकि आपकी कुंडली में धनयोग बन रहा है इसलिए आपकी कुंडली में अकूत धन सम्पत्ति की संभावना है। जब भी आपकी धन योग बनाने वाले ग्रहों की दशा चलेगी, समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आप को बहुत लाभ होगा। इस योग से आपकी आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत होगी।

इस योग के प्रभाव से आप धनवान और कीर्तिवान होंगे और आपके पास अच्छी धन सम्पदा होगी।

तो इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आपकी कुंडली में उपर्युक्त राजयोग विद्यमान हैं। अतः आप जीवन में समृद्धिशाली एवं विख्यात तथा लक्ष्मीवान बनने की क्षमता रखते हैं। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन योगों का निर्माण जिन ग्रहों के द्वारा किया जा रहा है उन ग्रहों को कुंडली में मजबूती देने से इन योगों के प्रभाव में भी वृद्धि होगी तथा जब-जब इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा तथा अन्य दशाएँ आएं तब-तब आपको इन ग्रहों के द्वारा निर्मित उत्तम फलों की प्राप्ति होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाएगी।

आपका स्वर्णिम काल अथवा राजयोगों के फलीभूत होने का समय

अक्सर आपके मन में यह विचार आता होगा कि आपके जीवन का स्वर्णिम काल कब आएगा अथवा आपकी कुंडली के राजयोग कब फल देंगे? अपनी इस राज योग रिपोर्ट के अंतर्गत हम आपको बताना चाहते हैं कि आपकी जन्म कुंडली में उपस्थित विभिन्न राज योगों का प्रभाव यूँ तो जीवन पर्यन्त आपके ऊपर रहता है परन्तु विशेष रूप से जीवन का स्वर्णिम काल कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों को बनाने वाले विभिन्न ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा इत्यादि में आता है। क्योंकि इसी दौरान ये ग्रह पूर्ण रूप से आपकी कुंडली में प्रभावी होकर आप पर अपना प्रभाव डालते हैं और इन्हीं के प्रभाव से आप जीवन में ऊँचाइयों तक पहुंचते हैं, जिससे आप तरक्की के साथ-साथ यश, मान-सम्मान तथा उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।

पहला स्वर्णिम काल :
जनवरी 2021 से नवंबर 2023

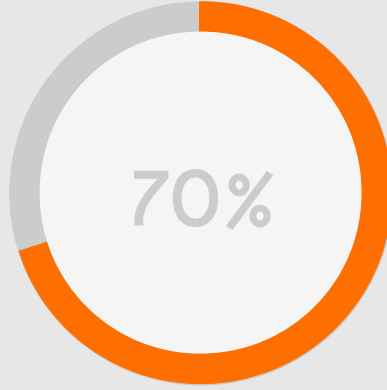
दूसरा स्वर्णिम काल :
जनवरी 2036 से अगस्त
2038

नोट इन समय पर ग्रहों और नक्षत्रों की चाल से राजयोग का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

आपकी कुंडली में राजयोग की शक्ति

जैसा कि आप जानते ही हैं, राजयोग आपको धनवान, अधिक सफल और अधिक संपन्न बनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजयोग के माध्यम से जीवन में इन सभी वस्तुओं को प्राप्त करने की जन्म-कुंडली की क्षमता का पता चलता है। विभिन्न लोगों की कुंडलियों की क्षमता भिन्न-भिन्न होती है कुछ व्यक्तियों की कुंडलियों में अंतर्निहित यह क्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। अतः अपनी कुंडली में स्थिति राजयोगों की शक्ति के आधार पर आप स्वयं के भीतर छुपी संभावनाओं को पल्लवित करने के लिए उसी स्तर पर प्रयत्न करने की तैयारी कर सकते हैं। आइए, देखें कि इस दृष्टिकोण से आपकी कुंडली का अंतिम विश्लेषण क्या कहता है

राजयोग की शक्ति:70%



हम आशा करते हैं कि यह राजयोग रिपोर्ट आपके लिए सहायक सिद्ध होगी और आप जीवन में नित नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। परमात्मा की अनुकम्पा आप पर सदैव बनी रहे!

अंक ज्योतिष रिपोर्ट

5

मूलांक

3

भाग्यांक

4

नामांक

नाम

Pooja Sharma

जन्म तिथि

23-8-1979

शुभ राशि

मिथुन, कन्या

शुभ अक्षर

इ, एन, डब्लू

रत्न

पन्ना (हरा, काला)

शुभ दिन

बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार

शुभ अंक

1, 3, 5

दिशा

उत्तर

शुभ रंग

हरा

स्वामी ग्रह

बुध

देवी/ देवता

विष्णु जी

व्रत

बुधवार

शुभ दिनांक

5th, 14th, or 23rd

मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः

5 मूलांक

Pooja, अंक शास्त्र में आपकी सबसे महत्वपूर्ण संख्या उस महीने की तारीख है जिस दिन आपने जन्म लिया था। यह संख्या आपके व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण तत्वों जैसे आपका चरित्र और व्यक्तित्व की पहचान कर सकती है। चाहे आप दबंग हों या शर्मिले, नेता या अनुयायी, यह संख्या आपके संपूर्ण व्यक्तित्व के मूल तत्वों को निर्धारित करती है। इसका कारण यह है कि प्रत्येक संख्या की अपनी प्रकृति और व्यक्तिगत कंपन है। सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद, हमने आपकी अंक ज्योतिष संख्या को निम्नानुसार ज्ञात किया है: आपका मूलांक है 5.

बुध ग्रह का प्रभाव होने से आप अधिक मित्र वाले व्यक्ति हैं। आपको मित्रता करने का शौक है और आपकी मित्र मंडली में अधिक लोग होंगे। आपके अंदर व्यापारी होने के गुण सहज रूप से विद्यमान हैं। आप अक्सर लाभ की ओर आकृष्ट होते हैं और कई काम जल्दबाजी में भी करते हैं, जिसका आपको खामियाजा भुगतना पड़ता है। आपके अंदर गजब की फुर्ती होती है। आप ज्यादा देर तक किसी बात को पाल कर नहीं रखते और इसलिए अधिक देर तक निराश भी नहीं होते। आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार को अधिक तरजीह देते हैं। आपके अंदर जल्दबाजी, जल्दी क्रोध आना और चिड़चिड़ापन हो सकता है। आपकी तर्क बेहतर होती है और आपकी वाणी भी असरदार होती है। आप मन से चंचल होते हैं और बुद्धि से संबंधित कामों में अक्सर सफलता प्राप्त करते हैं। आपको शारीरिक परिश्रम की अपेक्षा दिमागी काम करना ज्यादा रास आता है। आपकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप किसी भी परेशानी से बहुत जल्दी बाहर निकल आते हैं। आपको अपनी मानसिक शक्ति का दुरुपयोग करने से बचना चाहिए।

3 भाग्यांक

आप अन्य लोगों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं और संवाद आप का मुख्य गुण है। आपके अंदर चौमुखी प्रतिमा है और शायद इसीलिए आप किसी का सहायक बनना पसंद नहीं करते। हालांकि आप अनुशासित हैं और आपका प्रेम विशुद्ध होता है। आप न्याय का पक्ष लेते हैं और काफी बुद्धिमान होते हैं। साथ ही साथ आप की दूर दृष्टि होती है तथा हास्य की गजब क्षमता भी आपका एक गुण है। आप व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते हैं। आपको अत्यधिक खर्च से बचना चाहिए और ईर्ष्यालु स्वभाव से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए। धनी अथवा ज्ञानी बनने के लिए जल्दबाजी ना करें। द्विस्वभाव व्यक्तित्व और गुस्से पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा तथा बुरे लोगों की संगति भी आपके लिए बेकार साबित होगी।

4 नामांक

Pooja, ब्रह्मांडीय बल नाम संख्या पर विचार करते हुए किसी व्यक्ति की जीवन संरचना निर्धारित करते हैं। नामांक या नाम संख्या आपके पूर्ण नाम में सभी अक्षरों से ली गई है। ये सभी अक्षरों को एक साथ मिला कर बनती है, जिसे एक्सप्रेशन संख्या या नामांक कहा जाता है। यह वह संख्या है जो इस जीवनकाल में

आपकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का वर्णन करती है, यदि आप उन्हें विकसित करने और उनका उपयोग करने का चयन करते हैं। आपका नाम आपका सच्चा कंपनी है, आपकी आत्मा का माधुर्य, जैसा कि समय में एक दरवाजे से गुजरा और इस दुनिया में प्रवेश किया। आपके नाम Pooja Sharma का विश्लेषण बताता है कि आपका नामांक 4 है। आइए हम आपको नामांक 4 की कुछ बुनियादी विशेषताओं के बारे में बताते हैं।

जिन जातकों का जन्मांक 4 होता है वे अपनी ऊर्जा, ताकत और उन्नति का प्रदर्शन करते हैं। उनकी मानसिक शक्ति बेहद तीव्र होती है। इन जातकों की खास विशेषता होती है कि वे निरंतर अपने लक्ष्य और अपनी सोसायटी में परिवर्तन करते हैं और समाज के बनाए उसूलों और आदर्शों से अपने मन को मुक्त करना चाहते हैं। ऐसे जातक नियमों के विरुद्ध ही चलना पसंद करते हैं।

करियर: जन्मांक 4 वाले जातक अच्छे लेखक, बिजनेसमैन और राजनेता होते हैं



शुभ स्थान

उत्तर दिशा आपके लिए सर्वाधिक अनुकूल दिशा साबित होगी इसलिए आपको इस दिशा में जाकर प्रयास करने से काम में सफलता और सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी। आपके लिए विशेष रूप से कोरिया, सउदी अरब, स्पेन, अमेरिका, गोवा, प्राग अत्यंत शुभ रहेंगे।



शुभ समय

आपका मुख्य ग्रह बुध है। आपके लिए जून से जुलाई तथा सितंबर से अक्टूबर का समय अत्यंत फलदाई रह सकता है। इसलिए इस दौरान आप जो भी कार्य करना चाहें, उसे प्रारंभ कर सकते हैं। उसमें आपको सफलता मिलने की अधिक संभावना रहेगी।



स्वास्थ्य

बुध ग्रह के प्रभाव के कारण आपकी बुद्धि अत्यंत तीक्ष्ण होगी और आप अपनी आयु से कम नजर आएंगे। लेकिन आपको अपने जीवन काल में न्युरैटिस (स्नायु-प्रदाह), मुँह में छाले, आँखें एवं हाथ, अनिद्रा, पैरालाइसिस (लकवा) या पोलियो आदि बीमारियाँ होने की संभावना रहेगी। इसलिए स्वयं को अनुशासित रखें और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।



कार्यक्षेत्र

इस अंक की खूबियों के रूप में बुध देव की विशेष प्रभाव को प्राप्त होगी जिसकी वजह से आप अपनी

बुद्धिमानी के सभी कार्य सफलतापूर्वक कर सकते हैं। आपको ऐसे कार्य करने चाहिए जहां शरीर की ताकत नहीं बल्कि दिमाग की ताकत काम है। इसलिए आपके लिए बेहतरीन कार्य क्षेत्रों में इंजीनियर बनना, सेल्स संबंधित कार्य, लेखाकार, रेलवे, टेलीग्राफ, पत्रकारिता, तंबाकू, रेडियो डीलर, ब्रोकर, आयोग से संबंधित कार्य आपके लिए बेहतरीन साबित होंगे।

ॐ व्रत एवं उपाय

आपको शुक्ल पक्ष के बुधवार से प्रारंभ करके लगभग 17 या 45 बुधवार व्रत करना चाहिए। व्रत में केवल एक समय ही भोजन करें। बुध के बीज मंत्र का जाप करना अति उत्तम रहेगा। इस दिन आपको हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए और पन्ना रत्न धारण करना चाहिए। आप साबुत मूंग की दाल का सेवन भी कर सकते हैं। इसके साथ-साथ किन्नरों से आशीर्वाद लें तथा घर में बहन, मौसी, चाची, बुआ आदि को हरे रंग की कोई वास्तु भेंट करें।

यन्त्र

आपका मूलांक 5 है जिसका स्वामी ग्रह बुध है। इसलिए बुध ग्रह के शुभ फल पाने के लिए बुध यंत्र को बुधवार के दिन बुध की होरा और बुध के नक्षत्र (अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती) के समय धारण करना चाहिए।



अभी खरीदें

मंगलदोष विवेचन

मंगल दोष प्रभाव

ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष वैवाहिक जीवन में समस्याएँ खड़ी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है तो मंगल दोष रद्द हो जाता है।



दोष उपस्थित



व्यक्ति मांगलिक नहीं

लग्न

दूसरा भाव



चंद्र

ग्यारवा भाव



लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वाऽष्टमे कुजे।
शुभदृग्योगहीने च पतिं हन्ति न संशयः॥

मंगल दोष विचार

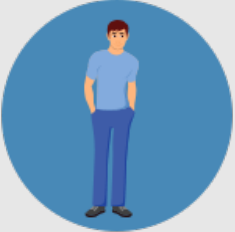
सामान्यतः मंगल दोष जन्म-कुण्डली में लग्न और चन्द्र से देखा जाता है।

निष्कर्ष

अतः मंगल दोष न लग्न चार्ट में और न ही चंद्र चार्ट में उपस्थित है।

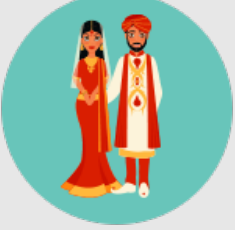
आपकी कुण्डली में मंगल लग्न से द्वितीय भाव में व चंद्र से एकादश भाव में है।

ग्रह शांति (अगर मंगल दोष उपस्थित हो तो)



उपाय (विवाह से पहले किए जाने चाहिए)

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह और अश्वत्थ विवाह मंगल दोष के सबसे ज़्यादा मान्य उपाय हैं। अश्वत्थ विवाह का मतलब है पीपल या बरगद के वृक्ष से विवाह कराकर, विवाह के पश्चात् उस वृक्ष को कटवा देना।



उपाय (विवाह पश्चात् भी किए जा सकते हैं)

- केसरिया गणपति अपने पूजा गृह में रखें एवं रोज उनकी पूजा करें।
- हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- महामृत्युंजय का पाठ करें।



उपाय (ये लालकिताब आधारित उपाय हैं जोकि विवाह पश्चात् किए जा सकते हैं)

- चिड़ियों को कुछ मीठा खिलाएँ।
- घर पर हाथी-दांत रखें।
- बरगद के पेड़ की पूजा मीठे दूध से करें।

नोट: हमारा सुझाव है कि इन उपायों को करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह ले लें।

साढे साती रिपोर्ट

Pooja Sharma

नाम

23 : 8 : 1979

जन्म दिनांक

23 : 53 : 18

जन्म समय

Delhi

जन्म स्थान

लिंग

स्त्री

प्रतिपद

तिथि

नक्षत्र

पू०फाल्गुनी

सिंह

राशि

क्रम संख्या	साढे साती/पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
1	साढे साती	सिंह	सितंबर 07, 1977	नवंबर 03, 1979	शिखर
2	साढे साती	कन्या	नवंबर 04, 1979	मार्च 14, 1980	अस्त
3	साढे साती	सिंह	मार्च 15, 1980	जुलाई 26, 1980	शिखर
4	साढे साती	कन्या	जुलाई 27, 1980	अक्टूबर 05, 1982	अस्त
5	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 21, 1984	मई 31, 1985	
6	छोटी पनौती	वृश्चिक	सितंबर 17, 1985	दिसम्बर 16, 1987	
7	छोटी पनौती	मीन	जून 02, 1995	अगस्त 09, 1995	
8	छोटी पनौती	मीन	फ़रवरी 17, 1996	अप्रैल 17, 1998	
9	साढे साती	कर्क	सितंबर 06, 2004	जनवरी 13, 2005	उदय
10	साढे साती	कर्क	मई 26, 2005	अक्टूबर 31, 2006	उदय
11	साढे साती	सिंह	नवंबर 01, 2006	जनवरी 10, 2007	शिखर
12	साढे साती	कर्क	जनवरी 11, 2007	जुलाई 15, 2007	उदय
13	साढे साती	सिंह	जुलाई 16, 2007	सितंबर 09, 2009	शिखर
14	साढे साती	कन्या	सितंबर 10, 2009	नवंबर 14, 2011	अस्त
15	साढे साती	कन्या	मई 16, 2012	अगस्त 03, 2012	अस्त
16	छोटी पनौती	वृश्चिक	नवंबर 03, 2014	जनवरी 26, 2017	
17	छोटी पनौती	वृश्चिक	जून 21, 2017	अक्टूबर 26, 2017	

क्रम संख्या	साढ़े साती/पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
18	छोटी पनौती	मीन	मार्च 30, 2025	जून 02, 2027	
19	छोटी पनौती	मीन	अक्टूबर 20, 2027	फ़रवरी 23, 2028	
20	साढ़े साती	कर्क	जुलाई 13, 2034	अगस्त 27, 2036	उदय
21	साढ़े साती	सिंह	अगस्त 28, 2036	अक्टूबर 22, 2038	शिखर
22	साढ़े साती	कन्या	अक्टूबर 23, 2038	अप्रैल 05, 2039	अस्त
23	साढ़े साती	सिंह	अप्रैल 06, 2039	जुलाई 12, 2039	शिखर
24	साढ़े साती	कन्या	जुलाई 13, 2039	जनवरी 27, 2041	अस्त
25	साढ़े साती	कन्या	फ़रवरी 06, 2041	सितंबर 25, 2041	अस्त
26	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 12, 2043	जून 22, 2044	
27	छोटी पनौती	वृश्चिक	अगस्त 30, 2044	दिसम्बर 07, 2046	
28	छोटी पनौती	मीन	मई 15, 2054	सितंबर 01, 2054	
29	छोटी पनौती	मीन	फ़रवरी 06, 2055	अप्रैल 06, 2057	
30	साढ़े साती	कर्क	अगस्त 24, 2063	फ़रवरी 05, 2064	उदय
31	साढ़े साती	कर्क	मई 10, 2064	अक्टूबर 12, 2065	उदय
32	साढ़े साती	सिंह	अक्टूबर 13, 2065	फ़रवरी 03, 2066	शिखर
33	साढ़े साती	कर्क	फ़रवरी 04, 2066	जुलाई 02, 2066	उदय
34	साढ़े साती	सिंह	जुलाई 03, 2066	अगस्त 29, 2068	शिखर
35	साढ़े साती	कन्या	अगस्त 30, 2068	नवंबर 04, 2070	अस्त
36	छोटी पनौती	वृश्चिक	फ़रवरी 06, 2073	मार्च 30, 2073	
37	छोटी पनौती	वृश्चिक	अक्टूबर 24, 2073	जनवरी 16, 2076	
38	छोटी पनौती	वृश्चिक	जुलाई 11, 2076	अक्टूबर 11, 2076	
39	छोटी पनौती	मीन	मार्च 20, 2084	मई 21, 2086	
40	छोटी पनौती	मीन	नवंबर 10, 2086	फ़रवरी 07, 2087	
41	साढ़े साती	कर्क	जुलाई 03, 2093	अगस्त 18, 2095	उदय
42	साढ़े साती	सिंह	अगस्त 19, 2095	अक्टूबर 11, 2097	शिखर
43	साढ़े साती	कन्या	अक्टूबर 12, 2097	मई 02, 2098	अस्त
44	साढ़े साती	सिंह	मई 03, 2098	जून 19, 2098	शिखर

शनि साढ़े साती: उदय चरण

यह शनि साढ़े साती का आरम्भिक दौर है। इस दौरान शनि चन्द्र से बारहवें भाव में स्थित होगा। आम तौर पर यह आर्थिक हानि, छुपे हुए शत्रुओं से नुकसान, नुरुद्देश्य यात्रा, विवाद और निर्धनता को दर्शाता है। इस कालखण्ड में आपको गुप्त शत्रुओं द्वारा पैदा की हुई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से संबंध अच्छे नहीं रहेंगे और वे आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ खड़ी कर सकते हैं। घरेलू मामलों में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते तनाव और दबाव की स्थिति पैदा होगी। आपको अपने खर्चों पर नियन्त्रण करने की आवश्यकता है, अन्यथा आप अधिक बड़े आर्थिक संकट में फँस सकते हैं। इस दौरान लम्बी दूरी की यात्राएँ फलदायी नहीं रहेंगी। शनि का स्वभाव विलम्ब और तनाव पैदा करने का है। हालाँकि अन्ततः आपको परिणाम ज़रूर मिलेगा। इसलिए धैर्य रखें और सही समय की प्रतीक्षा करें। इस दौर को सीखने का समय समझें और कड़ी मेहनत करें, परिस्थितियाँ स्वतः सही होती चली जाएंगी। इस समय व्यवसाय में कोई भी बड़ा खतरा या चुनौती न मोल लें।

शनि साढ़े साती: शिखर चरण

यह शनि साढ़े साती का चरम है। प्रायः यह दौर सबसे मुश्किल होता है। इस समय चन्द्र पर गोचर करता हुआ शनि स्वास्थ्य-संबंधी समस्या, चरित्र-हनन की कोशिश, रिश्तों में दरार, मानसिक अशान्ति और दुःख की ओर संकेत करता है। इस दौरान आप सफलता पाने में कठिनाई महसूस करेंगे। आपको अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम नहीं मिलेगा और खुद को बंधा हुआ अनुभव करेंगे। आपकी सेहत और प्रतिरक्षा-तन्त्र पर्याप्त सशक्त नहीं होंगे। क्योंकि पहला भाव स्वास्थ्य को दर्शाता है इसलिए आपको नियमित व्यायाम और अपनी सेहत का खास खयाल रखने की ज़रूरत है, नहीं तो आप संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। साथ ही आपको मानसिक अवसाद और अज्ञात भय या फ़ोबिया आदि का सामना भी करना पड़ सकता है। संभव है कि इस काल-खण्ड में आपकी सोच, कार्य और निर्णय करने की क्षमता में स्पष्टता का अभाव रहे। संतोषपूर्वक परिस्थितियों को स्वीकार करना और मूलभूत काम ठीक तरह से करना आपको इस संकट की घड़ी से निकाल सकता है।

शनि साढ़े साती: अस्त चरण

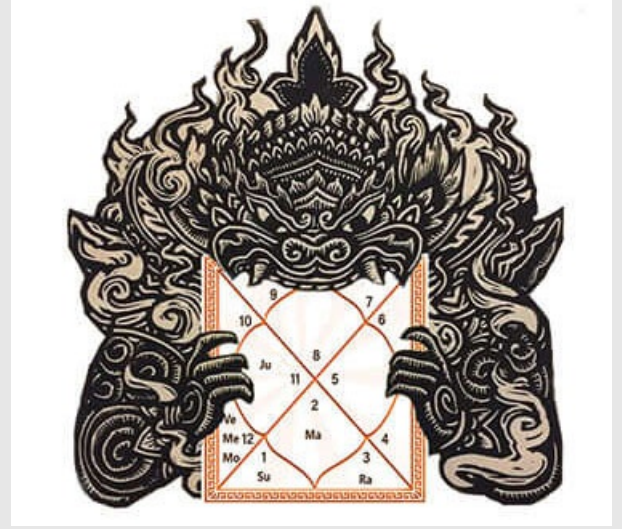
यह शनि साढ़े साती का अन्तिम चरण है। इस समय शनि चन्द्र से दूसरे भाव में गोचर कर रहा होगा, जो व्यक्तिगत और वित्तीय मोर्चे पर कठिनाइयों को इंगित करता है। साढ़े साती के दो मुश्किल चरणों से गुजरने के बाद आप कुछ राहत महसूस करने लगेंगे। फिर भी इस दौरान गलतफहमी आर्थिक दबाव देखा जा सकता है। व्यय में वृद्धि होगी और आपको इसपर लगाम लगाने की अब भी ज़रूरत है। अचानक हुई आर्थिक हानि और चोरी की संभावना को भी इस दौरान नहीं नकारा जा सकता है। आपकी सोच नकारात्मक हो सकती है। आपको उत्साह के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। आपको व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो बड़ी परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई-लिखाई पर थोड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उन्हें पिछले स्तर पर बने रहने के लिए अधिक परिश्रम की ज़रूरत होगी। परिणाम धीरे-धीरे और प्रायः हमेशा विलम्ब से प्राप्त होंगे। यह काल-खण्ड खतरे को भी दर्शाता है, अतः गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी अपेक्षित है। यदि संभव हो तो मांसाहार और मदिरापान से दूर रहकर शनि को प्रसन्न रखें। यदि आप समझदारी से काम लेंगे, तो घरेलू व आर्थिक मामलों में आने वाली परेशानियों को भली-भांति हल करने में सफल रहेंगे।

नोट: उपर्युक्त भविष्यवाणियाँ सामान्य प्रकृति की हैं और आम धारणाओं पर आधारित हैं, जिसके अनुसार साढ़े साती अनिष्टकारक होती है। किन्तु हमारे अनुभव के अनुसार प्रत्येक स्थिति में ऐसा नहीं होता है और हम पाठकों से यह आलेख पढ़ने का अनुरोध करते हैं। सिर्फ साढ़े साती के आधार पर कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है और उसके गलत होने की काफ़ी संभावना रहती है। साढ़े साती की अवधि अच्छी रहेगी या बुरी, यह तय करने से पहले कुछ अन्य चीज़ों जैसे वर्तमान में चल रही दशा और शनि के स्वभाव आदि के विश्लेषण की भी आवश्यकता होती है। आपको सलाह दी जाती है कि उपर्युक्त फलकथन को अति गंभीरता से न लें और यदि आपके मन में कुछ शंका है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें।

कालसर्प दोष / योग - कालसर्प उपाय

कालसर्प योग उपस्थित नहीं है।

प्रचलित परिभाषा के अनुसार जब जन्म कुंडली में सम्पूर्ण ग्रह राहु और केतु ग्रह के बीच स्थित हों तो ऐसी स्थिति को ज्योतिषी कालसर्प दोष का नाम देते हैं। वर्तमान में इस दोष की चर्चा ज्योतिषियों के मध्य जोरों पर है। किसी भी जातक के जीवन में कोई भी परेशानी हो और उसकी कुण्डली में यह योग या दोष हो तो अन्य पहलुओं का परीक्षण किए बगैर बहुधा ज्योतिषी यह निष्कर्ष सुना देते हैं कि संबंधित जातक पर आने वाली उक्त प्रकार की परेशानियां कालसर्प योग के कारण हो रही हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि यदि कुण्डली में अन्य ग्रहों की स्थितियां ठीक हों तो अकेला कालसर्प दोष नुकसानदायी नहीं होता। बल्कि वह अन्य ग्रहों के शुभफलदायी होने पर यह दोष योग की तरह काम करता है और उन्नति में सहायक होता है। वहीं अन्य ग्रहों के अशुभफलदायी होने पर यह अशुभफलों में वृद्धि करता है। अतः मात्र कालसर्प दोष का नाम सुनकर भयभीत होना ठीक नहीं है बल्कि इसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उससे मिलने वाले प्रभावों और दुष्प्रभावों की जानकारी लेकर उचित उपाय करना श्रेयष्कर होगा। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योग का असर अलग-अलग जातकों पर अलग-अलग प्रकार से देखने को मिलता है। क्योंकि इसका असर किस भाव में कौन सी राशि स्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है, इन विन्दुओं के आधार पर पड़ता है। साथ ही कालसर्प दोष या योग किन्-किन् भावों के मध्य बन रहा है, इसके अनुसार भी इस दोष/योग का असर पड़ता है। भाव स्थिति के अनुसार इस योग या दोष को बारह प्रकार का माना गया है।



कालसर्प



अनुपस्थित

कालसर्प नाम



अनुपलब्ध

विंशोत्तरी महादशा फल



शुक्र (जन्म - दिसम्बर 5, 1992)

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

शत्रु राशि
संबंध

मथा
नक्षत्र

यह समय बड़े आराम से कटेगा। प्रतिष्ठा पद वृद्धि होगी और आमदनी भी बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। नफे का सौदा होगा। परिवार में एक प्रकार का सम्मेलन होगा जिसमें सब लोग इकट्ठे होंगे। यात्राओं से भी अच्छे समाचार मिलेंगे। विरोधी नुकसान नहीं पहुंचा पायेंगे। परिवार में सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी की संभावना है। प्रयत्नों में सफलता मिलेगी। आपकी माता आपको पूरा सहयोग देंगी। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।



सूर्य (दिसम्बर 5, 1992 - दिसम्बर 5, 1998)

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

स्व-राशि
संबंध

मथा
नक्षत्र

इस अवधि में आपको मेहनत करनी पड़ेगी जो आप कर नहीं पायेंगे। लगातार किया गया कड़ा परिश्रम थका भी शीघ्र देगा और कार्य क्षमता भी कम हो जायेगी। बुरे कार्यों में प्रवृत्ति रहने की आपकी चेष्टा रहेगी। मां बाप का बुरा स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा। कार या कोईवाहन बहुत तेजी से न चलाएं।



चंद्र (दिसम्बर 5, 1998 - दिसम्बर 5, 2008)

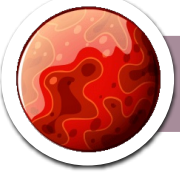
चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

मित्र राशि
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

यह बहुत अच्छा समय है। आप सुखी और विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। विलास सामग्री पर भी खर्च करेंगे। मां बाप से संबंध बहुत मधुर रहेंगे। अगर नौकरी करते हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। शत्रुओं पर विजय पायेंगे। आमदनी में काफी इजाफा होगा।



मंगल (दिसम्बर 5, 2008 - दिसम्बर 5, 2015)

द्वितीय
भाव

मिथुन
राशि

शत्रु राशि
संबंध

आद्रा
नक्षत्र

आर्थिक लाभ के लिये यह समय अच्छा नहीं है। परिवार के सदस्यों के कारण तनाव पैदा हो सकते हैं। छोटी छोटी बातों पर भी झगड़े हो सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें वरना परेशानी भुगतेंगे। अवांछित लोगों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। व्यापार में घाटे या चोरी के कारण आर्थिक हानि होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



राहु (दिसम्बर 5, 2015 - दिसम्बर 5, 2033)

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

अनुपलब्ध
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

प्रयासों में असफलता मिलने के कारण मानसिक वेदना बढ़ेगी। मालिकों, वरिष्ठ अधिकारियों के रोष के भाजन होंगे। पारिवारिक वातावरण भी सौहार्दपूर्ण नहीं रहेगा। यात्राएं कष्ट दायक हो सकती हैं। मां बाप से निबाह मुश्किल प्रतीत होगा। अवांछित साधनों से शीघ्र पैसा कमाने का प्रयत्न न करें। नौकरी या काम के हालात संतोषप्रद नहीं साबित होंगे। मित्रों और सहयोगियों से झगड़ें हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी रहेगी। अपना हर काम सलीके से करने का प्रयत्न करें। दुर्घटना होने की भी संभावना रहेगी। विपरीत परिस्थितियों को बुद्धिमता से झेलने का विश्वास अपने अन्दर पैदा करें क्योंकि इसकी काफी जरूरत पेश आयेगी।



गुरु (दिसम्बर 5, 2033 - दिसम्बर 5, 2049)

तृतीय
भाव

कर्क
राशि

उच्च राशि
संबंध

आश्लेषा
नक्षत्र

इस अवधि में आपके क्रियाकलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिये आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगे। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्त करेंगे। छोटे मोटे रोगों के उभरने की भी संभावना है।



शनि (दिसम्बर 5, 2049 - दिसम्बर 5, 2068)

चतुर्थ
भाव

सिंह
राशि

शत्रु राशि
संबंध

पू०फाल्गुनी
नक्षत्र

आप पर ऐसी बातों के झुठे इल्जाम लगाए जा सकते हैं जिनमें आपका सहयोग नगण्य रहा हो। पारिवारिक सुख का भी अभाव रहेगा। प्रयासों में असफलता अवसाद पैदा कर देगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर कोई लंबी बीमारी भोग रहे हैं तो पूरे परहेज से रहें। आपके विरोधी आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे। बहसों में न उलझें तो ठीक रहेगा। सांसारिक सुखों के लिहाज से यह समय अच्छा नहीं है फिर भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में लगे रहने से कुछ राहत महसूस होगी।



बुध (दिसम्बर 5, 2068 - दिसम्बर 5, 2085)

तृतीय
भाव

कर्क
राशि

शत्रु राशि
संबंध

आश्लेषा
नक्षत्र

आपकी मेहनत रंग लायेगी। छोटी यात्राएं अच्छा फल प्रदान करेंगी। विदेश स्थलों से अच्छी खबर मिलेगी। भाई बहिनों से सहायता मिलेगी। नये लोगों से सम्पर्क आपके सौभाग्य के कारण बढ़ेंगे और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अगर आप प्रकाशन या ऐजेन्सी के काम से सम्बंधित हैं तो शुभ परिणाम सामने आयेंगे। आपमें कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकट करने की क्षमता होगी तथा भावनात्मक अभिनय की सहज प्रतिभा रहेगी।



केतु (दिसम्बर 5, 2085 - दिसम्बर 5, 2092)

दशम
भाव

कुंभ
राशि

अनुपलब्ध
संबंध

शतभिषा
नक्षत्र

आप परिणामों के प्रति बहुत अधिक आशावादी रहेंगे। फिर भी व्यापार वृद्धि की संभावनाएं अच्छी रहेंगी। महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सम्पर्कों में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरी के हालात में सुधार होगा। बार बार यात्रा करने की संभावना रहेगी। आपका मष्तिष्क नये परिवर्तन लाने और नये सृजन करने की विचार धाराओं से अभिभूत रहेगा। लेकिन इनका मूर्त रूप देने से पहले नये परिवर्तनों की अच्छाई और बुराई का अच्छी तरह विश्लेषण करें। वैसे घर के मामलों आपके ध्यान की काफी मांग करेंगे। परिवारजनों की बीमारियां मानसिक रूप से आपको काफी चिन्ताग्रस्त रख सकती हैं।

अंतर्दशा फल

वैदिक ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की जन्म कुंडली में उपस्थित ग्रह अनेक रूपों में प्रभाव डालते हैं। कुंडली में बनने वाले अच्छे अथवा बुरे योगों का फल विभिन्न ग्रहों की अवधि में प्राप्त होता है। इसी कारण वैदिक ज्योतिष में ग्रहों को दशा समय के विभिन्न गणनाओं के आधार पर एक सीमा में बांधा गया है। यहाँ विंशोत्तरी दशा पद्धति के आधार पर गणना की गई है। जन्म के समय चंद्रमा द्वारा अधिष्ठित नक्षत्र के स्वामी की दशा जन्म के समय प्राप्त होती है और अन्य ग्रहों की दशाएँ उसके आगे अपना प्रभाव छोड़ती जाती है। प्रत्येक ग्रह की महादशा में सभी ग्रहों की अंतर्दशाएँ (भुक्ति) आती हैं। हालाँकि पूर्ण प्रभाव का अनुभव जन्म कुंडली के साथ-साथ दशा तथा गोचर पर निर्भर करता है जिसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है जो कि एक विद्वान, दैवज्ञ (ज्योतिषी) द्वारा ही संभव है। आपकी कुंडली में विभिन्न दशाओं की दशावधि निम्नलिखित है:

राहु महादशा

राहु की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल



गुरु अंतर्दशा

17/ 8/2018-11/ 1/2021



शनि अंतर्दशा

11/ 1/2021-17/11/2023



बुध अंतर्दशा

17/11/2023-5/ 6/2026



केतु अंतर्दशा

5/ 6/2026-23/ 6/2027



शुक्र अंतर्दशा

23/ 6/2027-23/ 6/2030



सूर्य अंतर्दशा

23/ 6/2030-17/ 5/2031



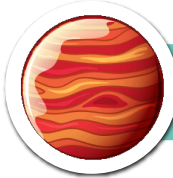
चंद्र अंतर्दशा

17/ 5/2031-17/11/2032



मंगल अंतर्दशा

17/11/2032-5/12/2033



गुरु अंतर्दशा

राहु की महादशा के दौरान बृहस्पति की अंतर्दशा 2 वर्ष 4 माह और 24 दिन की होगी। राहु और बृहस्पति परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु एक क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आपकी सेहत अच्छी रहेगी, साथ ही अगर कोई पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। आप अपने शत्रु और विरोधियों पर हावी रहेंगे। उच्च संस्था से लाभ मिलने की संभावना है। आपको मौद्रिक लाभ की प्राप्ति होगी, साथ ही घर में बच्चे का जन्म होने की संभावना है।

इसके अलावा घर पर कोई धार्मिक और मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। भक्ति और आध्यात्मिकता की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा। आप रहस्यमयी विद्या के बारे में सीखना और जानना चाहेंगे। अचानक धन हानि, विवाद और अड़चन पैदा होने की संभावना है। आपके अंदर या तो धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी या फिर

वैचारिक रूप से समृद्ध होंगे। इस दशा के दौरान आपकी दिमागी क्षमता व ज्ञान बढ़ेगा और आप विभिन्न विषयों पर लोगों के बीच बोलने में समर्थ होंगे।



शनि अंतर्दशा

राहु की महादशा के बीच शनि की अंतर्दशा 2 वर्ष 10 माह और 6 दिन की होगी। राहु और शनि दोनों मित्र ग्रह हैं लेकिन दोनों क्रूर ग्रह के नाम से जाने जाते हैं। शनि स्वभाविक रूप से मंद है जबकि राहु में तेजी का भाव है इसलिए इन दोनों ग्रहों के विपरीत प्रभाव का असर मानव जीवन पर पड़ता है।

इस अवधि में मानसिक तनाव बढ़ेगा और आपकी ऊर्जा का उपयोग विपरीत दिशा में होगा। इस वजह से आपकी निर्णय लेने की क्षमता पर असर पड़ेगा। भाई-बहन, प्रियजन व मित्रों को कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कुछ समय के लिए आपको उनसे दूर भी रहना पड़ सकता है। विदेश जाने या फिर वर्तमान स्थान से दूर जाने की संभावना है।

इसके अलावा कार्य स्थल पर आपका कद घट सकता है इसलिए काम से जुड़ी हर छोटी से छोटी बातों पर ध्यान दें और एकाग्रता के साथ बेहतर प्रयास करें। शरीर में पित्त संबंधी परेशानी हो सकती है। इस समय अवधि में मानसिक अस्थिरता रहेगी इसलिए संयम के साथ काम लें और अतीत को भूलकर कड़ी मेहनत करें।



बुध अंतर्दशा

राहु की महादशा के बीच बुध की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 6 माह और 18 दिन की होगी। राहु और बुध परस्पर पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आप सुखद परिणाम की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में आपकी दिमागी क्षमता और बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि होगी। आप अपनी बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता की जहां आवश्यकता होगी वहां बेहतर उपयोग करेंगे। आप भाई-बहनों और मित्रों का साथ पाकर खुश होंगे। सामाजिक जीवन में मेलजोल बढ़ेगा और आप अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए घर से बाहर रहेंगे। आपके जीवन में किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है।

इसके अलावा आप धन का संचय करने में सफल होंगे। आपको कई साधनों से आय और वृद्धि मिलेगी और पूंजी का आवागमन सामान्य रूप से चलता रहेगा। आपके नाम को नई पहचान मिलेगी और प्रसिद्धि बढ़ेगी। दिमागी कार्य अधिक करने से थकावट महसूस होगी।



केतु अंतर्दशा

राहु की महादशा के दौरान केतु की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष और 18 दिन की होगी। राहु और केतु दोनों ही क्रूर ग्रह हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको सावधान रहने के साथ-साथ कुछ चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

इस अवधि में धन हानि और आय में गिरावट हो सकती है। वित्तीय स्थिति में गिरावट होने की संभावना है। ऐसे किसी कार्य या षडयंत्र से दूर रहने की कोशिश करें, जिसकी वजह से समाज में आपकी मानहानि हो जाये। अगर बच्चे हैं तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशान हो सकती है इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

इसके अलावा यदि आपके पास गाय, बैल है तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। विरोधी आप पर हावी रहेंगे। चोरी या आगजनी की घटना का भय बना रहेगा। इस समय अवधि में आप दुर्घटना, शल्य क्रिया, बुखार या पित्त संबंधी परेशानी से पीड़ित रह सकते हैं। दूषित भोजन का सेवन करने से बचें क्योंकि यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

शुक्र अंतर्दशा

राहु की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 3 वर्ष की होगी। शुक्र ग्रह सुंदरता, भौतिक सुख-साधन और इच्छा का कारक कहा जाता है जबकि राहु तीव्र और बड़े परिवर्तन का कारक है। इन दोनों ग्रहों के संयोग से मनुष्य की आशा-आकांक्षा में वृद्धि होती और और कम समय में उन्हें पाने की लालसा रहती है। इस दशा अवधि में आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे लेकिन इनमें ज्यादातर सुखद होंगे।

इस अवधि में आपके अंदर कामुक विचारों की वृद्धि होगी। आपके मन में कामुक क्रियाओं में लिस रहने की लालसा रहेगी। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं, भौतिक सुख-सुविधा की प्राप्ति और विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और आपको कई माध्यमों से लाभ की प्राप्ति होगी। सरकार की ओर से लाभ प्राप्ति की संभावना है। यदि विवाहित हैं तो किसी नए रिश्ते की संभावना है, इसलिए इस तरह के रिश्तों से दूर रहें और अपने वैवाहिक जीवन का आनंद लें। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको किसी का साथ मिलेगा, नए प्रेम प्रसंग बनेंगे। इस दौरान आपकी लव मैरिज भी हो सकती है।

इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी विकार परेशान कर सकते हैं, विरोधी आप पर हावी रहेंगे और परिजनों से विवाद की संभावना है। इस अवधि में आप बड़ी व क्रांतिकारी सोच रखेंगे, इस वजह से आप कई मामलों में परिवार की सोच के विरुद्ध भी जा सकते हैं। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको लाभ होगा और भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

सूर्य अंतर्दशा

राहु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 10 महीने और 24 दिन की होगी। राहु और सूर्य एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यतः इस दशा में राहु अशुभ परिणाम देता है लेकिन कभी-कभी यह दशा मनुष्य का जीवन संवार देती है।

इस अवधि में आप धार्मिक और पवित्र कार्यों में अत्याधिक रूचि दिखाएंगे। आप पहले की तुलना में अधिक उदारवादी और धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे। विवाद और अन्य प्रकरणों में आपकी विजय एक विजेता के रूप में होगी। हालांकि आपके विरोधी भी शक्तिशाली होंगे और वे आपको परास्त करने की कोशिश कर सकते हैं। इस दशा अवधि में दूषित भोजन, आग और हथियारों से दूर रहें।

इसके अलावा आप संक्रामक रोग की चपेट में आ सकते हैं। आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या किसी वजह से आपको अपने वर्तमान निवास स्थान से दूर जाकर रहना पड़ सकता है। बुखार और अतिसार से पीड़ित रह सकते हैं। किसी कानूनी मामले में ना पड़े और दखल देने से बचें। क्योंकि यह आपकी मानहानि का कारण बन सकता है, साथ ही आपको इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें।



चंद्र अंतर्दशा

राहु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष 6 माह की होगी। चंद्रमा और राहु एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यतः राहु की अंतर्दशा में अशुभ फल मिलता है लेकिन कभी-कभी यह मनुष्य को बहुत लाभ पहुंचाती है।

इस अवधि में राहु का प्रभाव आपके मन-मस्तिष्क पर हावी रहेगा। आप मानसिक तनाव से परेशान रह सकते हैं या फिर किसी बात को लेकर आप बेहद महत्वकांक्षी रह सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे और धन का आवागमन बढ़ सकता है। इस अवधि में आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी उठाएंगे। मानसिक तनाव को दूर करने के लिए प्राणायाम आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इसके अलावा इस अवधि में परिजनों के साथ विवाद हो सकता है और जल से भय रहेगा। आपको किसी न्यायिक प्रकरण का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहने की कोशिश करें और अपने प्रियजन का ख्याल रखें। यदि मानसिक शांति प्राप्त करने में सफल रहे तो आप भौतिक सुख-साधनों का आनंद लेंगे।



मंगल अंतर्दशा

राहु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 1 वर्ष 18 दिन की होगी। राहु और मंगल परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं, इसलिए इस दशा की अवधि में मतभेद होने की संभावना है।

इस अवधि में आपको कुछ मतभेद और विवादों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आपको साहस के साथ इन सभी चुनौतियों का सामना करना चाहिए। मानसिक तनाव होने से बेचैनी बढ़ेगी, जो आपके

चेहरे पर साफ देखने को मिलेगी। इसलिए अपने प्रियजनों के साथ विवाद करने से बचें और आपसी सद्भाव बनाए रखें।

इसके अलावा नौकरी में परिवर्तन और कार्य स्थल पर पदोन्नति की संभावना है। इस अवधि में राहु और मंगल का संयोग आपको प्रभावित करेगा। इसका असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है इसलिए स्वास्थ्य पर ध्यान दें, साथ ही यदि विवाहित हैं तो जीवन साथी और बच्चों की सेहत पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है।

गुरु महादशा

गुरु की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल



गुरु अंतर्दशा

5/12/2033-23/ 1/2036



शनि अंतर्दशा

23/ 1/2036-5/ 8/2038



बुध अंतर्दशा

5/ 8/2038-11/11/2040



केतु अंतर्दशा

11/11/2040-17/10/2041



शुक्र अंतर्दशा

17/10/2041-17/ 6/2044



सूर्य अंतर्दशा

17/ 6/2044-5/ 4/2045



चंद्र अंतर्दशा

5/ 4/2045-5/ 8/2046



मंगल अंतर्दशा

5/ 8/2046-11/ 7/2047



राहु अंतर्दशा

11/ 7/2047-5/12/2049



गुरु अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 1 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति को ज्ञान, प्रगति, भाग्य, विश्वास, प्रसिद्धि, कानून और बच्चों आदि का कारक कहा जाता है। महिला जातकों के लिए बृहस्पति विवाह का कारक भी होता है। यह शरीर में वसा को नियंत्रित करता है।

इस अवधि में आपके जीवन पर बृहस्पति का व्यापक प्रभाव रहेगा। सरकार और उच्च संस्थाओं से लाभ प्राप्ति की संभावना है। आपकी योजना और काम सफल होंगे। आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होंगे, जो भविष्य में आपको उन्नति और सफलता की ओर लेकर जाएंगे। अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं या कुछ सीख रहे हैं, तो इस अवधि में आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। साथ ही कुछ नया सीखने को लेकर आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। ज्ञान प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होगी, साथ ही आपको स्कॉलर्स और बुद्धिजीवी व्यक्तियों का साथ मिलेगा।

यदि विवाहित और घर परिवार वाले हैं तो धन लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य आपका हर कदम पर साथ देगा और आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। उदारवादी और दानी प्रवृत्ति होने से धार्मिक कार्यों में शामिल होने की ओर झुकाव बढ़ेगा।



शनि अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में शनि की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 6 माह और 12 दिन की होगी। बृहस्पति और शनि परस्पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त हो सकते

हैं।

इस अवधि में आप दान-धर्म या सामाजिक कार्यों में अधिक रुचि लेंगे। आपके अंदर दूसरों की मदद करने की भावना रहेगी। वहीं दूसरी ओर आप उन्मादी हो सकते हैं और किसी रिश्ते में लिप्त रह सकते हैं हालांकि यह रिश्ता आपके लिए अच्छा साबित नहीं होगा। धन हानि और स्वास्थ्य में गिरावट की संभावना है। आप एकजुट होकर रहना पसंद करेंगे। यदि परिस्थितियां आपके विपरीत हुईं तो आप बेचैन हो जाएंगे और दूसरों से ईर्ष्या की भावना रख सकते हैं।

इसके अलावा मानसिक तनाव आप पर हावी रहेगा। अगर आपके बच्चे हैं, तो वे आर्थिक नुकसान की वजह बन सकते हैं। इस अवधि में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से बचें और उसे कुछ समय के लिए टाल दें। यदि आप आध्यात्मिक चिंतन-मनन कर रहे हैं तो इस समय अवधि में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे, साथ ही धर्म और आध्यात्म से जुड़े कामों में अधिक सक्रिय होंगे।

बुध अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में बुध की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 3 माह और 6 दिन की होगी। बृहस्पति और बुध दोनों शुभ ग्रह हैं। हालांकि ये दोनों ग्रह परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे लेकिन ज्यादातर समय परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

इस अवधि में आप अपने व्यापार और व्यवसाय में लाभ कमाने में सफल होंगे। यदि आप सरकारी कर्मचारी व अधिकारी हैं तो आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है, साथ ही उच्च अधिकारी आपके पक्ष में रहेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और इसके फलस्वरूप आपके बौद्धिक स्तर व ज्ञान में वृद्धि होगी। इस अवधि में आप ईश्वर की आराधना में लीन रहेंगे व तीर्थ दर्शन के लिए भी जा सकते हैं।

इसके अलावा इस अवधि में आप नया वाहन खरीद सकते हैं। यदि आपके बच्चे हैं तो आप उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और वे आपको मुस्कुराने की कई वजह देंगे। आप आंतरिक शांति महसूस करेंगे साथ ही पारिवारिक सद्भाव भी बना रहेगा। इस समय अवधि में आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी होंगे साथ ही विदेश जाने की प्रबल संभावना होगी।

केतु अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में केतु की अंतर्दशा लगभग 11 महीने 6 दिन की होगी। बृहस्पति और केतु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति शुभ ग्रह है जबकि केतु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आप स्वयं को धार्मिक कार्यों में व्यस्त रखेंगे और तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए अधिक उत्साहित रहेंगे। कई माध्यमों से आपको लाभ प्राप्त होगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। गुरु,

शिक्षक, परिवार के बड़े सदस्य और कार्य स्थल पर अधिकारियों के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं।

इसके अलावा शस्त्र और क्रोध को लेकर सावधान रहें। कार्य स्थल पर सेवक या अधीनस्थ कर्मचारियों से आपके संबंध बेहतर रहने की संभावना कम है, हो सकता है कि आपका उनसे विवाद जाए इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें। मानसिक तनाव अधिक होने से आपकी निर्णयन क्षमता प्रभावित होगी।

शुक्र अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष और 8 माह की होगी। बृहस्पति और शुक्र दोनों ही शुभ ग्रह हैं लेकिन बृहस्पति शुक्र को अपना शत्रु मानता है जबकि शुक्र बृहस्पति के प्रति सामान्य भाव रखता है। इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के साथ-साथ लाभ की प्राप्ति होगी। कार्य स्थल पर पदोन्नति और वेतन बढ़ोतरी की संभावना है। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं साथ ही सरकारी पक्ष से लाभ की संभावना है। वहीं दूसरी ओर स्त्री/पुरुष से मतभेद हो सकते हैं। दूसरों के प्रति आपके मन में ईर्ष्या की भावना हो सकती है। आपके अंदर दिखावा करने की आदत बढ़ेगी।

इसके अलावा आपका अपने मित्रों के साथ अलगाव हो सकता है। आप वायु विकार और खुजली से परेशान रह सकते हैं। गलत कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ सकता है। आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको आनंद की प्राप्ति भी होगी और कुछ मतभेद भी हो सकते हैं।

सूर्य अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 9 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति व सूर्य दोनों मित्र ग्रह हैं और परस्पर एक-दूसरे से अच्छे संबंध रखते हैं। सूर्य नवग्रहों का राजा है और बृहस्पति उसका मंत्री है, इसलिए इस दशा की अवधि में आपको बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

अगर आप विवाहित हैं तो इस अवधि में बच्चे के जन्म से आपको प्रसन्नता होगी। आर्थिक लाभ होगा और आय में वृद्धि होगी। सामाजिक और व्यवसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर आपको प्रशासनिक अधिकार या पदोन्नति मिलने की संभावना है। आप विरोधियों पर इस कदर हावी रहेंगे कि वे आपका सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। आप स्वयं को अंदर से प्रसन्न और प्रफुल्लित महसूस करेंगे साथ ही आपके चारों ओर खुशी का वातावरण रहेगा।

इसके अलावा आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और यदि कोई पुरानी बीमारी से परेशान हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। सरकार या उच्च अधिकारी आपके पक्ष में खड़े रहेंगे। आपको इनके माध्यम से सम्मान

की प्राप्ति भी हो सकती है। इस अवधि में आपको किसी कार्य के लिए प्रशंसा भी मिल सकती है।



चंद्र अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा लगभग 1 वर्ष 4 माह की होगी। बृहस्पति चंद्रमा को अपना मित्र मानता है लेकिन चंद्रमा बृहस्पति से सामान्य भाव रखता है। दोनों शुभ ग्रह माने जाते हैं और इनके संयोग से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस अवधि में आपको लाभ की प्राप्ति होगी, विशेषकर सरकारी संस्थाओं से। यदि आप सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तो इस दशा के दौरान आपको कई शुभ फल की प्राप्ति होगी। महिलाओं की मदद से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे इसलिए महिलाओं से अच्छे संबंध बनाकर चलें। धन लाभ होने के साथ-साथ आपके अंदर ज्ञान की वृद्धि होगी और यह समय आपके जीवन का सबसे प्रगतिशील काल होगा।

अगर आप अविवाहित हैं तो इस समय अवधि में विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। आप अपनी योजनाओं को लागू करने में सक्षम होंगे और उसकी वजह से आपका उत्थान होगा। इसके फलस्वरूप आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।



मंगल अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 11 माह 6 दिन की होगी। बृहस्पति और मंगल दोनों मित्र ग्रह हैं और एक-दूसरे के साथ अच्छे संबंध रखते हैं। इस दशा की समय अवधि में आपको कई अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। मंगल एक क्रूर ग्रह है जबकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है इसलिए कुछ धीमे परिणाम भी मिल सकते हैं हालांकि कुल मिलाकर बृहस्पति और मंगल के प्रभाव से आपको मिश्रित फल की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप विरोधी और प्रतिद्वंदियों पर विजय पाने में सफल रहेंगे। उन लोगों में आपका सामना करने की हिम्मत नहीं होगी। आपके अच्छे कामों से समाज में आपको प्रसिद्धि और पहचान मिलेगी, लोग आपके अच्छे कार्यों से प्रभावित होंगे।

इसके अलावा स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है। आप बुखार और सिरदर्द से परेशान रह सकते हैं। यदि मंगल शुभ फल नहीं देता है तो आपके अंदर ऊर्जा की कमी बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर कानून से जुड़े मामलों में आपको सफलता मिल सकती है और सरकारी कार्यों से लाभ प्राप्त हो सकता है।



राहु अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में राहु की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष, 4 माह और 24 दिन की होगी। बृहस्पति और राहु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा में

आपको मंद परिणाम प्राप्त होंगे।

इस अवधि में पारिवारिक विवाद की संभावना है, साथ ही मानसिक बेचैनी बढ़ेगी। इस समय अवधि में आपकी निर्णयन क्षमता भी प्रभावित होगी। विरोधी आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। सरकारी पक्ष से लाभ नहीं मिलेगा। कानूनी विवाद से बचने की कोशिश करें।

इसके अलावा गलतफहमी की वजह से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है इसलिए बेवजह की बातों पर ध्यान नहीं दें।

शनि महादशा

शनि की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल



शनि अंतर्दशा

5/12/2049-8/12/2052



शनि अंतर्दशा

शनि की महादशा में शनि की अंतर्दशा 3 वर्ष और 3 दिन की होगी। शनि देव को परम दण्डाधिकारी कहा गया है। वे मनुष्य को उसके अच्छे और बुरे कर्म का फल देते हैं। शनि स्वभाव से न्याय और अनुशासन प्रिय है। शनि अनुशासन, बुढ़ापा, जिम्मेदारी, दीर्घायु, सेवक, सहयोगी, अलगाव, आध्यात्मिकता और गहराई आदि का कारक होता है। शनि वायु तत्व का ग्रह है।

इस अवधि में परिजन या प्रियजन से विवाद हो सकता है। पारिवारिक जीवन से अलगाव भी हो सकता है। स्वास्थ्य कमजोर रहने की संभावना है। स्वभाव में अहंकार और ईर्ष्या की भावना बढ़ सकती है। इस दौरान मन में निराशा का भाव भी रह सकता है, प्रियजनों से सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही सरकारी विभाग या उच्च अधिकारी आपके पक्ष में नहीं रहेंगे। छोटे-मोटे विवाद और बेचैनी आपके लिए कष्टकारी हो सकती है। सांसारिक जीवन से मोहभंग हो सकता है। आशा के अनुरूप परिणाम नहीं मिलेंगे। इस समय अवधि में आप एकांत में रहकर चिंतन-मनन करना अधिक पसंद करेंगे। कार्य क्षेत्र में आपको अत्याधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

आज का गोचर

नोट: इस रिपोर्ट में गोचर लग्न से देखा गया है।

सूर्य



दशम
भाव

कुंभ
राशि

शत्रु राशि
संबंध

शतभिषा
नक्षत्र

इस अवधि में आप बहुत क्रियाशील एवम् व्यस्त रहेंगे। व्यापार या नौकरी में सफलता प्राप्त करेंगे और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कृपाभाजन रहेंगे। यह समय आपकी कर्मठता का समय सिद्ध होगा। व्यापार के कारण सफलदायक यात्राएं करेंगे। सब लिहाज से यह समय काफी संतोषप्रद सिद्ध होगा। इस समय में आप अपनी सारी आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पा जायेंगे।

चंद्र



प्रथम
भाव

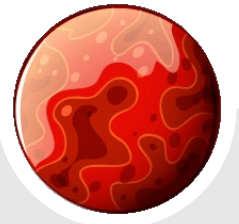
वृषभ
राशि

उच्च राशि
संबंध

कृत्तिका
नक्षत्र

इस अवधि में भी मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पायेंगे। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। मित्र, परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सर्तक रहें। यात्राएं सफलदायक नहीं होंगी इसलिये उनसे बचें। मां बाप का रूग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।

मंगल



द्वादश
भाव

मेष
राशि

स्व-राशि
संबंध

कृत्तिका
नक्षत्र

इस अवधि में आपको कई प्रतिकूल परिस्थितियों और परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और इस कारण दुख उठायेंगे। कुछ दुख इसलिये भी बढ़ेंगे कि आप झुकना नहीं जानते और अपने घमण्ड के कारण परिस्थितियों को और खराब करेंगे। स्वास्थ्य से भी परेशान रहेंगे। खर्चा बढ़ता ही जायेगा। यद्यपि साथी के स्वास्थ्य में सुधार के लक्षण दिखाई पड़ेंगे। परन्तु पूर्ण सुधार में समय लगेगा। आपकी मानसिक शांति भंग रहेगी।

बुध

नवम
भावमकर
राशिसम-राशि
संबंधश्रवण
नक्षत्र

प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा लेते हैं। प्रसिद्ध व्यक्तियों के आप सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और प्रतिष्ठा सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। अपनी बुद्धिमत्ता के कारण आप प्रचुर लाभ पायेंगे। अपने व्यवसाय में आप अच्छा काम करेंगे। यात्रा से निश्चित लाभ प्राप्त करेंगे।

गुरु

नवम
भावमकर
राशिनीच राशि
संबंधश्रवण
नक्षत्र

इस वर्ष यह अवधि आपके लिये सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होगी। आप प्रचुर सफलता और सम्मान प्राप्त करेंगे। इस अवधि का उपयोग आप मन को एकाग्र करने समाधि और योग क्रियाओं को करने के लिए भी कर सकते हैं। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र के किसी मुखिया से भी आपका सम्पर्क हो सकता है। अपने काम को पूरा करने के लिये आप में प्रचुर उत्साह और विश्वास रहेगा। परिवारिक माहौल से भी सहारा मिलेगा। लम्बी यात्रा सफलदायक सिद्ध होगी। परिवार में नये सदस्य की बढ़ोत्तरी होगी।

शुक्र

नवम
भावमकर
राशिमित्र राशि
संबंधधनिष्ठा
नक्षत्र

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनके कृपा भाजन रहेंगे। माता पिता और गुरुजनों से संबंध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिये सुखद एवम् अनुकूल रहेगा। आप के थोड़े प्रयत्न करने पर भी आपकी आमदनी बढ़ जायेगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो जैसी चाहेंगे वैसी ही होगी। आपका दिमाग धार्मिक क्रियाकलापों एवम् जीवन संबंधी उच्च दर्शन की ओर आकृष्ट रहेगा। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।

शनि

नवम
भावमकर
राशिस्व-राशि
संबंधश्रवण
नक्षत्र

इस अवधि के दौरान आप खूब खुश रहेंगे। आपके प्रयास अच्छे परिणाम देना शुरू कर देंगे। सरकारी अफसरों, वरिष्ठ लोगों एवं माता पिता से संबंध अति मधुर रहेंगे। एक लम्बी यात्रा बहुत फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। आपका मन अध्यात्म और जीवन के उच्च दर्शन की ओर मुड़ जाएगा। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। छोटी मोटी बीमारियां लगी रहेंगी।

राहु

प्रथम
भाववृषभ
राशिअनुपलब्ध
संबंधरोहिणी
नक्षत्र

उल्टी सीधी तरह से काम करने की आपकी प्रवृत्ति होगी। किसी भ्रम में न रहें। इस अवधि में आपको डर सताता रहेगा। आपके अपने लोग बार बार आपको धोखा देंगे। जल्दबाजी या हड़बड़ी से कोई फायदा नहीं होगा। स्त्री वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। शीघ्र पैसा बनाने के तरीकों पर अच्छी तरह सोच विचार कर अमल करें। तथ्यजीवी रहें स्मृतिजीवी नहीं। किसी गुप्त रोग के कारण आप परेशान रह सकते हैं।

केतु

सप्तम
भाववृश्चिक
राशिअनुपलब्ध
संबंधज्येष्ठा
नक्षत्र

इस अवधि के दौरान आपको मिले जुले फल मिलेंगे। अचानक भाग्य चमकेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र विकसित होगा। प्रणय और प्रेम के लिये यह समय अच्छा नहीं है। प्रेमिका से झगड़े और विवाद होने की पूरी संभावना है। खर्च भी अचानक बहुत बढ़ जायेगा। भ्रमण से कोई विशेष लाभ नहीं होने वाला। जोखिम भरे कामों में फंसने की संभावना है। शायद जोखिम उठाने के लिये यह उपयुक्त समय नहीं है। छोटी मोटी बीमारियां भी लगी रह सकती हैं।

लाल किताब ग्रह, घर एवं कुण्डली

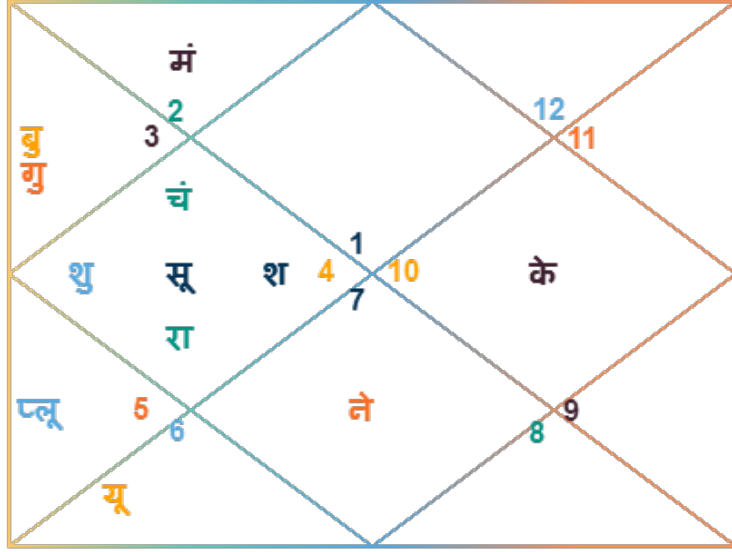
ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	स्थिति	सोया	किस्मत	जगानेवाला	मंदा / नेक
सूर्य	कर्क	मित्र	नहीं	नहीं		नेक / शुभ
चंद्र	कर्क	स्व	नहीं	हाँ		नेक / शुभ
मंगल	वृषभ	सम	हाँ	नहीं		नेक / शुभ
बुध	मिथुन	स्व	हाँ	हाँ		मंदा / अशुभ
गुरु	मिथुन	शत्रु	हाँ	नहीं		नेक / शुभ
शुक्र	कर्क	शत्रु	नहीं	नहीं		नेक / शुभ
शनि	कर्क	शत्रु	नहीं	नहीं		मंदा / अशुभ
राहु	कर्क	---	नहीं	नहीं		नेक / शुभ
केतु	मकर	---	नहीं	नहीं		नेक / शुभ

ग्रहों के घर की स्थिति

खाना सं.	मालिक	पक्काघर	किस्मत	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	---	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	नहीं	चंद्र	---
3	बुध	मंगल	बुध	नहीं	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	---	---
6	बुध	बुध केतु	केतु	हाँ	बुध राहु	शुक्र केतु
7	शुक्र	शुक्र बुध	शुक्र	नहीं	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल शनि	चंद्र	नहीं	---	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	नहीं	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	नहीं	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	---	---	---
12	गुरु	गुरु राहु	राहु	---	शुक्र केतु	बुध राहु

■ लाल किताब कुण्डली



लाल किताब दशा (महादशा एवं अन्तर्दशा)

शनि 6 वर्ष
23/08/1979
23/08/1985

राहु : 23/08/1981
बुध : 23/08/1983
शनि : 23/08/1985

राहु 6 वर्ष
23/08/1985
23/08/1991

मंगल : 23/08/1987
केतु : 23/08/1989
राहु : 23/08/1991

केतु 3 वर्ष
23/08/1991
23/08/1994

शनि : 23/08/1992
राहु : 23/08/1993
केतु : 23/08/1994

गुरु 6 वर्ष
23/08/1994
23/08/2000

केतु : 23/08/1996
गुरु : 23/08/1998
सूर्य : 23/08/2000

सूर्य 2 वर्ष
23/08/2000
23/08/2002

सूर्य : 23/04/2001
चंद्र : 23/12/2001
मंगल : 23/08/2002

चंद्र 1 वर्ष
23/08/2002
23/08/2003

गुरु : 23/12/2002
सूर्य : 23/04/2003
चंद्र : 23/08/2003

शुक्र 3 वर्ष
23/08/2003
23/08/2006

मंगल : 23/08/2004
सूर्य : 23/08/2005
चंद्र : 23/08/2006

मंगल 6 वर्ष
23/08/2006
23/08/2012

मंगल : 23/08/2008
शनि : 23/08/2010
शुक्र : 23/08/2012

बुध 2 वर्ष
23/08/2012
23/08/2014

चंद्र : 23/04/2013
मंगल : 23/12/2013
गुरु : 23/08/2014

शनि 6 वर्ष
23/08/2014
23/08/2020

राहु : 23/08/2016
बुध : 23/08/2018
शनि : 23/08/2020

राहु 6 वर्ष
23/08/2020
23/08/2026

मंगल : 23/08/2022
केतु : 23/08/2024
राहु : 23/08/2026

केतु 3 वर्ष
23/08/2026
23/08/2029

शनि : 23/08/2027
राहु : 23/08/2028
केतु : 23/08/2029

गुरु 6 वर्ष
23/08/2029
23/08/2035

केतु : 23/08/2031
गुरु : 23/08/2033
सूर्य : 23/08/2035

सूर्य 2 वर्ष
23/08/2035
23/08/2037

सूर्य : 23/04/2036
चंद्र : 23/12/2036
मंगल : 23/08/2037

चंद्र 1 वर्ष
23/08/2037
23/08/2038

गुरु : 23/12/2037
सूर्य : 23/04/2038
चंद्र : 23/08/2038

शुक्र 3 वर्ष
23/08/2038
23/08/2041

मंगल : 23/08/2039
सूर्य : 23/08/2040
चंद्र : 23/08/2041

मंगल 6 वर्ष
23/08/2041
23/08/2047

मंगल : 23/08/2043
शनि : 23/08/2045
शुक्र : 23/08/2047

बुध 2 वर्ष
23/08/2047
23/08/2049

चंद्र : 23/04/2048
मंगल : 23/12/2048
गुरु : 23/08/2049

शनि 6 वर्ष

23/08/2049
23/08/2055राहु : 23/08/2051
बुध : 23/08/2053
शनि : 23/08/2055

राहु 6 वर्ष

23/08/2055
23/08/2061मंगल : 23/08/2057
केतु : 23/08/2059
राहु : 23/08/2061

केतु 3 वर्ष

23/08/2061
23/08/2064शनि : 23/08/2062
राहु : 23/08/2063
केतु : 23/08/2064

गुरु 6 वर्ष

23/08/2064
23/08/2070केतु : 23/08/2066
गुरु : 23/08/2068
सूर्य : 23/08/2070

सूर्य 2 वर्ष

23/08/2070
23/08/2072सूर्य : 23/04/2071
चंद्र : 23/12/2071
मंगल : 23/08/2072

चंद्र 1 वर्ष

23/08/2072
23/08/2073गुरु : 23/12/2072
सूर्य : 23/04/2073
चंद्र : 23/08/2073

शुक्र 3 वर्ष

23/08/2073
23/08/2076मंगल : 23/08/2074
सूर्य : 23/08/2075
चंद्र : 23/08/2076

मंगल 6 वर्ष

23/08/2076
23/08/2082मंगल : 23/08/2078
शनि : 23/08/2080
शुक्र : 23/08/2082

बुध 2 वर्ष

23/08/2082
23/08/2084चंद्र : 23/04/2083
मंगल : 23/12/2083
गुरु : 23/08/2084

लाल किताब फलकथन



सूर्य

चौथा भाव
स्व-राशि



चंद्र

चौथा भाव
मित्र राशि



मंगल

दूसरा भाव
शत्रु राशि



बुध

तीसरा भाव
शत्रु राशि



गुरु

तीसरा भाव
उच्च राशि



शुक्र

चौथा भाव
शत्रु राशि



शनि

चौथा भाव
शत्रु राशि



राहु

चौथा भाव
अनुपलब्ध



केतु

दसवा भाव
अनुपलब्ध

सूर्य आपके चौथे भाव में स्थित है

यदि सूर्य शुभ है तो जातक बुद्धिमान, दयालु और अच्छा प्रशासक होगा। उसके पास आमदनी का स्थिर स्रोत होगा। ऐसा जातक अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत धन और बड़ी विरासत छोड़ जाता है। यदि चंद्रमा भी सूर्य के साथ चौथे भाव में स्थित है तो जातक किसी नए शोध के माध्यम से बहुत धन अर्जित करेगा। ऐसे में चौथे भाव या दशम भाव का बुध जातक को प्रसिद्ध व्यापारी बनाता है। यदि सूर्य के साथ बृहस्पति भी चौथे भाव में स्थित है तो जातक सोने और चांदी के व्यापार से अच्छा मुनाफा कमाता है। यदि चौथे भाव में सूर्य अशुभ है तो जातक लालची होगा। जातक को चोरी करने और दूसरों को नुकसान पहुंचाने में मजा आता है। यह प्रवृत्ति अंततः बहुत बुरे परिणाम को जन्म देती है। यदि शनि सातवें भाव में हो तो जातक को रतौंधी रोग हो सकता है। यदि सूर्य चौथे भाव में पीड़ित हो और मंगल दशम भाव में हो तो जातक की आंखों में दोष हो सकता है लेकिन उसकी किस्मत कमजोर नहीं होगी। यदि अशुभ सूर्य चतुर्थ भाव में हो साथ ही चंद्रमा पहले या दूसरे भाव में हो और शुक्र पंचम भाव तथा शनि सातवें भाव में हो तो जातक कमजोर हो सकता है।

उपाय:

- (1) जरूरतमंद और अंधे लोगों को दान दें और खाना खिलाएं।
- (2) लोहे और लकड़ी से जुड़ा व्यापार न करें।
- (3) सोने, चांदी और कपड़े से सम्बंधित व्यापार, लाभकारी रहेंगे।

चंद्र आपके चौथे भाव में स्थित है

चौथे भाव में स्थित चंद्रमा पर केवल चंद्रमा का ही पूर्ण रूप से प्रभाव होता है क्योंकि वह चौथे भाव और

चौथी राशि दोनों का स्वामी होता है। यहां चंद्रमा हर प्रकार से बहुत मजबूत और शक्तिशाली हो जाता है। चंद्रमा से संबन्धित वस्तुएं जातक के लिए बहुत फायदेमंद साबित होती हैं। मेहमानों को पानी के स्थान पर दूध भेंट करें। मां या मां के समान स्त्रियों के पांव छूकर आशीर्वाद लें। चौथा भाव आमदनी की नदी है जो व्यय बढ़ाने के लिए जारी रहेगी। दूसरे शब्दों में खर्च आमदनी को बढ़ाएंगे। जातक प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति होने के साथ-साथ नरम दिल और सभी प्रकार से धनी होगा। जातक को अपनी माँ के सभी गुण विरासत में मिलेंगे और वह जीवन की समस्याओं का सामना किसी शेर की तरह साहस पूर्वक करेगा। जातक को सरकार से सहयोग और सम्मान प्राप्त होगा, साथ में वह दूसरों को शांति और आश्रय प्रदान करेगा। जातक निश्चित तौर पर अच्छी शिक्षा प्राप्त करेगा। यदि बृहस्पति छठवें भाव में हो और चंद्रमा चौथे भाव में तो जातक को पैतृक व्यवसाय फायदा देगा। यदि जातक के पास कोई अपना कीमती सामान गिरवी रख जाएगा तो वह उसे मांगने के लिए कभी नहीं आएगा। यदि चंद्रमा चौथे भाव में चार ग्रहों के साथ हो तो जातक आर्थिक रूप से बहुत मजबूत और अमीर होगा। पुरुष स्वभाव वाले ग्रह जातक की मदद पुत्र की तरह करेंगे और स्त्रीत्व स्वभाव वाले ग्रह पुत्रियों की तरह।

उपाय:


- (1) लाभ कमाने के लिए दूध का खोया बनाना अथवा दूध बेचने जैसे आदि कार्य करने से बचें। क्योंकि इसका आमदनी, जीवन के विस्तार और मानसिक शांति पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- (2) व्यभिचार और अनैतिक सम्बंध जातक की प्रतिष्ठा और आर्थिक मामलों के लिए हानिकारक होंगे इसलिए इनसे बचाव जरूरी है।
- (3) अधिक खर्च, अधिक आय।
- (4) किसी भी शुभ या नया काम शुरू करने से पहले, घर में दूध से भरा कोई घड़ा या कनस्तर रखें।
- (5) दशम भाव में स्थित बृहस्पति के दुष्प्रभाव से छुटकारा पाने के लिए, जातक अपने दादाजी के साथ पूजा स्थान में जाकर भगवान के चरणों में माथा रखकर चढ़ावा चढ़ाये।

मंगल आपके दूसरे भाव में स्थित है

दूसरे भाव में स्थित मंगल वाला जातक आमतौर पर अपने माता पिता की बड़ी संतान होता है अन्यथा उसके साथ बड़े के जैसे व्यवहार किया जाता है। लेकिन एक छोटे भाई की तरह रहना और बर्ताव करना जातक के बहुत फायदेमंद रहता है और कई बुराइयों को अपने आप नष्ट करता है। इस घर का मंगल जातक को ससुराल से बहुत धन-संपदा दिलवाता है। यहां पर स्थित अशुभ मंगल ग्रह जातक को दूसरों के लिए बुरा बना देता है। यह स्थिति किसी विवाद का कारण बनती है। दूसरे घर में बुध के साथ स्थित मंगल जातक की इच्छा शक्ति और उसके महत्व को कमजोर करने वाला बनाता है।

उपाय:

- (1) चंद्रमा से जुड़े व्यवसाय जैसे कपड़े का व्यापार आदि करने से चंद्रमा मजबूत होता है जिससे जातक को ऐसे व्यापार में बड़ी समृद्धि मिलती है।
- (2) सुनिश्चित करें कि आपके ससुराल वाले आम लोगों के लिए पीने के पानी की सुविधा और व्यवस्था करें।
- (3) घर में हिरण की त्वचा रखें।



बुध आपके तीसरे भाव में स्थित है

तीसरे घर में बुध अच्छा नहीं माना जाता। बुध ग्रह और मंगल ग्रह शत्रु हैं लेकिन मंगल ग्रह बुध से शत्रुता नहीं रखता। इसलिए जातक अपने भाई से लाभ प्राप्त करते हैं, लेकिन वह अपने भाई या दूसरों के लिए फायदेमंद नहीं होगा। इसके नौवें तथा ग्यारहवें घर में दृष्टि प्रभाव के कारण जातक की आय और पिता की हालत पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपाय:

- (1) हर रोज फिटकिरी से अपने दाँत साफ करें।
- (2) पक्षियों की सेवा करें और एक बकरी दान करें।
- (3) दक्षिणमुखी घर में न रहें।
- (4) अस्थमा की दवाएं वितरित करें।



गुरु आपके तीसरे भाव में स्थित है

तीसरे भाव का बृहस्पति जातक को समझदार और अमीर बनाता है, जातक अपने पूरे जीवन काल में सरकार से निरंतर आय प्राप्त करता रहेगा। नवम भाव में स्थित शनि जातक को दीर्घायु बनाता है। यदि शनि दूसरे भाव में हो तो जातक बहुत चतुर और चालाक होता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि यह इशारा करता है कि जातक का पैसा और धन उसके अपने दोस्तों के द्वारा लूट लिया जाएगा। यदि बृहस्पति तीसरे भाव में किसी पापी ग्रह से पीडित है तो जातक अपने किसी करीबी के कारण बरबाद हो जाएगा और कर्जदार हो जाएगा।

उपाय:

- (1) देवी दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं अर्थात् छोटी लड़कियों को मिठाई और फल देते हुए उनके पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।
- (2) चापलूसों से दूर रहें।



शुक्र आपके चौथे भाव में स्थित है

चौथे भाव में स्थित शुक्र दो जीवनसाथी की संभावना को मजबूत करता है और जातक को धनवान बनाता है। यदि बृहस्पति दसम भाव में हो और शुक्र चौथे भाव में हो और जातक धार्मिक बनने की कोशिश करेगा तो हर तरफ से प्रतिकूल परिणाम मिलेंगे। यदि जातक ने कुएं के ऊपर छत बना रखी है या मकान बना रखा है तो चौथे भाव में बैठा शुक्र पुत्र प्राप्ति की संभावना को कमजोर करता है। बुध से संबंधित व्यापार भी नुकसान देय होता है। यदि जातक शराब पीता है तो शनि विनाशकारी प्रभाव देगा। मंगल से संबंधित व्यापार जातक के लिए फायदेमंद साबित होगा। चौथे घर का शुक्र और पहले घर का बृहस्पति सास से झगडा करवाता है।

उपाय:

- (1) अपने जीवनसाथी का नाम बदलें और उससे औपचारिक रूप से पुनर्विवाह करें।
- (2) चावल, चांदी और दूध बहते पानी में बहाएं अथवा खीर या दूध माँ समान महिलाओं को खिलाने से सास और बहू के बीच होने वाले झगड़े शांत होंगे।
- (3) जीवनसाथी के स्वास्थ्य के लिए घर की छत को साफ और स्वच्छ बनाए रखें।
- (4) बृहस्पति से सम्बन्धित चीजें जैसे चना, दालें, और केसर की तरह नदी में बहाएं।



शनि आपके चौथे भाव में स्थित है

यह भाव चंद्रमा का घर होता है। इसलिए शनि इस भाव में मिलेजुले परिणाम देता है। जातक अपने माता पिता के प्रति समर्पित होगा और प्रेम मुहब्बत से रहने वाला होगा। जब कभी जातक बीमार होगा तो चंद्रमा से संबंधित चीजें फायदेमंद होंगी। जातक के परिवार से कोई व्यक्ति चिकित्सा विभाग से संबंधित होगा। जब शनि इस भाव में नीच का होकर स्थित हो तो शराब पीना, सांप मारना और रात के समय घर की नीव रखना जैसे काम बहुत बुरे परिणाम देते हैं। रात में दूध पीना भी अहितकर है।

उपाय:

- (1) साँप को दूध पिलाएं अथवा दूध चावल किसी गाय या भैंस को खिलाएं।
- (2) किसी कुएं में दूध डालें और रात में दूध न पियें।
- (3) चलते पानी में रम डालें।



राहु आपके चौथे भाव में स्थित है

यह घर चंद्रमा का है जो कि राहु क शत्रु है। जब इस घर में रहु शुभ हो तो जातक बुद्धिमान, अमीर और अच्छी चीजों पर पैसे खर्च करने वाला होगा। तीर्थ यात्रा पर जाना जातक के लिए फायदेमंद होगा। यदि शुक्र भी शुभ हो तो शादी के बाद जातक के ससुराल वाले भी अमीर हो जाते हैं और जातक को उनसे भी लाभ मिलता है। यदि चंद्रमा उच्च का हो तो जातक बहुत अमीर हो जाता है और बुध से संबंधित कामों से बहुत लाभ कमाता है। यदि राहु नीच का या अशुभ हो और चंद्रमा कमजोर हो तो जातक गरीब होता है और जातक की मां परेशान होती है। कोयले का एकत्रीकरण, शौचालय फेरबदल, जमीन में तंदूर बनाना और छत में फेरबदल करना हानिकारक होगा।

उपाय:

- (1) चांदी पहनें।
- (2) 400 ग्राम धनिया या बादाम दान करें अथवा दोनों को पानी में बहाएं।



केतु आपके दसवें भाव में स्थित है

दसवां घर शनि का होता है। यहाँ के केतु के परिणाम शनि की प्रकृति पर निर्भर करते हैं। यदि केतु शुभ

हो तो जातक भाग्यशाली होता, अपने बारे में चिन्ता करने वाला होता है और अवसरवादी होता है। उसके पिता की मृत्यु जल्दी हो जाती है। यदि शनि छठवें भाव में हो तो जातक प्रसिद्ध खिलाड़ी होता है। यदि जातक अपने भाइयों को उनके कुकर्मों के लिए क्षमा करता है तो उसकी तरकी होगी। यदि जातक का चरित्र अच्छा हो तो वह बहुत धन कमाता है। यदि दसम भाव में अशुभ केतु हो तो जातक मूत्र विकार और कान की समस्याओं से ग्रस्त होता है। जातक को हड्डियों में दर्द होता है। यदि शनि चतुर्थ भाव में हो तो जातक का घरेलू जीवन चिंताओं और परेशानियों से भरा होता है। जातक के तीन पुत्रों की मृत्यु हो जाती है।

उपाय:

- (1) घर में शहद से भरा बर्तन रखें।
- (2) घर में एक कुत्ता रखें विशेषकर अड़तालिस साल की उम्र के बाद।
- (3) व्यभिचार से बचें।
- (4) चंद्रमा और बृहस्पति का उपचार करें।

लाल किताब टेवा

धर्मी कुण्डली

लक्षण: लाल किताब में कुछ कुण्डलियों को धर्मी टेवा कहा जाता है। लाल किताब के अनुसार राहू, केतू और शनि को अशुभ ग्रह कहा गया है। यदि कोई कुण्डली धर्मी होती है तो राहू, केतू अशुभ फल नहीं देते। यद्यपि यह जरूरी नहीं कि वो शुभ फल देंगे लेकिन अशुभफल देना बंद जरूर कर देते हैं।

राहू और केतू तब धर्मी हो जाते हैं जब वे चौथे भाव में बैठे होते हैं, अथवा किसी भी भाव में चन्द्रमा के साथ स्थित हों। शनि तब धर्मी होता है जब वह ग्यारहवें भाव में स्थित हो अथवा किसी भी भाव में बृहस्पति के साथ बैठा हो। यदि दोनों स्थितियां लागू होती हो तो कुण्डली धर्मी टेवा कहलाती है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, धर्मी कुण्डली नहीं है।

रतांध कुण्डली

लक्षण: रतांध ग्रह लाल किताब की एक अनूठी अवधारणा है। कोई कुण्डली तब रतांध कही जाती है जब उसमें शनि सातवें भाव में हो और सूर्य चौथे भाव में।

अंधी कुण्डली की तरह, रतांध कुण्डली वाला जातक दिग्भ्रमित हो जाता है और अपने से अपना कोई निर्णय नहीं ले पाता। जातक किसी रतांधी ग्रस्त व्यक्ति की तरह व्यवहार करता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, रतांध कुण्डली नहीं है।

अंधी कुण्डली

लक्षण: कुण्डली का दशम भाव कुण्डली की नीव की तरह होता है। क्योंकि भाव व्यवसाय, रोजगार, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि और सरकार से मिलने वाले सहयोग का है। यदि दशम भाव में एक दूसरे के शत्रु ग्रह बैठे हों अथवा पीडित अवस्था के ग्रह, जैसे अस्त ग्रह आदि हो तो सभी ग्रह अच्छे परिणाम नहीं देते। जिस कुण्डली में ऐसी युतियां हो वह अंधी कुण्डली (टेवा) कहलाती है और ऐसा जातक किसी अंधे या दिग्भ्रमित व्यक्ति की तरह व्यवहार करता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, अंधी कुण्डली नहीं है।

नाबालिग कुण्डली

लक्षण: लाल किताब के अनुसार कुछ स्थितियों में कुछ कुण्डलियों को 12 साल की उम्र तक नाबालिग कुण्डली माना जाता है। नाबालिग कुण्डली, कुण्डली में बैठे ग्रहों के अनुसार परिणाम नहीं दे सकती है और

अप्रत्याशित व्यवहार प्रदर्शित करती है। ऐसी कुण्डली वाले जातक का भाग्य 12 साल की उम्र तक अविश्वसनीय रहता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, नाबालिग कुण्डली नहीं है।

आपके लाल किताब कुंडली पर आधारित ऋण

लाल किताब के अनुसार ऋण कुण्डली की बहुत बड़ी कमजोरी माने जाते हैं। पूर्वजों का ऋण मतलब अपने पूर्वजों और पितरों के द्वारा किए गए पापों से प्रभावी होगा। दूसरे शब्दों में किसी और के द्वारा की गई गलतियों की सजा रिश्तेदारों को भुगतनी या वहन करनी पडती। यदि किसी की कुण्डली में वास्तव में ऋण होते हैं तो जैसे किसी एक की कुण्डली में दिखता है वैसे ही अन्य रिश्तेदारों की कुण्डली में भी पाया जाता है।

सामान्यतः पूरा परिवार ही ऋण से प्रभावित होता है। इसलिए इनके उपाय पूरे परिवार के सहयोग से करने पडते हैं। यदि किसी की कुण्डली में ग्रह राजयोग का निर्माण कर रहे हों और वही ग्रह ऋण संबंधी योग का गठन भी कर रहे हों तो केवल बुरे फल ही मिलते हैं।

पितृ ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी कुण्डली में शुक्र, बुध या राहू दूसरे, पांचवें, नौवें अथवा बारहवें भाव में हों तो जातक पितृ ऋण से पीडित होता है।

कारण: घर पितरो या बड़ों ने पारिवारिक पुजारी बदला होगा।

संकेत: घर के पास में किसी मंदिर में तोड़ फोड़ हुई होगी या कोई पीपल का पेट काटा गया होगा।

उपाय: 1. परिवार के सभी सदस्यों से सिक्के के रूप में पैसे इकट्ठा करें और किसी दिन पूरे पैसे मंदिर में दान कर दें।

2. यदि आपके पडोस या घर में कोई पीपल का पेड हो तो उसे पानी दें और उसकी सेवा करें।

परिणाम: आपकी कुंडली पितृ ऋण से मुक्त है।

स्वयं ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी की कुण्डली में शुक्र, शनि, राहु या केतु पाँचवें भाव में स्थित हों, तो जातक स्वयं के ऋण से पीडित माना जाता।

कारण: आपके पूर्वजों या पितरो ने परिवार के रीति-रिवाजों और परम्पराओं को नहीं माना होगा अथवा उन्होंने परमात्मा पर विश्वास नहीं किया होगा।

संकेत: घर के नीचे आग की भट्ठियां होंगी या छत में सूर्य की रोशनी आने के लिए बहुत सारे छेद होंगे।

उपाय: 1. सभी संबंधियों के सहयोग से बराबर-बराबर पैसे इकट्ठा करके यज्ञ कराना चाहिए।

परिणाम: आपकी कुंडली स्वयं ऋण से मुक्त है।

मातृ ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब केतू कुण्डली के चौथे भाव में हो तो कुण्डली को मातृ ऋण से प्रभावित या ग्रसित माना जाता है।

कारण: इस तथ्य के पीछे कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों ने किसी मां को उपेक्षित किया हो या उसके साथ अत्याचार किया हो अथवा बच्चे के जन्म के बाद मां को उसके बच्चे से दूर रखा हो, या हो सकता है कि किसी माँ की उदासी को अनदेखा किया हो।

संकेत: पास के कुंए या नदी की पूजा करने के बजाय उसे गंदगी और कचरा डालने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा होगा।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में चांदी लेकर किसी नदी में बहाएं। यह काम एक ही दिन करना है।

परिणाम: आपकी कुण्डली मातृ ऋण से मुक्त है।

पत्नी ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब सूर्य, चन्द्र या राहु कुण्डली के दूसरे अथवा सातवें भाव में हो, तो कुण्डली को स्त्री-ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या बड़े बुजुर्गों ने किसी लालच के कारण किसी गर्भवती महिला की हत्या कर दी होगी।

संकेत: घर में ऐसे जानवर होंगे जो दांत वाले हों जैसे कि गाय अथवा ऐसे जानवर जो समूह में न रहते हों।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उससे 100 गायों को स्वादिष्ट चारा खिलाएं। यह काम एक ही दिन करना है।

परिणाम: आपकी कुण्डली स्त्री ऋण से मुक्त है।

सम्बंधी ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब बुध और केतू कुण्डली के पहले अथवा आठवें भाव में हो, तो कुण्डली को सम्बंधी-ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों ने किसी की फसल या घर में आग लगाई हो, किसी को जहर दिया हो अथवा किसी की गर्भवती भैंस को मार डाला हो।

संकेत: घर में किसी बच्चे के जन्मदिन, त्यौहारों या अन्य उत्सवों के समय अपने परिवार से दूर रहना अथवा रिश्तेदारों से न मिलना इस दोष के संकेतक हैं।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उसे दूसरों की मदद के लिए किसी चिकित्सक को दें। 2. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उससे दवाएं खरीद कर धर्मार्थ संस्थाओं को दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली सम्बंधी ऋण से मुक्त है।

पुत्री ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब चन्द्रमा कुण्डली के तीसरे या छठे भाव में हो, तो जातक को पुत्री ऋण से पीड़ित माना जाता है।

कारण: पूर्वजों या पितरों के द्वारा किसी की बहन या बेटी की हत्या की गई होगी या उन्हें परेशान किया गया होगा।

संकेत: खोए हुए बच्चों को बेचना या उससे लाभ कमाने का प्रयास किया गया हो।

उपाय: 1. सारे सम्बंधी पीले रंग की कौड़ियाँ खरीद कर, एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर दें और उस राख को उसी दिन नदी में बहा दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली पुत्री ऋण से मुक्त है।

जालिमाना ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब सूर्य, चन्द्रमा, मंगल कुण्डली के दसवें और ग्यारहवें भाव में हो, तो जातक को जालिमाना -ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने किसी से धोखा किया होगा या उसे घर से बाहर निकाल दिया होगा और उसे गुजारे के लिए कुछ नहीं दिया होगा।

संकेत: घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में होगा अथवा घर की जमीन किसी ऐसे व्यक्ति से ली गई होगी जिसके पुत्र न हो या घर किसी सड़क या कुएं के ऊपर निर्मित होगा।

उपाय: 1. अलग-अलग जगह की सौ मछलियों या मजदूरों को सभी परिजन धन इकट्ठा करके एक दिन में भोजन कराएँ।

परिणाम: आपकी कुण्डली जालिमाना ऋण से मुक्त है।

अजन्मा ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी कुण्डली में सूर्य, शुक्र, मंगल बारहवें भाव में हो, तो जातक इस अजात-ऋण का भागी कहलाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने ससुराल-पक्ष के लोगों को धोखा

दिया होगा या किसी रिश्तेदार के परिवार के विनाश में भूमिका निभाई होगी।

संकेत: दरवाजे के नीचे कोई गंदा नाला बह रहा होगा या कोई विनाशित श्मशान होगा अथवा घर की दक्षिणी दीवार से जुड़ी कोई भट्ठी होगी।

उपाय: 1. सभी परिजनों से एक-एक नारियल लेकर उन्हें एक जगह इकट्ठा करें और उसी दिन नदी में प्रवाहित कर दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली अजन्मा ऋण से मुक्त है।

कुदरती ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब चन्द्रमा, मंगल कुण्डली के छठे भाव में स्थित हों, तो जातक इस कुदरती ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने किसी कि बेबस कुत्ते की तरह तहस नहस किया होगा।

संकेत: किसी कुत्ते को गोली से मारना, दूसरे के बेटे को मारना अथवा या भतीजे से इतना कपट करना कि वह पूरी तरह बर्बाद हो जाय।

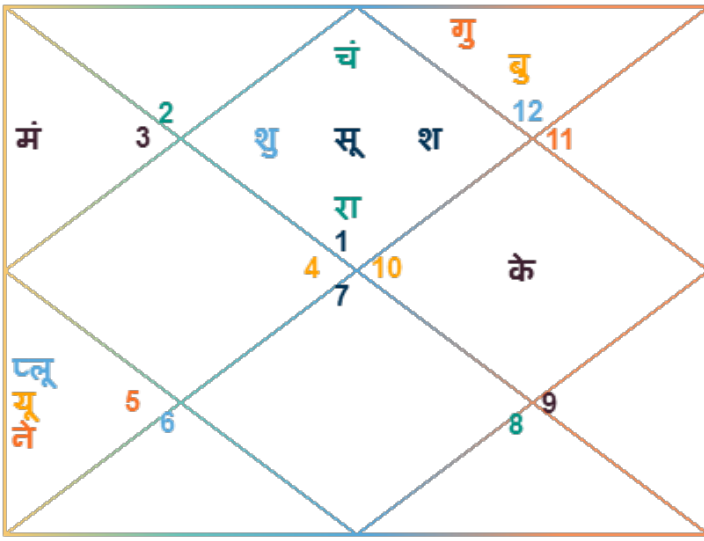
उपाय: 1. एक दिन में सभी परिजनों के सहयोग से सौ कुत्तों को मीठा दूध या खीर खिलानी चाहिए।
2. अपने पास में रहने वाली उस विधवा स्त्री की सेवा करके उससे आशीर्वाद प्राप्त करना करें जो कम उम्र में ही विधवा हुई हो।

परिणाम: आपकी कुण्डली कुदरती ऋण से मुक्त है।

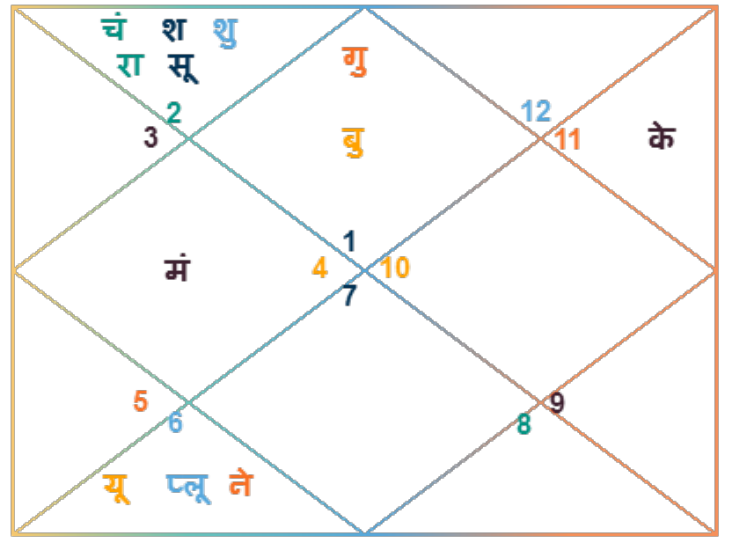
लाल किताब वार्षिक कुण्डली

लाल किताब वर्षफल कुण्डली 23/8/2020 से 23/8/2021 तक (42 वर्ष)

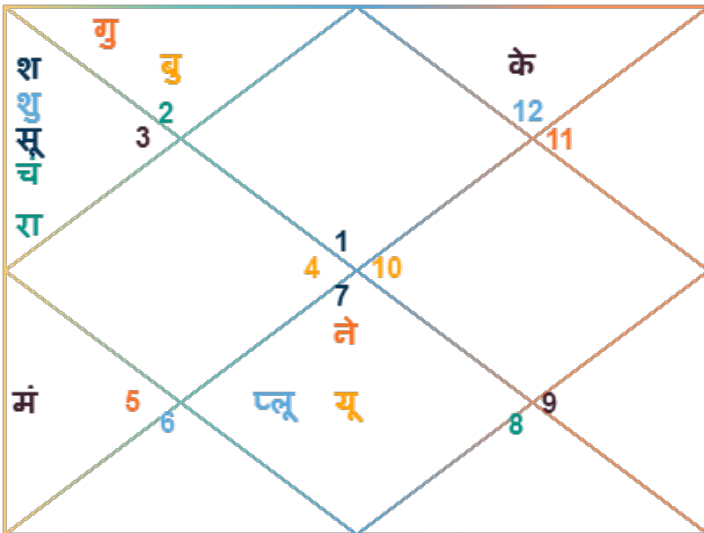
■ प्रथम माह (23/08/2020 से 23/09/2020 तक)



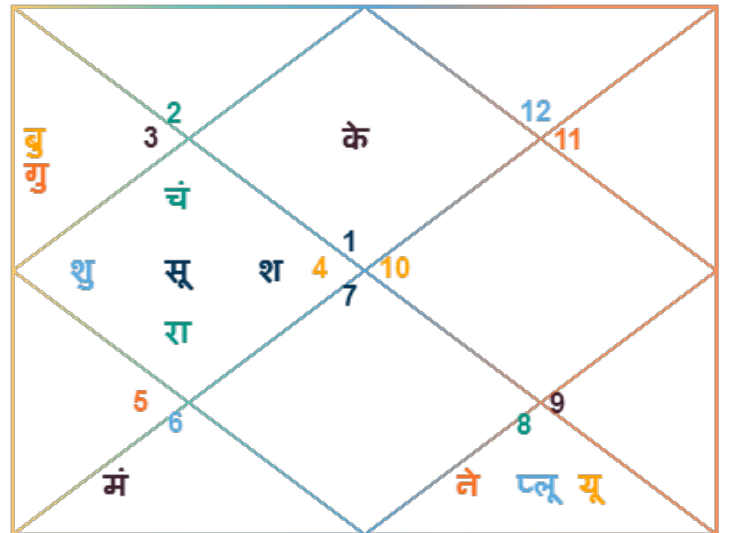
■ द्वितीय माह (23/09/2020 से 23/10/2020 तक)



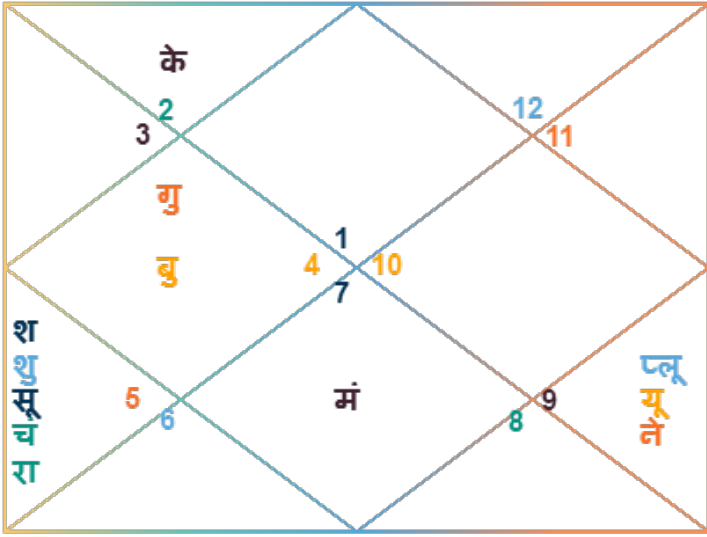
■ तृतीय माह (23/10/2020 से 23/11/2020 तक)



■ चतुर्थ माह (23/11/2020 से 23/12/2020 तक)



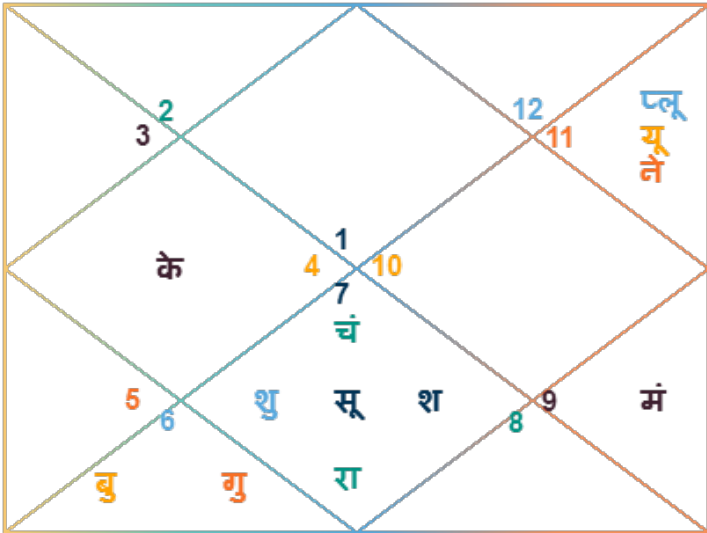
■ पंचम माह (23/12/2020 से 23/01/2021 तक)



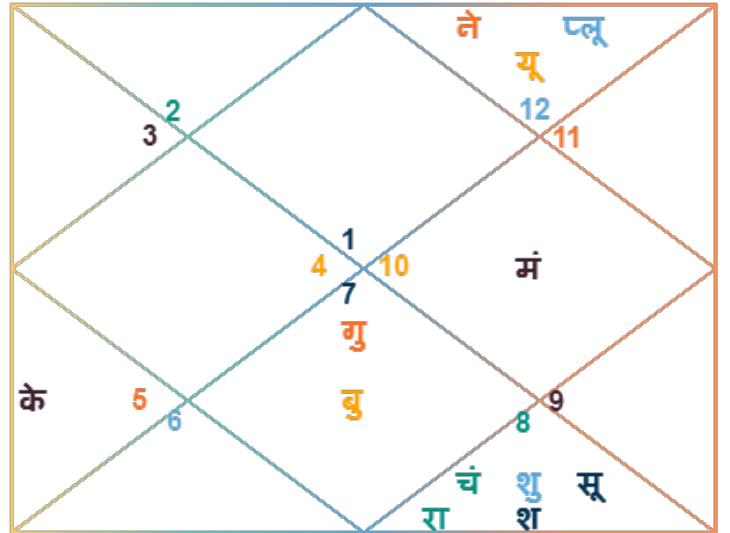
■ षष्ठ माह (23/01/2021 से 23/02/2021 तक)



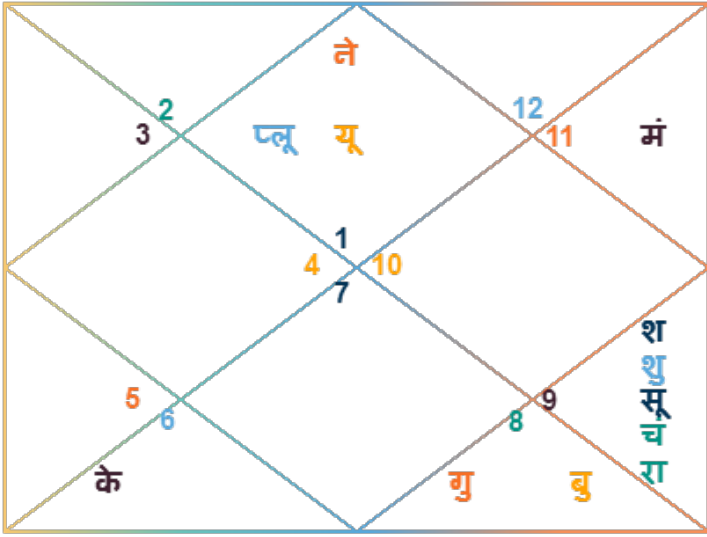
■ सप्तम माह (23/02/2021 से 23/03/2021 तक)



■ अष्टम माह (23/03/2021 से 23/04/2021 तक)



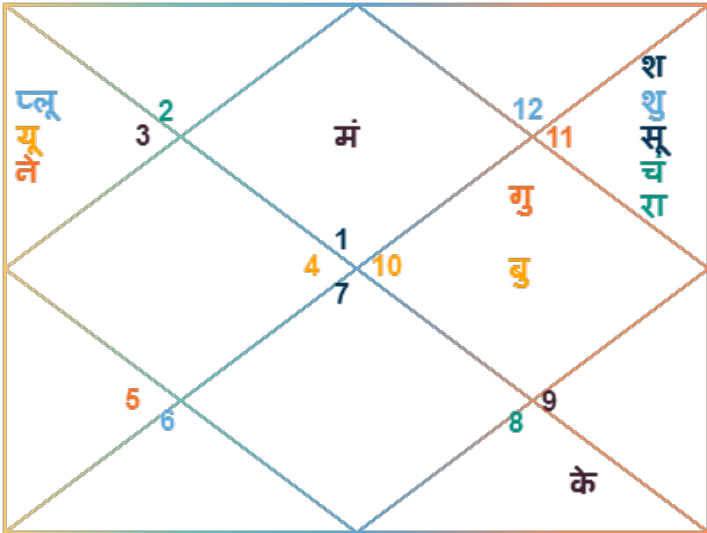
■ नवम माह (23/04/2021 से 23/05/2021 तक)



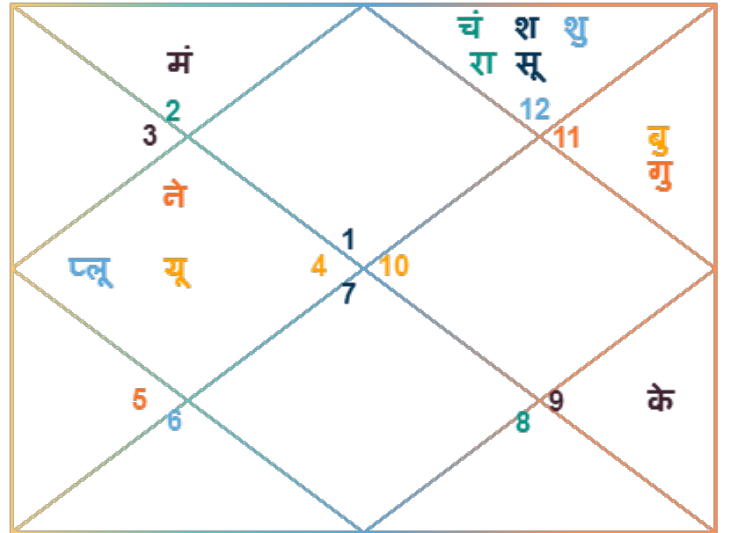
■ दशम माह (23/05/2021 से 23/06/2021 तक)



■ एकादश माह (23/06/2021 से 23/07/2021 तक)



■ द्वादश माह (23/07/2021 से 23/08/2021 तक)



रत्न भविष्यवाणी

रत्न क्या हैं?

प्राचीन काल से रत्नों का उपयोग आध्यात्मिक क्रियाकलापों और उपचार के लिए किया जाता रहा है। हालाँकि रत्न कठिनाई से मिलते थे और बहुत सुन्दर होते थे, लेकिन उनके बहुमूल्य होने का प्रमुख कारण पहनने वाले को उनसे हासिल होने वाली शक्तियाँ थीं। रत्न शक्तियों के भण्डार की तरह हैं, जिनका असर स्पर्श के माध्यम से शरीर में जाता है। रत्नों का असर धारण करने वाले पर सकारात्मक या नकारात्मक रूप से हो सकता है – यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें किस तरह उपयोग में लाया जाता है। सभी रत्नों में अलग-अलग परिमाण में चुम्बकीय शक्तियाँ होती हैं, जिनमें से कई उपचार के दृष्टिकोण से हमारे लिए बेहद लाभदायक हैं। ये रत्न ऐसे स्पन्दन पैदा करते हैं, जिनका हमारे पूरे अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होता है। आइए, देखें कि आपके लिए रत्न-विचार किस प्रकार है।

सुझाव



आपका जीवन रत्न
हीरा



आपका पुण्य-रत्न
पन्ना



आपका भाग्य-रत्न
नीलम

आपका जीवन रत्न

जीवन-रत्न लग्न के स्वामी का रत्न है। इस रत्न की रहस्यमयी शक्तियों का अनुभव करने के लिए इसे जीवन भर धारण किया जा सकता है। जीवन रत्न धारण करना सारी बाधाएँ मिटा सकता है और जातक को प्रसन्न, सफल व समृद्ध कर सकता है। सामान्यतः इसे व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति के लिए धारण किया जाता है। इसके ब्रह्माण्डीय तरंगें व्यक्ति के सम्पूर्ण अस्तित्व को प्रभावित करती हैं।

सुझाव



रत्न-सुझाव
हीरा



न्यूनतम आवश्यक भार
1 रत्ती



धारण करने के नियम
स्वर्ण धातु या चाँदी धातु, मध्यमा अंगुली में



रत्न-धारण का मंत्र
ॐ द्रां द्रीं द्रों सः शुक्राय नमः

आपका पुण्य-रत्न

जीवन परिश्रम और भाग्य का बढ़िया सम्मिश्रण है। अपना पुण्य-रत्न धारण करके भाग्य को अपने हित में कार्य करने दें। व्यक्ति का पुण्य-रत्न वह होता है, जो उस व्यक्ति के सौभाग्य को आकर्षित करके उसके जीवन में सुखद आश्चर्य घोलता रहता है। हमारे अनुसार आपका पुण्य-रत्न है -

सुझाव



रत्न-सुझाव
पन्ना



न्यूनतम आवश्यक भार
1.5 रत्ती



धारण करने के नियम
स्वर्ण धातु, अनामिका अंगुली में या कनिष्ठिका अंगुली में



रत्न-धारण का मंत्र
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः

आपका भाग्य-रत्न

भाग्य-रत्न का निर्धारण नवम भाव के स्वामी के आधार पर किया जाता है। जब आपको वाकई भाग्य की आवश्यकता होती है, यह रत्न उस समय नियति को आपके पक्ष में करता है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में यह सकारात्मकता प्रवाहित करता है। आपकी समृद्धि के मार्ग में जो भी बाधाएँ हों, भाग्य-रत्न उन्हें दूर करने का कार्य करता है।

■ सुझाव



रत्न-सुझाव
नीलम



न्यूनतम आवश्यक भार
2 रत्ती



धारण करने के नियम
स्वर्ण धातु, मध्यमा अंगुली में



रत्न-धारण का मंत्र
ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः

आवश्यक जानकारी

रत्न-धारण करते समय कुछ बातों का सदैव ध्यान रखें। केवल असली रत्न ही खरीदें, क्योंकि नकली रत्न धारण करने से उनका कोई प्रभाव नहीं होता है। साथ ही आपको उस वजन का रत्न धारण करना चाहिए, जिसका सुझाव दिया गया हो। इसे प्रायः "रत्ती" के माध्यम से इंगित किया जाता है। आज-कल बाजार नकली रत्नों से भरे पड़े हैं। अपने पाठकों की सहायता के लिए एस्ट्रोकैम्प/एस्ट्रोसेज असली रत्नों का संग्रह लाया है। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया यहाँ क्लिक करें।

रत्न खरीदने के लिए, कृपया [रत्न एस्ट्रो शॉप देखें](#)।

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों द्वारा रत्न-संबंधित सलाह लेने के लिए कृपया ["रत्न-विचार" पृष्ठ देखें](#)।

इष्ट देवता

इष्ट देवता की पूजा सफलता व मोक्ष दिलाती है। आपकी कुंडली के अनुसार भगवान हनुमान, कार्तिकेय / मुरुगन आपके इष्ट देवता हैं।

भगवान हनुमान, कार्तिकेय / मुरुगन



इष्ट देवता: आवश्यकता एवं महत्व

मोक्ष की अवधारणा जन्म और मृत्यु से जुड़ी हुई है। वैदिक ज्योतिष हर व्यक्ति के जीवन में मोक्ष को सर्वोच्च लक्ष्य की तरह परिभाषित करता है। हमारे इष्ट देवता या जिस भी देवता की हम पूजा करते हैं वो हमें हमारे वास्तविक उद्देश्य यानि मोक्ष प्राप्ति में हमारी सहायता करते हैं और मोक्ष प्राप्ति के मार्ग में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। इष्ट देवता शाब्दिक रूप में उस देवता को कहा जाता है जिनकी हम पूजा करते हैं और जो सर्वशक्तिमान हैं, आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए हम अपने इष्ट देव से जुड़े रहते हैं। इष्ट देव जीवन के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करते हैं, इसके साथ ही वह हमें संरक्षित और पूर्ण जीवन जीने में भी हमारी मदद करते हैं और अंत में जन्म-मृत्यु के चक्र से हमें मुक्त करके परमात्मा से हमें जोड़ देते हैं। हर व्यक्ति के कुल देवता के विपरीत, इष्ट देवता अद्वितीय माने जाते हैं और हमारी कुंडली की मदद से इष्ट देव के बारे में बताया जा सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर व्यक्ति को अपने इष्ट देव की पूजा जरूर करनी चाहिये। जिस भी इष्ट देव को हम मानते हैं उनकी पूजा करना आसान होता है लेकिन मंत्रों के द्वारा इष्ट देवता की पूजा करने से हमें शुभ फलों की प्राप्ति में विलंब नहीं होता।

आपके इष्ट देवी / देवता कौन हैं?

ज्योतिष शास्त्र के अंतर्गत इस इष्ट देवता कॅल्क्युलेटर के माध्यम से हमने एक ऐसी व्यवस्था दी गई है जिसके आधार पर आप ये जान सकते हैं कि आपके कुलदेवता या इष्ट देवी अथवा देवता कौन है और

आपको किनकी पूजा करनी चाहिए। जन्म कुंडली के अनुसार हमारा ये इष्ट देवता कैलक्युलेटर आपके इष्ट को बताने में सहायक हैं जिनके आधार पर कोई भी अपने इष्ट को पहचान सकता है। जैमिनी ज्योतिष के अनुसार आत्म कारक के आधार पर जातक के इष्ट देवता का निर्धारण किया जाता है। हमारी जन्म कुंडली में जो ग्रह सबसे अधिक अंशों पर होता है उसे आत्म कारक माना जाता है। आत्म कारक नवांश वर्ग कुंडली में जिस राशि में स्थित होता है उसे कारकांश लग्न कहा जाता है। इष्ट देव का निर्धारण करने के लिए हमें यह देखना होता है कि कारकांश लग्न से बारहवें भाव में स्थित राशि कौन सी है और उसका स्वामी ग्रह कौन है, उसी से संबंधित देवी देवता ही हमारे इष्ट देवी-देवता होते हैं।

उपाय

ज्योतिष में नौ ग्रह हैं, जिनकी अपनी अलग-अलग प्रकृति है। ये ग्रह हमारी राशि के अनुसार हमें कभी सकारात्मक तो कभी नकारात्मक परिणाम देते हैं। ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए ज्योतिषीय उपाय का बड़ा महत्व है। ऐसा करने पर न केवल ग्रहों के बुरे प्रभाव दूर होते हैं बल्कि जातक को ग्रहों से शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। यदि आप बीमार पड़ते हैं तो चिकित्सक के पास जाते हैं। अब चिकित्सक आपके रोग को पहचानने के लिए पहले जाँच-पड़ताल करता है और उसके बाद वह आपको दवा देता है ताकि आप रोग मुक्त हो सकें। ठीक उसी प्रकार एक ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली को देखकर आपकी समस्या का निदान हेतु आपको उन ग्रहों से संबंधित उपाय करने की सलाह देता है। जब आप उन उपायों को करते हैं तब जाकर आपकी समस्याओं का निदान होता है।

आपके लिए



वेश-भूषा एवं जीवन शैली
लाल और केसरिया



व्रत
रविवार



सुबह के लिए प्रार्थना
भगवान विष्णु/ सूर्य देव/ भगवान राम



दान
गुड़, गेहूँ, तांबा, रुबि माणिक्य, लाल पुष्प, खस, मैन्सिल आदि।



मंत्र
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।



वेश-भूषा एवं जीवन शैली

हमारे जीवन में बड़े ही विचित्र रूप से ग्रहों का प्रभाव पड़ता है। जब हमारे जीवन में किसी विशेष ग्रह की दशा की शुरुआत होती है तो हमारे आसपास उस ग्रह से संबंधित घटनाएँ घटने लगती हैं। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी रंग/वस्तुओं से संबंध होता है। ज्योतिष के अनुसार यदि कोई ग्रह आपके लिए शुभ फलदायी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए परंतु यदि वह ग्रह आपके लिए कष्टकारी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित चीजों से परहेज अथवा उन्हें दान करना चाहिए।

यहाँ ग्रह एवं उनसे संबंधित रंग तथा क्रियाओं को बताया जा रहा है: -

- लाल और केसरिया रंग के वस्त्र धारण करें।
- पिता जी, सरकार एवं उच्च अधिकारियों का सम्मान करें।
- प्रातः सूर्योदय से पहले उठें और अपनी नग्न आँखों से उगते हुए सूरज का दर्शन करें।



व्रत

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्रत धारण कर हम अपने ईश्वर की उपासना करते हैं। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से भी उपवास रखना हमारे स्वस्थ शरीर के लिए बहुत अच्छा है। इससे हमारे शरीर का आंतरिक एवं बाह्य भाग शुद्ध होता है। इसके अलावा यह हमारी इच्छा शक्ति को भी मजबूत बनाता है। जीवन को स्वस्थ बनाने एवं ग्रहों का आशीर्वाद पाने हेतु यहाँ ग्रहों से संबंधित व्रत धारण करने का दिन बताया जा रहा है:-

- सूर्य ग्रह का आशीर्वाद पाने हेतु रविवार को व्रत धारण किया जाता है।



सुबह के लिए प्रार्थना

ईश्वर से आत्मीय संपर्क बनाने के लिए प्रार्थना को सबसे बेहतर माध्यम माना गया है। प्रार्थना में हम भगवान से अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ने के लिए साहस एवं शक्ति अथवा इच्छापूर्ति के लिए कामना करते हैं। हिन्दू धर्म में प्रत्येक ग्रह को ईश्वर के स्वरूप माना गया है इसलिए किसी विशेष ग्रह से शुभ फल पाने के लिए हम उससे संबंधित देवी/देवताओं की प्रार्थना करते हैं।

- भगवान विष्णु की पूजा करें।
- सूर्य देव की पूजा करें।
- भगवान राम की पूजा करें।
- आदित्य हृदय स्तोत्र का जाप करें।
- हरिवंश पुराण का पाठ करें।



दान

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए दान करना शुभ माना जाता है। हालाँकि दान करते समय मन में किसी बात का लालच नहीं रहना चाहिए और पूरी श्रद्धा के साथ दान की प्रक्रिया पूर्ण की जानी चाहिए। ध्यान रखें, दान हमेशा ज़रूरतमंद लोगों को करें। ज्योतिष के अनुसार जिस ग्रह से संबंधित आप दान कर रहे हैं उस ग्रह से आपको शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी और यदि उस ग्रह से आपको कष्टकारी परिणाम मिल रहे हैं तो उससे संबंधित चीज़ें दान करने से आपके कष्ट दूर हो जाएंगे। यहाँ नीचे ग्रह एवं उनसे संबंधित दान की जाने वस्तुओं एवं दान विधि बतायी जा रही है:-

- सूर्य ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान रविवार को सूर्य की होरा और सूर्य के नक्षत्रों (कृत्तिका, उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तरा षाढ़ा) में प्रातः 10 बजे से पूर्व किया जाना चाहिए।
- दान करने वाली वस्तुएँ- गुड़, गेहूँ, तांबा, रुबि माणिक्य, लाल पुष्प, खस, मैनसिल आदि।



प्राचीन काल से ही वैदिक ज्योतिष में मंत्रों का बड़ा महत्त्व है। मंत्र का सही उच्चारण करने पर वातावरण में एक प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा बहती है। यदि जातक किसी विशेष ग्रह अथवा देवी, देवताओं से संबंधित मंत्र का जाप करता है तो उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं।

- सूर्य ग्रह को प्रसन्न करने के लिए आप सूर्य बीज मंत्र का जाप कर सकते हैं। मंत्र- ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
- वैसे तो सूर्य बीज मंत्र को 7000 बार जपना चाहिए परंतु देश-काल-पात्र सिद्धांत के अनुसार कलयुग में इस मंत्र का (7000x4) 28000 बार उच्चारण करना चाहिए।
- आप इस मंत्र का भी जाप कर सकते हैं- ॐ घृणि सूर्याय नमः।

जड़ी सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

हमारे वातावरण में कई प्रकार की जड़ियाँ पाई जाती हैं जिनको विशेष उद्देश्य और लाभ के लिए धारण किया जाता है। इनमें से आपके लिए कौनसी जड़ी उपयुक्त होगी? इस प्रश्न का उत्तर आपकी जन्म कुंडली के अध्ययन के पश्चात ही मिल सकता है। इसके लिए आपको ज्योतिषीय परामर्श लेने की आवश्यकता होगी। जड़ी को धारण करने के पश्चात आपको उसका प्रभाव दिखने लगेगा। यहाँ हम आपको बताएंगे कि कौनसी जड़ किस ग्रह के लिए प्रयोग में लाई जाती है।



बेल मूल

अभी खरीदें

जड़ी: महत्व और सुझाव रिपोर्ट

भारत के प्राचीन ऋषि मुनियों ने वृक्ष और पौधों के गुणों को देखकर इनका उपयोग मानव जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिये किया। जिन पेड़-पौधों में औषधीय गुण विद्यमान होते हैं उन्हें आयुर्वेद विज्ञान में जड़ी-बूटी कहा जाता है। आयुर्वेद के साथ-साथ ज्योतिष शास्त्र में भी जड़ी-बूटियों का बहुत महत्व है। ज्योतिषी अक्सर लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए उन्हें जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह नकारात्मक है तो उसके नकारात्मक प्रभावों को दूर करने के लिए ज्योतिषियों द्वारा ग्रह से संबंधित जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। ज्योतिष में नौ ग्रहों के अनुसार व्यक्ति के भूत और भविष्य काल के बारे में बताया जाता है। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी जड़ी से संबंध होता है। जड़ियाँ रत्नों से बहुत कम दाम में मिल जाती हैं और रत्नों की ही तरह इनसे भी ग्रहों की नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौन सी जड़ी उपयोगी सिद्ध होगी इसके बारे में बताते हैं।

बेल मूल

बेल मूल का संबंध सूर्य ग्रह से है। ज्योतिष के अनुसार सभी ग्रहों में सूर्य का प्रमुख स्थान होता है। इसे आत्मा, लीडर, सरकारी एवं निजी क्षेत्र में उच्च पद की प्राप्ति का कारक माना जाता है। यदि आपकी कुंडली में सूर्य अशुभ स्थान पर बैठा हो तो इसके नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए बेल मूल को धारण करना चाहिए। इसके प्रभाव सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और जातक को इसके शुभ परिणाम प्राप्त होते

हैं। यदि आप समाज में मान, सम्मान, पद-प्रतिष्ठा पाना चाहते हैं तो इस जड़ के माध्यम से आपको मनवांछित परिणाम प्राप्त होंगे।

बेल मूल को धारण करने की विधि

- जड़ को गले अथवा बाजू में धारण कर सकते हैं।
- जड़ को धारण करने से पूर्व इसे गंगाजल अथवा कच्चे दूध से शुद्ध करें।
- उसके बाद भगवान शिव या भगवान विष्णु जी की सफेद अथवा लाल पुष्प, धूप, अगरबत्ती के साथ आराधना करें और सूर्य के बीज मंत्र - "ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः" का 108 बार जाप करें।

उपरोक्त विधान को करने के बाद जड़ी को रविवार की प्रातः अथवा कृतिका, उत्तराफाल्गुनी और उत्तराषाढा नक्षत्र में धारण कर सकते हैं।

शुद्ध और वास्तविक जड़ियों का महत्व

आजकल बाजार में बिरले ही प्राकृतिक जड़ियाँ मिलती हैं। क्योंकि मार्केट में नकली जड़ियों की भरमार है। ध्यान रहे, नकली जड़ी और असली जड़ी में आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से नकली जड़ियों का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक एवं शुद्ध जड़ियाँ उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे जड़ियों की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

रुद्राक्ष सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

प्राचीन धर्म ग्रंथों में विभिन्न प्रकार के रुद्राक्षों के महत्व को बताया गया है। अतः आपके लिए कौनसा रुद्राक्ष उचित होगा? इसके लिए ज्योतिषीय परामर्श आवश्यक है। ताकि आपको उसका पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। क्योंकि एक विद्वान ज्योतिषी ही आपकी जन्म कुंडली का अध्ययन कर आपको उचित रूप से यह बता सकता है। ध्यान रहे, रुद्राक्ष का अधिक से अधिक लाभ पाने के लिए इसे पूर्ण विधि विधान से धारण करना आवश्यक है। अतः हम आपको इस रिपोर्ट में रुद्राक्ष के प्रकार और रुद्राक्ष धारण की विधि बताने जा रहे हैं।



एक मुखी रुद्राक्ष

अभी खरीदें

आपके लिए वैकल्पिक रुद्राक्ष सुझाव : 3 मुखी / 12 मुखी रुद्राक्ष.

रुद्राक्ष- महत्व और सुझाव रिपोर्ट

रुद्राक्ष का संबंध भगवान शिव से है। माना जाता है कि रुद्राक्ष (रुद्र=भगवान शिव और अक्ष= आंस्) की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई थी। ज्योतिषशास्त्र में भी रुद्राक्ष को बहुत महत्व दिया जाता है और माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को काम, क्रोध, मोह, माया से मुक्ति मिलती है और अंत समय में मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसके साथ ही ग्रहों के बुरे प्रभाव भी रुद्राक्ष धारण करने से दूर होते हैं। वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो रुद्राक्ष में विद्युत चुंबकीय गुण होते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति रुद्राक्ष धारण करता है तो उसे श्वसन और रक्त संचार से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं नहीं आती, उच्च रक्तचाप और तनाव को दूर करने में भी यह कारगर है। यदि आप रुद्राक्ष की पूजा करते हैं तो आप पापों से मुक्ति पा सकते हैं। इसको धारण करने से आपको कई सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। ऋषि-मुनियों द्वारा रुद्राक्ष कुंडलिनी शक्ति को जगाने के लिये किया जाता है। वहीं सांसारिक लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति और नकारात्मकता को दूर करने के लिये रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं। चूंकि रुद्राक्ष कई तरह के होते हैं इसलिये हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौनसा रुद्राक्ष उपयोगी सिद्ध होगा इसकी जानकारी आपको देते हैं। हमारे द्वारा बताये गये रुद्राक्ष को धारण करके आप अपने अंदर सकारात्मकता महसूस कर सकते हैं और साथ ही रुद्राक्ष धारण करने से आपको लाभकारी परिणामों की भी प्राप्ति होती है।

एक मुखी रुद्राक्ष

एक मुखी रुद्राक्ष आपके कर्म को सकारात्मक रूप में परिवर्तित करता है। भगवान शिव का प्रतीक होने के कारण एक मुखी रुद्राक्ष को बहुत ही पवित्र माना जाता है। इसे धारण करने वाले व्यक्ति बुरी ताकतों से सुरक्षित रहता है और यह वह सदैव सन्मार्ग के पथ पर चलता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति की आंतरिक शक्तियाँ जागृत होती हैं। इसलिए यदि आप आध्यात्मिक ज्ञान को प्राप्त करना चाहते हैं तो यह रुद्राक्ष आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक मुखी रुद्राक्ष का स्वामी सूर्य ग्रह होता है इसलिए यह हमारी आत्म चेतना को जागृत करता है। ध्यान क्रिया के लिए यह बहुत ही कारगर रुद्राक्ष है। एक मुखी रुद्राक्ष में चमत्कारिक गुण विद्यमान हैं। यह उच्च ताप और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं को दूर करता है। एकमुखी रुद्राक्ष सूर्य की भांति आपकी नेतृत्व क्षमता को निखारता है और यह राह में आने वाली चुनौतियों को दूर करता है।

एक मुखी रुद्राक्ष को धारण करने की विधि

एक मुखी रुद्राक्ष को सोने अथवा चाँदी में मढ़वाकर अथवा बिना मढ़वाए भी धारण किया जा सकता है। इस रुद्राक्ष को केवल लाल अथवा काले या फिर सोने अथवा चाँदी की चेन के साथ धारण करने का विधान है। रुद्राक्ष को धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध करने के लिए इस पर गंगाजल अथवा कच्चे दूध का छिड़काव करें। उसके बाद भगवान शिव या भगवान विष्णु जी की सफेद अथवा लाल पुष्प, धूप, अगरबत्ती के साथ आराधना करें और सूर्य के बीज मंत्र "ॐ ह्रं ह्रीं ह्रूं सः सूर्याय नमः" का 108 बार जाप करें। उपरोक्त विधान को करने के बाद रुद्राक्ष को रविवार की प्रातः अथवा कृतिका, उत्तराफाल्गुनी और उत्तराषाढा नक्षत्र में धारण कर सकते हैं।

प्राकृतिक रुद्राक्ष का महत्व

आजकल बाज़ार में बिरले ही प्राकृतिक रुद्राक्ष मिलते हैं। क्योंकि मार्केट में प्लास्टिक और फाइबर से बने कृत्रिम रुद्राक्षों की भरमार है। इन्हें बहुत बड़ी मात्रा में चीन द्वारा फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा है और वैश्विक बाज़ार में बेचा जा रहा है। असली रुद्राक्ष बहुत ही सीमित मात्रा में होते हैं। इनके उत्पादन पर मौसम का भी असर पड़ता है। ध्यान रहे, आर्टिफिशियल रुद्राक्ष देखने में हू-ब-हू वास्तविक रुद्राक्ष की तरह होते हैं इसलिए आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से कृत्रिम रुद्राक्ष का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक रुद्राक्ष उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे रुद्राक्ष की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

यंत्र सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

हालाँकि आपके लिए कौनसा यंत्र उचित होगा? इसके लिए ज्योतिषीय परामर्श अावश्यक है। ताकि आपको उसका पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। क्योंकि एक विद्वान ज्योतिषी ही आपकी जन्म कुंडली का अध्ययन कर आपको उचित रूप से यह बता सकता है। ध्यान रहे, यंत्र का अधिक से अधिक लाभ पाने के लिए इसे पूर्ण विधि विधान से स्थापित करना आवश्यक है। इस बात को ध्यान में रखते हुए इस रिपोर्ट में हम आपको नौ ग्रहों के यंत्र और इसे स्थापित करने की विधि बताने जा रहे हैं।



सूर्य यंत्र

अभी खरीदें

यंत्र: महत्व और सुझाव रिपोर्ट

यंत्रों में अद्भुत शक्तियां होती हैं। यंत्र का उपयोग एकाग्रता और ध्यान को मजबूत करने के लिये किया जाता है। यंत्रों पर ज्यामितीय रूप से कुछ संरचनाएं बनायी गयी होती हैं जिनमें मंत्रों को अंकित किया गया होता है। यंत्र की ज्यामितीय संरचनाएं बुनियादी ऊर्जाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। यंत्रों का उपयोग करने से मनुष्यों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यंत्रों को मुख्य रूप से सोने, चांदी, तांबे, हड्डी, कागज और विष्णु पत्थर पर बनाया जाता है। यंत्र न केवल हमें नकारात्मक शक्तियों से बचाते हैं बल्कि इनके जरिये हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिये भी यंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तुशास्त्र में यंत्रों को सही तरीके से इस्तेमाल करने के बारे में जानकारी दी जाती है ताकि इनके हानिकारक प्रभावों से बचा जा सके। यंत्रों के जरिये हम अपने मन और शरीर में सही तालमेल बना सकते हैं। यंत्रों को घर या कार्यक्षेत्र में स्थापित किया जा सकता है या ताबीज बनाकर गले में भी धारण किया जा सकता है।

हम आपकी कुंडली का अध्ययन करके आपको उपयुक्त यंत्र का सुझाव देते हैं। अगर आप हमारे द्वारा बताए गये यंत्र को धारण करते हैं तो इससे आपको समृद्धि और सुख की प्राप्ति हो सकती है।

सूर्य यंत्र

वैदिक ज्योतिष में सूर्य को सबसे शक्तिशाली ग्रह माना जाता है। खगोलीय दृष्टि से हम जानते हैं कि सूर्य एक तारा है। लेकिन ज्योतिष में यह सभी ग्रहों में प्रधान ग्रह है। सनातन धर्म के अनुसार सूर्य ग्रह भगवान सूर्यदेव का स्वरूप है। यदि जन्म कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है तो इससे कई प्रकार

के लाभ प्राप्त होते हैं। व्यक्ति को करियर में सफलता मिलती है और उसकी मानसिक शक्ति मजबूत होती है। सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति के अंदर लीडरशिप क्वालिटी का गुण पैदा होता है और निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में व्यक्ति को उच्च पद की प्राप्ति होती है। यदि आपको कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है तो आपको सूर्य यंत्र को स्थापित करना चाहिए। सूर्य यंत्र आपके साहस में वृद्धि करता है। यह व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य दृष्टिकोण को मजबूत करता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सही निर्णय ले पाने में सक्षम होता है और वह अपने शत्रुओं पर भी विजय प्राप्त करता है। जो व्यक्ति सूर्य यंत्र की स्थापना कर उसकी आराधना करता है उसके व्यक्तित्व का विकास होता है और कार्यक्षेत्र में पदोन्नति मिलती है। यह यंत्र इतना चमत्कारिक है कि इससे प्रभाव से व्यक्ति की आर्थिक परेशानियाँ दूर होती हैं। सरकारी नौकरी दिलाने में यह यंत्र बहुत सहायक है।

सूर्य यंत्र को स्थापित करने की विधि

- सूर्य यंत्र को स्थापित करने से पूर्व यंत्र को शुद्ध करने के लिए इस पर गंगाजल अथवा कच्चे दूध का छिड़काव करें।
- उसके बाद भगवान शिव या भगवान विष्णु जी की सफेद अथवा लाल पुष्प, धूप, अगरबत्ती के साथ आराधना करें और सूर्य के बीज मंत्र - "ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः" का 108 बार जाप करें।

उपरोक्त विधान को करने के बाद यंत्र को रविवार की प्रातः अथवा कृतिका, उत्तराफाल्गुनी और उत्तराषाढा नक्षत्र में स्थापित कर सकते हैं।

सिद्ध यंत्रों का महत्व

बाज़ार में आपको सामान्य यंत्र अवश्य मिल जाएंगे परंतु सिद्ध यंत्र आपको नहीं मिलेंगे। क्योंकि यंत्र को सिद्ध करने के लिए एक निश्चित विधि का पालन किया जाता है और इसे संबंधित मंत्रों के द्वारा सिद्ध किया जाता है। एस्ट्रोसेज पर आपके लिए अच्छी गुणवत्ता वाली और असली जड़ियाँ उपलब्ध हैं। हमारे यहाँ उपलब्ध जड़ियों की क्वालिटी और इसकी वास्तविकता की जाँच सभी तरह से की जाती है। ध्यान रहे, बिना सिद्ध के किसी भी यंत्र का प्रभाव शून्य ही रहता है जिससे जातकों को उसके परिणाम नहीं प्राप्त होते हैं।

शुभ घड़ी

विवाह के लिए शुभ समय

विवाह जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कभी-कभी कुछ कारणों की वजह से विवाह में विलंब आते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में भी कुछ परेशानियां आती हैं। इस संबंध में हमने पूरी कोशिश की है कि आपको जन्म कुंडली के आधार पर सटीक जानकारी दी जाये। नीचे दी गई सारणी में सिलसिलेवार तरीके से उल्लेख किया है कि, आपके विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए कौन सा समय सबसे अच्छा होगा? साथ ही इन मामलों में आपको कब-कब परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसकी जानकारी भी आप ले सकते हैं



18 से 45 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	केतु	29/ 7/1997	5/12/1997	शुभ
चंद्र	चंद्र	5/12/1998	5/10/1999	शुभ
चंद्र	मंगल	5/10/1999	5/ 5/2000	उत्तम
चंद्र	गुरु	5/11/2001	5/ 3/2003	शुभ
चंद्र	शनि	5/ 3/2003	5/10/2004	शुभ
चंद्र	बुध	5/10/2004	5/ 3/2006	सर्वोत्तम
चंद्र	केतु	5/ 3/2006	5/10/2006	शुभ
चंद्र	सूर्य	5/ 6/2008	5/12/2008	शुभ
मंगल	मंगल	5/12/2008	2/ 5/2009	शुभ
मंगल	राहु	2/ 5/2009	20/ 5/2010	शुभ
मंगल	गुरु	20/ 5/2010	26/ 4/2011	सर्वोत्तम
मंगल	बुध	5/ 6/2012	2/ 6/2013	उत्तम
मंगल	केतु	2/ 6/2013	29/10/2013	शुभ
मंगल	सूर्य	29/12/2014	5/ 5/2015	शुभ
मंगल	चंद्र	5/ 5/2015	5/12/2015	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विक्षेपण
राहु	राहु	5/12/2015	17/ 8/2018	शुभ
राहु	गुरु	17/ 8/2018	11/ 1/2021	शुभ
राहु	बुध	17/11/2023	5/ 6/2026	उत्तम

करियर के लिए शुभ समय

करियर को लेकर हर व्यक्ति की एक महत्वाकांक्षा होती है। जीवन में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है और कुछ करना चाहता है, लेकिन जीवन में कभी-कभी कुछ ऐसे मोड़ आते हैं जब करियर के क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर कभी ऐसा संयोग भी बनता है जब हमें करियर के क्षेत्र में तरक्की भी मिलती है। हमारा प्रयास है कि आपकी जन्म कुंडली के आधार पर आपकी करियर लाइफ का सटीक विश्लेषण करें। इस टेबल के जरिए आप जान सकते हैं आपके करियर का बेहतर और कठिन समय



18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	केतु	29/ 7/1997	5/12/1997	उत्तम
सूर्य	शुक्र	5/12/1997	5/12/1998	सर्वोत्तम
चंद्र	मंगल	5/10/1999	5/ 5/2000	सर्वोत्तम
चंद्र	गुरु	5/11/2001	5/ 3/2003	शुभ
चंद्र	शनि	5/ 3/2003	5/10/2004	शुभ
चंद्र	बुध	5/10/2004	5/ 3/2006	शुभ
चंद्र	केतु	5/ 3/2006	5/10/2006	शुभ
चंद्र	शुक्र	5/10/2006	5/ 6/2008	उत्तम
चंद्र	सूर्य	5/ 6/2008	5/12/2008	शुभ
मंगल	मंगल	5/12/2008	2/ 5/2009	उत्तम
मंगल	गुरु	20/ 5/2010	26/ 4/2011	सर्वोत्तम
मंगल	शनि	26/ 4/2011	5/ 6/2012	शुभ
मंगल	बुध	5/ 6/2012	2/ 6/2013	शुभ
मंगल	केतु	2/ 6/2013	29/10/2013	शुभ
मंगल	शुक्र	29/10/2013	29/12/2014	शुभ
मंगल	चंद्र	5/ 5/2015	5/12/2015	शुभ
राहु	गुरु	17/ 8/2018	11/ 1/2021	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विक्षेपण
राहु	शनि	11/ 1/2021	17/11/2023	उत्तम
राहु	बुध	17/11/2023	5/ 6/2026	शुभ
राहु	केतु	5/ 6/2026	23/ 6/2027	शुभ
राहु	शुक्र	23/ 6/2027	23/ 6/2030	शुभ
राहु	चंद्र	17/ 5/2031	17/11/2032	शुभ
राहु	मंगल	17/11/2032	5/12/2033	सर्वोत्तम
गुरु	गुरु	5/12/2033	23/ 1/2036	शुभ
गुरु	शनि	23/ 1/2036	5/ 8/2038	शुभ
गुरु	बुध	5/ 8/2038	11/11/2040	सर्वोत्तम
गुरु	केतु	11/11/2040	17/10/2041	शुभ
गुरु	शुक्र	17/10/2041	17/ 6/2044	शुभ

व्यापार के लिए शुभ अवधि

व्यापार में वृद्धि और जीवन में समृद्धि हर व्यक्ति की इच्छा होती है। जहां व्यापार में सफलता हमें उन्नति के शिखर पर लेकर जाती है, वहीं दूसरी ओर कई बार व्यापार में मिलने वाली असफलता से आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। हर व्यक्ति अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है और जीवन में आर्थिक रूप से समृद्ध होना चाहता है। नीचे दी गई तालिका में हमने प्रयास किया है कि आपको व्यापार के बारे में शुभ और चुनौतिपूर्ण समय की जानकारी दे सकें। जिसके द्वारा आप अपने व्यापार को एक नई दिशा दे सकें



18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	केतु	29/ 7/1997	5/12/1997	उत्तम
सूर्य	शुक्र	5/12/1997	5/12/1998	शुभ
चंद्र	मंगल	5/10/1999	5/ 5/2000	सर्वोत्तम
चंद्र	गुरु	5/11/2001	5/ 3/2003	उत्तम
चंद्र	शनि	5/ 3/2003	5/10/2004	शुभ
चंद्र	बुध	5/10/2004	5/ 3/2006	शुभ
चंद्र	केतु	5/ 3/2006	5/10/2006	शुभ
चंद्र	शुक्र	5/10/2006	5/ 6/2008	शुभ
चंद्र	सूर्य	5/ 6/2008	5/12/2008	शुभ
मंगल	मंगल	5/12/2008	2/ 5/2009	उत्तम
मंगल	गुरु	20/ 5/2010	26/ 4/2011	शुभ
मंगल	शनि	26/ 4/2011	5/ 6/2012	शुभ
मंगल	बुध	5/ 6/2012	2/ 6/2013	सर्वोत्तम
मंगल	केतु	2/ 6/2013	29/10/2013	शुभ
मंगल	शुक्र	29/10/2013	29/12/2014	शुभ
मंगल	सूर्य	29/12/2014	5/ 5/2015	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विक्षेपण
राहु	गुरु	17/ 8/2018	11/ 1/2021	शुभ
राहु	शनि	11/ 1/2021	17/11/2023	शुभ
राहु	बुध	17/11/2023	5/ 6/2026	शुभ
राहु	केतु	5/ 6/2026	23/ 6/2027	उत्तम
राहु	शुक्र	23/ 6/2027	23/ 6/2030	शुभ
राहु	सूर्य	23/ 6/2030	17/ 5/2031	शुभ
राहु	मंगल	17/11/2032	5/12/2033	सर्वोत्तम
गुरु	गुरु	5/12/2033	23/ 1/2036	सर्वोत्तम
गुरु	शनि	23/ 1/2036	5/ 8/2038	शुभ
गुरु	बुध	5/ 8/2038	11/11/2040	शुभ
गुरु	केतु	11/11/2040	17/10/2041	शुभ
गुरु	शुक्र	17/10/2041	17/ 6/2044	शुभ
गुरु	सूर्य	17/ 6/2044	5/ 4/2045	शुभ

गृह निर्माण के लिए शुभ अवधि

जीवन में अपना घर हर किसी का सपना होता है। हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके पास एक अच्छा घर और खुशहाल जीवन हो। इसके लिए हर व्यक्ति अपने स्तर पर भरपूर प्रयास करता है। हालांकि अपने इस सपने को पूरा करने में कुछ लोग जल्दी सफल हो जाते हैं और कुछ लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। नीचे दी गई सारणी के माध्यम से आप जान सकते हैं कि, कौन सा समय आपके गृह निर्माण के लिए उपयुक्त रहेगा



18 से 75 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	केतु	29/ 7/1997	5/12/1997	शुभ
सूर्य	शुक्र	5/12/1997	5/12/1998	शुभ
चंद्र	मंगल	5/10/1999	5/ 5/2000	सर्वोत्तम
चंद्र	राहु	5/ 5/2000	5/11/2001	शुभ
चंद्र	गुरु	5/11/2001	5/ 3/2003	शुभ
चंद्र	शनि	5/ 3/2003	5/10/2004	शुभ
चंद्र	केतु	5/ 3/2006	5/10/2006	शुभ
चंद्र	शुक्र	5/10/2006	5/ 6/2008	शुभ
चंद्र	सूर्य	5/ 6/2008	5/12/2008	उत्तम
मंगल	मंगल	5/12/2008	2/ 5/2009	सर्वोत्तम
मंगल	राहु	2/ 5/2009	20/ 5/2010	शुभ
मंगल	गुरु	20/ 5/2010	26/ 4/2011	शुभ
मंगल	शनि	26/ 4/2011	5/ 6/2012	उत्तम
मंगल	केतु	2/ 6/2013	29/10/2013	शुभ
मंगल	सूर्य	29/12/2014	5/ 5/2015	शुभ
मंगल	चंद्र	5/ 5/2015	5/12/2015	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विक्षेपण
राहु	राहु	5/12/2015	17/ 8/2018	शुभ
राहु	गुरु	17/ 8/2018	11/ 1/2021	शुभ
राहु	शनि	11/ 1/2021	17/11/2023	उत्तम
राहु	केतु	5/ 6/2026	23/ 6/2027	शुभ
राहु	सूर्य	23/ 6/2030	17/ 5/2031	शुभ
राहु	चंद्र	17/ 5/2031	17/11/2032	शुभ
राहु	मंगल	17/11/2032	5/12/2033	सर्वोत्तम
गुरु	गुरु	5/12/2033	23/ 1/2036	शुभ
गुरु	शनि	23/ 1/2036	5/ 8/2038	शुभ
गुरु	केतु	11/11/2040	17/10/2041	शुभ
गुरु	सूर्य	17/ 6/2044	5/ 4/2045	शुभ
गुरु	चंद्र	5/ 4/2045	5/ 8/2046	शुभ
गुरु	मंगल	5/ 8/2046	11/ 7/2047	सर्वोत्तम
गुरु	राहु	11/ 7/2047	5/12/2049	उत्तम
शनि	शनि	5/12/2049	8/12/2052	शुभ

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---

तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	अतिशत्रु
चंद्र	सम	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	---	सम	मित्र
शुक्र	अतिशत्रु	अतिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	सम
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	---

शोडषवर्ग तालिका

शोडषवर्ग तालिका														
क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	स्	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	2	5	5	3	4	4	5	5	5	11	7	8	6
2	होरा	5	5	4	4	5	5	5	4	4	4	4	5	5
3	द्रेष्काण	6	5	9	7	8	12	5	1	9	3	3	4	2
4	चतुर्थांश	8	5	11	9	10	1	5	11	11	5	4	5	3
5	सप्तमांश	11	6	8	6	2	4	6	9	8	2	0	7	5
6	नवमांश	2	2	6	11	9	12	2	7	5	11	2	11	5
7	दशमांश	3	7	10	8	6	9	6	12	10	4	2	12	9
8	द्वादशांश	8	7	12	9	11	3	7	1	11	5	4	5	3
9	षोडशांश	1	8	2	5	11	4	8	4	1	1	1	5	9
10	विंशांश	7	1	8	3	1	8	12	11	7	7	4	1	8
11	चतुर्विंशांश	4	10	7	6	7	2	9	10	5	5	11	11	11
12	सप्तविंशांश	5	6	5	9	3	11	6	8	2	8	4	7	1
13	त्रिंशांश	12	11	9	9	12	8	11	3	9	9	3	10	10
14	खवेदांश	3	9	12	10	8	9	8	5	9	9	8	3	2
15	अक्षवेदांश	3	2	7	9	5	8	1	1	3	3	12	5	8
16	षष्ट्यंश	8	5	4	11	5	1	4	11	11	5	6	8	5

शोडषवर्ग भाव तालिका

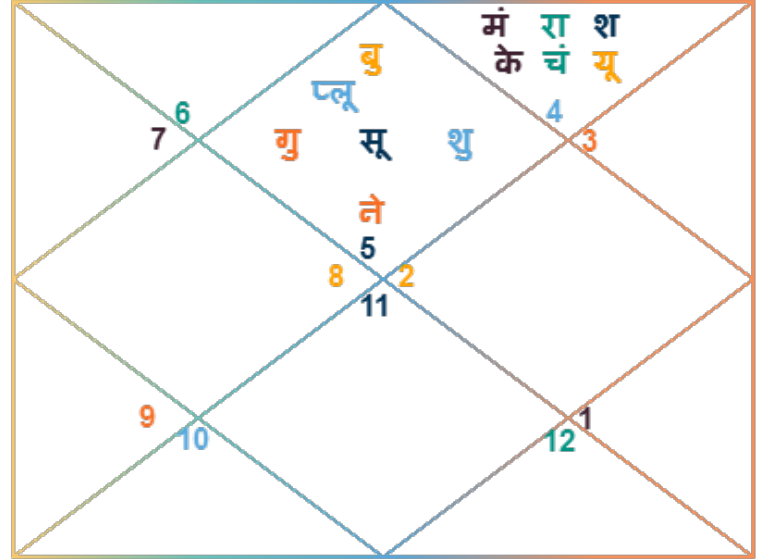
क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	स्	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	1	4	4	2	3	3	4	4	4	10	6	7	5
2	होरा	1	1	12	12	1	1	1	12	12	12	12	1	1
3	द्रेष्काण	1	12	4	2	3	7	12	8	4	10	10	11	9
4	चतुर्थांश	1	10	4	2	3	6	10	4	4	10	9	10	8
5	सप्तमांश	1	8	10	8	4	6	8	11	10	4	2	9	7
6	नवमांश	1	1	5	10	8	11	1	6	4	10	1	10	4
7	दशमांश	1	5	8	6	4	7	4	10	8	2	12	10	7
8	द्वादशांश	1	12	5	2	4	8	12	6	4	10	9	10	8
9	षोडशांश	1	8	2	5	11	4	8	4	1	1	1	5	9
10	विंशांश	1	7	2	9	7	2	6	5	1	1	10	7	2
11	चतुर्विंशांश	1	7	4	3	4	11	6	7	2	2	8	8	8
12	सप्तविंशांश	1	2	1	5	11	7	2	4	10	4	12	3	9
13	त्रिंशांश	1	12	10	10	1	9	12	4	10	10	4	11	11
14	खवेदांश	1	7	10	8	6	7	6	3	7	7	6	1	12
15	अक्षवेदांश	1	12	5	7	3	6	11	11	1	1	10	3	6
16	षष्टयंश	1	10	9	4	10	6	9	4	4	10	11	1	10

शोडषवर्ग कुण्डलियाँ

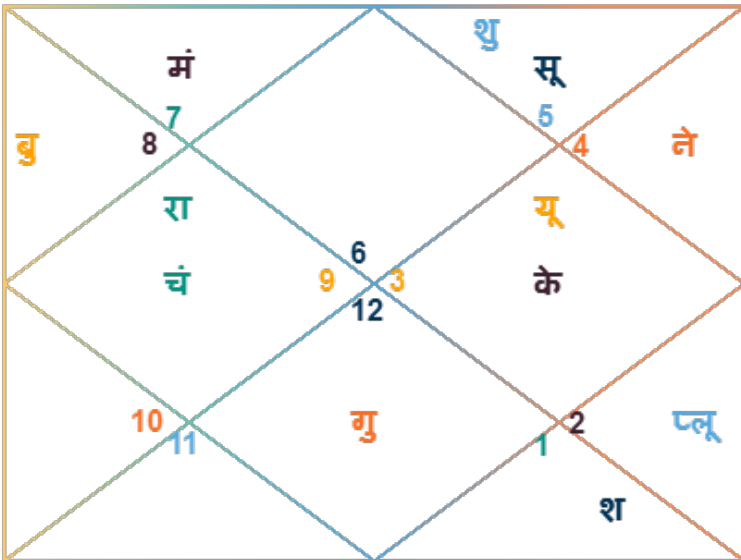
■ लग्न



■ होरा (धन-सम्पत्ति)



■ द्रेष्काण (भाई-बहन)



■ चतुर्थाश (भाग्य)



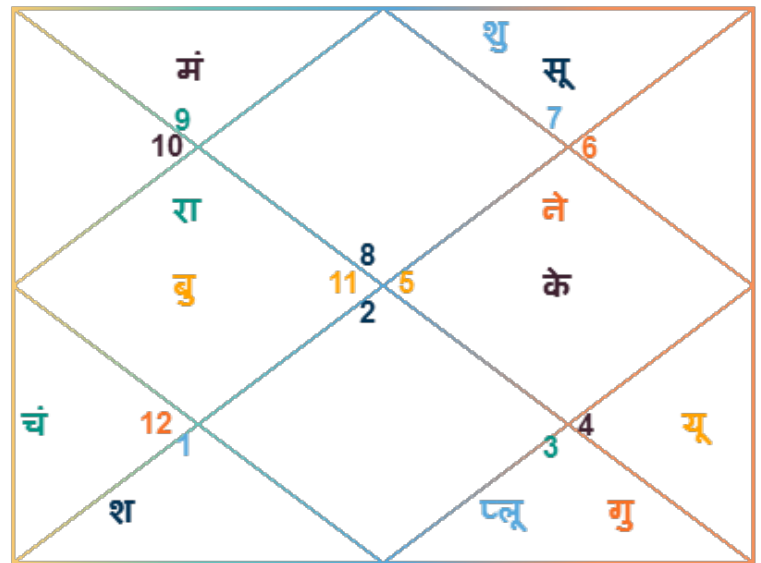
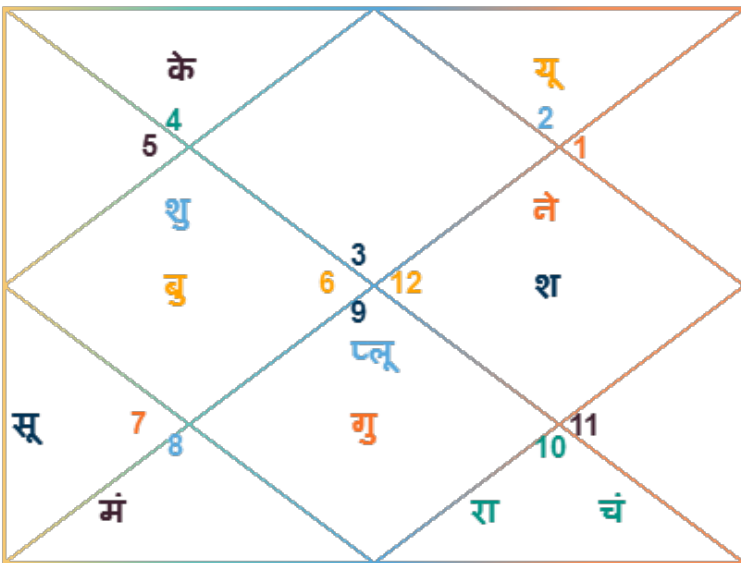
■ सप्तमांश (बच्चे)

■ नवमांश (पति /पत्नी)



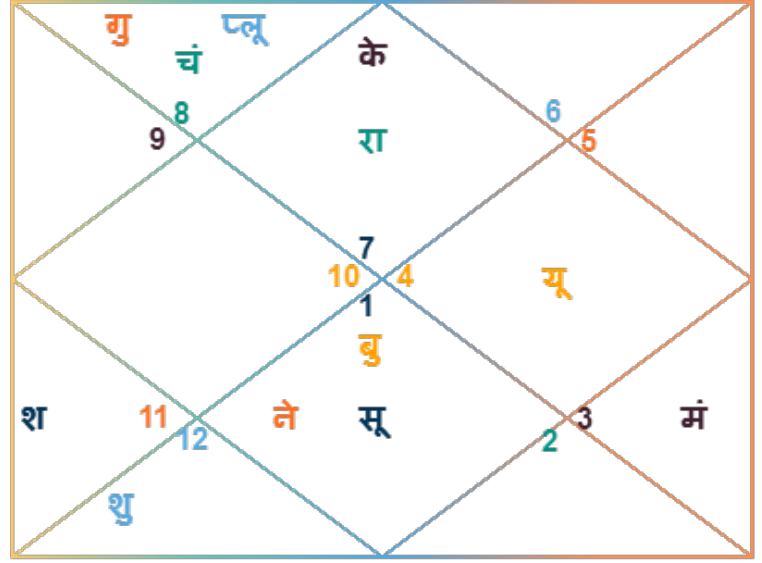
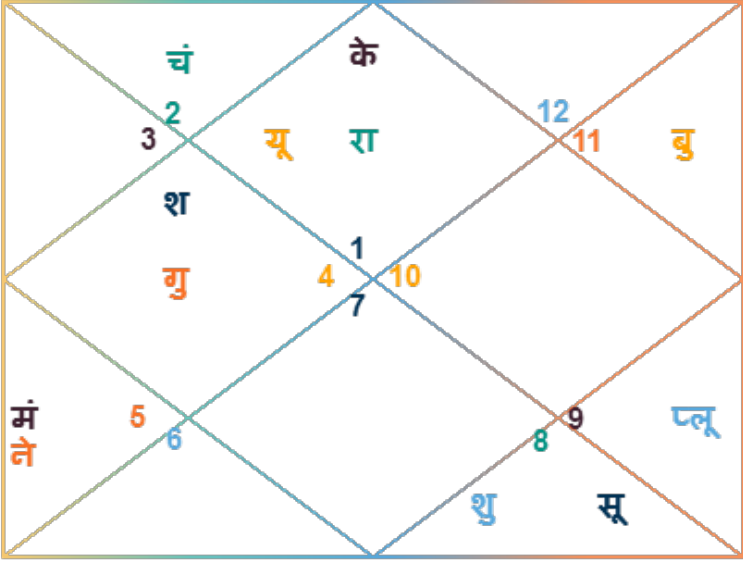
■ दशमांश (व्यवसाय)

■ द्वादशांश (माता-पिता)



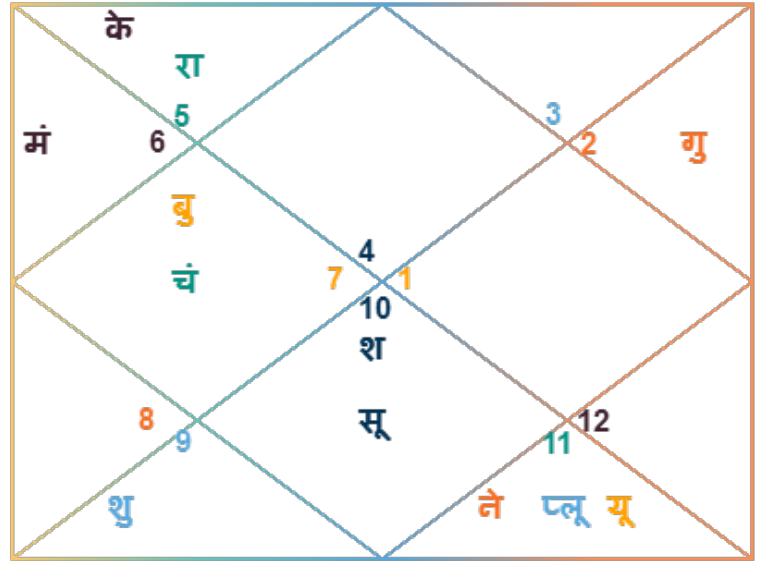
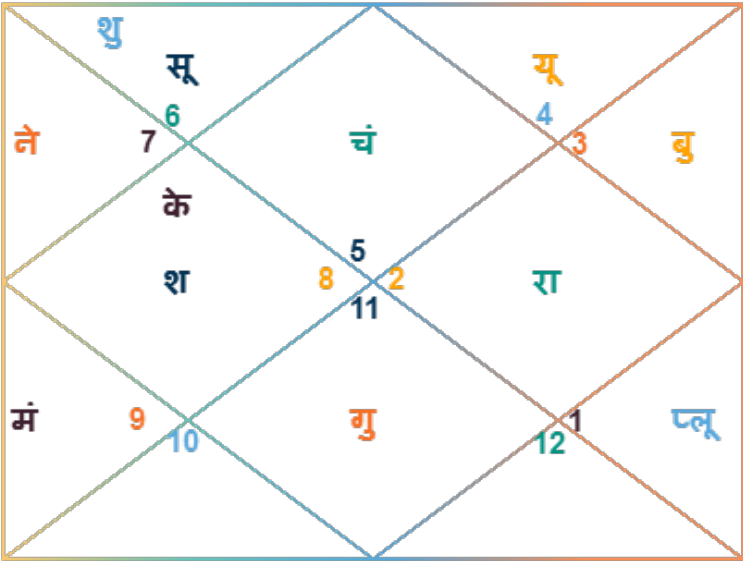
■ षोडशांश (वाहन)

■ विंशांश (धार्मिक रुचि)

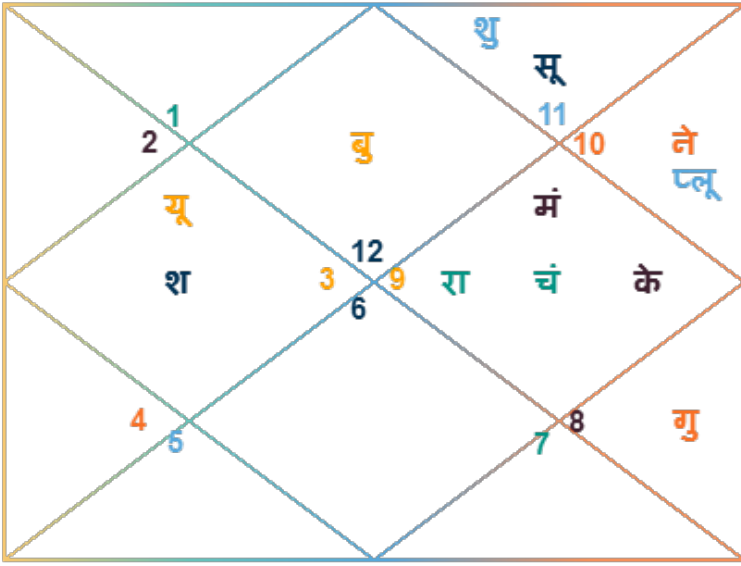


■ सप्तविंशांश (बल)

■ चतुर्विंशांश (शिक्षा)



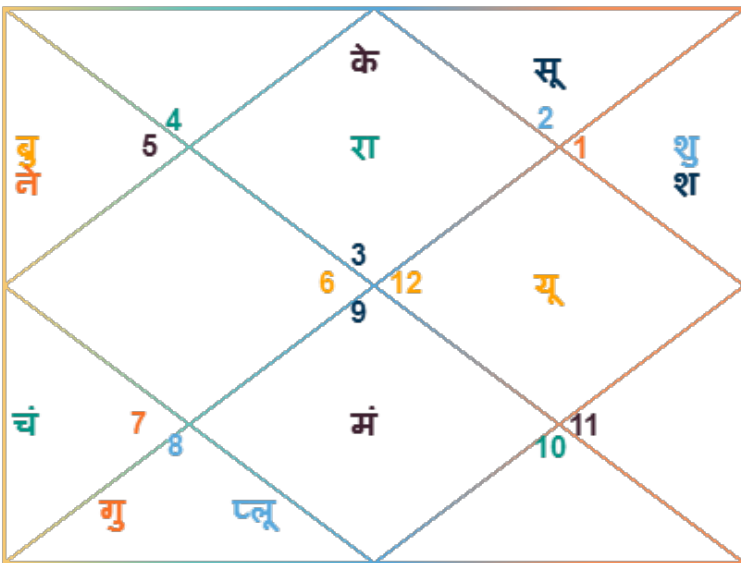
■ त्रिंशांश (दुर्भाग्य)



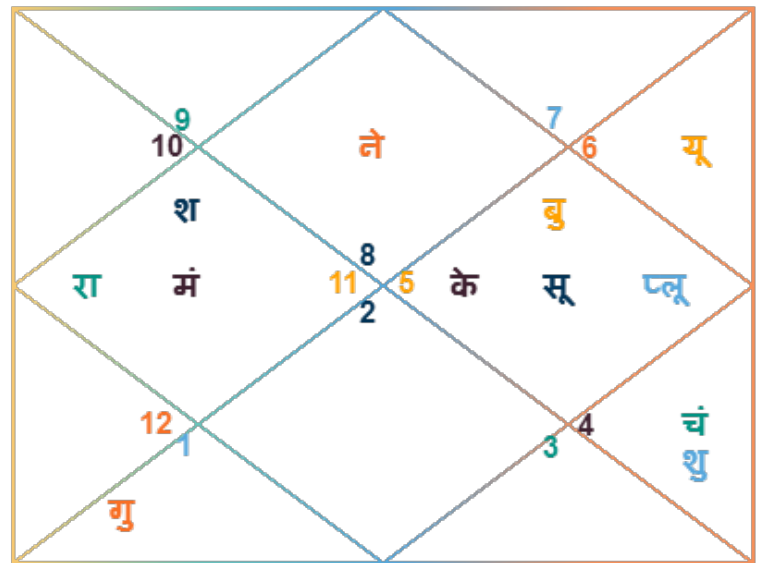
■ खवेदांश (शुभ फल)



■ अक्षवेदांश (सामान्य जीवन)



■ षष्टयंश (सामान्य जीवन)



षड्बल एवं भावबल तालिका

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। षड् का संस्कृत में मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते हैं तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	21.18	25.06	13.87	41.31	52.1	17.01	40.49
सप्तवर्गज बल	125.63	120.0	112.5	90.0	151.88	95.63	63.75
ओजयुग्मरस्यांश बल	15	15	30	15	0	15	30
केन्द्र बल	60	60	30	15	15	60	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	236.8	220.06	186.37	176.31	218.97	187.63	194.24
कुल दिग्बल	2.64	53.58	14.05	38.77	35.51	57.52	32.08
नतोनंत बल	2.55	57.45	57.45	60.0	2.55	2.55	57.45
पक्ष बल	56.22	56.22	56.22	3.78	3.78	3.78	56.22
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	15	0	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	89.26	20.75	59.28	51.7	47.85	44.83	22.48
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	148.03	164.41	172.94	130.48	159.19	171.17	136.15
कुल चेष्टा बल	39.99	3.78	23.74	24.71	3.18	0.47	4.14
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	-2.51	-4.1	-12.06	-0.32	-1.54	-2.45	-4.7
कुल षड्बल	484.95	489.15	402.2	395.7	449.57	457.18	370.49
षड्बल (रूपस)	8.08	8.15	6.7	6.59	7.49	7.62	6.17

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.62	1.36	1.34	0.94	1.15	1.39	1.23
सापेक्षिक क्रम	1	3	4	7	6	2	5
इष्ट फल	29.1	9.73	18.15	31.95	12.87	2.83	12.95
कष्ट फल	27.87	44.32	40.9	25.68	21.19	50.59	33.01

भावबल तालिका

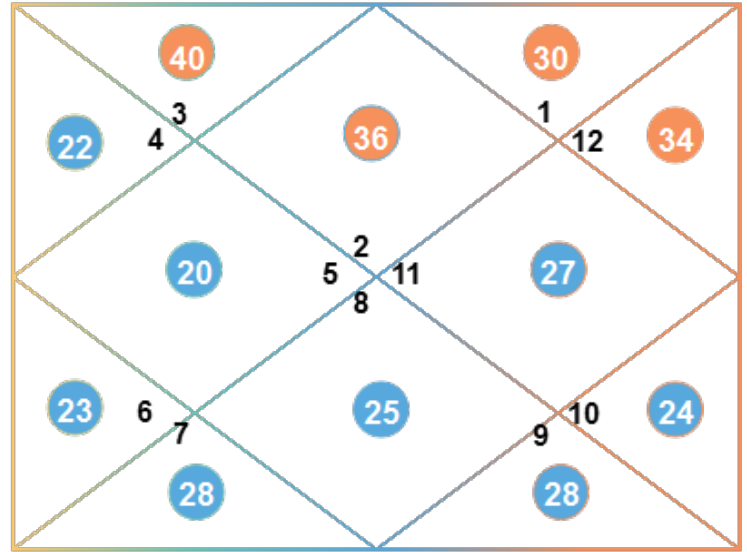
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	457.18	395.7	489.15	484.95	395.7	457.18	402.2	449.57	370.49	370.49	449.57	402.2
भाव दिग्बल	30	50	50	60	20	10	60	10	50	0	10	40
भावदृष्टि बल	-0.09	-13.74	0.0	-1.52	2.12	44.75	36.68	29.02	20.52	92.71	47.97	55.75
कुल भाव बल	487.09	431.95	539.15	543.43	417.81	511.93	498.88	488.59	441.01	463.2	507.55	497.95
कुल भाव बल (रूपस में)	8.12	7.2	8.99	9.06	6.96	8.53	8.31	8.14	7.35	7.72	8.46	8.3
सापेक्षिक क्रम	8	11	2	1	12	3	5	7	10	9	4	6

अष्टकवर्ग - सर्वाष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	5	5	5	3	3	4	2	4	3	3	5	6
चंद्र	4	5	5	4	2	1	8	3	2	5	7	3
मंगल	3	5	6	3	1	2	3	2	4	4	2	4
बुध	5	5	8	3	3	5	2	4	6	3	4	6
गुरु	6	5	5	4	4	6	5	3	5	5	4	4
शुक्र	5	6	5	3	4	4	4	6	5	1	2	7
शनि	2	5	6	2	3	1	4	3	3	3	3	4
योग	30	36	40	22	20	23	28	25	28	24	27	34

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित



प्रस्तरअष्टकवर्ग

सूर्य

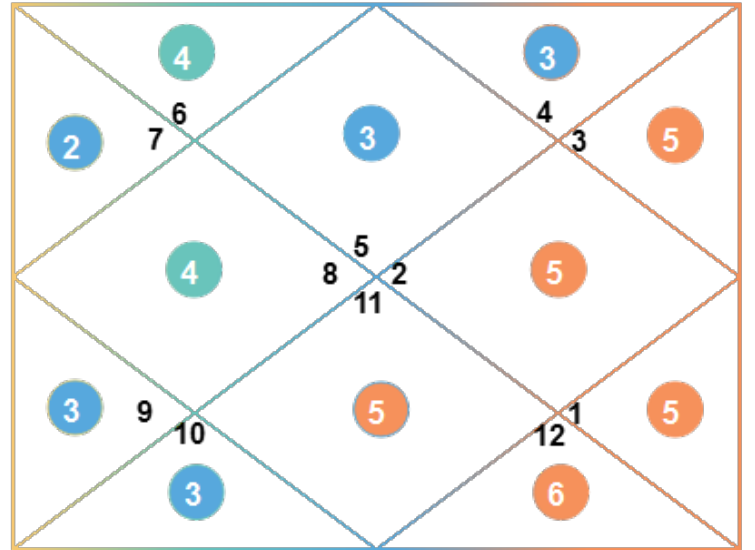
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चंद्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	3
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	5	5	5	3	3	4	2	4	3	3	5	6	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

सूर्य कारकत्व

- पिता
- सरकार
- स्वास्थ्य



चंद्र

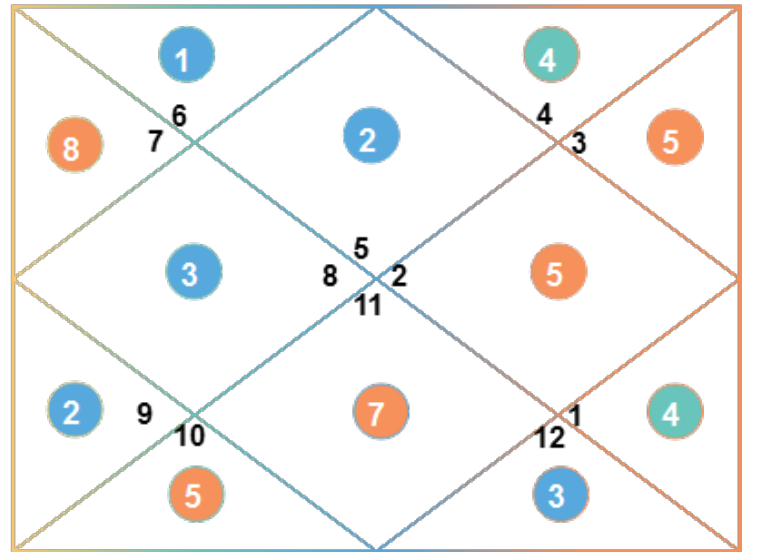
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चंद्र	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	0	6
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	7
बुध	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	7
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	4	5	5	4	2	1	8	3	2	5	7	3	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

चंद्र कारकत्व

- माता
- मन
- आँख



मंगल

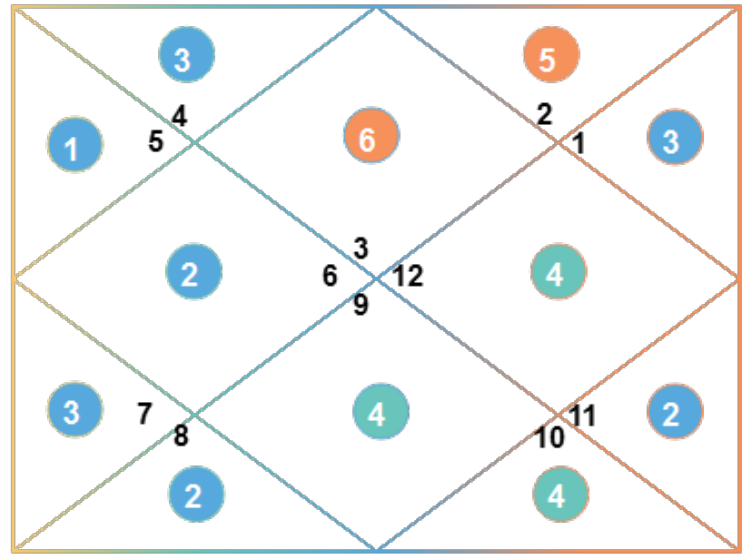
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	4
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	3	5	6	3	1	2	3	2	4	4	2	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

मंगल कारकत्व

- भाई - बहन
- साहस
- प्रॉपर्टी



बुध

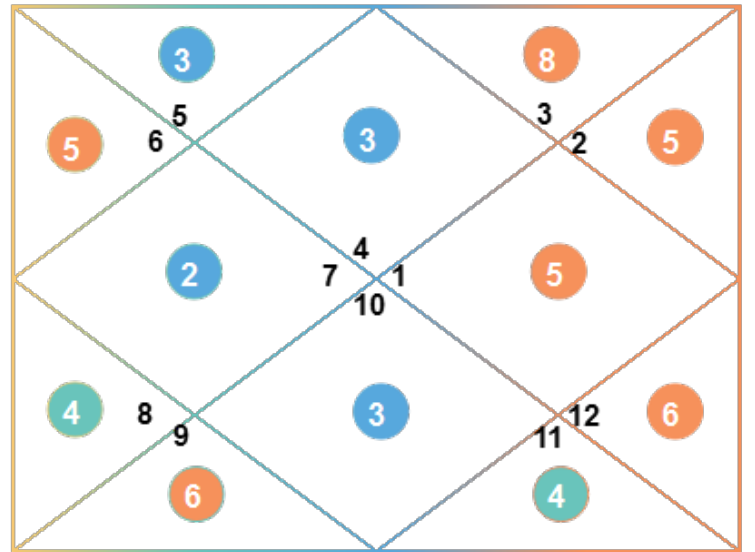
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	6
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	5	5	8	3	3	5	2	4	6	3	4	6	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

बुध कारकत्व

- व्यापार
- बुद्धि
- शिक्षा



गुरु

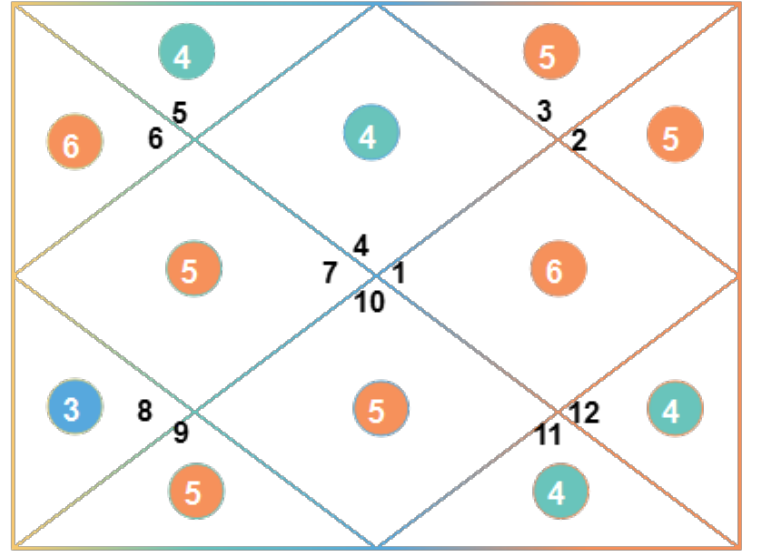
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चंद्र	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	6	5	5	4	4	6	5	3	5	5	4	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

गुरु कारकत्व

- संतान
- ज्ञान
- पैसा
- धर्म



शुक्र

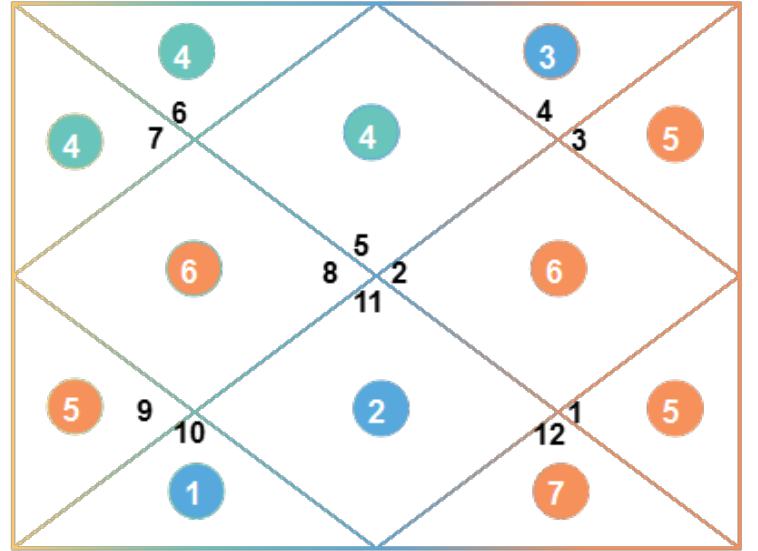
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	5
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	9
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	5	6	5	3	4	4	4	6	5	1	2	7	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शुक्र कारकत्व

- वाहन
- जीवनसाथी
- विलासिता
- विवाह



शनि

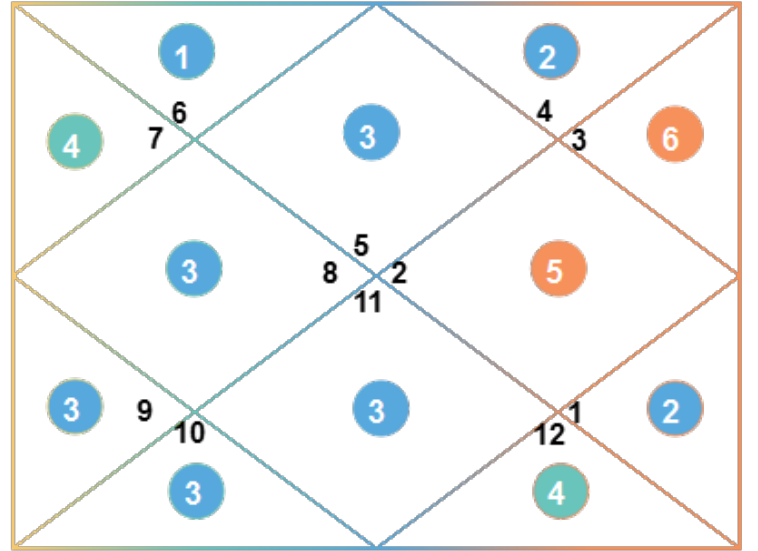
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	6
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	2	5	6	2	3	1	4	3	3	3	3	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शनि कारकत्व

- रोजगार
- दीर्घायु
- नौकर - चाकर



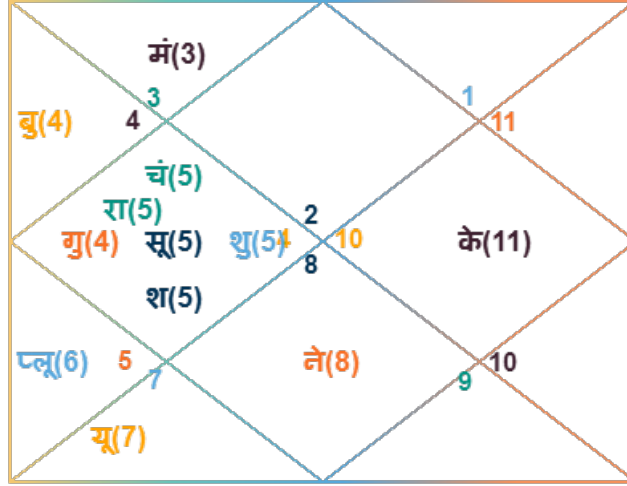
केपी पद्धति

ग्रह			
ग्रह	अंश	रा-नक-सब-सस	व
सूर्य	126-33-03	सूर्य-केतु-राहु-बुध	मा
चंद्र	137-54-08	सूर्य-शुक्र-मंगल-शुक्र	मा
मंगल	076-29-04	बुध-राहु-शुक्र-गुरु	मा
बुध	109-00-28	चंद्र-बुध-केतु-गुरु	मा
गुरु	118-48-03	चंद्र-बुध-शनि-शुक्र	मा
शुक्र	126-04-27	सूर्य-केतु-राहु-गुरु	मा
शनि	141-34-11	सूर्य-शुक्र-गुरु-मंगल	मा
राहु	135-18-31	सूर्य-शुक्र-शुक्र-बुध	व
केतु	315-18-31	शनि-राहु-शुक्र-शुक्र	व
यूरेनस	203-48-50	शुक्र-गुरु-शनि-गुरु	मा
नेपच्यून	234-14-14	मंगल-बुध-राहु-राहु	व
प्लूटो	173-50-44	बुध-मंगल-मंगल-केतु	मा

भाव			
संधि	अंश	रा-नक-सब-सस	
1	045-19-55	शुक्र-चंद्र-गुरु-मंगल	
2	069-49-44	बुध-राहु-गुरु-शुक्र	
3	092-59-53	चंद्र-गुरु-राहु-सूर्य	
4	118-38-17	चंद्र-बुध-शनि-केतु	
5	149-59-27	सूर्य-सूर्य-राहु-शनि	
6	187-32-18	शुक्र-राहु-राहु-शनि	
7	225-19-55	मंगल-शनि-गुरु-शनि	
8	249-49-44	गुरु-केतु-शनि-बुध	
9	272-59-53	शनि-सूर्य-गुरु-राहु	
10	298-38-17	शनि-मंगल-शनि-केतु	

संधि	अंश	रा-नक-सब-सस
11	329-59-27	शनि-गुरु-चंद्र-शनि
12	007-32-18	मंगल-केतु-राहु-मंगल

केपी संधि कुण्डली



कारक व शासक ग्रह

ग्रह कारकत्व

ग्रह	घर				
सूर्य	4	5	10		
चंद्र	1	3	4	6	
मंगल	2	4	7	12	
बुध	2	3			
गुरु	2	3	4	8	
शुक्र	1	4	6	10	
शनि	1	4	6	9	10 11
राहु	1	4	6		
केतु	4	10			

घर के कारक ग्रह

घर	ग्रह							
I	चंद्र				शुक्र	शनि	राहु	
II		मंगल	बुध	गुरु				
III	चंद्र		बुध	गुरु				
IV	सूर्य	चंद्र	मंगल	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
V	सूर्य							
VI	चंद्र				शुक्र	शनि	राहु	
VII		मंगल						
VIII				गुरु				
IX						शनि		
X	सूर्य				शुक्र	शनि		केतु
XI						शनि		
XII		मंगल						

शासक ग्रह

लग्न नक्षत्र स्वामी	चंद्र
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
चंद्र नक्षत्र स्वामी	शुक्र
चंद्र राशि स्वामी	सूर्य
दिन स्वामी	गुरु
लग्न सब स्वामी	गुरु
चंद्र सब स्वामी	मंगल

4-स्टेप ग्रह निर्देशन

सूर्य

ग्रह

सूर्य : 4 : 5 (युति-शुक्र 1 4 6)

नक्षत्र स्वामी

केतु : 10 (शनि 4 9 11)

सब स्वामी

राहु (युति-चंद्र 4)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

चंद्र

ग्रह

चंद्र : 4 (युति-राहु 4 (सूर्य 4 5)) (दृष्टि-केतु 10 शनि 4 9 11)

नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

सब स्वामी

मंगल : 2 : 7 : 12 (दृष्टि-केतु 10 शनि 4 9 11)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

राहु : 4 (सूर्य 4 5) (युति-चंद्र 4)

मंगल

ग्रह

मंगल : 2 : 7 : 12 (दृष्टि-केतु 10 शनि 4 9 11)

नक्षत्र स्वामी

राहु : 4 (सूर्य 4 5) (युति-चंद्र 4)

सब स्वामी

शुक्र (युति-सूर्य 4 5)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

केतु : 10 (शनि 4 9 11)

बुध

ग्रह

बुध : 3

नक्षत्र स्वामी

बुध : 3

सब स्वामी

केतु

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

राहु : 4 (सूर्य 4 5) (युति-चंद्र 4)

गुरु

ग्रह

गुरु : 4 : 8 4(भाव) (दृष्टि- 10)

नक्षत्र स्वामी

बुध : 3

सब स्वामी

शनि : 4 : 9 : 11

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

शुक्र

ग्रह

शुक्र

नक्षत्र स्वामी

केतु : 10 (शनि 4 9 11)

सब स्वामी

राहु (युति-चंद्र 4)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

शनि

ग्रह

शनि : 4 : 9 : 11

नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

सब स्वामी

गुरु : 4 : 8 4(भाव) (दृष्टि- 10)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

बुध : 3

राहु

ग्रह

राहु

नक्षत्र स्वामी

शुक्र : 1 : 4 : 6 (युति-सूर्य 4 5)

सब स्वामी

शुक्र (युति-सूर्य 4 5)

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

केतु : 10 (शनि 4 9 11)

केतु

ग्रह

केतु

नक्षत्र स्वामी

राहु : 4 (सूर्य 4 5) (युति-चंद्र 4)

सब स्वामी

केतु

सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी

राहु : 4 (सूर्य 4 5) (युति-चंद्र 4)

कस्पल इंटरलिंक्स (सब)

भाव	T1	T2	T3	T4
1	4,8,10	2,7,8,9		3
2	4,8,10	1,7,8,9		3
3		2,5,6,12		4
4	1,2,7,9	2,8,10		4
5		2,3,6,12		4
6		2,3,5,12		4
7	4,8,10	1,2,8,9		3
8	1,2,7,9	2,4,10		4
9	4,8,10	1,2,7,8		3
10	1,2,7,9	2,4,8		4
11		2		4
12		2,3,5,6		4

T1	नक्षत्र सब स्वामी सब स्वामी है
T2	वही ग्रह सब स्वामी है
T3	वही ग्रह नक्षत्र स्वामी का सब स्वामी है
T4	स्थित ग्रह

कस्पल इंटरलिंक्स (सब सब)

ग्रह	नक्षत्र	सब	सब सब	स्थिती अवस्था
सूर्य	4,8,10,12,5,6,7,11,2,3,9	2,3,5,6,9,12,4	4,8	3,5,9
चंद्र	2	1,10,12	4,8	1,11
मंगल	2,3,5,6,9,12,4	2	1,2,3,7,9,11	1,10,12
बुध	4,8	4,8,10,12,5,6,7,11	2,3,5,6,9,12,4,8	4,8
गुरु	4,8	4,5,6,7,8,10,11	2	1,2,3,7,9,11
शुक्र	4,8,10,12,5,6,7,11,2,3,9	2,3,5,6,9,12,4	1,2,3,7,9,11	
शनि	2	1,2,3,7,9,11	1,11	4,5,6,7,8,10,11
राहु	2,3,5,6,9,12,4,8,10	2	4,8	
केतु	4,8,10,12,5,6,7,11,2,3,9	4,8,10,12,5,6,7,11	4,8	

ग्रह निर्देशन (खाका 2)

ग्रह	नक्षत्र स्वामी की भाव स्थिति	स्वयं ग्रह की भाव स्थिति	नक्षत्र स्वामी का स्वामित्व	स्वयं ग्रह का स्वामित्व
सू +	10	4		5
चं +	4	4	1,6	3,4
मं+	4	2		12,7
बु	3	3	2	2
गु +	3	4	2	8
शु	10	4		1,6
श +	4	4	1,6	9,10,11
रा	4	4	1,6	
के	4	10		

ग्रह निर्देशन (नक्षत्र नाड़ी)

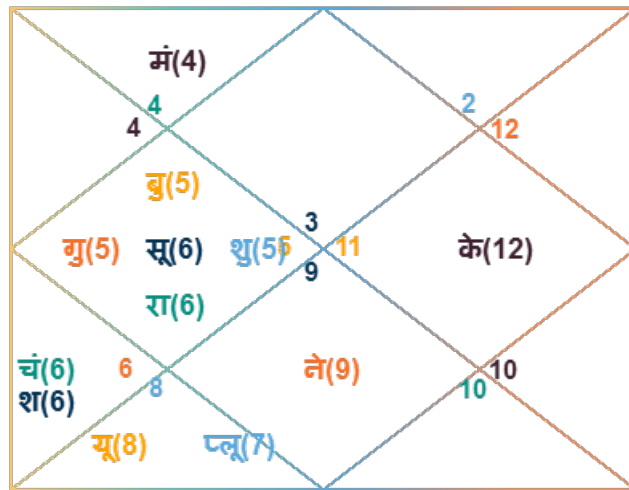
ग्रह	नक्षत्र स्वामी	सब स्वामी
सूर्य-4,5	केतु-1,3,4,5,6,9,10,11	राहु-1,3,4,5,6,9,10,11
चंद्र-3,4	शुक्र-1,4,6	मंगल-2,7,12
मंगल-2,7,12	राहु-1,3,4,5,6,9,10,11	शुक्र-1,4,6
बुध-2,3	बुध-2,3	केतु-1,3,4,5,6,9,10,11
गुरु-4,8	बुध-2,3	शनि-4,9,10,11
शुक्र-1,4,6	केतु-1,3,4,5,6,9,10,11	राहु-1,3,4,5,6,9,10,11
शनि-4,9,10,11	शुक्र-1,4,6	गुरु-4,8
राहु-1,3,4,5,6,9,10,11	शुक्र-1,4,6	शुक्र-1,4,6
केतु-1,3,4,5,6,9,10,11	राहु-1,3,4,5,6,9,10,11	केतु-1,3,4,5,6,9,10,11

पाश्चात्य पद्धति

यह खंड ट्रॉपिकल प्लैनेटरी और हाउस पदों को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, मूल्यों को अयनांश के शून्य मान के साथ दिखाया गया है !

ग्रह		घर	
ग्रह	अंश	संघि	अंश
सूर्य	150.02.00	1	068.48.52
चंद्र	161.23.05	2	093.18.41
मंगल	099.58.00	3	116.28.49
बुध	132.29.24	4	142.07.13
गुरु	142.16.59	5	173.28.23
शुक्र	149.33.23	6	211.01.15
शनि	165.03.07	7	248.48.52
राहु	158.47.27	8	273.18.41
केतु	338.47.27	9	296.28.49
यूरेनस	227.17.46	10	322.07.13
नेपच्यून	257.43.11	11	353.28.23
प्लूटो	197.19.41	12	031.01.15

पाश्चात्य कुण्डली



पाश्चात्य दृष्टि

दृष्टि क्या है?

ज्योतिष शास्त्र में दृष्टि एक कोणीय दूरी को कहते हैं जिसे किसी राशि में दो बिंदुओं के बीच डिग्री और आकाशीय देशांतर के मिनट में मापा जाता है। वैदिक ज्योतिष से विपरीत पश्चिमी में दृष्टि को अच्छी और बुरी दृष्टि में विभाजित किया जाता है। अच्छी दृष्टि का फल भी अच्छा होता है क्योंकि यह आपके जीवन में प्रगति और सुख-शांति का प्रतीक है। यदि दो खगोलीय पिंड एक दूसरे पर अच्छी दृष्टि डालते हैं तो पश्चिमी ज्योतिष के अनुसार इसका परिणाम सकारात्मक होगा। यदि देशांतर का अंतर सटीक है तो दृष्टि को मजबूत माना जाता है। हालांकि वास्तविक दुनिया में हम बहुत कम ही सटीक दृष्टियों को देखते हैं। दृष्टियों की गणना करने के लिये और दृष्टि किसी अंतर पर लागू होगी इसके लिये एक प्रकाश पिंड का उपयोग किया जाता है। एक दृष्टि के किसी भी ओर प्रकाश पिंड अलग-अलग डिग्रियों में मौजूद रहता है।

यहां हमने दृष्टियों उनके असर और उनकी परिक्रमा की गणना की गई है-

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति-CONJUNCTION	0	15	10	सप्त-OPPOSITION	180	15	10
पंच-TRINE	120	6	3	चतुर्थ-SQUARE	90	6	3
तृती-SEXTILE	60	6	3	अर्धद्वितीय-SEMI SQUARE	45	1	1
नवां-NONILE	40	1	1	पंचा-QUINLILE	72	1	1
अष्ट-SESQUIQUADRATE	135	1	1	षष्ठ-QUINCUNC	150	1	1

नोट

तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

भावमध्य पर दृष्टि

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	45	69	94	118	154	189	225	249	274	298	334	9
	14	40	6	32	6	40	14	40	6	32	6	40
सूर्य 126 . 27	तृती 1.39	..	पंच 1.39	..	सप्त 4.72
चंद्र 137 . 48	चतुर्थ 1.71
मंगल 76 . 23	सप्त 5.52
बुध 108 . 55	युति 3.58	अर्धद्वितीय 0.81	..	पंच 1.16	..	सप्त 0.13	सप्त 3.58
गुरु 118 . 42	सप्त 9.89
शुक्र 125 . 59	तृती 1.15	..	पंच 1.15	..	सप्त 5.04
शनि 141 . 28	युति 1.58	सप्त 1.58	..
राहु 135 . 13	तृती 0.23	चतुर्थ 2.99	पंच 0.23
केतु 315 . 13
अरुण 203 . 43	अर्धद्वितीय 0.05	..	चतुर्थ 0.59
वरुण 234 . 8	नवां 0.97	तृती 0.8
यम 173 . 45	पंच 0.6

नोट

1. चलित चक्र की भावमध्य अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
2. तालिका में ग्रहों की भाव मध्य पर "एप्पलाइड" दिखाई गई है।

केपी संधि पर दृष्टि

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	45	69	92	118	149	187	225	249	272	298	329	7
	19	49	59	38	59	32	19	49	59	38	59	32
सूर्य 126 . 27	तृती 2.46	..	पंच 1.32	..	सप्त 4.78
चंद्र 137 . 48	युति 1.88	..	चतुर्थ 1.76	..	अष्टा 0.81	..	सप्त 1.88	..
मंगल 76 . 23	सप्त 5.62
बुध 108 . 55	युति 3.52	पंच 1.21	सप्त 3.52
गुरु 118 . 42	सप्त 9.95
शुक्र 125 . 59	तृती 2.22	..	पंच 1.08	..	सप्त 5.1
शनि 141 . 28	युति 4.33	सप्त 4.33	..
राहु 135 . 13	युति 0.15	..	चतुर्थ 2.94	पंच 0.31	सप्त 0.15	..
केतु 315 . 13	युति 0.15	..
अरुण 203 . 43	चतुर्थ 0.54
वरुण 234 . 8	तृती 0.75	चतुर्थ 0.08	..
यम 173 . 45	युति 0.81	पंच 0.56

नोट

1. निरयन भाव चलित (केपी चक्र) के भाव प्रारम्भ अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
2. तालिका में ग्रहों की केपी भाव प्रारम्भ पर "एप्पलाइड" दृष्टि दिखाई गई है।

ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य)

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	अरुण	वरुण	यम
	126 27	137 48	76 23	108 55	118 42	125 59	141 28	135 13	315 13	203 43	234 8	173 45
सूर्य 126 . 27	..	युति 2.43	युति 4.16	सप्त 4.16
चंद्र 137 . 48	युति 7.56	..	सप्त 8.27	तृती 0.04
मंगल 76 . 23	..	तृती 2.29	तृती 0.46	तृती 2.41
बुध 108 . 55	युति 3.47	चतुर्थ 0.6	पंच 0.39	तृती 0.58
गुरु 118 . 42	युति 4.83	युति 5.15	चतुर्थ 0.51	पंच 0.72	तृती 0.52
शुक्र 125 . 59	युति 9.68	युति 2.11	युति 3.84	सप्त 3.84
शनि 141 . 28	सप्त 5.83	तृती 1.88	चतुर्थ 1.67	..
राहु 135 . 13	..	युति 8.27	युति 5.83	..	सप्त 10.0
केतु 315 . 13
अरुण 203 . 43
वरुण 234 . 8
यम 173 . 45	तृती 2.8	..

नोट

1. ग्रहों के नाम के नीचे ग्रहों के अंश व कला दिए गए हैं।
2. "एप्पलाइंग" दृष्टि के लिए बाएं से ऊपर देखें और "सेपरेटिंग" दृष्टि के लिए ऊपर से बाएं देखें।

विंशोत्तरी दशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

शुक्र - 20 वर्ष

23/ 8/79 - 5/12/92

शुक्र	:	00/00/00
सूर्य	:	00/00/00
चंद्र	:	5/12/78
मंगल	:	5/ 2/80
राहु	:	5/ 2/83
गुरु	:	5/10/85
शनि	:	5/12/88
बुध	:	5/10/91
केतु	:	5/12/92

सूर्य - 6 वर्ष

5/12/92 - 5/12/98

सूर्य	:	23/ 3/93
चंद्र	:	23/ 9/93
मंगल	:	29/ 1/94
राहु	:	23/12/94
गुरु	:	11/10/95
शनि	:	23/ 9/96
बुध	:	29/ 7/97
केतु	:	5/12/97
शुक्र	:	5/12/98

चंद्र - 10 वर्ष

5/12/98 - 5/12/08

चंद्र	:	5/10/99
मंगल	:	5/ 5/00
राहु	:	5/11/01
गुरु	:	5/ 3/03
शनि	:	5/10/04
बुध	:	5/ 3/06
केतु	:	5/10/06
शुक्र	:	5/ 6/08
सूर्य	:	5/12/08

मंगल - 7 वर्ष

5/12/08 - 5/12/15

मंगल	:	2/ 5/09
राहु	:	20/ 5/10
गुरु	:	26/ 4/11
शनि	:	5/ 6/12
बुध	:	2/ 6/13
केतु	:	29/10/13
शुक्र	:	29/12/14
सूर्य	:	5/ 5/15
चंद्र	:	5/12/15

राहु - 18 वर्ष

5/12/15 - 5/12/33

राहु	:	17/ 8/18
गुरु	:	11/ 1/21
शनि	:	17/11/23
बुध	:	5/ 6/26
केतु	:	23/ 6/27
शुक्र	:	23/ 6/30
सूर्य	:	17/ 5/31
चंद्र	:	17/11/32
मंगल	:	5/12/33

गुरु - 16 वर्ष

5/12/33 - 5/12/49

गुरु	:	23/ 1/36
शनि	:	5/ 8/38
बुध	:	11/11/40
केतु	:	17/10/41
शुक्र	:	17/ 6/44
सूर्य	:	5/ 4/45
चंद्र	:	5/ 8/46
मंगल	:	11/ 7/47
राहु	:	5/12/49

शनि - 19 वर्ष

5/12/49 - 5/12/68

शनि : 8/12/52

बुध : 17/ 8/55

केतु : 26/ 9/56

शुक्र : 26/11/59

सूर्य : 8/11/60

चंद्र : 8/ 6/62

मंगल : 17/ 7/63

राहु : 23/ 5/66

गुरु : 5/12/68

बुध - 17 वर्ष

5/12/68 - 5/12/85

बुध : 2/ 5/71

केतु : 29/ 4/72

शुक्र : 1/ 3/75

सूर्य : 5/ 1/76

चंद्र : 5/ 6/77

मंगल : 2/ 6/78

राहु : 20/12/80

गुरु : 26/ 3/83

शनि : 5/12/85

केतु - 7 वर्ष

5/12/85 - 5/12/92

केतु : 2/ 5/86

शुक्र : 2/ 7/87

सूर्य : 8/11/87

चंद्र : 8/ 6/88

मंगल : 5/11/88

राहु : 23/11/89

गुरु : 29/10/90

शनि : 8/12/91

बुध : 5/12/92

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यंतर

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

शुक्र 13 व 3 मा 11 दि

दशा भोग्य

लाहिडी

अयनांश

शुक्र - मंगल

23/ 8/79 - 5/ 2/80

मंगल	:	00/00/00
राहु	:	00/00/00
गुरु	:	00/00/00
शनि	:	00/00/00
बुध	:	4/ 9/79
केतु	:	29/ 9/79
शुक्र	:	9/12/79
सूर्य	:	30/12/79
चंद्र	:	5/ 2/80

शुक्र - राहु

5/ 2/80 - 5/ 2/83

राहु	:	17/ 7/80
गुरु	:	11/12/80
शनि	:	2/ 6/81
बुध	:	5/11/81
केतु	:	8/ 1/82
शुक्र	:	8/ 7/82
सूर्य	:	2/ 9/82
चंद्र	:	2/12/82
मंगल	:	5/ 2/83

शुक्र - गुरु

5/ 2/83 - 5/10/85

गुरु	:	13/ 6/83
शनि	:	15/11/83
बुध	:	1/ 4/84
केतु	:	27/ 5/84
शुक्र	:	7/11/84
सूर्य	:	25/12/84
चंद्र	:	15/ 3/85
मंगल	:	11/ 5/85
राहु	:	5/10/85

शुक्र - शनि

5/10/85 - 5/12/88

शनि	:	5/ 4/86
बुध	:	17/ 9/86
केतु	:	23/11/86
शुक्र	:	3/ 6/87
सूर्य	:	30/ 7/87
चंद्र	:	5/11/87
मंगल	:	12/ 1/88
राहु	:	3/ 7/88
गुरु	:	5/12/88

शुक्र - बुध

5/12/88 - 5/10/91

बुध	:	29/ 4/89
केतु	:	29/ 6/89
शुक्र	:	19/12/89
सूर्य	:	10/ 2/90
चंद्र	:	5/ 5/90
मंगल	:	4/ 7/90
राहु	:	7/12/90
गुरु	:	23/ 4/91
शनि	:	5/10/91

शुक्र - केतु

5/10/91 - 5/12/92

केतु	:	29/10/91
शुक्र	:	9/ 1/92
सूर्य	:	30/ 1/92
चंद्र	:	5/ 3/92
मंगल	:	30/ 3/92
राहु	:	3/ 6/92
गुरु	:	29/ 7/92
शनि	:	5/10/92
बुध	:	5/12/92

सूर्य - सूर्य

5/12/92 - 23/ 3/93

सूर्य	:	10/12/92
चंद्र	:	19/12/92
मंगल	:	25/12/92
राहु	:	12/ 1/93
गुरु	:	26/ 1/93
शनि	:	13/ 2/93
बुध	:	28/ 2/93
केतु	:	5/ 3/93
शुक्र	:	23/ 3/93

सूर्य - चंद्र

23/ 3/93 - 23/ 9/93

चंद्र	:	8/ 4/93
मंगल	:	18/ 4/93
राहु	:	15/ 5/93
गुरु	:	9/ 6/93
शनि	:	8/ 7/93
बुध	:	3/ 8/93
केतु	:	14/ 8/93
शुक्र	:	14/ 9/93
सूर्य	:	23/ 9/93

सूर्य - मंगल

23/ 9/93 - 29/ 1/94

मंगल	:	30/ 9/93
राहु	:	19/10/93
गुरु	:	6/11/93
शनि	:	26/11/93
बुध	:	14/12/93
केतु	:	21/12/93
शुक्र	:	12/ 1/94
सूर्य	:	18/ 1/94
चंद्र	:	29/ 1/94

सूर्य - राहु

29/ 1/94 - 23/12/94

राहु	:	17/ 3/94
गुरु	:	30/ 4/94
शनि	:	22/ 6/94
बुध	:	8/ 8/94
केतु	:	27/ 8/94
शुक्र	:	21/10/94
सूर्य	:	7/11/94
चंद्र	:	4/12/94
मंगल	:	23/12/94

सूर्य - गुरु

23/12/94 - 11/10/95

गुरु	:	1/ 2/95
शनि	:	17/ 3/95
बुध	:	27/ 4/95
केतु	:	14/ 5/95
शुक्र	:	2/ 7/95
सूर्य	:	17/ 7/95
चंद्र	:	11/ 8/95
मंगल	:	27/ 8/95
राहु	:	11/10/95

सूर्य - शनि

11/10/95 - 23/ 9/96

शनि	:	5/12/95
बुध	:	23/ 1/96
केतु	:	13/ 2/96
शुक्र	:	10/ 4/96
सूर्य	:	27/ 4/96
चंद्र	:	26/ 5/96
मंगल	:	16/ 6/96
राहु	:	7/ 8/96
गुरु	:	23/ 9/96

सूर्य - बुध

23/ 9/96 - 29/ 7/97

बुध	:	6/11/96
केतु	:	24/11/96
शुक्र	:	15/ 1/97
सूर्य	:	30/ 1/97
चंद्र	:	26/ 2/97
मंगल	:	14/ 3/97
राहु	:	29/ 4/97
गुरु	:	10/ 6/97
शनि	:	29/ 7/97

सूर्य - केतु

29/ 7/97 - 5/12/97

केतु	:	6/ 8/97
शुक्र	:	27/ 8/97
सूर्य	:	3/ 9/97
चंद्र	:	14/ 9/97
मंगल	:	21/ 9/97
राहु	:	10/10/97
गुरु	:	27/10/97
शनि	:	17/11/97
बुध	:	5/12/97

शुक्र - शुक्र

5/12/97 - 5/12/98

शुक्र	:	5/ 2/98
सूर्य	:	23/ 2/98
चंद्र	:	23/ 3/98
मंगल	:	14/ 4/98
राहु	:	8/ 6/98
गुरु	:	26/ 7/98
शनि	:	23/ 9/98
बुध	:	14/11/98
केतु	:	5/12/98

चंद्र - चंद्र

5/12/98 - 5/10/99

चंद्र	:	30/12/98
मंगल	:	17/ 1/99
राहु	:	2/ 3/99
गुरु	:	12/ 4/99
शनि	:	30/ 5/99
बुध	:	12/ 7/99
केतु	:	30/ 7/99
शुक्र	:	20/ 9/99
सूर्य	:	5/10/99

चंद्र - मंगल

5/10/99 - 5/ 5/00

मंगल	:	17/10/99
राहु	:	18/11/99
गुरु	:	16/12/99
शनि	:	20/ 1/00
बुध	:	19/ 2/00
केतु	:	2/ 3/00
शुक्र	:	7/ 4/00
सूर्य	:	17/ 4/00
चंद्र	:	5/ 5/00

चंद्र - राहु

5/ 5/00 - 5/11/01

राहु	:	26/ 7/00
गुरु	:	8/10/00
शनि	:	3/ 1/01
बुध	:	20/ 3/01
केतु	:	21/ 4/01
शुक्र	:	21/ 7/01
सूर्य	:	18/ 8/01
चंद्र	:	3/10/01
मंगल	:	5/11/01

चंद्र - गुरु

5/11/01 - 5/ 3/03

गुरु	:	9/ 1/02
शनि	:	25/ 3/02
बुध	:	3/ 6/02
केतु	:	1/ 7/02
शुक्र	:	21/ 9/02
सूर्य	:	15/10/02
चंद्र	:	25/11/02
मंगल	:	23/12/02
राहु	:	5/ 3/03

चंद्र - शनि

5/ 3/03 - 5/10/04

शनि	:	5/ 6/03
बुध	:	26/ 8/03
केतु	:	29/ 9/03
शुक्र	:	4/ 1/04
सूर्य	:	2/ 2/04
चंद्र	:	20/ 3/04
मंगल	:	23/ 4/04
राहु	:	19/ 7/04
गुरु	:	5/10/04

चंद्र - बुध

5/10/04 - 5/ 3/06

बुध	:	17/12/04
केतु	:	17/ 1/05
शुक्र	:	12/ 4/05
सूर्य	:	7/ 5/05
चंद्र	:	20/ 6/05
मंगल	:	19/ 7/05
राहु	:	6/10/05
गुरु	:	14/12/05
शनि	:	5/ 3/06

चंद्र - केतु

5/ 3/06 - 5/10/06

केतु	:	17/ 3/06
शुक्र	:	22/ 4/06
सूर्य	:	2/ 5/06
चंद्र	:	20/ 5/06
मंगल	:	2/ 6/06
राहु	:	4/ 7/06
गुरु	:	2/ 8/06
शनि	:	5/ 9/06
बुध	:	5/10/06

शुक्र - शुक्र

5/10/06 - 5/ 6/08

शुक्र	:	15/ 1/07
सूर्य	:	15/ 2/07
चंद्र	:	5/ 4/07
मंगल	:	10/ 5/07
राहु	:	10/ 8/07
गुरु	:	30/10/07
शनि	:	5/ 2/08
बुध	:	30/ 4/08
केतु	:	5/ 6/08

चंद्र - सूर्य

5/ 6/08 - 5/12/08

सूर्य	:	14/ 6/08
चंद्र	:	29/ 6/08
मंगल	:	9/ 7/08
राहु	:	6/ 8/08
गुरु	:	30/ 8/08
शनि	:	29/ 9/08
बुध	:	24/10/08
केतु	:	5/11/08
शुक्र	:	5/12/08

मंगल - मंगल

5/12/08 - 2/ 5/09

मंगल	:	13/12/08
राहु	:	5/ 1/09
गुरु	:	25/ 1/09
शनि	:	18/ 2/09
बुध	:	9/ 3/09
केतु	:	18/ 3/09
शुक्र	:	12/ 4/09
सूर्य	:	19/ 4/09
चंद्र	:	2/ 5/09

मंगल - राहु

2/ 5/09 - 20/ 5/10

राहु	:	28/ 6/09
गुरु	:	19/ 8/09
शनि	:	19/10/09
बुध	:	12/12/09
केतु	:	4/ 1/10
शुक्र	:	7/ 3/10
सूर्य	:	26/ 3/10
चंद्र	:	28/ 4/10
मंगल	:	20/ 5/10

मंगल - गुरु

20/ 5/10 - 26/ 4/11

गुरु	:	4/ 7/10
शनि	:	28/ 8/10
बुध	:	15/10/10
केतु	:	5/11/10
शुक्र	:	1/ 1/11
सूर्य	:	18/ 1/11
चंद्र	:	16/ 2/11
मंगल	:	5/ 3/11
राहु	:	26/ 4/11

मंगल - शनि

26/ 4/11 - 5/ 6/12

शनि	:	29/ 6/11
बुध	:	25/ 8/11
केतु	:	19/ 9/11
शुक्र	:	25/11/11
सूर्य	:	15/12/11
चंद्र	:	18/ 1/12
मंगल	:	12/ 2/12
राहु	:	11/ 4/12
गुरु	:	5/ 6/12

मंगल - बुध

5/ 6/12 - 2/ 6/13

बुध	:	25/ 7/12
केतु	:	16/ 8/12
शुक्र	:	16/10/12
सूर्य	:	3/11/12
चंद्र	:	3/12/12
मंगल	:	24/12/12
राहु	:	18/ 2/13
गुरु	:	5/ 4/13
शनि	:	2/ 6/13

मंगल - केतु

2/ 6/13 - 29/10/13

केतु	:	10/ 6/13
शुक्र	:	5/ 7/13
सूर्य	:	12/ 7/13
चंद्र	:	24/ 7/13
मंगल	:	3/ 8/13
राहु	:	25/ 8/13
गुरु	:	15/ 9/13
शनि	:	8/10/13
बुध	:	29/10/13

शुक्र - शुक्र

29/10/13 - 29/12/14

शुक्र	:	9/ 1/14
सूर्य	:	30/ 1/14
चंद्र	:	5/ 3/14
मंगल	:	29/ 3/14
राहु	:	2/ 6/14
गुरु	:	28/ 7/14
शनि	:	5/10/14
बुध	:	4/12/14
केतु	:	29/12/14

मंगल - सूर्य

29/12/14 - 5/ 5/15

सूर्य	:	5/ 1/15
चंद्र	:	15/ 1/15
मंगल	:	23/ 1/15
राहु	:	12/ 2/15
गुरु	:	1/ 3/15
शनि	:	18/ 3/15
बुध	:	6/ 4/15
केतु	:	14/ 4/15
शुक्र	:	5/ 5/15

मंगल - चंद्र

5/ 5/15 - 5/12/15

चंद्र	:	22/ 5/15
मंगल	:	4/ 6/15
राहु	:	6/ 7/15
गुरु	:	4/ 8/15
शनि	:	7/ 9/15
बुध	:	7/10/15
केतु	:	19/10/15
शुक्र	:	24/11/15
सूर्य	:	5/12/15

राहु - राहु

5/12/15 - 17/ 8/18

राहु	:	30/ 4/16
गुरु	:	10/ 9/16
शनि	:	14/ 2/17
बुध	:	2/ 7/17
केतु	:	28/ 8/17
शुक्र	:	10/ 2/18
सूर्य	:	29/ 3/18
चंद्र	:	20/ 6/18
मंगल	:	17/ 8/18

राहु - गुरु

17/ 8/18 - 11/ 1/21

गुरु	:	12/12/18
शनि	:	29/ 4/19
बुध	:	1/ 9/19
केतु	:	21/10/19
शुक्र	:	15/ 3/20
सूर्य	:	29/ 4/20
चंद्र	:	11/ 7/20
मंगल	:	1/ 9/20
राहु	:	11/ 1/21

राहु - शनि

11/ 1/21 - 17/11/23

शनि	:	23/ 6/21
बुध	:	18/11/21
केतु	:	18/ 1/22
शुक्र	:	9/ 7/22
सूर्य	:	1/ 9/22
चंद्र	:	26/11/22
मंगल	:	26/ 1/23
राहु	:	30/ 6/23
गुरु	:	17/11/23

राहु - बुध

17/11/23 - 5/ 6/26

बुध	:	27/ 3/24
केतु	:	20/ 5/24
शुक्र	:	23/10/24
सूर्य	:	9/12/24
चंद्र	:	26/ 2/25
मंगल	:	19/ 4/25
राहु	:	7/ 9/25
गुरु	:	9/ 1/26
शनि	:	5/ 6/26

राहु - केतु

5/ 6/26 - 23/ 6/27

केतु	:	27/ 6/26
शुक्र	:	30/ 8/26
सूर्य	:	19/ 9/26
चंद्र	:	20/10/26
मंगल	:	12/11/26
राहु	:	9/ 1/27
गुरु	:	1/ 3/27
शनि	:	29/ 4/27
बुध	:	23/ 6/27

शुक्र - शुक्र

23/ 6/27 - 23/ 6/30

शुक्र	:	23/12/27
सूर्य	:	17/ 2/28
चंद्र	:	17/ 5/28
मंगल	:	20/ 7/28
राहु	:	2/ 1/29
गुरु	:	26/ 5/29
शनि	:	17/11/29
बुध	:	20/ 4/30
केतु	:	23/ 6/30

राहु - सूर्य

23/ 6/30 - 17/ 5/31

सूर्य	:	9/ 7/30
चंद्र	:	6/ 8/30
मंगल	:	25/ 8/30
राहु	:	13/10/30
गुरु	:	27/11/30
शनि	:	18/ 1/31
बुध	:	4/ 3/31
केतु	:	23/ 3/31
शुक्र	:	17/ 5/31

राहु - चंद्र

17/ 5/31 - 17/11/32

चंद्र	:	2/ 7/31
मंगल	:	3/ 8/31
राहु	:	24/10/31
गुरु	:	6/ 1/32
शनि	:	2/ 4/32
बुध	:	18/ 6/32
केतु	:	20/ 7/32
शुक्र	:	20/10/32
सूर्य	:	17/11/32

राहु - मंगल

17/11/32 - 5/12/33

मंगल	:	9/12/32
राहु	:	5/ 2/33
गुरु	:	26/ 3/33
शनि	:	26/ 5/33
बुध	:	19/ 7/33
केतु	:	11/ 8/33
शुक्र	:	14/10/33
सूर्य	:	3/11/33
चंद्र	:	5/12/33

गुरु - गुरु

5/12/33 - 23/ 1/36

गुरु : 17/ 3/34

शनि : 19/ 7/34

बुध : 7/11/34

केतु : 22/12/34

शुक्र : 30/ 4/35

सूर्य : 9/ 6/35

चंद्र : 13/ 8/35

मंगल : 27/ 9/35

राहु : 23/ 1/36

गुरु - शनि

23/ 1/36 - 5/ 8/38

शनि : 17/ 6/36

बुध : 26/10/36

केतु : 19/12/36

शुक्र : 21/ 5/37

सूर्य : 7/ 7/37

चंद्र : 23/ 9/37

मंगल : 16/11/37

राहु : 3/ 4/38

गुरु : 5/ 8/38

गुरु - बुध

5/ 8/38 - 11/11/40

बुध : 30/11/38

केतु : 18/ 1/39

शुक्र : 4/ 6/39

सूर्य : 15/ 7/39

चंद्र : 23/ 9/39

मंगल : 10/11/39

राहु : 13/ 3/40

गुरु : 1/ 7/40

शनि : 11/11/40

गुरु - केतु

11/11/40 - 17/10/41

केतु : 30/11/40

शुक्र : 26/ 1/41

सूर्य : 13/ 2/41

चंद्र : 11/ 3/41

मंगल : 1/ 4/41

राहु : 21/ 5/41

गुरु : 6/ 7/41

शनि : 29/ 8/41

बुध : 17/10/41

शुक्र - शुक्र

17/10/41 - 17/ 6/44

शुक्र : 27/ 3/42

सूर्य : 15/ 5/42

चंद्र : 5/ 8/42

मंगल : 1/10/42

राहु : 25/ 2/43

गुरु : 3/ 7/43

शनि : 5/12/43

बुध : 21/ 4/44

केतु : 17/ 6/44

गुरु - सूर्य

17/ 6/44 - 5/ 4/45

सूर्य : 1/ 7/44

चंद्र : 25/ 7/44

मंगल : 12/ 8/44

राहु : 25/ 9/44

गुरु : 3/11/44

शनि : 19/12/44

बुध : 30/ 1/45

केतु : 17/ 2/45

शुक्र : 5/ 4/45

गुरु - चंद्र

5/ 4/45 - 5/ 8/46

चंद्र	:	15/ 5/45
मंगल	:	13/ 6/45
राहु	:	25/ 8/45
गुरु	:	29/10/45
शनि	:	15/ 1/46
बुध	:	23/ 3/46
केतु	:	21/ 4/46
शुक्र	:	11/ 7/46
सूर्य	:	5/ 8/46

गुरु - मंगल

5/ 8/46 - 11/ 7/47

मंगल	:	24/ 8/46
राहु	:	15/10/46
गुरु	:	29/11/46
शनि	:	23/ 1/47
बुध	:	10/ 3/47
केतु	:	30/ 3/47
शुक्र	:	26/ 5/47
सूर्य	:	13/ 6/47
चंद्र	:	11/ 7/47

गुरु - राहु

11/ 7/47 - 5/12/49

राहु	:	20/11/47
गुरु	:	15/ 3/48
शनि	:	2/ 8/48
बुध	:	5/12/48
केतु	:	25/ 1/49
शुक्र	:	19/ 6/49
सूर्य	:	2/ 8/49
चंद्र	:	14/10/49
मंगल	:	5/12/49

शनि - शनि

5/12/49 - 8/12/52

शनि	:	26/ 5/50
बुध	:	30/10/50
केतु	:	3/ 1/51
शुक्र	:	3/ 7/51
सूर्य	:	27/ 8/51
चंद्र	:	28/11/51
मंगल	:	1/ 2/52
राहु	:	13/ 7/52
गुरु	:	8/12/52

शनि - बुध

8/12/52 - 17/ 8/55

बुध	:	25/ 4/53
केतु	:	21/ 6/53
शुक्र	:	3/12/53
सूर्य	:	21/ 1/54
चंद्र	:	12/ 4/54
मंगल	:	9/ 6/54
राहु	:	4/11/54
गुरु	:	13/ 3/55
शनि	:	17/ 8/55

शनि - केतु

17/ 8/55 - 26/ 9/56

केतु	:	10/ 9/55
शुक्र	:	16/11/55
सूर्य	:	6/12/55
चंद्र	:	10/ 1/56
मंगल	:	3/ 2/56
राहु	:	3/ 4/56
गुरु	:	26/ 5/56
शनि	:	29/ 7/56
बुध	:	26/ 9/56

शुक्र - शुक्र

26/ 9/56 - 26/11/59

शुक्र	:	6/ 4/57
सूर्य	:	3/ 6/57
चंद्र	:	8/ 9/57
मंगल	:	14/11/57
राहु	:	5/ 5/58
गुरु	:	7/10/58
शनि	:	8/ 4/59
बुध	:	19/ 9/59
केतु	:	26/11/59

शनि - सूर्य

26/11/59 - 8/11/60

सूर्य	:	13/12/59
चंद्र	:	11/ 1/60
मंगल	:	1/ 2/60
राहु	:	23/ 3/60
गुरु	:	8/ 5/60
शनि	:	2/ 7/60
बुध	:	21/ 8/60
केतु	:	11/ 9/60
शुक्र	:	8/11/60

शनि - चंद्र

8/11/60 - 8/ 6/62

चंद्र	:	25/12/60
मंगल	:	28/ 1/61
राहु	:	24/ 4/61
गुरु	:	10/ 7/61
शनि	:	10/10/61
बुध	:	1/ 1/62
केतु	:	4/ 2/62
शुक्र	:	9/ 5/62
सूर्य	:	8/ 6/62

शनि - मंगल

8/ 6/62 - 17/ 7/63

मंगल	:	1/ 7/62
राहु	:	1/ 9/62
गुरु	:	24/10/62
शनि	:	27/12/62
बुध	:	24/ 2/63
केतु	:	17/ 3/63
शुक्र	:	23/ 5/63
सूर्य	:	13/ 6/63
चंद्र	:	17/ 7/63

शनि - राहु

17/ 7/63 - 23/ 5/66

राहु	:	21/12/63
गुरु	:	7/ 5/64
शनि	:	20/10/64
बुध	:	15/ 3/65
केतु	:	15/ 5/65
शुक्र	:	6/11/65
सूर्य	:	27/12/65
चंद्र	:	23/ 3/66
मंगल	:	23/ 5/66

शनि - गुरु

23/ 5/66 - 5/12/68

गुरु	:	24/ 9/66
शनि	:	19/ 2/67
बुध	:	28/ 6/67
केतु	:	21/ 8/67
शुक्र	:	23/ 1/68
सूर्य	:	9/ 3/68
चंद्र	:	25/ 5/68
मंगल	:	18/ 7/68
राहु	:	5/12/68

योगिनी दशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

उल्का : 6 वर्ष

18/ 7/78 - 17/ 8/83

उल्का	:	18/ 7/78
सिद्धा	:	17/ 9/79
संकटा	:	16/ 1/81
मंगला	:	16/ 3/81
पिंगला	:	16/ 7/81
धान्या	:	16/ 1/82
भ्रामरी	:	16/ 9/82
भद्रिका	:	17/ 8/83

सिद्धा : 7 वर्ष

17/ 8/83 - 17/ 8/90

सिद्धा	:	26/11/84
संकटा	:	15/ 6/86
मंगला	:	25/ 8/86
पिंगला	:	14/ 1/87
धान्या	:	14/ 8/87
भ्रामरी	:	24/ 5/88
भद्रिका	:	14/ 5/89
उल्का	:	17/ 8/90

संकटा : 8 वर्ष

17/ 8/90 - 17/ 8/98

संकटा	:	24/ 4/92
मंगला	:	14/ 7/92
पिंगला	:	24/12/92
धान्या	:	24/ 8/93
भ्रामरी	:	14/ 7/94
भद्रिका	:	24/ 8/95
उल्का	:	24/12/96
सिद्धा	:	17/ 8/98

मंगला : 1 वर्ष

17/ 8/98 - 17/ 8/99

मंगला	:	24/ 7/98
पिंगला	:	13/ 8/98
धान्या	:	13/ 9/98
भ्रामरी	:	23/10/98
भद्रिका	:	13/12/98
उल्का	:	13/ 2/99
सिद्धा	:	23/ 4/99
संकटा	:	17/ 8/99

पिंगला : 2 वर्ष

17/ 8/99 - 17/ 8/01

पिंगला	:	23/ 8/99
धान्या	:	23/10/99
भ्रामरी	:	12/ 1/00
भद्रिका	:	22/ 4/00
उल्का	:	22/ 8/00
सिद्धा	:	11/ 1/01
संकटा	:	21/ 6/01
मंगला	:	17/ 8/01

धान्या : 3 वर्ष

17/ 8/01 - 17/ 8/04

धान्या	:	11/10/01
भ्रामरी	:	11/ 2/02
भद्रिका	:	11/ 7/02
उल्का	:	11/ 1/03
सिद्धा	:	10/ 8/03
संकटा	:	10/ 4/04
मंगला	:	10/ 5/04
पिंगला	:	17/ 8/04

भ्रामरी : 4 वर्ष

17/ 8/04 - 17/ 8/08

भ्रामरी	:	20/12/04
भद्रिका	:	10/ 7/05
उल्का	:	10/ 3/06
सिद्धा	:	20/12/06
संकटा	:	9/11/07
मंगला	:	19/12/07
पिंगला	:	10/ 3/08
धान्या	:	17/ 8/08

भद्रिका : 5 वर्ष

17/ 8/08 - 17/ 8/13

भद्रिका	:	20/ 3/09
उल्का	:	20/ 1/10
सिद्धा	:	9/ 1/11
संकटा	:	19/ 2/12
मंगला	:	8/ 4/12
पिंगला	:	18/ 7/12
धान्या	:	18/12/12
भ्रामरी	:	17/ 8/13

उल्का : 6 वर्ष

17/ 8/13 - 17/ 8/19

उल्का	:	8/ 7/14
सिद्धा	:	7/ 9/15
संकटा	:	6/ 1/17
मंगला	:	6/ 3/17
पिंगला	:	6/ 7/17
धान्या	:	6/ 1/18
भ्रामरी	:	6/ 9/18
भद्रिका	:	17/ 8/19

सिद्धा : 7 वर्ष

17/ 8/19 - 17/ 8/26

सिद्धा	:	16/11/20
संकटा	:	5/ 6/22
मंगला	:	15/ 8/22
पिंगला	:	4/ 1/23
धान्या	:	4/ 8/23
भ्रामरी	:	14/ 5/24
भद्रिका	:	4/ 5/25
उल्का	:	17/ 8/26

संकटा : 8 वर्ष

17/ 8/26 - 17/ 8/34

संकटा	:	14/ 4/28
मंगला	:	4/ 7/28
पिंगला	:	14/12/28
धान्या	:	14/ 8/29
भ्रामरी	:	4/ 7/30
भद्रिका	:	14/ 8/31
उल्का	:	14/12/32
सिद्धा	:	17/ 8/34

मंगला : 1 वर्ष

17/ 8/34 - 17/ 8/35

मंगला	:	14/ 7/34
पिंगला	:	3/ 8/34
धान्या	:	3/ 9/34
भ्रामरी	:	13/10/34
भद्रिका	:	3/12/34
उल्का	:	3/ 2/35
सिद्धा	:	13/ 4/35
संकटा	:	17/ 8/35

पिंगला : 2 वर्ष

17/ 8/35 - 17/ 8/37

पिंगला	:	13/ 8/35
धान्या	:	13/10/35
भ्रामरी	:	2/ 1/36
भद्रिका	:	12/ 4/36
उल्का	:	12/ 8/36
सिद्धा	:	1/ 1/37
संकटा	:	11/ 6/37
मंगला	:	17/ 8/37

धान्या : 3 वर्ष

17/ 8/37 - 17/ 8/40

धान्या	:	1/10/37
भ्रामरी	:	1/ 2/38
भद्रिका	:	1/ 7/38
उल्का	:	1/ 1/39
सिद्धा	:	31/ 7/39
संकटा	:	31/ 3/40
मंगला	:	30/ 4/40
पिंगला	:	17/ 8/40

भ्रामरी : 4 वर्ष

17/ 8/40 - 17/ 8/44

भ्रामरी	:	10/12/40
भद्रिका	:	30/ 6/41
उल्का	:	28/ 2/42
सिद्धा	:	8/12/42
संकटा	:	28/10/43
मंगला	:	8/12/43
पिंगला	:	28/ 2/44
धान्या	:	17/ 8/44

भद्रिका : 5 वर्ष

17/ 8/44 - 17/ 8/49

भद्रिका	:	10/ 3/45
उल्का	:	10/ 1/46
सिद्धा	:	30/12/46
संकटा	:	9/ 2/48
मंगला	:	29/ 3/48
पिंगला	:	9/ 7/48
धान्या	:	9/12/48
भ्रामरी	:	17/ 8/49

उल्का : 6 वर्ष

17/ 8/49 - 17/ 8/55

उल्का	:	29/ 6/50
सिद्धा	:	28/ 8/51
संकटा	:	28/12/52
मंगला	:	28/ 2/53
पिंगला	:	28/ 6/53
धान्या	:	28/12/53
भ्रामरी	:	28/ 8/54
भद्रिका	:	17/ 8/55

सिद्धा : 7 वर्ष

17/ 8/55 - 17/ 8/62

सिद्धा	:	7/11/56
संकटा	:	27/ 5/58
मंगला	:	6/ 8/58
पिंगला	:	26/12/58
धान्या	:	26/ 7/59
भ्रामरी	:	6/ 5/60
भद्रिका	:	26/ 4/61
उल्का	:	17/ 8/62

संकटा : 8 वर्ष

17/ 8/62 - 17/ 8/70

संकटा	:	5/ 4/64
मंगला	:	25/ 6/64
पिंगला	:	5/12/64
धान्या	:	5/ 8/65
भ्रामरी	:	25/ 6/66
भद्रिका	:	4/ 8/67
उल्का	:	4/12/68
सिद्धा	:	17/ 8/70

मंगला : 1 वर्ष

17/ 8/70 - 17/ 8/71

मंगला	:	4/ 7/70
पिंगला	:	24/ 7/70
धान्या	:	24/ 8/70
भ्रामरी	:	4/10/70
भद्रिका	:	24/11/70
उल्का	:	24/ 1/71
सिद्धा	:	3/ 4/71
संकटा	:	17/ 8/71

पिंगला : 2 वर्ष

17/ 8/71 - 17/ 8/73

पिंगला	:	2/ 8/71
धान्या	:	2/10/71
भ्रामरी	:	22/12/71
भद्रिका	:	1/ 4/72
उल्का	:	1/ 8/72
सिद्धा	:	21/12/72
संकटा	:	31/ 5/73
मंगला	:	17/ 8/73

धान्या : 3 वर्ष

17/ 8/73 - 17/ 8/76

धान्या	:	20/ 9/73
भ्रामरी	:	20/ 1/74
भद्रिका	:	20/ 6/74
उल्का	:	20/12/74
सिद्धा	:	20/ 7/75
संकटा	:	20/ 3/76
मंगला	:	20/ 4/76
पिंगला	:	17/ 8/76

भ्रामरी : 4 वर्ष

17/ 8/76 - 17/ 8/80

भ्रामरी	:	30/11/76
भद्रिका	:	19/ 6/77
उल्का	:	19/ 2/78
सिद्धा	:	29/11/78
संकटा	:	19/10/79
मंगला	:	29/11/79
पिंगला	:	18/ 2/80
धान्या	:	17/ 8/80

भद्रिका : 5 वर्ष

17/ 8/80 - 17/ 8/85

भद्रिका	:	28/ 2/81
उल्का	:	28/12/81
सिद्धा	:	18/12/82
संकटा	:	28/ 1/84
मंगला	:	19/ 3/84
पिंगला	:	29/ 6/84
धान्या	:	29/11/84
भ्रामरी	:	17/ 8/85

क्रम संख्या	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	संकटा
स्वामी	चंद्र	सूर्य	गुरु	मंगल	बुध	शनि	शुक्र	राहु

योगिनी दशा फल

ज्योतिष विज्ञान के क्षेत्र में जहां विंशोत्तरी दशा को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, वहीं योगिनी दशा का भी अपना अलग महत्व है। अनेक विद्वान ज्योतिषी विंशोत्तरी दशा के साथ-साथ योगिनी दशा को भी प्रयोग करते हैं, क्योंकि इन दोनों को एक साथ प्रयोग करने से अत्यंत अच्छे नतीजे प्राप्त होते हैं और फल कथन में सहायता होती है।

विंशोत्तरी दशा नव ग्रहों की होती है और इसकी कुल दशा अवधि 120 वर्ष होती है। वहीं योगिनी दशा कुल मिलाकर आठ होती है, जिनका कुल दशा क्रम 36 वर्ष का होता है और उसके बाद पुनः उसी क्रम में यह दोबारा प्रभाव देती हैं। प्रत्येक योगिनी दशा का स्वामी एक ग्रह भी होता है जैसे :-

मंगला (चन्द्रमा)

इसकी कुल अवधि 1 वर्ष होती है।

पिंगला (सूर्य)

इसकी कुल अवधि 2 वर्ष होती है।

धान्या (बृहस्पति)

इसकी कुल अवधि 3 वर्ष होती है।

भामरी (मंगल)

इसकी कुल अवधि 4 वर्ष होती है।

भद्रिका (बुध)

इसकी कुल अवधि 5 वर्ष होती है।

उल्का (शनि)

इसकी कुल अवधि 6 वर्ष होती है।

सिद्धा (शुक्र)

इसकी कुल अवधि 7 वर्ष होती है।

संकटा (राहु)

इसकी कुल अवधि 8 वर्ष होती है।

इस प्रकार जातक के जन्म से प्रारंभ होकर सभी 8 योगिनी दशाएं अपना अपना प्रभाव 36 वर्ष तक दिखाती हैं और 36 वर्ष की दशा अवधि के बाद पुनः जन्म कालीन योगिनी दशा प्रारंभ होकर वही क्रम दोहराया जाता है।

इन सभी दशाओं की अवधि अलग-अलग होती है और ये अलग-अलग प्रकार के फल देने में सक्षम होती हैं।

मंगला (चन्द्रमा) योगिनी दशा

इस दशा में आपको अनेक धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा तथा आपका मन पवित्रता की ओर बढ़ेगा। आपको संपन्नता प्राप्त होगी और जीवन में समृद्धि आयेगी। अनेक प्रकार के वस्त्र, आभूषण, सुख, सुविधाएँ और यश तथा मान की प्राप्ति होने के योग बनेंगे तथा घर में शुभ मंगल उत्सव का आयोजन हो सकता है। इस दशा के दौरान आपको शुभता की प्राप्ति होगी और जीवन में आ रहे कष्टों का निवारण होगा। आपको स्वास्थ्य लाभ होगा और आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस योगिनी दशा की अवधि में आपको निष्ठावान और सुशील जीवनसाथी तथा आज्ञाकारी और भाग्यशाली संतान की प्राप्ति भी हो सकती है।

पिंगला (सूर्य) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान कुछ समस्याएं सामने आ सकती हैं। आपको मानसिक तनाव और शारीरिक कष्ट होने की संभावना होगी। यदि कुंडली में अन्य योग मौजूद हो तो इस दौरान हृदय रोग भी परेशान कर सकते हैं तथा आग, दुर्घटना या गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं आपके समक्ष आ सकती हैं। हालांकि किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से आपके कार्य में सफलता प्राप्त होगी। इस दौरान बुरी संगति के कारण आपके मान तथा यश की हानि हो सकती है, लेकिन दूसरी ओर आपको व्यापार में कुशलता मिलेगी तथा कष्ट और क्लेश से मुक्ति भी मिलेगी। आपको सत्ता सुख भी प्राप्त हो सकता है। अर्थात् इस दशा में आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।



धान्या (बृहस्पति) योगिनी दशा

इस दशा अवधि के दौरान आपको अनेक प्रकार की खुशहाली, अच्छा धन और अच्छा स्वास्थ्य मिल सकता है। इसके अतिरिक्त आपकी समृद्धि बढ़ेगी और आपको प्रसिद्धि भी प्राप्त हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं तो आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बनेगा और यदि अविवाहित हैं तो इस दौरान विवाह के योग बन सकते हैं। सरकार की ओर से अच्छे सम्मान और वैभव की प्राप्ति हो सकती है तथा तीर्थ यात्राएं करने का मौका मिलेगा। आप काफी धार्मिक बनेंगे और इस दौरान आपके जीवन में धन-धान्य की वृद्धि होगी।



भ्रामरी (मंगल) योगिनी दशा

इस दशा अवधि के दौरान आपको कुछ मुसीबतों या परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करने के योग बनेंगे और यात्राएं अधिक होंगी तथा कुछ यात्राएं बेवजह भी हो सकती हैं, जिनसे आपको कोई खास लाभ नहीं मिलेगा और उनमें धन की हानि हो सकती है। कुछ आवश्यक कार्य वश आप अपने घर से दूर भी जा सकते हैं तथा मान सम्मान में कमी महसूस हो सकती है। इसलिए अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें, कहीं वे आपके लिए कोई मुसीबत लेकर ना आए।



भद्रिका (बुध) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपके जीवन में खुशहाली आएगी और आपका पारिवारिक जीवन भी काफी बेहतर तरीके से व्यतीत होगा। आपकी मित्र मंडली में इजाफा होगा और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। यदि आप व्यापार करते हैं तो उसमें आपको जबरदस्त मुनाफ़ा प्राप्त हो सकता है तथा आपको सुख सुविधाओं की प्राप्ति भी होगी।



उल्का (शनि) योगिनी दशा


इस दशा के दौरान आपको कोई वाहन दुर्घटना अथवा धन की हानि होने की संभावना दिखाई पड़ती है।

आपका कोई वाहन चोरी हो सकता है अथवा आपकी संतान को कोई समस्या हो सकती है। यदि आप ने पूर्व में कोई कानून के विरुद्ध जाकर कार्य किया है, तो इस दौरान सरकारी क्षेत्र से परेशानी, दण्ड व जुर्माना हो सकता है। पारिवारिक जीवन में थोड़ा तनाव रहने की संभावना है और आपको विशेष रूप से कान, दाँत, पैर, हृदय और उदर रोग होने की संभावना इस दौरान रहेगी। इसलिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और कोई भी ऐसा कार्य न करें, जो मानहानि या धन हानि की वजह बने।



सिद्धा (शुक्र) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपको अनेक प्रकार के शुभ समाचार प्राप्त होंगे और आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपको अच्छा खासा धन लाभ भी होगा और जीवन में शुभता आएगी। आपको संपन्नता और प्रसिद्धि की प्राप्ति होगी तथा धन, विद्या, समृद्धि के मामले में आप काफी भाग्यवान साबित होंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम बनेगा तथा इस दौरान विभिन्न प्रकार के रत्न और आभूषण तथा महंगे सामान खरीदने के योग भी बनेंगे। इस दशा अवधि में आप काफी प्रसन्न भी रहेंगे।



संकटा (राहु) योगिनी दशा

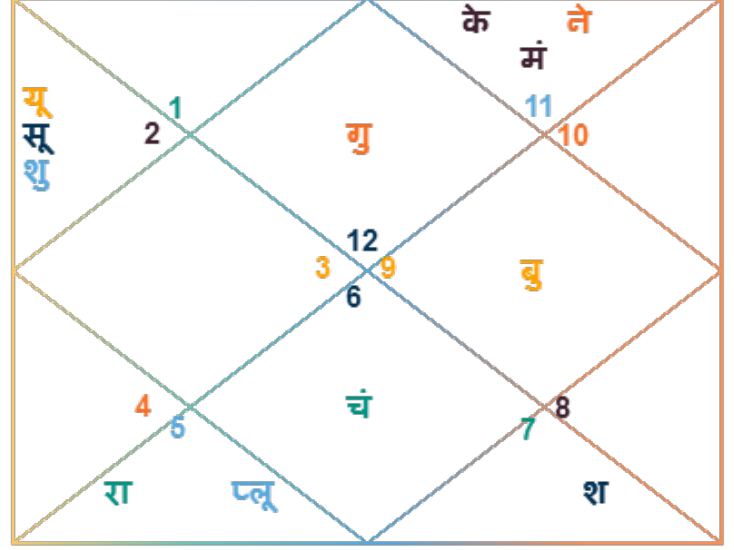
इस दशा के दौरान आपको थोड़ा ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस दौरान आपको किसी प्रकार के कष्ट या संकट का सामना करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आ सकती है और धन हानि की संभावना बनेगी। कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं इस दौरान अटक सकती हैं तथा स्वास्थ्य कष्ट होने की भी संभावना रहेगी। यदि आप पहले से ही बीमार चल रहे हैं, तो इस दौरान विशेष रूप से अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

जैमिनी पद्धति: कारकांश और स्वांश कुण्डली

कारकांश चक्र



स्वांश चक्र



कारक

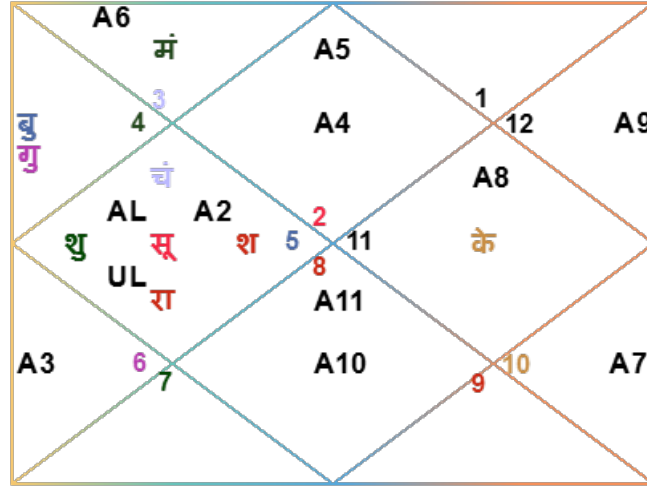
कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	गुरु
आमात्य	बुध	शनि
भातृ	मंगल	बुध
मातृ	चंद्र	चंद्र
पितृ	गुरु	मंगल
जाति	शनि	सूर्य
दारा	शुक्र	शुक्र

अवस्था

ग्रह	जाग्रत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	जाग्रत	कुमार	स्वत
चंद्र	स्वप्न	युवा	मुदित
मंगल	स्वप्न	युवा	खल
बुध	स्वप्न	कुमार	दीन
गुरु	जाग्रत	बाल	मुदित
शुक्र	जाग्रत	बाल	दीन
शनि	सुसुप्त	वृद्ध	दीन

आरूढ कुंडली

आरूढ कुंडली अथवा अरुधा लग्न कुंडली ज्योतिष के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। महर्षि पराशर ने जहां इस को महत्व दिया है, वहीं जैमिनी पद्धति का प्रयोग करने वाले ज्योतिषी भी अरुधा लग्न कुंडली का प्रयोग बहुत ही सटीक फलादेश करने के लिए करते हैं। आरूढ लग्न कुंडली भी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी की जन्म लग्न कुंडली, क्योंकि जहां लग्न कुंडली से हमारे शरीर और हमारे व्यक्तित्व के बारे में जानकारी मिलती है और पता चलता है कि वास्तव में हम क्या हैं, वहीं आरूढ लग्न कुंडली बताती है कि समाज के सामने हम क्या हैं। अर्थात् समाज में हमारा क्या अस्तित्व है, क्या छवि है और समाज के लोग हमें किस रूप से देखते हैं। यही वजह है कि आरूढ लग्न कुंडली का प्रयोग किया जाता है और जिस प्रकार लग्न कुंडली में ग्रहों के अनुसार फल कथन किया जाता है, उसी प्रकार आरूढ लग्न कुंडली में भी यह कार्य किया जाता है।



नोट

1. हम अरुधा पद गणना के लिए राहु और केतु की शक्ति पर विचार नहीं कर रहे हैं।
2. हम अरुधा पद की गणना के लिये अपवादों का उपयोग कर रहे हैं।

चरदशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

वृष	03 वर्ष	23/ 8/79 - 23/ 8/82	कुंभ	06 वर्ष	23/ 8/92 - 23/ 8/98
मेष	02 वर्ष	23/ 8/82 - 23/ 8/84	मकर	05 वर्ष	23/ 8/98 - 23/ 8/03
मीन	08 वर्ष	23/ 8/84 - 23/ 8/92	धनु	07 वर्ष	23/ 8/03 - 23/ 8/10
वृश्चिक	07 वर्ष	23/ 8/10 - 23/ 8/17	सिंह	12 वर्ष	23/ 8/29 - 23/ 8/41
तुला	10 वर्ष	23/ 8/17 - 23/ 8/27	कर्क	11 वर्ष	23/ 8/41 - 23/ 8/52
कन्या	02 वर्ष	23/ 8/27 - 23/ 8/29	मिथुन	01 वर्ष	23/ 8/52 - 23/ 8/53

वृष 3 वर्ष

मेष 23/ 8/79 - 23/11/79

मीन 23/11/79 - 23/ 2/80

कुंभ 23/ 2/80 - 23/ 5/80

मकर 23/ 5/80 - 23/ 8/80

धनु 23/ 8/80 - 23/11/80

वृश्चिक 23/11/80 - 23/ 2/81

तुला 23/ 2/81 - 23/ 5/81

कन्या 23/ 5/81 - 23/ 8/81

सिंह 23/ 8/81 - 23/11/81

कर्क 23/11/81 - 23/ 2/82

मिथुन 23/ 2/82 - 23/ 5/82

वृष 23/ 5/82 - 23/ 8/82

मेष 2 वर्ष

वृष 23/ 8/82 - 23/10/82

मिथुन 23/10/82 - 23/12/82

कर्क 23/12/82 - 23/ 2/83

सिंह 23/ 2/83 - 23/ 4/83

कन्या 23/ 4/83 - 23/ 6/83

तुला 23/ 6/83 - 23/ 8/83

वृश्चिक 23/ 8/83 - 23/10/83

धनु 23/10/83 - 23/12/83

मकर 23/12/83 - 23/ 2/84

कुंभ 23/ 2/84 - 23/ 4/84

मीन 23/ 4/84 - 23/ 6/84

मेष 23/ 6/84 - 23/ 8/84

मीन 8 वर्ष

मेष 23/ 8/84 - 23/ 4/85

वृष 23/ 4/85 - 23/12/85

मिथुन 23/12/85 - 23/ 8/86

कर्क 23/ 8/86 - 23/ 4/87

सिंह 23/ 4/87 - 23/12/87

कन्या 23/12/87 - 23/ 8/88

तुला 23/ 8/88 - 23/ 4/89

वृश्चिक 23/ 4/89 - 23/12/89

धनु 23/12/89 - 23/ 8/90

मकर 23/ 8/90 - 23/ 4/91

कुंभ 23/ 4/91 - 23/12/91

मीन 23/12/91 - 23/ 8/92

कुंभ 6 वर्ष

मीन 23/ 8/92 - 23/ 2/93

मेष 23/ 2/93 - 23/ 8/93

वृष 23/ 8/93 - 23/ 2/94

मिथुन 23/ 2/94 - 23/ 8/94

कर्क 23/ 8/94 - 23/ 2/95

सिंह 23/ 2/95 - 23/ 8/95

कन्या 23/ 8/95 - 23/ 2/96

तुला 23/ 2/96 - 23/ 8/96

वृश्चिक 23/ 8/96 - 23/ 2/97

धनु 23/ 2/97 - 23/ 8/97

मकर 23/ 8/97 - 23/ 2/98

कुंभ 23/ 2/98 - 23/ 8/98

मकर 5 वर्ष

धनु 23/ 8/98 - 23/ 1/99

वृश्चिक 23/ 1/99 - 23/ 6/99

तुला 23/ 6/99 - 23/11/99

कन्या 23/11/99 - 23/ 4/00

सिंह 23/ 4/00 - 23/ 9/00

कर्क 23/ 9/00 - 23/ 2/01

मिथुन 23/ 2/01 - 23/ 7/01

वृष 23/ 7/01 - 23/12/01

मेष 23/12/01 - 23/ 5/02

मीन 23/ 5/02 - 23/10/02

कुंभ 23/10/02 - 23/ 3/03

मकर 23/ 3/03 - 23/ 8/03

धनु 7 वर्ष

वृश्चिक 23/ 8/03 - 23/ 3/04

तुला 23/ 3/04 - 23/10/04

कन्या 23/10/04 - 23/ 5/05

सिंह 23/ 5/05 - 23/12/05

कर्क 23/12/05 - 23/ 7/06

मिथुन 23/ 7/06 - 23/ 2/07

वृष 23/ 2/07 - 23/ 9/07

मेष 23/ 9/07 - 23/ 4/08

मीन 23/ 4/08 - 23/11/08

कुंभ 23/11/08 - 23/ 6/09

मकर 23/ 6/09 - 23/ 1/10

धनु 23/ 1/10 - 23/ 8/10

वृश्चिक 7 वर्ष

तुला 23/ 8/10 - 23/ 3/11

कन्या 23/ 3/11 - 23/10/11

सिंह 23/10/11 - 23/ 5/12

कर्क 23/ 5/12 - 23/12/12

मिथुन 23/12/12 - 23/ 7/13

वृष 23/ 7/13 - 23/ 2/14

मेष 23/ 2/14 - 23/ 9/14

मीन 23/ 9/14 - 23/ 4/15

कुंभ 23/ 4/15 - 23/11/15

मकर 23/11/15 - 23/ 6/16

धनु 23/ 6/16 - 23/ 1/17

वृश्चिक 23/ 1/17 - 23/ 8/17

तुला 10 वर्ष

वृश्चिक 23/ 8/17 - 23/ 6/18

धनु 23/ 6/18 - 23/ 4/19

मकर 23/ 4/19 - 23/ 2/20

कुंभ 23/ 2/20 - 23/12/20

मीन 23/12/20 - 23/10/21

मेष 23/10/21 - 23/ 8/22

वृष 23/ 8/22 - 23/ 6/23

मिथुन 23/ 6/23 - 23/ 4/24

कर्क 23/ 4/24 - 23/ 2/25

सिंह 23/ 2/25 - 23/12/25

कन्या 23/12/25 - 23/10/26

तुला 23/10/26 - 23/ 8/27

कन्या 2 वर्ष

तुला 23/ 8/27 - 23/10/27

वृश्चिक 23/10/27 - 23/12/27

धनु 23/12/27 - 23/ 2/28

मकर 23/ 2/28 - 23/ 4/28

कुंभ 23/ 4/28 - 23/ 6/28

मीन 23/ 6/28 - 23/ 8/28

मेष 23/ 8/28 - 23/10/28

वृष 23/10/28 - 23/12/28

मिथुन 23/12/28 - 23/ 2/29

कर्क 23/ 2/29 - 23/ 4/29

सिंह 23/ 4/29 - 23/ 6/29

कन्या 23/ 6/29 - 23/ 8/29

सिंह 12 वर्ष

कन्या 23/ 8/29 - 23/ 8/30

तुला 23/ 8/30 - 23/ 8/31

वृश्चिक 23/ 8/31 - 23/ 8/32

धनु 23/ 8/32 - 23/ 8/33

मकर 23/ 8/33 - 23/ 8/34

कुंभ 23/ 8/34 - 23/ 8/35

मीन 23/ 8/35 - 23/ 8/36

मेष 23/ 8/36 - 23/ 8/37

वृष 23/ 8/37 - 23/ 8/38

मिथुन 23/ 8/38 - 23/ 8/39

कर्क 23/ 8/39 - 23/ 8/40

सिंह 23/ 8/40 - 23/ 8/41

कर्क 11 वर्ष

मिथुन 23/ 8/41 - 23/ 7/42

वृष 23/ 7/42 - 23/ 6/43

मेष 23/ 6/43 - 23/ 5/44

मीन 23/ 5/44 - 23/ 4/45

कुंभ 23/ 4/45 - 23/ 3/46

मकर 23/ 3/46 - 23/ 2/47

धनु 23/ 2/47 - 23/ 1/48

वृश्चिक 23/ 1/48 - 23/12/48

तुला 23/12/48 - 23/11/49

कन्या 23/11/49 - 23/10/50

सिंह 23/10/50 - 23/ 9/51

कर्क 23/ 9/51 - 23/ 8/52

मिथुन 1 वर्ष

वृष 23/ 8/52 - 23/ 9/52

मेष 23/ 9/52 - 23/10/52

मीन 23/10/52 - 23/11/52

कुंभ 23/11/52 - 23/12/52

मकर 23/12/52 - 23/ 1/53

धनु 23/ 1/53 - 23/ 2/53

वृश्चिक 23/ 2/53 - 23/ 3/53

तुला 23/ 3/53 - 23/ 4/53

कन्या 23/ 4/53 - 23/ 5/53

सिंह 23/ 5/53 - 23/ 6/53

कर्क 23/ 6/53 - 23/ 7/53

मिथुन 23/ 7/53 - 23/ 8/53

जैमिनी चर दशा फल

वैदिक ज्योतिष की भांति ही जैमिनी ज्योतिष पद्धति फल कथन करने में काफी सटीक साबित होती है। जहाँ विंशोत्तरी दशा ग्रहों की दशा होती है, वहीं जैमिनी चर दशा राशियों की दशा होती है। मेष से लेकर मीन राशि तक कुल 12 राशियाँ होती हैं, इसलिए जैमिनी चर दशा भी 12 राशियों की दशा होती है।

सभी राशियों का अपना एक स्वभाव होता है और उसी के आधार पर वें अपना फल प्रदान करती हैं।



मेष राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आपके घर अनेक प्रकार के अतिथि आएँगे और घर में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा तथा बच्चों का शोर-शराबा भी हो सकता है। आप काफी महत्वाकांक्षी बनेंगे और आपके स्वभाव में थोड़ी आक्रामकता की वृद्धि होगी। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आप प्रयास करेंगे लेकिन आक्रामकता को नियंत्रण में रखने की कोशिश करें। इस दशा के दौरान आपको किसी जानवर से क्षति पहुंच सकती है, विशेषकर चूहा, बिल्ली, कुत्ता आदि से सावधान रहना चाहिए। जल्दबाजी में काम करने की आदत से बचें।



वृषभ राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपके परिवार में खुशहाली आएगी और आपको धन लाभ होने की प्रबल संभावना बनेगी। यदि आपने पहले से ही विचार किया हुआ है, तो इस दौरान कोई वाहन भी खरीद सकते हैं। इस दशा अवधि में आप काफी सुख का अनुभव करेंगे। हालांकि वाहन सावधानी पूर्वक चलाएँ, क्योंकि किसी वाहन अथवा चौपाये जानवर द्वारा हल्की-फुल्की दुर्घटना होने की भी संभावना बन सकती है।



मिथुन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपकी सोच में वृद्धि होगी और आप सही दिशा में सोच पाएँगे। इसका लाभ आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। यदि आप कोई पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी शिक्षा में सफलता मिलेगी और यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें भी इस अवधि में तरक्की मिल सकती है। हालांकि आपका स्वास्थ्य इस दौरान कमजोर हो सकता है। विशेष रूप से कोई त्वचा संबंधित परेशानी, एलर्जी या नस एवं नाड़ियों से संबंधित रोग हो सकता है, जिसके प्रति सावधानी बरतना हो सके।



कर्क राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके लिए काफी उन्नति दायक रहने वाली है। इस दौरान आपको बहुमूल्य रत्नों से संबंधित

व्यवसाय या कोई भी ऐसा व्यवसाय जिसमें विदेशी व्यापार होता हो, आप को जबरदस्त सफलता मिल सकती है। इस दौरान आपको जल संबंधित बीमारियों, जैसे कि पीलिया, हैजा, आदि से बचना चाहिए और गहरे पानी में स्नान करने से सावधान रहना चाहिए। इस दौरान आप काफी भावुक होंगे और अपने परिवार के बारे में काफी सोचेंगे, इसलिए घरेलू कार्यों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी।



सिंह राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा अवधि में आपको अपने अंदर आध्यात्मिकता की वृद्धि देखने को मिलेगी और आपका रुझान धार्मिक कार्यों में अधिक होगा। आप किसी पहाड़ी प्रदेश या जंगल आदि में भ्रमण करने जा सकते हैं, लेकिन इस दौरान अधिक ऊँचे स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि वहां से गिरकर दुर्घटना की संभावना बन सकती है। इसके अतिरिक्त अपने कार्य क्षेत्र में भी ध्यान दें, क्योंकि आपकी पदावधि हो सकती है। इसके विपरीत यदि आप अच्छे कार्य करते हैं, तो पदोन्नति भी प्राप्त हो सकती है। किसी जानवर जैसे कुत्ते आदि के द्वारा काटने अथवा दुर्घटना की आशंका हो सकती है।



कन्या राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको शिक्षा में अनुकूल परिणाम मिलेंगे और आप काफी अच्छे प्रदर्शन कर पाएंगे। यदि आप कोई व्यापार करते हैं, तो उसमें काफी अच्छे लाभ मिलेगा और इस दौरान आपके व्यापार का विस्तार हो सकता है। आपकी तर्क क्षमता में वृद्धि होगी। वहीं दूसरी ओर अग्नि से संबंधित कोई दुर्घटना अथवा त्वचा संबंधित रोग जैसे खुजली, एलर्जी, दाद, आदि होने की संभावना रहेगी।



तुला राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको सभी प्रकार के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी तथा आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। लोगों के मन में आपके प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आपकी सोच में सकारात्मकता आएगी और शुभ कार्यों में आपका मन लगेगा। इसके अतिरिक्त आपको विभिन्न प्रकार के सुख, चाहे वाहन सुख हो, अथवा भवन सुख, प्राप्त हो सकता है। जीवन में प्रेम की वृद्धि होगी।



वृश्चिक राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आ सकती है। यदि आप कोई शोध कार्य करते हैं या फिर कोई गूढ़ अध्ययन करते हैं, अथवा आध्यात्मिक रूप से ध्यान आदि करते हैं, तो आपको काफी बेहतरीन परिणाम मिल सकते हैं। हालांकि आपकी सेहत के लिए दशा अच्छी नहीं होगी। विशेषकर दवाइयों के साइड इफेक्ट से अथवा फूड पॉइजनिंग के कारण आपको कष्ट हो सकता है। इसके अतिरिक्त किसी इंजेक्शन से इन्फेक्शन होने का खतरा रह सकता है अथवा किसी जलीय जीव के द्वारा क्षति पहुँचाई जा

सकती है।



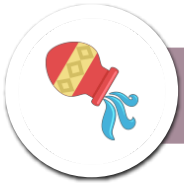
धनु राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, क्योंकि काफी रहस्यमयी दशा है। इस दशा अवधि में आपको काफी हद तक उन्नति और उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन अचानक से स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकते हैं या फिर कोई दुर्घटना हो सकती है। आपको किसी ऊँचे स्थान से गिरने या फिर कुछ गलत कार्य के कारण पद की क्षति पहुंच सकती है। इस दौरान आपको अपने शत्रुओं के प्रति सावधान रहना चाहिए, क्योंकि मैं आप को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।



मकर राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में बदलाव का कारण बन सकती है। बदलाव चाहे छोटे हों अथवा बड़े, आपके जीवन पर अच्छा खासा प्रभाव डालेंगे। इस दौरान आप अपने निवास स्थान में बदलाव कर सकते हैं या अपने नौकरी के स्थान में। इसके अतिरिक्त इस दशा अवधि में जीवन संबंधित बड़े बदलाव जैसे कि विवाह होना अथवा संतान होना या फिर स्वास्थ्य अत्यधिक खराब होना संभव हो सकता है, इसलिए थोड़ा सावधानी बरतें।



कुम्भ राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आप आगे बढ़कर काफी दान, पुण्य, धार्मिक कार्य करेंगे तथा समाज के हित में परोपकार के कार्य करेंगे, जिससे आपके मान और सम्मान में वृद्धि होगी। लोग आपसे अपने कार्यों के लिए सलाह लेने आएँगे अथवा कोई ज़रूरतमंद आपसे सहायता मांगने आ सकता है और आप उनकी सहायता भी करेंगे। इससे समाज में आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आपको लोगों द्वारा सराहना प्राप्त होगी।



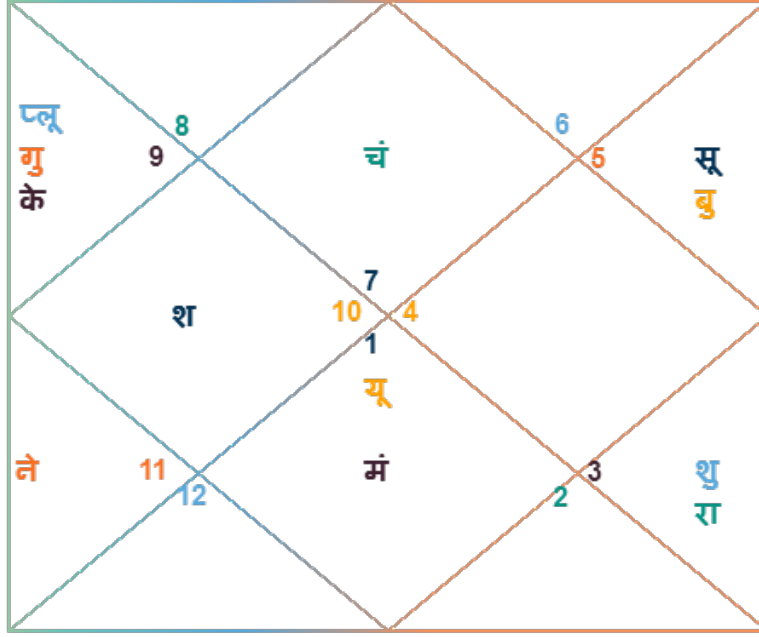
मीन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आप काफी भावुक होंगे और भावुकता में आकर कुछ गलत निर्णय भी ले सकते हैं, इसलिए कोई भी निर्णय लेने से पहले किसी को वरिष्ठ व्यक्ति से सलाह लेना बेहतर रहेगा। हालांकि आपके जीवन में इस दशा के दौरान काफी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होंगे, जो भविष्य में आपके काम आएँगे। केवल इतना ही नहीं, आप गहन अध्यात्म के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन कर पाएँगे। यह दशा जीवन को आध्यात्मिक तौर पर समृद्ध बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

वर्षफल विवरण 2020

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	23/08/2020
23:53:18	जन्म समय	12:9:8
गुरुवार	जन्म दिन	रविवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	11:48:00
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 54 : 45
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 38
वृषभ	लग्न	तुला
शुक्र	लग्नस्वामी	शुक्र
सिंह	राशि	तुला
सूर्य	राशि स्वामी	शुक्र
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	चित्रा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
वि	योग	कुक्ल
भाव	करण	बालव
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-08-41
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2020



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	तुला	27-02-08
सूर्य	सिंह	06-27-58
चंद्र	तुला	03-40-07
मंगल	मेष	01-48-48
बुध	सिंह	12-05-41
गुरु	धनु	24-00-03
शुक्र	मिथुन	21-03-31
शनि	मकर	02-13-44
राहु	मिथुन	01-38-04
केतु	धनु	01-38-04
यूरेनस	मेष	16-37-02
नेपच्यून	कुंभ	25-52-36
प्लूटो	धनु	28-34-28

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शुक्र
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र
त्रिराशी स्वामी	बुध
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2020
वर्षप्रवेश जन्म-समय	12:09:08
मुन्था राशि	तुला
घर में मुन्था	1
जन्म कुण्डली में मुन्था	6

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	मकर 24 . 14 . 17	शनि
शिक्षा	सिंह 29 . 49 . 58	सूर्य
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कन्या 26 . 47 . 53	बुध
मित्र	मकर 26 . 39 . 12	शनि
पिता	मीन 22 . 47 . 53	गुरु
माता	मीन 09 . 38 . 43	गुरु
जीवन	धनु 05 . 15 . 48	गुरु
कर्ण	मिथुन 16 . 45 . 14	बुध
मृत्यु	सिंह 27 . 28 . 03	सूर्य
विदेश यात्रा	कन्या 15 . 43 . 13	बुध
धन-सम्पत्ति	मिथुन 24 . 07 . 46	बुध
व्यभिचार	कन्या 11 . 37 . 41	बुध
बीमारी	धनु 20 . 24 . 08	गुरु
वैकल्पिक व्यवसाय	सिंह 28 . 28 . 31	सूर्य
वाणिज्य	मकर 18 . 36 . 34	शनि
कार्य सिद्धि	कुंभ 02 . 13 . 43	शनि
विवाह	वृषभ 15 . 51 . 55	शुक्र
संतान	मीन 08 . 56 . 29	गुरु
प्रेम	कर्क 02 . 37 . 48	चंद्र

सहम	अंश	गृह
व्यापार	मिथुन 16 . 45 . 14	बुध
शत्रु	कुंभ 26 . 37 . 11	शनि
कारावास	धनु 19 . 02 . 41	गुरु
वित्तीय लाभ	मीन 09 . 38 . 43	गुरु

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

गृह	से आरंभ करके	तक
गुरु	23/08/2020	11/10/2020
शनि	11/10/2020	07/12/2020
बुध	07/12/2020	28/01/2021
केतु	28/01/2021	18/02/2021
शुक्र	18/02/2021	20/04/2021
सूर्य	20/04/2021	09/05/2021
चंद्र	09/05/2021	08/06/2021
मंगल	08/06/2021	29/06/2021
राहु	29/06/2021	23/08/2021

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	गृह	से आरंभ करके	तक
सिद्धा	शुक्र	23/08/2020	02/11/2020
संकटा	राहु	02/11/2020	22/01/2021
मंगला	चंद्र	22/01/2021	01/02/2021
पिंगला	सूर्य	01/02/2021	21/02/2021
धान्या	गुरु	21/02/2021	23/03/2021
भ्रामरी	मंगल	23/03/2021	03/05/2021
भद्रिका	बुध	03/05/2021	23/06/2021
उल्का	शनि	23/06/2021	23/08/2021

वर्षफल विवरण 2020 - 2021

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा प्रथम भाव में है।

यह एक अनुकूल स्थिति है। आपको बेहतर कैरिअर संभावनाएं और चतुर्मुख उन्नति के अवसर मिलेंगे। अपने विरोधियों को परास्त करने में आप सक्षम होंगे। आपका मान बढ़ेगा। आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त होगा और आर्थिक दृष्टि से आप अधिक समृद्ध होंगे।



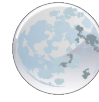
दशा शुक्र

फ़रवरी 19, 2021 - अप्रैल 20, 2021



दशा सूर्य

अप्रैल 20, 2021 - मई 09, 2021



दशा चंद्र

मई 09, 2021 - जून 08, 2021



दशा मंगल

जून 08, 2021 - जून 29, 2021



दशा राहु

जून 29, 2021 - अगस्त 23, 2021

फ़रवरी 19, 2021 - अप्रैल 20, 2021 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आप के थोड़े प्रयत्न करने पर ही आपकी आमदनी बढ़ जायेगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। नवम भाव में शुक्र की स्थिति आर्थिक संपन्नता को भी दर्शाती है, अतः इस अवधि में आर्थिक समृद्धता बनी रहेगी। इस अवधि में लंबी दूरी की यात्राएं भी लाभकारी सिद्ध होंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

करियर

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनकी कृपा आप पर बनी रहेगी। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो आपको मनचाही सफलता मिलने की संभावना है। आपके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आएगी, इसलिए आप बड़ी से बड़ी चुनौतियों को आसानी से मात दे सकेंगे। परंतु एक बात ध्यान अवश्य रखें, आलस्य के कारण किसी भी कार्य बीच में अधूरा न छोड़ें।

पारिवारिक जीवन

माता पिता और गुरुजनों से संबंध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिये सुखद एवम् अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यों में घर वाले आपकी सहायता करेंगे। इस समय परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग से जुड़े मामलों और वैवाहिक जीवन के लिए उत्तम समय रहेगा। अपने जीवनसाथी या प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान आपके रिश्तों में एक नई मजबूती आएगी। आप दोनों के बीच कभी-कभार मनमुटाव की स्थिति भी बन सकती है इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे। यदि किसी पुरानी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं तो इस अवधि में आपकी सेहत में सुधार देखने को मिल सकता है। प्रातः जल्दी उठकर योग और व्यायाम करना आपके लिए लाभकारी होगा। इससे आपको शारीरिक एवं मानसिक लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुराल पक्ष से बेहतर संबंध स्थापित करें।
- नए-नए स्थानों पर घूमने जाएं और नए लोगों को जाने।

क्या न करें

- स्वयं की स्वतंत्रता के पीछे अधिक ना भागे।
- उच्च शिक्षा की ओर ध्यान केंद्रित करें।

उपाय

- श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
- पानी में इलायची डालकर स्नान करें।

अप्रैल 20, 2021 - मई 09, 2021 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

एकादश भाव में स्थित सूर्य अनुकूल परिणाम देता है। इसके प्रभाव से आपकी समस्त इच्छाएं व महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी। इसके फलस्वरूप आपको धन लाभ होगा। इस अवधि में आपको मित्रों और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा। आपको कई शुभ परिणाम प्रदान करेगी। एकादश भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

वहीं नौकरी व व्यवसाय में होने वाले हर सौदे और समझौते आपके लिए लाभकारी होंगे। इस अवधि में आपकी आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आपको वेतन वृद्धि की सौगात मिल सकती है। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आपको उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा। वहीं अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, विशेषकर लंबी दूरी की यात्राओं से आपको श्रेष्ठ फल की प्राप्ति होगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। बड़े भाई-बहनों का साथ मिलेगा। घर में एकता और प्रेम का वातावरण रह सकता है। माता-पिताजी की सेहत का ख्याल रखें और अच्छे कार्यों से पहले उनका आशीर्वाद लें। सहपरिवार आप किसी जगह घूमने भी जा सकते हैं। घर में किसी नए सदस्य का आगमन हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा। आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गजब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने व्यवसाय को नए आयाम देने हेतु विस्तार दें।
- परिवार को भरपूर समय दें।

क्या न करें

- महत्वाकांक्षाओं की अति से बचें।
- जल्दबाजी में किसी से मित्रता ना करें और ना ही किसी पर जल्दी भरोसा करें।

उपाय

- सूर्य द्वादश नाम स्त्रोत का पाठ करें।
- लक्ष्मी नारायण के मंदिर में विष्णु जी को कमल पुष्प अर्पित करें।

मई 09, 2021 - जून 08, 2021 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको सोच समझकर कदम बढ़ाने होंगे। आपका आर्थिक जीवन सुदृढ़ होगा परंतु आपके स्वयं के विचारों में मतभेद होने के कारण कई मौके आपके हाथ से निकल सकते हैं। सामान्य रूप से धन लाभ होगा। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और धन के अहमियत को समझें।

करियर

प्रथम भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आपको मिले-जुले फल मिलेंगे। इस अवधि में आपको नौकरी, व्यवसाय और निजी जीवन में कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। हालांकि ये आप पर निर्भर करेगा कि आप इन अवसरों का लाभ कैसे उठाते हैं। ध्यान रखें कि आपको इन अवसरों को पहचानना होगा। वहीं चंद्रमा के प्रभाव से आपके व्यक्तित्व में एक अजीब सा आकर्षण होगा और आप सदैव प्रसन्न रहेंगे। ओजस्वी व्यक्तित्व के प्रभाव से समाज में आपका मेलजोल बढ़ेगा और नए संपर्क बनेंगे। प्रथम भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। आप नौकरी, व्यवसाय या अन्य किसी कारण से विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में भी हो सकती है और आप इस क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप कलात्मक और रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं तो इस अवधि में आप इस क्षेत्र में कुछ खास कर सकते हैं। मित्र, परिजन और सहयोगियों से किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बनेगी, इसलिए सभी से संयमित व्यवहार करें। इस अवधि में होने वाली यात्राएं आपके लिए कुछ खास नहीं रहेंगी, अतः बेवजह यात्रा करने से बचें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा। परिवार के लोगों में समरसता का भाव देखने को मिलेगा। घर में एकता दिखेगी। आपको माता-पिता जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। घर के सदस्य भी अपने-अपने कार्यों में

तरक्की करेंगे। भाई-बहनों से आपको किसी तरह की आर्थिक मदद मिल सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आप अपने जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। इससे जीवनसाथी के साथ आपको रोमांस करने का भरपूर मौका मिलेगा। यदि आप अविवाहित हैं और सच्चे प्रेम की तलाश कर रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिलेगी। ऐसी कोई बात न कहें जिससे जीवनसाथी/प्रियतम के दिल को ठेस पहुँचे।

स्वास्थ्य

चंद्रमा के प्रथम भाव में स्थित होने से आपके माता-पिता की सेहत पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है, लिहाज़ा आपको उनकी सेहत का ख़्याल रखना होगा। इसके अलावा आप अपनी भी सेहत की देखभाल करें। आपको बुखार, खांसी, जुकाम अथवा खुजली जैसी समस्या हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पहले हाथ में लिया काम पूरा करें तभी दूसरा काम हाथ में लें।
- जितना संभव हो ध्यान करें।

क्या न करें

- किसी भी कार्य में जल्दबाज़ी न करें।
- स्वयं को अत्यधिक भावुक न होने दें।

उपाय

- भगवान शिव की आराधना करें और उन्हें श्वेत पुष्प अर्पित करें।
- नियम पूर्वक पूर्णमासी का व्रत रखें।

जून 08, 2021 - जून 29, 2021 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आर्थिक क्षेत्र में भी आपको निराश कर सकती है। अच्छा होगा कि आप इस समय बड़े आर्थिक फैसले न लें और सोच-समझकर निवेश करें। जुआ, सट्टा अथवा शेयर मार्केट में पैसा न लगाएं।

करियर

पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। आपकी राहों में नई-नई चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। ऐसे में धैर्य न खोएं और सकारात्मक सोच के साथ उन चुनौतियों का सामना करें। शत्रु पक्ष आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं, लिहाजा उनसे सावधान रहें और चतुराई के साथ उनका सामना करें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में परिस्थितियाँ आपके विपरीत हो सकती हैं। घर में बड़े भाई अथवा पिताजी के साथ आपके संबंध कटु हो सकते हैं। सप्तम भाव में मंगल की उपस्थिति आपको जरूरत से ज्यादा स्वाभिमानी बना सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि, लोग आपको अहंकारी समझने लगेंगे, इसलिए अपने अहंकार का त्याग करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

सप्तम भाव में बैठा मंगल आपके लिए कष्टदायी हो सकता है। इस समय आपके वैवाहिक जीवन में परेशानियाँ आ सकती हैं। जीवनसाथी की ओर से आपको किसी प्रकार की समस्या हो सकती है। उनके साथ आपके संबंध कड़वे हो सकते हैं। इसके अलावा दोनों के बीच दूरियाँ बढ़ सकती हैं। यदि अविवाहित हैं तो मंगल की यह स्थिति आपके विवाह में देरी का कारण बन सकती है।

स्वास्थ्य

कभी-कभार आपके मन में नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं। आपका मानसिक तनाव बढ़ सकता है आपके मन में एक प्रकार की बेचैनी रहेगी इसलिए इस अवधि में अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
- समझौता करने की कला सीखें।

क्या न करें

- जीवनसाथी से ज्यादा लड़ाई झगड़ा ना करें।
- किसी भी बात का समाधान निकालने का प्रयास करें बहस ना करें।

उपाय

- किसी बड़े आकार के तवे पर गुड़ की रोटी बनाकर लोगों को खिलाएं।
- किसी उपयुक्त स्थान पर मंगलवार के दिन रक्तदान करें।

जून 29, 2021 - अगस्त 23, 2021 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणामों की प्राप्ति होगी। इस समय आपके पास धन का आगमन होगा, परंतु आपके खर्चों में वृद्धि होगी। इस समय आय और खर्च के बीच संतुलन बनाएं, अन्यथा आप आर्थिक संकट से गुजर सकते हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

करियर

करियर में आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यापार में अच्छा काम करेंगे और लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे। नौकरी-पेशा के प्रति आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में अहंकार की झलक दिख सकती है। अपने अहंकार का त्याग करें और अपना आत्म अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपको पारिवारिक जीवन में आनंद आएगा। परिजनों के साथ आपको अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस अवधि आपको अपने परिवार से विशेष लगाव होगा लेकिन पिता से संबंध मधुर रहने की संभावना कम है। बेहतर होगा कि आप पिता का सम्मान करें और सफलता के लिए उनकी बातों का अनुसरण करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको आनंद की अनुभूति होगी। जीवनसाथी से रिश्ते मधुर बनेंगे। उनके द्वारा आपको आर्थिक लाभ होगा और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। वहीं लव लाइफ के लिए भी अच्छा समय रहेगा। प्रियतम के साथ रोमांस करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे। आपके चेहरे पर चमक देखी जा सकेगी और पूरे उत्साह और जोश के साथ आप अपने कार्य को अंजाम देंगे। इस समय आप अपनी सेहत को लेकर भी गंभीर रहेंगे और अपने खानपान का विशेष ध्यान देंगे। नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने पिता से अच्छे संबंध बनाकर रखें।
- रूढ़िगत विचारों का पूर्ण रूप से विरोध करें।

क्या न करें

- अपने विचारों को नई दिशा दें किसी को कष्ट ना दें।
- धार्मिक होने का दिखावा न करें।

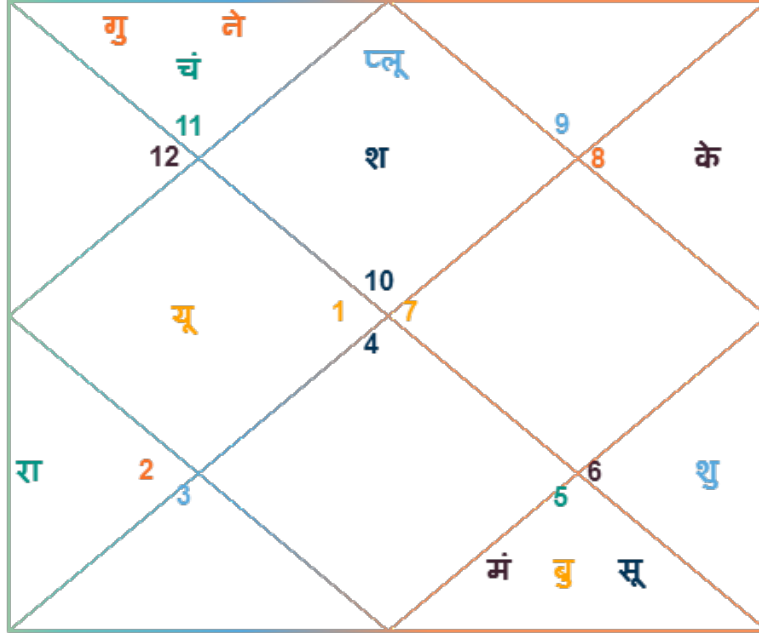
उपाय

- अपने वजन के बराबर कच्चे कोयले का दान करें।
- चांदी की चेन अथवा लॉकेट धारण करें।

वर्षफल विवरण 2021

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	23/08/2021
23:53:18	जन्म समय	18:18:18
गुरुवार	जन्म दिन	सोमवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	17:57:10
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 54 : 37
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 54
वृषभ	लग्न	मकर
शुक्र	लग्नस्वामी	शनि
सिंह	राशि	कुंभ
सूर्य	राशि स्वामी	शनि
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	शतभिषा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
िाव	योग	सुक्रर्मा
भाव	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-09-32
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2021



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	मकर	26-35-52
सूर्य	सिंह	06-27-58
चंद्र	कुंभ	19-22-12
मंगल	सिंह	21-27-01
बुध	सिंह	25-49-02
गुरु	कुंभ	02-40-15
शुक्र	कन्या	14-30-53
शनि	मकर	14-28-57
राहु	वृषभ	12-16-43
केतु	वृश्चिक	12-16-43
यूरेनस	मेष	20-43-07
नेपच्यून	कुंभ	28-09-24
प्लूटो	मकर	00-24-38

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	मंगल
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शनि
त्रिराशी स्वामी	मंगल
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2021
वर्षप्रवेश जन्म-समय	18:18:17
मुन्था राशि	वृश्चिक
घर में मुन्था	11
जन्म कुण्डली में मुन्था	7

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	सिंह 09 . 30 . 05	सूर्य
शिक्षा	सिंह 13 . 41 . 39	सूर्य
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कर्क 19 . 46 . 01	चंद्र
मित्र	तुला 18 . 42 . 26	शुक्र
पिता	सिंह 04 . 36 . 51	सूर्य
माता	कर्क 01 . 27 . 11	चंद्र
जीवन	कुंभ 08 . 24 . 34	शनि
कर्ण	मकर 22 . 13 . 51	शनि
मृत्यु	सिंह 25 . 54 . 29	सूर्य
विदेश यात्रा	मेष 05 . 46 . 25	मंगल
धन-सम्पत्ति	मीन 12 . 54 . 39	गुरु
व्यभिचार	मेष 04 . 38 . 46	मंगल
बीमारी	कुंभ 03 . 49 . 33	शनि
वैकल्पिक व्यवसाय	मीन 01 . 29 . 06	गुरु
वाणिज्य	कर्क 20 . 09 . 01	चंद्र
कार्य सिद्धि	कुंभ 14 . 28 . 56	शनि
विवाह	कन्या 26 . 37 . 48	बुध
संतान	कर्क 03 . 27 . 04	चंद्र
प्रेम	मीन 00 . 47 . 25	गुरु

सहम	अंश	ग्रह
व्यापार	मकर 22 . 13 . 51	शनि
शत्रु	कन्या 03 . 33 . 56	बुध
कारावास	सिंह 21 . 37 . 01	सूर्य
वित्तीय लाभ	कर्क 01 . 27 . 11	चंद्र

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
शनि	23/08/2021	20/10/2021
बुध	20/10/2021	11/12/2021
केतु	11/12/2021	01/01/2022
शुक्र	01/01/2022	03/03/2022
सूर्य	03/03/2022	21/03/2022
चंद्र	21/03/2022	21/04/2022
मंगल	21/04/2022	12/05/2022
राहु	12/05/2022	06/07/2022
गुरु	06/07/2022	23/08/2022

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
संकटा	राहु	23/08/2021	12/11/2021
मंगला	चंद्र	12/11/2021	22/11/2021
पिंगला	सूर्य	22/11/2021	12/12/2021
धान्या	गुरु	12/12/2021	11/01/2022
भ्रामरी	मंगल	11/01/2022	21/02/2022
भद्रिका	बुध	21/02/2022	13/04/2022
उल्का	शनि	13/04/2022	13/06/2022
सिद्धा	शुक्र	13/06/2022	23/08/2022

वर्षफल विवरण 2021 - 2022

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा एकादश भाव में है।

आप बेहतर स्वास्थ्य, लोकप्रियता, मित्रता व सुखद पारिवारिक जीवन का आनंद लेंगे। आपको उच्च प्रशासनिक अथवा राजकीय पदों से सहयोग मिलेगा। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी और आपकी समस्याओं का अंत होगा।



दशा शनि

अगस्त 23, 2021 - अक्टूबर 20, 2021



दशा बुध

अक्टूबर 20, 2021 - दिसम्बर 11, 2021



दशा केतु

दिसम्बर 11, 2021 - जनवरी 01, 2022



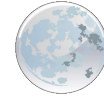
दशा शुक्र

जनवरी 01, 2022 - मार्च 03, 2022



दशा सूर्य

मार्च 03, 2022 - मार्च 21, 2022



दशा चंद्र

मार्च 21, 2022 - अप्रैल 21, 2022



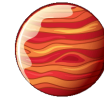
दशा मंगल

अप्रैल 21, 2022 - मई 12, 2022



दशा राहु

मई 12, 2022 - जुलाई 06, 2022



दशा गुरु

जुलाई 06, 2022 - अगस्त 23, 2022

अगस्त 23, 2021 - अक्टूबर 20, 2021 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपका आर्थिक जीवन सामान्य गति से चलेगा। हालांकि आपके सहयोगियों की लापरवाही के कारण आपको आर्थिक क्षेत्र में बड़ा धक्का लग सकता है, इसलिए थोड़ा इस मामले में सचेत रहें। इस अवधि का आखिरी हिस्सा आपको कुछ राहत देगा और इस समय आपको आर्थिक लाभ होगा।

करियर

करियर में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके अधिकतर कार्यों में किसी न किसी प्रकार की अड़चन आ सकती है। अपने करियर को लेकर आपके मन में कभी कभी असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है। इस समय आपके ऊपर काम का बोझ बहुत रहेगा और फालतू के कामों में भी आप फँस सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

आपको पारिवारिक जीवन में इस समय दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। आपकी फैमिली लाइफ में खुशियों का अभाव रह सकता है। परिजनों की सेहत में गिरावट देखी जा सकती है। इस कारण आप थोड़े चिंतित भी रह सकते हैं। अपने माता-पिता की सेहत की देखभाल करें और छोटे भाई-बहनों के साथ प्रेम पूर्ण व्यवहार बनाए रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं। किसी बात को लेकर जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। वहीं प्रेम जीवन में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साथी के प्रति भरोसा जताएं और उनके भी भरोसे को टूटने न दें। रिलेशनशिप को मजबूत बनाने के लिए यह एक बेहतर फॉर्मूला है।

स्वास्थ्य

इस समय आपकी सेहत नाजुक रह सकती है। आपको किसी न किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा रह सकती है। आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने की संभावना है। इस समय अपने शरीर को बलवान बनाएँ और इम्युनिटी पॉवर को मजबूती प्रदान करने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- मेहनत करते रहे साथ ही सेहत का पूरा ध्यान रखें।
- अंतर्मुखी प्रवृत्ति से बाहर निकलने का प्रयास करें।

क्या न करें

- स्वयं को असहाय मानना बंद करें।
- निराशावादी दृष्टिकोण से स्वयं को दूर करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- लोहे की कटोरी में तेल का छाया पात्र दान करें।

अक्टूबर 20, 2021 - दिसम्बर 11, 2021 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का अष्टम भाव में स्थित होना आपके लिए थोड़ा कष्टकारी हो सकता है। इस स्थिति में परिश्रम और प्रयासों के बावजूद आपको सफलता आसानी से नहीं मिलेगी। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि देर से ही सही लेकिन आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। यदि आवश्यक नहीं हो तो, इस अवधि में यात्रा ना करें। क्योंकि बेवजह की यात्रा से आपको कुछ हासिल नहीं होगा।

करियर

कार्यस्थल पर काम की अधिकता रहेगी इसलिए काम को लेकर ज्यादा तनाव ना लें। घर या कार्यस्थल पर छोटी सी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है अतः ऐसे हालात में संयम के साथ काम लें। जहां तक हो सके हर मसले का समाधान बातचीत से करें। अच्छी बात है कि इस अवधि में आपको भौतिक सुखों की प्राप्ति होती रहेगी, साथ ही आप दूसरों की मदद के लिए भी तैयार रहेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्यतः तनावग्रस्त रह सकता है। ऐसी स्थिति में धैर्य और संयम के साथ काम लें। क्योंकि कुछ ही समय में परिस्थितियां बदल जाएगी। भाई-बहन के साथ व्यवहार में संयम बरतें। इस अवधि में पिता के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है इसलिए धैर्य के साथ काम लें और उनकी बातों का सम्मान करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए बुद्ध की स्थिति आदर्श नहीं कही जा सकती है। इस कारण विचारों में मतभेद तथा वाणी दोष के कारण रिश्तों में परेशानियां बढ़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में संयम के साथ काम लें और अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं इसलिए सेहत से जुड़े मामलों में बिल्कुल लापरवाही ना बरतें। आपकी खराब सेहत का असर आपके काम पर भी पड़ेगा। जिसकी वजह से आप क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं कर पाएंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं के दिव्य ज्ञान एवं चेतना का प्रयोग दूसरों की भलाई हेतु ही करें।
- अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छा बर्ताव करें।

क्या न करें

- किसी भी तरह के अंधविश्वास में ना पड़ें।
- किसी दूसरे के धन पर नजर ना रखें।

उपाय

- प्रतिदिन गौं ग्रास निकालें।
- किन्नरों से आशीर्वाद लें और उन्हें हरी चूड़ियां दे।

दिसम्बर 11, 2021 - जनवरी 01, 2022 दशा केतु

आर्थिक जीवन

अचानक परिस्थितियां आपके अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदों से आपको बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। इस समय आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ करें।

करियर

इस अवधि में नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। इसके अलावा वेतन वृद्धि की भी प्रबल संभावनाएं रहेंगी। व्यवसायिक यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आपको उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा। वहीं अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में आप अपने पारिवारिक जीवन से संतुष्ट रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में बड़े भाई-बहनों का साथ मिलेगा और घर में एकता का वातावरण रह सकता है। माता-पिताजी की सेहत का ख्याल रखें और अच्छे कार्यों से पहले उनका आशीर्वाद लें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस दौरान वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय बहुत ही अच्छा साबित होगा। आप अपने लव पार्टनर के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। प्रियतम आपकी भावनाओं को समझेगा।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको शारीरिक और मानसिक सुख प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा और आप ऊर्जा से सराबोर रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। इस समय आप अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए योग व व्यायाम को अधिक तवज्जो देंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कानों की देखभाल करें।
- भाई बहनों तथा वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपनी संतान के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने से पीछे न हटे।
- अपने सामाजिक स्तर को बढ़ाने का प्रयास करें और लोगों से मित्रता करें।

उपाय

- श्री गणेश चतुर्थी का व्रत रखें और गणेश जी को मोदक अर्पित करें।
- रंग बिरंगे कुत्ते को दूध और चपाती खिलाएं।

जनवरी 01, 2022 - मार्च 03, 2022 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आप के थोड़े प्रयत्न करने पर ही आपकी आमदनी बढ़ जायेगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। नवम भाव में शुक्र की स्थिति आर्थिक संपन्नता को भी दर्शाती है, अतः इस अवधि में आर्थिक समृद्धता बनी रहेगी। इस अवधि में लंबी दूरी की यात्राएं भी लाभकारी सिद्ध होंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

करियर

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनकी कृपा आप पर बनी रहेगी। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो आपको मनचाही सफलता मिलने की संभावना है। आपके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आएगी, इसलिए आप बड़ी से बड़ी चुनौतियों को आसानी से मात दे सकेंगे। परंतु एक बात ध्यान अवश्य रखें, आलस्य के कारण किसी भी कार्य बीच में अधूरा न छोड़ें।

पारिवारिक जीवन

माता पिता और गुरुजनों से संबंध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिये सुखद एवम् अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यों में घर वाले आपकी सहायता करेंगे। इस समय परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग से जुड़े मामलों और वैवाहिक जीवन के लिए उत्तम समय रहेगा। अपने जीवनसाथी या प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान आपके रिश्तों में एक नई मजबूती आएगी। आप दोनों के बीच कभी-कभार मनमुटाव की स्थिति भी बन सकती है इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे। यदि किसी पुरानी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं तो इस अवधि में आपकी सेहत में सुधार देखने को मिल सकता है। प्रातः जल्दी उठकर योग और व्यायाम करना आपके लिए लाभकारी होगा। इससे आपको शारीरिक एवं मानसिक लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुराल पक्ष से बेहतर संबंध स्थापित करें।
- नए-नए स्थानों पर घूमने जाएं और नए लोगों को जाने।

क्या न करें

- स्वयं की स्वतंत्रता के पीछे अधिक ना भागे।
- उच्च शिक्षा की ओर ध्यान केंद्रित करें।

उपाय

- श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
- पानी में इलायची डालकर स्नान करें।

मार्च 03, 2022 - मार्च 21, 2022 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने की प्रबल संभावना है। धन कमाने के साथ-साथ आप पैसों की बचत भी करेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से भी धन लाभ होने की संभावना है। एक से अधिक स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। धन के मामले में थोड़ा सतर्क रहें।

करियर

करियर में उतार चढ़ाव की परिस्थितियाँ आ सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग में कमी आएगी। कोई भी कार्य कानून के विरुद्ध ना करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत से न घबराएं, क्योंकि आगे चलकर आपको इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। चकाचौंध के लालच में शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

रिश्तेदारों से संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। इस समय अवधि में आपको कोई धोखा दे सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से पहले, सभी को अच्छी तरह से पढ़ लें। सूर्य को पिता-पितृ का कारक माना गया है अतः अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से पिता के साथ संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है, लेकिन आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिता का आदर करें और उनकी कही बातों को मानें। अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से आपके स्वभाव में क्रोध की वृद्धि होगी। किसी बात की चिंता आपको जरूरत से ज्यादा परेशान कर सकती है इसलिए किसी भी बात का तनाव लेने से बचें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम व वैवाहिक जीवन में कुछ कष्ट संभव है। यदि विवाहित हैं तो आपके ससुराल पक्ष से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी चुनौती बनी रहेंगी। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और इसमें मधुरता लाने का प्रयास करें। वासनात्मक विचारों को हावी न होने दें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी हो सकती है, जो लंबे समय तक आपकी परेशानी का कारण बनेगी। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें। इस अवधि में आप पित्त प्रकृति के रोगों से परेशान हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको नेत्र से संबंधित पीड़ा भी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पिता के स्वास्थ्य की देखभाल करें।
- कानून का पालन करें।

क्या न करें

- अपने कुल व मर्यादा के विरुद्ध कोई कार्य न करें।
- सरकार का अपमान ना करें।

उपाय

- सूर्य नारायण को लाल पुष्प अर्पित करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

मार्च 21, 2022 - अप्रैल 21, 2022 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी साथ ही आप धन की बचत भी कर पाएंगे। लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति में समय समय पर कुछ उतार चढ़ाव भी सम्भव है। मित्र और सहयोगी आपके लिए काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्राएं शुभ फल देंगी।

करियर

आपके व्यक्तित्व में और निखार आएगा। इसके अलावा आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपको भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। द्वितीय भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आप बहुत प्रसन्न रहेंगे। आप इस समय का जितना सदुपयोग करेंगे उतना ही अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आपका परिवार बड़ा और खुशहाल होगा। चंद्रमा की यह स्थिति आपके आर्थिक पक्ष को भी मजबूत करने वाली सिद्ध होगी। आपके बच्चे विदेश यात्रा करेंगे। यदि वे बिजनेस करते हैं तो, अपना व्यवसाय परिवर्तित कर सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में नयापन देखने को मिलेगा और आपका मन प्रफुल्लित होगा अपने प्रेमी के साथ आप अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं जो विवाहित हैं उनके जीवन साथी को कुछ मानसिक तनाव रह सकता है। इसका असर आपके वैवाहिक रिश्ते पर भी पड़ सकता है इसलिए जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें।

स्वास्थ्य

चंद्रमा की यह स्थिति आपको स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा भी दे सकती है। चंद्रमा मन का कारक है, इसलिए आप मनोविकार से पीड़ित हो सकते हैं। मन को स्थिर और शांत रखने के लिए योग व ध्यान क्रिया का सहारा लें। इससे आपको ताज़गी का अहसास होगा। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी मनपसंद वस्तुओं को दूसरों के साथ साझा करें।
- अपने मन की बातों को खुलकर दूसरों को बताएं।

क्या न करें

- किसी से भी ऋण न लें।
- किसी को भी अपने भावुक बंधन में जबरन न बांधें।

उपाय

- अपने भोजन के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
- चंद्र बीज मंत्र का जाप करें।

अप्रैल 21, 2022 - मई 12, 2022 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

इस समय आपका आर्थिक पक्ष कमज़ोर रह सकता है इसलिए आपको धन के मामले में सावधान रहना होगा। बड़े आर्थिक फैसले लेने से बचें। पैसों की लेनदेन में भी पूरी सतर्कता बरतें। धन खर्च के मामलों में आर्थिक प्रबंधन की आवश्यकता होगी। यदि आपने इस समय अपने आर्थिक पक्ष को नज़रअंदाज़ किया तो आपको धन हानि हो सकती है।

करियर

नौकरी और व्यापार में उतार-चढ़ाव की परिस्थितियाँ बन सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से उम्मीद की अपेक्षा सहयोग कम मिलेगा। कोई भी कार्य कानून के विरुद्ध ना करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत से न घबराएं, क्योंकि आगे चलकर आपको इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। किसी भी तरह के लालच में आकर शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

यदि पारिवारिक जीवन की बात करें तो, घर वालों के साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। खासकर भाई-बहनों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आपके स्वभाव में क्रोध बढ़ सकता है। इसके अलावा आपकी वाणी में भी कड़वाहट देखने को मिल सकती है, इससे आपके संबंध दूसरे लोगों से बिगड़ सकते हैं। इसलिए लोगों से हमेशा प्रेम से बातचीत करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आपके वैवाहिक जीवन में भी मंगल की बुरी नज़र पड़ सकती है, अतः सचेत रहें। प्रेम व वैवाहिक जीवन में कुछ कष्ट संभव है। यदि विवाहित हैं तो आपके ससुराल पक्ष से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी चुनौती बनी रहेंगी। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और इसमें मधुरता लाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

मंगल की अष्टम भाव में उपस्थिति आपके लिए कष्टकारी रह सकती है। स्वास्थ्य को लेकर भी आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। आठवें भाव में स्थित मंगल आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। इस अवधि में आपके शरीर में फोड़े फुंसी अथवा किसी घाव के होने की संभावना है। इस अवधि में आपको गुदा से संबन्धित पीड़ा भी हो सकती है इसलिए मिर्च-मसालेदार भोजन से परहेज करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अंतरंग संबंधों में धैर्य का परिचय दें।
- अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखें।

क्या न करें

- अत्यधिक गर्म प्रकृति का भोजन ना करें।
- अनैतिक कार्यो अथवा अनैतिक आय से दूर रहें।

उपाय

- तांबे के पात्र का दान करें।
- 11 पीपल के पत्तों पर राम-राम लिखकर उसकी माला बनाकर हनुमान जी को पहनायें।

मई 12, 2022 - जुलाई 06, 2022 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आपकी मेहनत और प्रयासों से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपको सरकार की किसी आर्थिक योजना का लाभ प्राप्त हो सकता है। हालांकि आपके खर्चों में भी वृद्धि की संभावना है परंतु आप पैसों की बचत करने में भी सफल रहेंगे। पैतृक संपत्ति में वृद्धि की संभावना है। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाएं।

करियर

निर्णय लेने की क्षमता और योग्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आप अपने करियर को लेकर असमंजस की स्थिति में रह सकते हैं। झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर सकती हैं। यदि आप लेखन से संबंधित कार्य से जुड़े हैं तो आपको इस अवधि में बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। घर में किसी तरह का क्लेश भी हो सकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर घर वालों के बीच लड़ाई-झगड़ा संभव है। पारिवारिक मामलों को लेकर चिंता करना आपके लिए कष्टकारी हो सकता है, अतः इससे बचें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यह समय वैवाहिक जीवन के लिए कष्टकारी रह सकता है। प्रेम जीवन में जातकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी या प्रियतम के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। ऐसी स्थिति में धैर्य से काम लें। लाइफ पार्टनर की भावनाओं को समझें और उन पर किसी बात को लेकर दबाव न बनाएं।

स्वास्थ्य

अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आपको फूड प्वाइजनिंग की शिकायत रह सकती है इसलिए अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। इस समय बच्चों की सेहत का ख्याल रखें। स्वास्थ्य को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बरतना ठीक नहीं होगा। दिनचर्या में शारीरिक व्यायाम को जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने दांपत्य जीवन को मजबूत बनाने का प्रयास करें।
- जीवन में आने वाले अवसरों को पूर्ण रूप से सार्थक करें।

क्या न करें

- अपनी संतान के प्रति कर्तव्य को अनदेखा ना करें।
- हर बात में जुगाड़ लगाने का प्रयास न करें।

उपाय

- रात्रि के समय काले उड़द का दान करें।
- काले और नीले रंग के वस्त्र ना पहने।

जुलाई 06, 2022 - अगस्त 23, 2022 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

दूसरे भाव में गुरु आपकी आय में वृद्धि करेगा। पैतृक संपत्ति में वृद्धि होने के शुभ संकेत हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति में समय समय पर कुछ उतार चढ़ाव भी सम्भव है। मित्र और सहयोगी आपके लिए काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्राएं शुभ फल देंगी।

करियर

आपकी संवाद शैली प्रभावी और प्रिय रहेगी। आपकी वाणी में स्नेह का भाव नज़र आएगा और लोग आपकी बातों से मंत्र मुग्ध हो सकते हैं। आप अपने बुद्धि विवेक के कारण उच्च पद पर आसीन हो सकते हैं। अपने शत्रुओं पर आप आसानी से विजय प्राप्त करेंगे। नई भाषा को सीखने में आप खासी रुचि दिखाएंगे। वहीं अन्याय के प्रति आप अपनी आवाज़ को बुलंद कर सकते हैं। अपने करियर में आपको उन्नति करेंगे।

पारिवारिक जीवन

अपने परिजनों और दूसरे लोगों की भलाई आपकी प्राथमिकता होगी। यदि इस संबंध आपका धन भी खर्च होता है तो आप हिचकिचाएंगे नहीं। इस अवधि में आप जन प्रिय होंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। घर में कोई शुभ कार्य अथवा मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति का वातावरण देखने को मिल सकता है। हालांकि यदाकदा परेशानियां भी आ सकती हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग के मामलों में अच्छे क्षण आएंगे। प्रेमी के साथ आप अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवन साथी को मानसिक तनाव रह सकता है। इसका असर आपके वैवाहिक रिश्ते

पर भी पड़ सकता है इसलिए जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें।

स्वास्थ्य

बृहस्पति की यह स्थिति आपको स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा भी दे सकती है। बृहस्पति वसा का कारक होता है इसलिए आप मोटापे या चर्बी बढ़ने की समस्या से ग्रसित रह सकते हैं। वजन नियंत्रित रखने के लिए इस अवधि में नियमित व्यायाम और सैर करें, साथ ही संतुलित आहार लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन करें।
- इंद्रिय जनित सुख के प्रति स्वयं को नियंत्रण में रखें।

क्या न करें

- अत्यधिक मीठा खाने से बचें।
- बृहस्पतिवार के दिन किसी को भी कपड़े दान अथवा भेंट में ना दें।

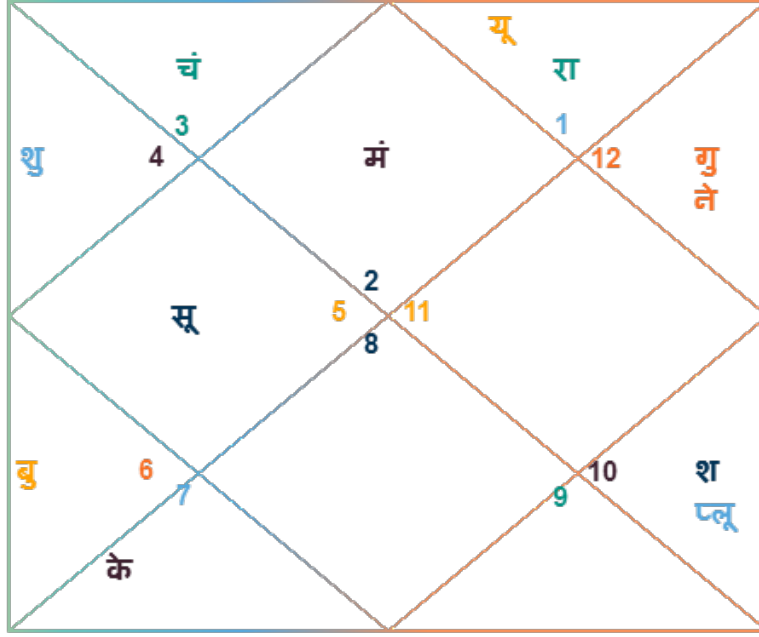
उपाय

- प्रत्येक गुरुवार केसर का तिलक लगाएं।
- पीपल के वृक्ष को गुरुवार और शनिवार को जल चढ़ाएं।

वर्षफल विवरण 2022

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	24/08/2022
23:53:18	जन्म समय	0:27:28
गुरुवार	जन्म दिन	मंगलवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	00:06:20
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 55 : 01
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 06
वृषभ	लग्न	वृषभ
शुक्र	लग्नस्वामी	शुक्र
सिंह	राशि	मिथुन
सूर्य	राशि स्वामी	बुध
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	पुनर्वसु
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
वि	योग	सिं
भाव	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-10-22
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2022



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	वृषभ	23-50-49
सूर्य	सिंह	06-27-59
चंद्र	मिथुन	26-46-50
मंगल	वृषभ	07-48-43
बुध	कन्या	03-25-34
गुरु	मीन	13-29-50
शुक्र	कर्क	20-34-23
शनि	मकर	27-02-36
राहु	मेष	22-55-23
केतु	तुला	22-55-23
यूरेनस	मेष	24-49-40
नेपच्यून	मीन	00-26-13
प्लूटो	मकर	02-13-19

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	गुरु
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र
त्रिराशी स्वामी	चंद्र
दिनरात्रि स्वामी	बुध

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2022
वर्षप्रवेश जन्म-समय	00:27:28
मुन्था राशि	धनु
घर में मुन्था	8
जन्म कुण्डली में मुन्था	8

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	सिंह 03 . 31 . 58	सूर्य
शिक्षा	मेष 14 . 09 . 39	मंगल
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	तुला 13 . 52 . 57	शुक्र
मित्र	वृश्चिक 09 . 56 . 41	मंगल
पिता	धनु 03 . 16 . 11	गुरु
माता	कर्क 17 . 38 . 22	चंद्र
जीवन	सिंह 10 . 18 . 02	सूर्य
कर्ण	कन्या 19 . 27 . 40	बुध
मृत्यु	सिंह 18 . 38 . 28	सूर्य
विदेश यात्रा	वृषभ 09 . 42 . 46	शुक्र
धन-सम्पत्ति	मीन 08 . 47 . 56	गुरु
व्यभिचार	वृषभ 07 . 57 . 13	शुक्र
बीमारी	वृषभ 20 . 54 . 48	शुक्र
वैकल्पिक व्यवसाय	मकर 24 . 06 . 35	शनि
वाणिज्य	मीन 17 . 12 . 04	गुरु
कार्य सिद्धि	मीन 03 . 09 . 47	गुरु
विवाह	वृश्चिक 17 . 22 . 35	मंगल
संतान	वृश्चिक 13 . 46 . 33	मंगल
प्रेम	मीन 04 . 28 . 30	गुरु

सहम	अंश	गृह
व्यापार	कुंभ 28 . 13 . 57	शनि
शत्रु	कुंभ 13 . 04 . 42	शनि
कारावास	धनु 17 . 21 . 27	गुरु
वित्तीय लाभ	वृषभ 00 . 03 . 15	शुक्र

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

गृह	से आरंभ करके	तक
बुध	24/08/2022	14/10/2022
केतु	14/10/2022	05/11/2022
शुक्र	05/11/2022	04/01/2023
सूर्य	04/01/2023	23/01/2023
चंद्र	23/01/2023	22/02/2023
मंगल	22/02/2023	15/03/2023
राहु	15/03/2023	09/05/2023
गुरु	09/05/2023	27/06/2023
शनि	27/06/2023	24/08/2023

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	गृह	से आरंभ करके	तक
मंगला	चंद्र	24/08/2022	03/09/2022
पिंगला	सूर्य	03/09/2022	23/09/2022
धान्या	गुरु	23/09/2022	23/10/2022
भ्रामरी	मंगल	23/10/2022	03/12/2022
भद्रिका	बुध	03/12/2022	23/01/2023
उल्का	शनि	23/01/2023	25/03/2023
सिद्धा	शुक्र	25/03/2023	04/06/2023
संकटा	राहु	04/06/2023	24/08/2023

वर्षफल विवरण 2022 - 2023

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा अष्टम भाव में है।

आपके लिए यह कठिन समय है। आपको अपने सगे संबंधियों को लेकर कोई अशुभ समाचार मिल सकता है। कई बीमारियों हो सकती हैं। निकट रिश्तेदार की आकस्मिक मृत्यु भी संभव है। दुर्घटना का योग है। धन की, आत्मविश्वास की हानि होगी। मानसिक तनाव रहेगा। आपका स्थानांतरण प्रियजनों से दूर किसी अनजानी सी जगह हो सकता है।



दशा बुध

अगस्त 24, 2022 - अक्टूबर 14, 2022



दशा केतु

अक्टूबर 14, 2022 - नवंबर 05, 2022



दशा शुक्र

नवंबर 05, 2022 - जनवरी 04, 2023



दशा सूर्य

जनवरी 04, 2023 - जनवरी 23, 2023



दशा चंद्र

जनवरी 23, 2023 - फरवरी 22, 2023



दशा मंगल

फरवरी 22, 2023 - मार्च 15, 2023



दशा राहु

मार्च 15, 2023 - मई 09, 2023



दशा गुरु

मई 09, 2023 - जून 27, 2023



दशा शनि

जून 27, 2023 - अगस्त 24, 2023

अगस्त 24, 2022 - अक्टूबर 14, 2022 दशा बुध

आर्थिक जीवन

पंचम भाव में स्थित बुध धन की कमी नहीं आने देगा यानि इस अवधि में आपको किसी तरह की कोई आर्थिक परेशानी नहीं होगी। हालांकि इस दौरान आपकी रुचि जोखिम भरे कार्य जैसे- जुआ, सट्टा और लॉटरी में हो सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें और पैसा कमाने के लिए शॉर्टकट का इस्तेमाल नहीं करें। आप नये उद्यमों में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। आपके सृजन बोध की सराहना की जायेगी।

करियर

बिजनेस में आपको दक्षता प्राप्त होगी। किसी अच्छे कार्य के लिए सरकार या सरकारी विभाग के अधिकारी आपको सम्मानित कर सकते हैं। समाज में आपकी मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यदि आप लेखन, रंगमंच या

साहित्य जगत से जुड़े हैं तो इस समय अवधि में आपको विशेष लाभ मिल सकता है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक सुख में बढ़ोत्तरी होगी। आपको माता और पिता दोनों का प्यार व सहयोग मिलेगा। मित्र और शुभ चिन्तक भरपूर सहयोग करेंगे। इस अवधि के दौरान आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे और उनकी मदद से लाभ प्राप्त करेंगे। आपके सुंदर व्यवहार के कारण लोग आपके वशीभूत हो जाएंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यह समय लव लाइफ और मैरिड लाइफ दोनों के लिये अच्छा है। प्रेम जीवन में नयापन देखने को मिलेगा और आप प्रेमी के साथ अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता आएगी और नजदीकियां और बढ़ेंगी। इस अवधि में जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। प्रसन्न रहने की वजह से आप तनाव से दूर रहेंगे। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो इस समय आपकी सेहत में सुधार होगा, परंतु इस बीच कोई भी लापरवाही न करें, वरना इसका आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ज्ञान का लाभ दूसरों तक भी पहुंचाएं।
- अपने मन को भाने वाली कोई कला विकसित करें।

क्या न करें

- अपने प्रेमी के प्रति वफादार रहें और एक बार में एक ही रिश्ता रखें।
- प्रेम संबंधों में अत्यधिक बातूनी ना बनें।

उपाय

- श्री विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- हरे रंग के वस्त्र धारण करें।

अक्टूबर 14, 2022 - नवंबर 05, 2022 दशा केतु

आर्थिक जीवन

इस दौरान आपका व्यापार थंथा अच्छा चलेगा। आमदनी अच्छी होगी परंतु इस समय आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। अपने खर्चों पर लगाम लगाएं। यदि आपने बैंक में लोन के लिए आवेदन किया है तो आपका लोन पास हो जाएगा। हालांकि इस अवधि में आपको धन लाभ के योग हैं।

करियर

करियर क्षेत्र में सुधार होगा। व्यापार में विस्तार होने की संभावना है। इस दौरान हर क्षेत्र से आपको सम्मान मिलेगा। आप किसी प्रतिस्पर्धा में सफल होंगे। शत्रु आपसे भयभीत रहेगा। अचानक होने वाली यात्रा आपके लिए लाभकारी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपके ज्यादातर प्रयास सफल होंगे।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि आप कठोर स्वभाव वाले हो सकते हैं और इस कारण परिजनों से आपके संबंध कटु होंगे। अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं। इस समय आपके रिश्तेदारों की ओर से आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक मुद्दों को छोड़ आप सामाजिक सेवा में रुचि ले सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से विवाद होने की संभावना है। वहीं प्रेम जीवन में भी परिस्थितियाँ विपरीत रह सकती हैं। इस समय जीवनसाथी/प्रियतम के ऊपर गुस्सा न करें, अन्यथा रिश्ते और भी खराब हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। यदि आप किसी पुराने रोग से पीड़ित हैं तो आपको उस रोग से छुटकारा मिल सकता है। इस समय अपनी आँखों का विशेष ख्याल रखें, क्योंकि आपको नेत्र संबंधी पीड़ा हो सकती है। इस भाव में केतु की स्थिति आपको रक्तचाप की बीमारी दे सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।
- अपने मामा मौसी से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- इस समय में कोई भी ऑपरेशन ना करें।
- हथियारों और बुरी संगति से दूर रहे।

उपाय

- केतु बीज मंत्र का जाप करें।
- केतु औषधि स्नान करें।

नवंबर 05, 2022 - जनवरी 04, 2023 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक जीवन सामान्य रहेगा। आप निजी प्रयासों से आर्थिक संपन्नता प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और आपको धन लाभ का मार्ग सुगम होगा। यदि आप धन की बचत के लिए गंभीर हैं तो आर्थिक प्रबंधन करें। छोटी-छोटी यात्राएं लाभकारी सिद्ध होंगी।

करियर

यदि नौकरी पेशा हैं तो कार्यस्थल पर हालात सुधरेंगे और आपके काम को पहचान मिलेगी। इस अवधि में भाग्य आपका साथ देगा और इसके परिणामस्वरूप आपको अपने काम में सफलता हासिल होगी। छोटी यात्राएं सुखद एवम सफल रहेंगी। लोगों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक सुख कायम रहेगा और भाई बहन भी खुशहाल व सुखी रहेंगे। माता-पिता से भी आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और उनके मार्गदर्शन से आपको सफलता मिलेगी। इस समय अवधि में आपके पिता को बहुत सारी यात्राएं करने का अवसर मिलेगा। ये यात्राएं कामकाज या किसी अन्य कारण से हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस अवधि में आपका वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। आपके जीवनसाथी को विदेश भ्रमण का अवसर मिल सकता है। यदि प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो प्रियतम की ओर से अपार स्नेह मिलेगा। इस दौरान मर्यादित आचरण बनाये रखें और ऐसा कुछ भी करने से बचें जिससे आपके रिश्ते में किसी तरह की दरार पड़े।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। हालांकि छोटे मोटे रोगों के उभरने की संभावना रह सकती है। पेट से संबंधित विकार होने के आसार हैं। इस दौरान अपने खानपान पर ध्यान दें। अस्वस्थ होने पर ज्यादा तनाव नहीं लें बल्कि डॉक्टरी परामर्श के बाद संतुलित दिनचर्या अपनाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- भाई- बहिनों से अपने सम्बन्ध मजबूत करें।
- अपनी किसी भी रुचि को आगे बढ़ाएं।

क्या न करें

- अत्यधिक वासनात्मक विचारों से दूर रहें।
- अपने जीवन साथी को किसी प्रकार का कष्ट ना दें।

उपाय

- प्रतिदिन गौ-ग्रास निकालें।
- जायफल से औषधि स्नान करें।

जनवरी 04, 2023 - जनवरी 23, 2023 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आप आय के साथ-साथ बचत पर अधिक ध्यान देंगे। आप नियमित रूप से होने वाली आमदनी में से कुछ पैसा बचत के रूप में जमा करेंगे। इस अवधि में आपको सोने-चांदी के व्यवसाय से लाभ मिलेगा। यदि आप ज्वैलरी का कार्य करते हैं तो आपको अचानक कोई बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस अवधि में की जाने वाली यात्राएं भी आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी।

करियर

इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। हालांकि इसके फलस्वरूप मिलने वाला परिणाम अत्यंत सुखदायी होगा। आपके मन की इच्छा पूर्ण हो जाएगी। चतुर्थ भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति का बुरे व अनैतिक कार्यों की ओर रुझान बढ़ता है, अतः इस अवधि में किसी भी गलत कार्य में संलिप्त होने से बचें वरना आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट होने से आपकी चिंताएं बढ़ सकती हैं, इसलिए उनकी सेहत का विशेष ख्याल रखें। उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ होने पर डॉक्टरी परामर्श लें। सूर्य की यह स्थिति भाइयों के बीच विवाद का कारण भी बन सकती है। ऐसे में परिवार में भाइयों के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। चूंकि सूर्य पिता का कारक होता है और सूर्य के चतुर्थ भाव में स्थित होने से यह पिता के साथ मनमुटाव का कारण बनता है, अतः पिता के साथ मधुर संबंध बनाये रखने की कोशिश करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए कुछ कष्टकारी समय रहेगा। रिश्ते में किसी तरह की दरार न आए, इसके लिए आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी से बहसबाजी न करें और उन पर किसी तरह का दबाव न डालें। प्रेम में पारदर्शिता बनाए रखें। प्रियतम को उसके हिस्से का समय दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। आपके अंदर क्रोध की अधिकता हो सकती है। मानसिक तनाव से भी गुजरना पड़ सकता है। तनाव से बचने के लिए योग व ध्यान लगाएं। अपने खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। आपको दाद, खाज-खुजली जैसे चर्म रोग हो सकते हैं। ऐसी अवस्था में चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार कराएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी माताजी की सेहत की देखभाल करें।
- अपने परिवार की आवश्यकता की पूर्ति पूरे मन से करें।

क्या न करें

- परिवार में स्वयं को ऊपर सिद्ध करने का प्रयास ना करें।
- अपने परिवार में मुसाफिरों की तरह व्यवहार ना करें और परिवार वालों को समय दें।

उपाय

- अपने दैनिक भोजन में केसर का प्रयोग करें।
- आकड़े की समिधा से हवन करें।

जनवरी 23, 2023 - फ़रवरी 22, 2023 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी साथ ही आप धन की बचत भी कर पाएंगे। लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति में समय समय पर कुछ उतार चढ़ाव भी सम्भव है। मित्र और सहयोगी आपके लिए काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्राएं शुभ फल देंगी।

करियर

आपके व्यक्तित्व में और निखार आएगा। इसके अलावा आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपको भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। द्वितीय भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आप बहुत प्रसन्न रहेंगे। आप इस समय का जितना सदुपयोग करेंगे उतना ही अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आपका परिवार बड़ा और खुशहाल होगा। चंद्रमा की यह स्थिति आपके आर्थिक पक्ष को भी मजबूत करने वाली सिद्ध होगी। आपके बच्चे विदेश यात्रा करेंगे। यदि वे बिजनेस करते हैं तो, अपना व्यवसाय परिवर्तित कर सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में नयापन देखने को मिलेगा और आपका मन प्रफुल्लित होगा अपने प्रेमी के साथ आप अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं जो विवाहित हैं उनके जीवन साथी को कुछ मानसिक तनाव रह सकता है। इसका असर आपके वैवाहिक रिश्ते पर भी पड़ सकता है इसलिए जीवनसाथी की सेहत का ख्याल रखें।

स्वास्थ्य

चंद्रमा की यह स्थिति आपको स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा भी दे सकती है। चंद्रमा मन का कारक है, इसलिए आप मनोविकार से पीड़ित हो सकते हैं। मन को स्थिर और शांत रखने के लिए योग व ध्यान क्रिया का सहारा लें। इससे आपको ताजगी का अहसास होगा। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी मनपसंद वस्तुओं को दूसरों के साथ साझा करें।
- अपने मन की बातों को खुलकर दूसरों को बताएं।

क्या न करें

- किसी से भी ऋण न लें।
- किसी को भी अपने भावुक बंधन में जबरन न बांधें।

उपाय

- अपने भोजन के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
- चंद्र बीज मंत्र का जाप करें।

फ़रवरी 22, 2023 - मार्च 15, 2023 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपका आर्थिक पक्ष कमज़ोर रह सकता है इसलिए धन संबंधी फैसले लेने में विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि धन हानि भी हो सकती है। जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचने की कोशिश करें। इसके अलावा जुआ, सट्टेबाज़ी जैसे कार्यों से भी दूर रहें।

करियर

कार्यक्षेत्र में आपको इस समय मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। हालांकि ये परिणाम आशा के विपरीत भी हो सकते हैं इसलिये फल के प्रति अधिक उत्साह दिखाने वाली प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें। आप बेबाकी के साथ अपनी राय रखेंगे। जातक त्वरित निर्णय लेने में सक्षम होंगे और समाज के लोगों में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस समय आपको अपने शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता होगी। सेना, चिकित्सा या इंजीनियरिंग क्षेत्र में आपकी खासी रुचि रहेगी, इस क्षेत्र में आप बढ़िया प्रदर्शन करेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक तनाव के कारण मानसिक शांति भंग हो सकती है इसलिए इस अवधि में परिवार से जुड़े मामलों में धैर्य और संयम के साथ काम लें। छोटे भाई-बहनों की जीवनशैली बेहतर होगी, हालांकि उनके साथ रिश्तों में खटास पैदा हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस भाव में मंगल का होने से आपको वैवाहिक जीवन से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपकी वाणी में भी कड़वाहट देखने को मिल सकती है और इसके कारण आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं।

स्वास्थ्य

इस परिस्थिति में आप साहसी, निडर और स्वतंत्र ख्यालों वाले होंगे, परंतु आपके स्वभाव में क्रोध की भी मात्रा बढ़ सकती है। मंगल के प्रभाव से छोटी मोटी बीमारी या हल्की दुर्घटना होने की संभावना भी है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।
- स्वयं तथा जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

क्या न करें

- जल्दबाजी में कोई भी निर्णय ना ले।
- किसी भी प्रकार का नशा ना करें।

उपाय

- किसी बड़े आकार के तवे पर गुड़ की रोटी बनाकर लोगों को खिलाएं।
- मंगलवार के दिन लाल वस्त्र का दान करें।

मार्च 15, 2023 - मई 09, 2023 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको सामान्य परिणाम मिलेंगे। आपके खर्च में वृद्धि होगी। जबकि आमदनी खर्चों के मुकाबल कम रहेगी, इसलिए आपको आर्थिक नियोजन करना होगा अन्यथा आपके सामने आर्थिक संकट की समस्या आ सकती है। आप किसी कर्ज ले सकते हैं। आर्थिक फ़ैसले लेने से बचें।

करियर

इस समय आपको नई जॉब मिलने की संभावना है, विपरीत परिस्थितियों से लड़ने के लिए खुद को तैयार करें, क्योंकि यह अवधि आपके करियर के लिए ठीक नहीं है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम न उठाएं, अन्यथा आपको जीवन भर उसका पछतावा रह सकता है। इस समय आपके आत्मविश्वास में भी कमी देखने को मिल सकती है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन के लिए यह समय थोड़ा पेचीदा रह सकता है। परिजनों से संबंध कटु हो सकते हैं। अपनी पारिवारिक समस्या को लेकर आप इस समय परेशान रहेंगे। ऐसे लोगों से सावधान रहें जो आपके परिवार में दरार पैदा करना चाहते हैं। दूसरों की बातों में आकर परिजनों से लड़ाई-झगड़ा न करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

जीवनसाथी को किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है अथवा उनके साथ आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। लाइफ़ पार्टनर से ऐसी कोई भी बात न कहें जिससे उनके दिल को ठेस पहुँचे। प्रेम जीवन में प्रियतम के लिए समय निकालें और उनकी इच्छाओं को पूरा करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको यात्रा के दौरान थकान महसूस होगी। नेत्र संबंधी पीड़ा होने की संभावना है। इसके अलावा आपको बुखार, जुकाम, खांसी एवं अनिद्रा जैसे रोग भी सकते हैं। इस समय अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दें। फास्ट फूड से और अधिक मसालेदार भोजन से परहेज करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन साथी के प्रति वफादार रहें।
- धन का सदुपयोग करें और व्यर्थ ना खर्चें ।

क्या न करें

- कानून के विरुद्ध जाकर कोई कार्य न करें।
- किसी से कोई चीज मुफ्त में ना लें और ना ही दे।

उपाय

- घास लेकर उसे ज़मीन पर रखकर किसी वजनी वस्तु से दबा दें।
- चलते हुए पानी में नारियल बहाएं।

मई 09, 2023 - जून 27, 2023 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

वहीं आपके आर्थिक पहलू पर नज़र डालें तो, इसमें आपको उच्च लाभ की संभावना है। करियर अथवा व्यापार में आप तरक्की करेंगे और आपका जीवन स्तर ऊँचा होगा। इस समय आपको अहंकार से बचना होगा, क्योंकि अहंकार आपके सुंदर व्यक्तित्व को खराब कर सकता है।

करियर

ग्यारहवें भाव में गुरु आपके जीवन को सफल बनाएगा। इस अवधि में आप सांसारिक सुखों का अनुभव करेंगे। अपने जीवन को लेकर आप संतुष्ट दिखाई देंगे। इस समय भाग्य भी आपका साथ देगा। विदेश में स्थित अथवा सुदूर स्थलों पर रहने वाले लोगों से आपके संबंध स्थापित होंगे। ये संबंध मैत्रीपूर्ण अथवा व्यापारिक हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपके परिवार में खुशियों का आगमन होगा। भाई-बहनों का जीवन खुशहाल रहेगा और वे अपने कार्यक्षेत्र में तरक्की करेंगे। इस अवधि में किसी कारण परिवार से अधिक समय तक दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों से दूर रहने की वजह से मन थोड़ा उदास रहेगा

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन और प्रेम-प्रसंग के मामलों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। इस दौरान रिश्तों में मजबूती आएगी और आप एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित रहेंगे। मधुर पलों का आनंद उठाने के लिए आप प्रियतम या जीवनसाथी के साथ सैर पर जा सकते हैं।

स्वास्थ्य

इस समय आपकी काया निरोगी रहेगी। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो आप उस रोग से उभर सकते हैं। अपने ईष्ट देवी-देवताओं के सुमिरन में आप ध्यान लगाएंगे। दान-पुण्य के कार्यों में आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा। एक दार्शनिक की भांति आप किसी भी विषय पर गहराई से सोचेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- समाज के अन्य लोगों के साथ साथ अपने परिवार को भी समुचित समय दे।
- जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपने संपर्कों का प्रयोग करें।

क्या न करें

- कार्य के प्रति अत्यधिक लगाव के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज ना करें।
- मितव्ययी बने और अत्यधिक खर्च करने से बचें।

उपाय

- कच्ची हल्दी की गांठ पीले धागे में अपनी कलाई में बांधें।
- पीले रंग का रुमाल अपनी जेब में रखें।

जून 27, 2023 - अगस्त 24, 2023 दशा शनि

आर्थिक जीवन

अपने आर्थिक पक्ष को लेकर आप प्रसन्न रहेंगे। भाई-बहनों के द्वारा आपको आर्थिक लाभ होने के योग हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आप अपना पुराना हिसाब-किताब चुक्ता कर सकते हैं। वहीं यदि आपने बैंक में लोन के लिए आवेदन किया है तो उसमें आपको सफलता मिलेगी।

करियर

करियर के लिए यह अवधि एक सुनहरे अवसर की तरह होगी। बस आपको इस समय का लाभ उठाना होगा। इस दौरान सरकारी अफसरों और समाज के प्रभावी लोगों से संबंध मधुर होंगे। लम्बी यात्रा आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में माता पिता से आपके संबंध बहुत मधुर रहने के संकेत मिल रहे हैं। इस आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी समझेंगे और उन्हें निभाने का भी प्रयास करेंगे। अपने इसी स्वभाव के कारण आप अपने घर वालों के लिए प्रिय रहेंगे। परिवार में उतार-चढ़ाव की परिस्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह अच्छा समय रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के प्रति अधिक वफादार रहेंगे। वहीं प्रेम जीवन में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परंतु ऐसा भी संभव है कि आपका साथी आप को पूर्ण रूप से वफादार ना माने। ऐसे में वह आपकी परीक्षा भी ले सकता है।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको छोटी-मोटी बीमारियाँ लगी रहेंगी और बीच-बीच में आप अपने आपको एक दम फिट भी महसूस करेंगे। खुद को ताज़गी का अहसास दिलाने के लिए आप किसी ट्रिप पर भी जा सकते हैं। इससे आपका मानसिक तनाव भी दूर होगा। तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। सेहत में गिरावट होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन में सफलता के लिए सुदूर देशों का भ्रमण करें।
- अधिक यात्राओं के दौरान सेहत का पूरा ध्यान रखें।

क्या न करें

- स्वयं की कार्य-कुशलता पर संदेह करने से बचे।
- व्यर्थ में दूसरों की आलोचना करने से बचे।

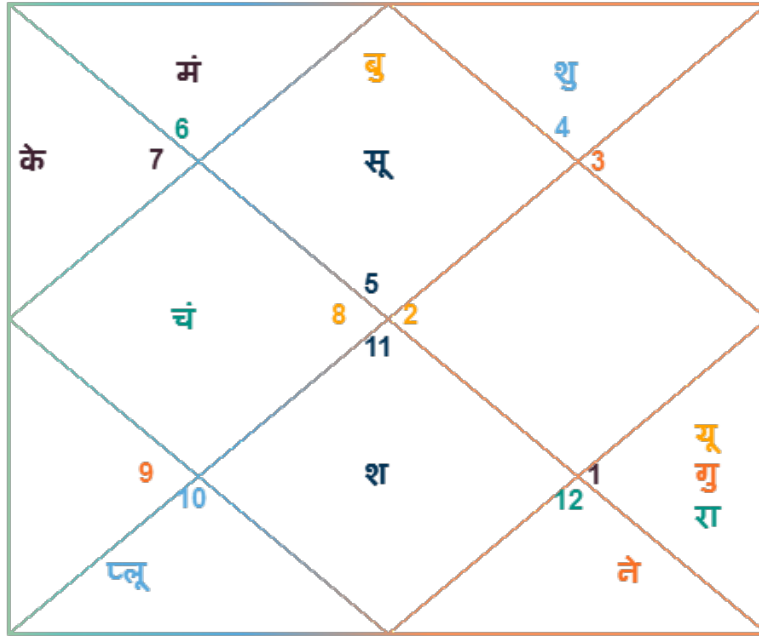
उपाय

- काले तिलों का दान करें।
- शिव स्तोत्र का पाठ करें।

वर्षफल विवरण 2023

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	24/08/2023
23:53:18	जन्म समय	6:36:38
गुरुवार	जन्म दिन	गुरुवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	06:15:29
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 54 : 54
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 21
वृषभ	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्नस्वामी	सूर्य
सिंह	राशि	वृश्चिक
सूर्य	राशि स्वामी	मंगल
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	विशाखा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
वि	योग	इन्द्र
भाव	करण	विष्टि
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-11-12
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2023



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	सिंह	14-40-59
सूर्य	सिंह	06-27-59
चंद्र	वृश्चिक	02-00-01
मंगल	कन्या	03-35-19
बुध	सिंह	27-39-56
गुरु	मेष	21-10-06
शुक्र	कर्क	20-25-24
शनि	कुंभ	09-53-35
राहु	मेष	03-34-02
केतु	तुला	03-34-02
यूरेनस	मेष	28-56-44
नेपच्यून	मीन	02-43-03
प्लूटो	मकर	04-00-34

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शनि
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	सूर्य
त्रिराशी स्वामी	गुरु
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2023
वर्षप्रवेश जन्म-समय	06:36:37
मुन्था राशि	मकर
घर में मुन्था	6
जन्म कुण्डली में मुन्था	9

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	वृश्चिक 10 . 13 . 00	मंगल
शिक्षा	मिथुन 19 . 08 . 57	बुध
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कुंभ 25 . 38 . 04	शनि
मित्र	मीन 29 . 21 . 20	गुरु
पिता	कुंभ 18 . 06 . 35	शनि
माता	वृश्चिक 26 . 15 . 35	मंगल
जीवन	मिथुन 03 . 24 . 28	बुध
कर्ण	कन्या 20 . 36 . 21	बुध
मृत्यु	मिथुन 22 . 11 . 29	बुध
विदेश यात्रा	मेष 25 . 00 . 31	मंगल
धन-सम्पत्ति	तुला 01 . 18 . 58	शुक्र
व्यभिचार	कर्क 28 . 38 . 23	चंद्र
बीमारी	मिथुन 27 . 21 . 56	बुध
वैकल्पिक व्यवसाय	वृषभ 06 . 47 . 24	शुक्र
वाणिज्य	वृश्चिक 19 . 01 . 03	मंगल
कार्य सिद्धि	मीन 09 . 53 . 35	गुरु
विवाह	कुंभ 25 . 12 . 47	शनि
संतान	वृषभ 08 . 11 . 08	शुक्र
प्रेम	मेष 23 . 36 . 55	मंगल

सहम	अंश	गह
व्यापार	कन्या 20 . 36 . 21	बुध
शत्रु	मीन 08 . 22 . 42	गुरु
कारावास	वृषभ 15 . 00 . 23	शुक्र
वित्तीय लाभ	वृश्चिक 26 . 15 . 35	मंगल

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

गह	से आरंभ करके	तक
केतु	24/08/2023	14/09/2023
शुक्र	14/09/2023	14/11/2023
सूर्य	14/11/2023	02/12/2023
चंद्र	02/12/2023	02/01/2024
मंगल	02/01/2024	23/01/2024
राहु	23/01/2024	18/03/2024
गुरु	18/03/2024	05/05/2024
शनि	05/05/2024	02/07/2024
बुध	02/07/2024	23/08/2024

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	गह	से आरंभ करके	तक
पिंगला	सूर्य	24/08/2023	13/09/2023
धान्या	गुरु	13/09/2023	13/10/2023
भ्रामरी	मंगल	13/10/2023	23/11/2023
भद्रिका	बुध	23/11/2023	13/01/2024
उल्का	शनि	13/01/2024	14/03/2024
सिद्धा	शुक्र	14/03/2024	24/05/2024
संकटा	राहु	24/05/2024	13/08/2024
मंगला	चंद्र	13/08/2024	23/08/2024

वर्षफल विवरण 2023 - 2024

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा षष्ठ भाव में है।

स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियों आपको तनावग्रस्त करेगी। कुछ निकट रिश्तेदार गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। विरोधियों से खतरा है। संभव है कि चोरी की वजह से आपको नुकसान हो। शत्रु की किसी गतिविधि की वजह से चोट लगने का भी डर है। आपके कार्यस्थल पर आपके विरोधियों को प्रशासनिक सहयोग मिलने की वजह से आप मानसिक यंत्रणा के शिकार हो सकते हैं।



दशा केतु

अगस्त 24, 2023 - सितंबर 14, 2023



दशा शुक्र

सितंबर 14, 2023 - नवंबर 14, 2023



दशा सूर्य

नवंबर 14, 2023 - दिसम्बर 02, 2023



दशा चंद्र

दिसम्बर 02, 2023 - जनवरी 02, 2024



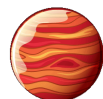
दशा मंगल

जनवरी 02, 2024 - जनवरी 23, 2024



दशा राहु

जनवरी 23, 2024 - मार्च 18, 2024



दशा गुरु

मार्च 18, 2024 - मई 05, 2024



दशा शनि

मई 05, 2024 - जुलाई 02, 2024



दशा बुध

जुलाई 02, 2024 - अगस्त 23, 2024

अगस्त 24, 2023 - सितंबर 14, 2023 दशा केतु

आर्थिक जीवन

केतु की तृतीय भाव में उपस्थिति आपके लिए धन योग का निर्माण करेगी। नौकरी अथवा व्यवसाय के माध्यम से आपके पास धन आएगा। अच्छी आमदनी होगी। विभिन्न स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। आप इस समय कोई नया वाहन खरीद सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि होगी।

करियर

करियर की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रयोग करें। इस पूरी अवधि में आप आशावादी रहेंगे। अचानक यात्रा करने से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मित्रता

बढ़ेगी। यह अवधि आपके लिये बहुत ही अनुकूल साबित हो सकती है, इसलिए इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

पारिवारिक जीवन

केतु के तृतीय भाव में स्थित होने से आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। परिवार के साथ आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। आपको परिजनों के साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा। रिश्तेदारों से संबंध और भी मधुर होंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप गृहस्थ जीवन में हैं तो जीवनसाथी के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लाइफ पार्टनर की सेहत में कमी देखी जा सकती है। वहीं जो लोग प्रेम जीवन में हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए प्रेम विवाह के योग बन रहे हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा। यदि किसी रोग से पीड़ित हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए प्रातः उठकर योग व शारीरिक व्यायाम करें। इससे आपके तनाव दूर होगा और आपके चेहरे पर चमक दिखेगी। आपके व्यक्तित्व सबको आकर्षित कर सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- धार्मिक क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।
- अपने सहकर्मियों और मित्रों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपने भाई बहनों से संबंधों को खराब ना होने दें।
- धर्म-कर्म के कामों में दूरी ना होने दें।

उपाय

- केतु बीज मंत्र का जाप करें।
- पक्षियों को सतनाजा खिलाएं।

आर्थिक जीवन

इस समय सुख-सुविधाओं पर आपका खर्च बढ़ सकता है। विलासपूर्ण जीवन को आप प्राथमिकता देंगे। आर्थिक क्षेत्र में विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे, इसलिए थोड़ा उनसे संभलकर रहें। आर्थिक रूप से यह समय आपके अनुकूल है परंतु आपको अपने खर्च की प्रवृत्ति लगाम लगाने की सलाह दी जाती है।

करियर

करियर के दृष्टिकोण से यह अच्छा समय व्यतीत होगा। आपके ज्ञान के कारण आपकी प्रशंसा होगी और सहकर्मों आपका साथ पाने में खुशी का अनुभव करेंगे। वहीं कुछ लोग आपकी सलाह लेकर अपने कार्य शुरू कर सकते हैं। कुल मिलाकर करियर के लिहाज से स्थिति अनुकूल रहेगी।

पारिवारिक जीवन

यह अवधि आपके पारिवारिक जीवन के लिए खास नहीं है। इस समय घर में किसी न किसी हारी बीमारी रह सकती है और यह विषय आपको चिंतित करेगा। ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे आपके परिवार की बदनामी हो। अपने माता-पिता की सेहत का ख्याल रखें और परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस समय आपको वैवाहिक सुख प्राप्त होगा। जीवनसाथी के साथ आप समय का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम जीवन में परिस्थितियां आपके अनुकूल दिखाई देंगी। परंतु इस समय अपने मन में वासनात्मक विचारों को जगह न दें अन्यथा आपके रिश्ते में दरार पैदा हो सकती है। प्रेम में साथी पर कोई शर्त न थोपें।

स्वास्थ्य

इस अपनी सेहत को लेकर थोड़ा गंभीर रहें, क्योंकि यह अवधि आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा ठीक नहीं है। इस समय आपको छोटी मोटी बीमारी परेशान कर सकती है। अपनी खानपान शैली पर विशेष ध्यान दें। दूषित जल और भोजन दोनों से परहेज करें अन्यथा आपको टाईफाइड, हैजा अथवा फूड प्वाइजनिंग की शिकायत रह सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अध्यात्म चिंतन की ओर मन लगाएं।
- धन का लेन देन सोच समझ कर करें।

क्या न करें

- अपने भूतकाल के बारे में अत्यधिक चिंतन ना करें।
- किसी गुप्त रिश्ते में ना पड़े।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- गूलर की समिधा से हवन करें।

नवंबर 14, 2023 - दिसम्बर 02, 2023 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस समय अवधि में धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में धन लाभ के लिए आपकी ओर से किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे और यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने परिश्रम का फल धन लाभ के रूप में मिलेगा।

करियर

बिजनेस और जॉब में आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। याद रखें आपकी इस ईमानदारी का फल आपको मिलेगा लेकिन थोड़ा धैर्य रखें और धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहें। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए सफलता के द्वार खोलेंगी। इस दौरान आपकी मुलाकात प्रतिष्ठित लोगों से होगी, चूंकि मेलजोल बढ़ने से संबंध बनते हैं और नए अवसर प्राप्त होते हैं, इसलिए नये लोगों के साथ होने वाली इन मुलाकातों से आपको करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि परिवार में शांति और सद्भाव बना रहे इसके लिए थोड़ा धैर्य से काम लें। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सलाह से आपको लाभ होगा। पिता हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल दिखाई देगा।

साथी आपकी भावनाओं की कद्र करेगा। हालांकि छोटी-मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। लाइफ पार्टनर की सेहत का ख्याल करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में छोटे-मोटे स्वास्थ्य संबंधी विकार हो सकते हैं लेकिन यह समस्याएं कुछ समय तक ही रहेंगी। इसके अलावा परिजनों की खराब सेहत भी आपकी चिंता का कारण बन सकती है। ऐसे में अपनी और परिजनों की सेहत को लेकर लापरवाही ना करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सभी के प्रति समभाव रखें।
- परोपकार की भावना विकसित करें।

क्या न करें

- अपने अहंकार का पूर्ण रूप से त्याग करें।
- स्वार्थपरता की भावना से दूर रहें।

उपाय

- प्रत्येक रविवार तांबे की कोई वस्तु दान करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

दिसम्बर 02, 2023 - जनवरी 02, 2024 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

चंद्रमा का चतुर्थ भाव में स्थित होना आपके लिए सुखद रहेगा। इसके फलस्वरूप आप सुखी और विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। अच्छे वाहन, अच्छे मित्र और अचल सम्पत्ति की प्राप्ति के लिए आपको अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी, क्योंकि ये चीजें आपको सहजता से प्राप्त हो जाएंगी। इस दौरान आप भौतिक संसाधनों को प्राप्त करने के लिए धन खर्च करेंगे।

करियर

यदि आप नौकरी करते हैं तो इस अवधि में आपको पदोन्नति मिलने की प्रबल संभावना है। वहीं व्यापार

में कोई बड़ा आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आमदनी में वृद्धि होगी। आपके हंसमुख स्वभाव की वजह से लोग आपको बहुत पसंद करेंगे। चतुर्थ भाव में चंद्रमा की उपस्थिति से आपकी स्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।

पारिवारिक जीवन

चूंकि चंद्रमा माँ का कारक होता है, इसलिए इस समय में आपके संबंध अपनी माता से बहुत मधुर रहेंगे। आप अपनी माँ से भावनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे और उनकी सेवा करेंगे। माँ के आशीर्वाद से आपको सफलता और सम्मान की प्राप्ति होगी। यदि आप अपने पैतृक घर में रहते हैं या अपने पैतृक घर के रखरखाव में सहयोग करते रहते हैं तो यह कार्य आपके लिए मंगलकारी होगा। इस अवधि में आप जलीय स्थानों वाली जगह पर घूमने जा सकते हैं। ये समुद्र या झील के किनारे स्थित पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवनसाथी को लोकप्रियता मिलेगी। इस अवधि में आपके निवास स्थान में परिवर्तन हो सकता है। प्रेम जीवन में प्रियतम के साथ सुहावने पल व्यतीत करने का अवसर मिलेगा। ऑफिस अथवा कॉलेज में किसी खास शख्स के साथ आपकी नज़दीकियाँ बढ़ सकती हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मन प्रसन्न रहने के कारण आप तनाव से दूर रहेंगे। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो इस समय आपकी सेहत में सुधार होगा, परंतु इस बीच कोई भी लापरवाही न बरतें, अन्यथा उसके विपरीत परिणाम मिल सकते हैं। दीर्घायु के लिए अच्छी जीवन शैली को अपनाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी माता की सेवा करें।
- भावुकता के साथ-साथ व्यवहारिक बनने का प्रयास करें।

क्या न करें

- बार-बार स्थान परिवर्तन ना करें।
- अपने भूतकाल के बारे में बार-बार सोचकर निराश ना हो।

उपाय

- शिव उपासना करें और उन्हें चावल अर्पित करें।

- पलाश अथवा ढाक की समिधा से हवन करें।

जनवरी 02, 2024 - जनवरी 23, 2024 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

मंगल के दूसरे भाव में स्थित होने से आपको आर्थिक क्षेत्र में ज़्यादा अनुकूल परिणाम नहीं मिलेंगे। आपको व्यापार में घाटा अथवा चोरी के कारण आर्थिक हानि होने की संभावना है। आप अनावश्यक चीज़ों पर भी अपना धन खर्च कर सकते हैं। बेवजह के खर्चों पर लगाम लगाएं।

करियर

नौकरी/व्यवसाय में मेहनत के बावजूद सफलता न मिलने से आप निराश हो सकते हैं, अतः इस समय धैर्य का परिचय दें। इस अवधि में आप अपने कार्यक्षेत्र में दक्षता हासिल करेंगे और इससे आपको सफलता मिलेगी। सोना और तांबा जैसी धातुओं का व्यापार आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

घरेलू जीवन में भी परिस्थितियां आपके प्रतिकूल रह सकती हैं। घर में किसी प्रकार का क्लेश हो सकता है। आप अपने घरेलू जीवन से परेशान रह सकते हैं। इस समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और अपशब्दों का प्रयोग न करें। आपको किसी कार्य हेतु घर से दूर भी रहना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है इसलिए इस अवधि में उनकी सेहत पर ध्यान दें। प्रेम जीवन में पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें और उन पर बेवजह का शक न करें। यदि मन किसी प्रकार की शंका है तो उसे दूर कर लें।

स्वास्थ्य

इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नेत्र से संबंधित कोई रोग आपको हो सकता है, लिहाजा इस समय कोई भी लापरवाही न बरतें। आपको गैस, पेटदर्द, कब्ज आदि की शिकायत हो सकती है, इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। समय समय पर अपनी सेहत की जाँच ज़रूर कराएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

करना

- अपनी मातृभूमि एवं सेना का सम्मान करें।
- भाई, साले एवं दोस्तों के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखें।

क्या न करें

- मंगलवार के दिन पैसे उधार न लें।
- किसी के प्रति कड़वे वचन न बोलें।

उपाय

- मंगल बीज मंत्र का जाप करें।
- मंगलवार को अनार का पेड़ किसी गार्डन में लगाएं।

जनवरी 23, 2024 - मार्च 18, 2024 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणामों की प्राप्ति होगी। इस समय आपके पास धन का आगमन होगा, परंतु आपके खर्चों में वृद्धि होगी। इस समय आय और खर्च के बीच संतुलन बनाएं, अन्यथा आप आर्थिक संकट से गुजर सकते हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

करियर

करियर में आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यापार में अच्छा काम करेंगे और लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे। नौकरी-पेशा के प्रति आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में अहंकार की झलक दिख सकती है। अपने अहंकार का त्याग करें और अपना आत्म अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपको पारिवारिक जीवन में आनंद आएगा। परिजनों के साथ आपको अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस अवधि आपको अपने परिवार से विशेष लगाव होगा लेकिन पिता से संबंध मधुर रहने की संभावना कम है। बेहतर होगा कि आप पिता का सम्मान करें और सफलता के लिए उनकी बातों का अनुसरण करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको आनंद की अनुभूति होगी। जीवनसाथी से रिश्ते मधुर बनेंगे। उनके द्वारा आपको आर्थिक लाभ होगा और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। वहीं लव लाइफ के लिए भी अच्छा समय

रहेगा। प्रियतम के साथ रोमांस करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे। आपके चेहरे पर चमक देखी जा सकेगी और पूरे उत्साह और जोश के साथ आप अपने कार्य को अंजाम देंगे। इस समय आप अपनी सेहत को लेकर भी गंभीर रहेंगे और अपने खानपान का विशेष ध्यान देंगे। नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने पिता से अच्छे संबंध बनाकर रखें।
- रूढ़िगत विचारों का पूर्ण रूप से विरोध करें।

क्या न करें

- अपने विचारों को नई दिशा दें किसी को कष्ट ना दें।
- धार्मिक होने का दिखावा न करें।

उपाय

- अपने वजन के बराबर कच्चे कोयले का दान करें।
- चांदी की चेन अथवा लॉकेट धारण करें।

मार्च 18, 2024 - मई 05, 2024 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

गुरु की कृपा दृष्टि आप रहेगी इसलिए इस अवधि में आपको ज्ञान, धन, ऐश्वर्य, यश, पद आदि की प्राप्ति होगी। गुरु की यह स्थिति आर्थिक संपन्नता को भी दर्शाती है, अतः इस अवधि में आर्थिक समृद्धता बनी रहेगी। इस अवधि में लंबी दूरी की यात्राएं भी लाभकारी सिद्ध होंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

करियर

इस अवधि में आपको सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। गुरु के प्रभाव से आप विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करेंगे। समाज में आपका आदर सम्मान बढ़ेगा। लंबी दूरी की यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। आपके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आएगी, इसलिए आप बड़ी से बड़ी चुनौतियों को आसानी से मात

दे सकेंगे। परंतु एक बात ध्यान अवश्य रखें, आलस्य के कारण किसी भी कार्य बीच में अधूरा न छोड़ें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में सुख-शांति देखने को मिल सकती है। अच्छे कार्यों में घर वाले आपकी सहायता करेंगे। इस समय परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। दान-पुण्य को करने में आपका मन लगेगा एवं सामाजिक कल्याण के लिए भी आप कार्य करेंगे। आप इस समय किसी धार्मिक अथवा सामाजिक संगठन का सदस्य बन सकते हैं। इस अवधि में आप परिवार के साथ किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम व वैवाहिक जीवन के लिए उत्तम समय रहेगा। अपने जीवनसाथी या प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान आपके रिश्तों में एक नई मजबूती आएगी। आप दोनों के बीच कभी-कभार मनमुटाव की स्थिति भी बन सकती है इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे। यदि किसी पुरानी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं तो इस अवधि में आपकी सेहत में सुधार देखने को मिल सकता है। प्रातः जल्दी उठकर योग-व्यायाम करें। इससे आपको शारीरिक एवं मानसिक लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- समय समय पर तीर्थ यात्राएं करते रहे।
- समाज के प्रति कोई अच्छा कार्य करें।

क्या न करें

- अत्यधिक कट्टर विचारों से दूर रहें।
- ज्ञान प्राप्ति के लिए कोई भी गलत मार्ग ना चले।

उपाय

- पीपल की समिधा से हवन करें।
- प्रतिदिन केसर का तिलक लगाएं।

आर्थिक जीवन

यह अवधि आर्थिक जीवन के लिए थोड़ी नाजुक है, लिहाजा इस समय ऐसे कोई भी कदम न उठाएं जिससे आपको आर्थिक हानि का सामना करना पड़े। आपके पास धन का आगमन होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च में भी वृद्धि होगी। धन की बचत में आपको दिक्कत आएगी। इस समय आप अपने किसी खास के आर्थिक मदद भी ले सकते हैं।

करियर

करियर में आपको खट्टे मीठे अनुभवों से गुजरना पड़ सकता है। इस समय आपकी कोई लापरवाही आपको जॉबलेस बना सकती है। इसलिए यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो अनुशासित कर्मी बनें। किसी सहकर्मी से भी आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। रोजमर्रा के कामों में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन

आप परिवार के छोटे मोटे मुद्दों को नज़र अंदाज़ करेंगे। संतान के द्वारा आपको खुशी मिलेगी। भाई-बहनों की सेहत में कमी देखी जा सकती है। पिताजी की ओर से आपको शुभ समाचार मिलने की संभावना है। माता जी की सेहत दुरूस्त रहेगी। यदि परिवार में किसी तरह का विवाद चल रहा है तो उसे बातचीत के माध्यम से हल करने का प्रयास करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय है। आप अपने साथी के साथ किसी छोटी दूरी की यात्रा पर भी जा सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं तो दांपत्य जीवन में कुछ कष्ट आ सकते हैं। इन पर विशेष रूप से ध्यान दें अन्यथा अपने जीवनसाथी से आपका मनमुटाव हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय अच्छा नहीं है। इस समय आपको शारीरिक रूप से दर्द की शिकायत रह सकती है। आपको जोड़ों अथवा पिंडलियों में दर्द, थकान, सिरदर्द आदि की समस्याएँ रह सकती हैं। अस्वस्थ होने डॉक्टर से उपचार कराएं। किसी तरह की लापरवाही बरतना समस्या कारक भी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- व्यापारिक साझेदारी में किसी को धोखा ना दें।
- जीवन साथी के प्रति उदासीनता का त्याग करें।

क्या न करें

- मांस, मछली अंडा आदि का सेवन ना करें।
- जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य से अंतरंग संबंध ना बनाएं।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- लोहे की कटोरी में तेल का छाया पात्र दान करें।

जुलाई 02, 2024 - अगस्त 23, 2024 दशा बुध

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपके जीवन में सुख और संपन्नता रहेगी। व्यवसाय में भी आपको निपुणता हासिल होगी। धन लाभ होने के साथ-साथ आय के नये साधन सृजित होंगे। इस अवधि में जोखिम भरे कार्यों में सोच-समझकर निवेश करें, वरना परिणाम आशा के विपरीत भी हो सकते हैं।

करियर

अपनी प्रतिभा, योग्यता और निपुणता के बल पर आप अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। सामाजिक मेलमिलाप बढ़ेगा और विद्वान व सज्जन लोगों के साथ संपर्क होगा। सार्वजनिक जीवन में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और प्रसिद्धि मिलेगी। इस समय में आपके स्वभाव में सौम्यता आएगी। आपकी हाजिर जवाबी, समझदारी और सरल व्यवहार आपको प्रशंसनीय बनाएगा। प्रथम भाव में स्थित बुध के प्रभाव से आपके स्वभाव में उदारता आएगी। आप कई भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे। बुध के प्रभाव से वाणी, लेखन या प्रकाशन के क्षेत्र में विशेष सफलता के योग बनेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। इस अवधि में आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। हालांकि काम की व्यस्तता से थकान हो सकती है, इस अवधि में आप कामकाज के सिलसिले में घर से दूर भी रह सकते हैं। खास बात है कि आपको विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। इसके अलावा आप धार्मिक यात्रा भी कर सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग और वैवाहिक जीवन के लिए प्रथम भाव में बुध की स्थिति काफी अच्छी रहेगी। इस दौरान आप अपनी हाजिर जवाबी और वाणी कौशल से जीवन में संतुलन बनाकर चलने की कोशिश करेंगे। आपके इस सकारात्मक स्वभाव का मेरिड और लव लाइफ दोनों पर अच्छा प्रभाव देखने को मिलेगा।

स्वास्थ्य

प्रथम भाव में स्थित बुध स्वास्थ्य संबंधी विकार भी उत्पन्न करता है, अतः आपको स्नायु तंत्र और त्वचा से संबंधित रोगों से परेशानी हो सकती है, इसलिए सेहत को लेकर कोई लापरवाही ना बरतें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- किन्नों से आशीर्वाद जरूर लें।
- टैक्स चोरी न करें।

क्या न करें

- अपने व्यापार में बेईमानी न करें
- बहन, बेटी अथवा छोटी कन्या का अपमान न करें।

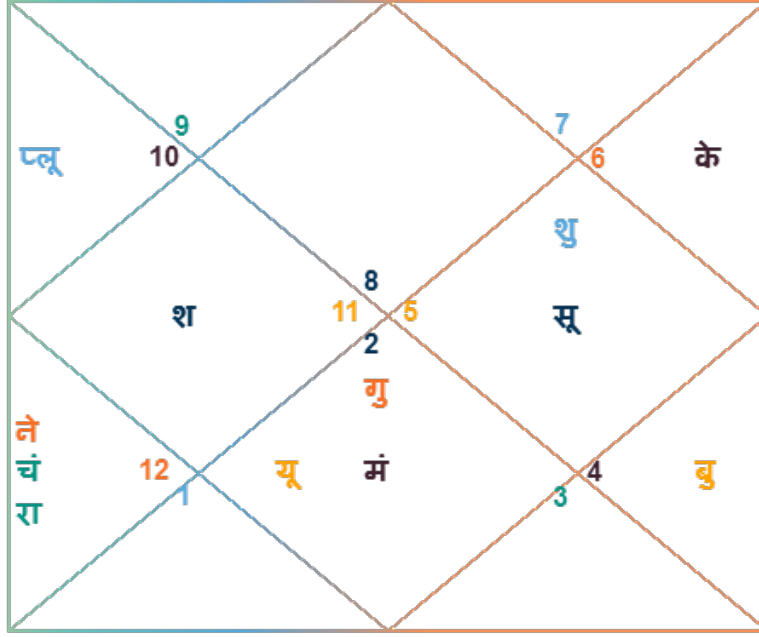
उपाय

- श्री विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का प्रतिदिन पाठ करें।
- बुधवार के दिन श्वेत चन्दन का दान करें।

वर्षफल विवरण 2024

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	23/08/2024
23:53:18	जन्म समय	12:45:48
गुरुवार	जन्म दिन	शुक्रवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	12:24:40
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 54 : 46
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 37
वृषभ	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्नस्वामी	मंगल
सिंह	राशि	मीन
सूर्य	राशि स्वामी	गुरु
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	रेवती
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
वि	योग	गण्ड
भाव	करण	केलव
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-12-02
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2024



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	वृश्चिक	04-49-08
सूर्य	सिंह	06-27-59
चंद्र	मीन	25-38-60
मंगल	वृषभ	28-02-01
बुध	कर्क	29-08-18
गुरु	वृषभ	23-41-40
शुक्र	सिंह	28-09-04
शनि	कुंभ	23-00-21
राहु	मीन	14-12-42
केतु	कन्या	14-12-42
यूरेनस	वृषभ	03-04-23
नेपच्यून	मीन	04-59-53
प्लूटो	मकर	05-46-24

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शनि
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	मंगल
त्रिराशी स्वामी	मंगल
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2024
वर्षप्रवेश जन्म-समय	12:45:48
मुन्था राशि	कुंभ
घर में मुन्था	4
जन्म कुण्डली में मुन्था	10

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	मिथुन 24 . 00 . 08	बुध
शिक्षा	मेष 15 . 38 . 08	मंगल
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	तुला 04 . 30 . 40	शुक्र
मित्र	मिथुन 19 . 47 . 03	बुध
पिता	वृषभ 21 . 21 . 30	शुक्र
माता	मिथुन 02 . 19 . 04	बुध
जीवन	सिंह 04 . 07 . 49	सूर्य
कर्ण	कन्या 03 . 42 . 51	बुध
मृत्यु	मिथुन 04 . 39 . 51	बुध
विदेश यात्रा	मीन 18 . 57 . 58	गुरु
धन-सम्पत्ति	वृषभ 18 . 25 . 57	शुक्र
व्यभिचार	धनु 26 . 30 . 12	गुरु
बीमारी	कर्क 13 . 59 . 17	चंद्र
वैकल्पिक व्यवसाय	मकर 07 . 27 . 46	शनि
वाणिज्य	कर्क 01 . 19 . 49	चंद्र
कार्य सिद्धि	मीन 23 . 00 . 21	गुरु
विवाह	मिथुन 09 . 57 . 50	बुध
संतान	सिंह 29 . 22 . 30	सूर्य
प्रेम	सिंह 26 . 27 . 08	सूर्य

सहम	अंश	ग्रह
व्यापार	कन्या 03 . 42 . 51	बुध
शत्रु	मीन 09 . 50 . 48	गुरु
कारावास	मेष 05 . 48 . 55	मंगल
वित्तीय लाभ	मिथुन 02 . 19 . 04	बुध

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
शुक्र	23/08/2024	23/10/2024
सूर्य	23/10/2024	10/11/2024
चंद्र	10/11/2024	11/12/2024
मंगल	11/12/2024	01/01/2025
राहु	01/01/2025	25/02/2025
गुरु	25/02/2025	14/04/2025
शनि	14/04/2025	11/06/2025
बुध	11/06/2025	02/08/2025
केतु	02/08/2025	23/08/2025

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
धान्या	गुरु	23/08/2024	22/09/2024
भ्रामरी	मंगल	22/09/2024	02/11/2024
भद्रिका	बुध	02/11/2024	23/12/2024
उल्का	शनि	23/12/2024	22/02/2025
सिद्धा	शुक्र	22/02/2025	04/05/2025
संकटा	राहु	04/05/2025	24/07/2025
मंगला	चंद्र	24/07/2025	03/08/2025
पिंगला	सूर्य	03/08/2025	23/08/2025

वर्षफल विवरण 2024 - 2025

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा चतुर्थ भाव में है।

मुंथा के लिए यह स्थिति अनुकूल नहीं है। यह वर्ष आपके लिए परेशानियों भरा रहेगा। माता की वजह से आप तनावग्रस्त रहेंगे। अपने घनिष्ठ सहयोगियों व रिश्तेदारों से विवाद की संभावना है। पद खोने अथवा घटने की भी संभावनाएं हैं।



दशा शुक्र

अगस्त 23, 2024 - अक्टूबर 23, 2024



दशा सूर्य

अक्टूबर 23, 2024 - नवंबर 10, 2024



दशा चंद्र

नवंबर 10, 2024 - दिसम्बर 11, 2024



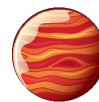
दशा मंगल

दिसम्बर 11, 2024 - जनवरी 01, 2025



दशा राहु

जनवरी 01, 2025 - फरवरी 25, 2025



दशा गुरु

फरवरी 25, 2025 - अप्रैल 14, 2025



दशा शनि

अप्रैल 14, 2025 - जून 11, 2025



दशा बुध

जून 11, 2025 - अगस्त 02, 2025



दशा केतु

अगस्त 02, 2025 - अगस्त 23, 2025

अगस्त 23, 2024 - अक्टूबर 23, 2024 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आप सुख-सुविधाओं को जीवन में अधिक प्राथमिकता देंगे। कीमती व विलासपूर्ण वस्तुओं की खरीदारी में आप अपना पैसा खर्च कर सकते हैं। यदि आप एक कारोबार हैं तो बिजनेस कम्युनिटी में आपका प्रभाव बढ़ेगा जिससे आपको आर्थिक मुनाफ़ा भी हो सकता है। व्यापारिक यात्रा के योग हैं।

करियर

अपने कार्य क्षेत्र में आप महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करेंगे। करियर क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस अवधि में आप विपरीत परिस्थितियों से भी आसानी से निकल सकेंगे। परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होंगी। आपके नए विचार, नई सोच आपको करियर में सफल बनाएगी। आपके सीनियर्स आपके कार्यों से खुश रहेंगे।

पारिवारिक जीवन

फैमिली में उतार-चढ़ाव की परिस्थितियाँ आएंगी, लेकिन अच्छी बात यह होगी कि परिवार में एकजुटता रहेगी। घर के सदस्य का व्यवहार प्रेमपूर्ण रहेगा और इससे घर का वातावरण भी शांतिपूर्ण रहेगा। घर के सदस्य फैमिली के प्रति अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को भलि प्रकार से समझेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस समय अपने वैवाहिक रिश्ते को कमजोर न होने दें। समय दाम्पत्य जीवन के लिए थोड़ा कष्टकारी रह सकता है। इस समय काम के चलते आप अपने लाइफ पार्टनर को कम समय दे पाएंगे। इसको लेकर उनको आपसे शिकायत भी रह सकती है। यदि प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो लव पार्टनर से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी, क्योंकि आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए यह अवधि उत्तम है। यदि आप पहले से किसी पुराने रोग से पीड़ित हैं तो इस समय आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। ध्यान रखें, सेहत के प्रति लापरवाही आपके लिए ठीक नहीं होगी।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्यस्थल पर महिला सहकर्मियों से अच्छा व्यवहार करें।
- दूसरे लोगों को उत्साहित करें और परोपकार की भावना जगाएं।

क्या न करें

- कार्यस्थल पर व्यर्थ की गप्पे बाजी ना करें।
- अपने आलस्य का त्याग करें और किसी पर निर्भर ना रहे।

उपाय

- नियम पूर्वक शुक्रवार का व्रत करें।
- 5 कन्याओं का पूजन कर उन्हें सफेद वस्तुएं दान करें।

अक्टूबर 23, 2024 - नवंबर 10, 2024 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

दशम भाव में स्थित सूर्य अनुकूल परिणाम देता है। सूर्य के प्रभाव से आपको प्रसिद्धि मिलेगी। इस अवधि में आप बहुत सक्रिय और व्यस्त रहेंगे। इस समय अवधि में आपको आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। सूर्य के प्रभाव से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर

व्यापार व नौकरी में सफलता अर्जित करेंगे और आपको वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा। यह समय आपकी कर्मठता और लगन का समय सिद्ध होगा, इसलिए आप अपनी मेहनत से इस अवधि में बहुत कुछ प्राप्त करेंगे। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा करेंगे, ये यात्राएं सफल होंगी। सफलता और लाभ मिलने से आपको संतोष की प्राप्ति होगी। इसके प्रभाव से कार्यस्थल पर आप एक नये जोश व ऊर्जा के साथ काम करेंगे। आपके अंदर नेतृत्व की जबरदस्त क्षमता देखने को मिलेगी, इसलिए आप लोगों का नेतृत्व करेंगे। इस अवधि में आपको कोई अहम सरकारी पद प्राप्त हो सकता है या फिर आप सरकार द्वारा सम्मानित किये जा सकते हैं। यदि आप राजनीति में सक्रिय हैं तो आपको मंत्री पद की प्राप्ति हो सकती है। आप अपने उदार चरित्र की वजह लोकप्रियता हासिल करेंगे।

पारिवारिक जीवन

वैदिक ज्योतिष में सूर्य को पिता का कारक माना गया है इसलिए इस अवधि में आपके संबंध अपने पिता से अच्छे रहेंगे। दशम भाव में स्थित सूर्य कुछ परेशानियां भी उत्पन्न करता है। फलस्वरूप आपकी माता को कुछ कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अतः जीवनसाथी के साथ बहसबाजी से बचें। प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय है। प्रियतम के साथ घूमना-फिरना होगा। मनोरंजन के लिए भी एक साथ जाया जा सकता है। कोई ऐसा काम न करें जिससे समाज में आपकी और साथी की बदनामी हो।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन अच्छा रहेगा। यदि आप किसी पुरानी बीमारी से जूझ रहे हैं तो उसमें सुधार होगा। समय-समय पर अपनी सेहत की जाँच अवश्य कराएं। मानसिक तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। पर्याप्त नींद के ज़रिए आपके शरीर में ताज़गी आएगी। स्मार्टफ़ोन पर ज़्यादा व्यस्त न रहें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- कार्य और पारिवारिक जीवन के मध्य संतुलन स्थापित करें।
- अपनी माताजी की सेहत की देखभाल करें।

क्या न करें

- स्वयं की प्रशंसा स्वयं करने से बचे।
- सरकारी कर्मचारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध ना बिगाड़ें।

उपाय

- आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।
- केसर मिश्रित दूध का सेवन करें।

नवंबर 10, 2024 - दिसम्बर 11, 2024 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

चंद्रमा का पंचम भाव में स्थित होना आपके लिए एक शुभ संकेत है। क्योंकि इस अवधि में आपकी सभी योजनाएं पूर्ण होंगी। अपने ज्ञान, कौशल और कलात्मक गुणों से आप सफलता पाएंगे। इस अवधि में आप मनोरंजन और भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आकर्षित होंगे और इन्हें पाने का प्रयास करेंगे। इस अवधि में आप शेयर बाजार में निवेश को लेकर रुचि दिखा सकते हैं।

करियर

यदि आप लेखन के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो इस अवधि में लोग आपके लेखन की सराहना करेंगे। यदि आप प्रकाशन, स्क्रिप्ट राइटिंग अथवा पत्रकारिता के क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो आपके लिए यह सुनहरा अवसर होगा। ऑफिस में विवादों से बचें और दफ्तर में होने वाली राजनीति का हिस्सा न बनें। यह आपके करियर के लिए अच्छा समय रहने वाला है।

पारिवारिक जीवन

आपकी माता धार्मिक और दान-धर्म से जुड़े कार्य करेंगी। इस अवधि में आप अपने मन में कोई बात ज्यादा समय तक रख नहीं पाएंगे। घर वालों के साथ आप अपने विचारों को साझा करेंगे। घर में किसी तरह का मंगल कार्य संपन्न हो सकता है। घर के सदस्यों की सख्या में भी वृद्धि होने के आसार हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंध के लिहाज से भी यह समय अच्छा रहने वाला है। आप अपने प्रियतम या जीवनसाथी के और करीब आएं। पंचम भाव में स्थित चंद्रमा न केवल आपको खुश मिजाज बनाएगा बल्कि आपको प्रेमाकर्षण भी प्रदान करेगा। यदि आप विवाहित हैं तो इस अवधि में संतान पक्ष की ओर से आपको सुख और प्रसन्नता मिलेगी। इसके अलावा आपको अपने जीवनसाथी के माध्यम से भी लाभ की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

पंचम भाव में स्थित चंद्रमा विशेष रूप से तरल चीजों के लिए हानिकारक माना गया है, अतः इस अवधि में तरल पदार्थों के सेवन आदि में सावधानी बरतें। कोल्डिंग्स और शराब आदि से परहेज करें और अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- किसी भी कलात्मक क्षेत्र में अपना ध्यान लगाएं।
- घर के बाहर मित्रों आदि को भी पर्याप्त समय दें।

क्या न करें

- जुए, सट्टे बाजी आदि से दूर रहें।
- अपनी जिम्मेदारियों से दूर ना भागे हैं उन्हें पूरा करें।

उपाय

- छोटे बच्चों को मिश्री खिलाएं।
- सफेद वस्त्र धारण करें।

दिसम्बर 11, 2024 - जनवरी 01, 2025 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आर्थिक क्षेत्र में भी आपको निराश कर सकती है। अच्छा होगा कि आप इस समय बड़े आर्थिक फैसले न लें और सोच-समझकर निवेश करें। जुआ, सट्टा अथवा शेयर मार्केट में पैसा न लगाएं।

करियर

पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। आपकी राहों में नई-

नई चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। ऐसे में धैर्य न खोएं और सकारात्मक सोच के साथ उन चुनौतियों का सामना करें। शत्रु पक्ष आपकी परेशानी बढ़ा सकते हैं, लिहाजा उनसे सावधान रहें और चतुराई के साथ उनका सामना करें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में परिस्थितियाँ आपके विपरीत हो सकती हैं। घर में बड़े भाई अथवा पिताजी के साथ आपके संबंध कटु हो सकते हैं। सप्तम भाव में मंगल की उपस्थिति आपको जरूरत से ज्यादा स्वाभिमानी बना सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि, लोग आपको अहंकारी समझने लगेंगे, इसलिए अपने अहंकार का त्याग करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

सप्तम भाव में बैठा मंगल आपके लिए कष्टदायी हो सकता है। इस समय आपके वैवाहिक जीवन में परेशानियाँ आ सकती हैं। जीवनसाथी की ओर से आपको किसी प्रकार की समस्या हो सकती है। उनके साथ आपके संबंध कड़वे हो सकते हैं। इसके अलावा दोनों के बीच दूरियाँ बढ़ सकती हैं। यदि अविवाहित हैं तो मंगल की यह स्थिति आपके विवाह में देरी का कारण बन सकती है।

स्वास्थ्य

कभी-कभार आपके मन में नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं। आपका मानसिक तनाव बढ़ सकता है आपके मन में एक प्रकार की बेचैनी रहेगी इसलिए इस अवधि में अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
- समझौता करने की कला सीखें।

क्या न करें

- जीवनसाथी से ज्यादा लड़ाई झगड़ा ना करें।
- किसी भी बात का समाधान निकालने का प्रयास करें बहस ना करें।

उपाय

- किसी बड़े आकार के तवे पर गुड़ की रोटी बनाकर लोगों को खिलाएं।
- किसी उपयुक्त स्थान पर मंगलवार के दिन रक्तदान करें।

जनवरी 01, 2025 - फ़रवरी 25, 2025 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आपकी मेहनत और प्रयासों से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपको सरकार की किसी आर्थिक योजना का लाभ प्राप्त हो सकता है। हालांकि आपके खर्चों में भी वृद्धि की संभावना है परंतु आप पैसे की बचत करने में भी सफल रहेंगे। पैतृक संपत्ति में वृद्धि की संभावना है। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाएं।

करियर

निर्णय लेने की क्षमता और योग्यता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आप अपने करियर को लेकर असमंजस की स्थिति में रह सकते हैं। झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर सकती हैं। यदि आप लेखन से संबंधित कार्य से जुड़े हैं तो आपको इस अवधि में बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। घर में किसी तरह का क्लेश भी हो सकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर घर वालों के बीच लड़ाई-झगड़ा संभव है। पारिवारिक मामलों को लेकर चिंता करना आपके लिए कष्टकारी हो सकता है, अतः इससे बचें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यह समय वैवाहिक जीवन के लिए कष्टकारी रह सकता है। प्रेम जीवन में जातकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी या प्रियतम के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। ऐसी स्थिति में धैर्य से काम लें। लाइफ पार्टनर की भावनाओं को समझें और उन पर किसी बात को लेकर दबाव न बनाएं।

स्वास्थ्य

अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आपको फूड प्वाइजनिंग की शिकायत रह सकती है इसलिए अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। इस समय बच्चों की सेहत का ख्याल रखें। स्वास्थ्य को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बरतना ठीक नहीं होगा। दिनचर्या में शारीरिक व्यायाम को जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने दंपत्य जीवन को मजबूत बनाने का प्रयास करें।

- जीवन में आने वाले अवसरों को पूर्ण रूप से सार्थक करें।

क्या न करें

- अपनी संतान के प्रति कर्तव्य को अनदेखा ना करें।
- हर बात में जुगाड़ लगाने का प्रयास न करें।

उपाय

- रात्रि के समय काले उड़द का दान करें।
- काले और नीले रंग के वस्त्र ना पहने।

फ़रवरी 25, 2025 - अप्रैल 14, 2025 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

आपके जीवन में धन व वैभव का आगमन होगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। इस अवधि में आपको संपत्ति मिलने की संभावना है। घर के सदस्यों को आर्थिक क्षेत्र में भी लाभ के योग बन रहे हैं। व्यापार में होने वाले सौदे से बड़ा धन लाभ होगा। बृहस्पति के प्रभाव से थोड़े ही प्रयास में आपको मनचाही सफलता मिल सकती है। यदि आप विदेश गमन की इच्छा रखते हैं तो थोड़े से प्रयास से ही आपका मनोरथ पूरा हो सकता है।

करियर

करियर के लिए गुरु की यह स्थिति आपके लिए लाभदायक रहेगी। नौकरी, व्यवसाय आदि में आप तरक्की करेंगे। कार्य के चलते आप विदेश यात्रा पर कर सकते हैं। अपने-अपने कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस समय आपकी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा। लोगों से आपको आदर भाव प्राप्त होगा।

पारिवारिक जीवन

परिवार में परिजनों के बीच तालमेल दिखाई देगा और घर में सुख-शांति का वातावरण देखने को मिलेगा। गुरु की कृपा से आपके घर में इस समय कोई मंगल कार्य संपन्न हो सकता है। माता-पिता के अलावा बुजुर्ग लोगों की सेवा करें। उनका आशीर्वाद आपको कामयाबी की राह में आगे बढ़ाएगा। बुरे कार्यों और बुरी संगति से दूर रहें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

ससम भाव में गुरु आपके वैवाहिक जीवन को सुनहरा बनाने में मदद करेगा। जीवनसाथी के साथ आपके

संबंध प्रगाढ़ होंगे और आपको कदम कदम पर उनका साथ मिलेगा। आप दोनों के बीच एक अच्छा तालमेल बनता दिखाई देगा। आपको अपने जीवनसाथी के साथ खूब यात्राएं करने का अवसर मिलेगा।

स्वास्थ्य

शारीरिक रूप से आप एकदम फीट रहेंगे। इस अवधि में आप स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा को महसूस करेंगे और अपना हर काम पूरे जोश के साथ करेंगे। आपके बेहतर स्वास्थ्य का असर आपके काम और स्वभाव में देखने को मिलेगा। इसके फलस्वरूप आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पीला, क्रीम कलर और ऑफ़ व्हाइट रंग उपयोग में लाया जा सकता है।
- गुरु ब्राह्मण एवं अपने से बड़े लोगों का सम्मान करें।

क्या न करें

- अपने बच्चे और बड़े भाई से संबंध न बिगाड़ें।
- किसी से झूठ न बोलें।

उपाय

- बृहस्पति बीज मंत्र का जाप करें।
- गुरुवार के दिन पीपल के वृक्ष को जल से सींचें।

अप्रैल 14, 2025 - जून 11, 2025 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस समय आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा। आपके पास धन आएगा और उस धन का प्रयोग आप अपने सुख-साधनों की वृद्धि के लिए करेंगे। इस अवधि में आप भौतिक सुखों का आनंद लेंगे। आपकी संपत्ति में भी वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। धन की बचत पर आप ज़्यादा ध्यान नहीं देंगे। परिजनों को भी आर्थिक लाभ हो सकता है।

करियर

करियर में असफलता से आप निराश हो सकते हैं। इस समय आपके शत्रु भी सक्रिय रहेंगे। वे आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे, इसलिए उनसे सावधान रहें। इसके अलावा आप पर झूठे इल्जाम लगाए जा

सकते हैं। अपने करियर पर फोकस करें और असफलताओं को अपना हथियार बनाकर आगे बढ़ें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपके पारिवारिक जीवन में सुखों का अभाव रह सकता है। किसी काम के चलते घर से दूर जाने की संभावना है। काम में व्यस्त रहने के कारण आप अपने परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। कभी-कभार घरेलू समस्याएं आपके तनाव का कारण भी बन सकती हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

जीवनसाथी के कारण आपको वैवाहिक जीवन में शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। लाइफ पार्टनर को करियर में लाभ होने की संभावना है। दूसरी ओर आप उनसे दूर भी जा सकते हैं। प्रेम जीवन के लिए भी चुनौतीपूर्ण समय रह सकता है। कोशिश करें कि प्रियतम से रिश्ते मधुर बने रहें।

स्वास्थ्य

इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो पूरी सावधानी बरतें। यदि खान-पान की चीजों में आपको परहेज करना पड़े तो अवश्य करें, अन्यथा रोग में सुधार होना मुश्किल होगा। शराब इत्यादि नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने परिवार का ध्यान रखें और उनकी आवश्यकताओं को पूर्ण करें।
- अपनी स्वयं की गलतियों से सीखने का प्रयास करें।

क्या न करें

- परिवार में माता पिता अथवा बुजुर्गों की सेहत को नजरअंदाज ना करें।
- अत्यधिक रूढ़ीवादी बनने का प्रयास न करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- काला सुरमा किसी निर्जन स्थान पर जमीन में दबाएं।

जून 11, 2025 - अगस्त 02, 2025 दशा बुध

आर्थिक जीवन

आप अपनी बुद्धि से नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में धन लाभ कमाएंगे। इस अवधि में यात्राओं से आपको निश्चित तौर पर लाभ होगा। यदि ये यात्राएं कामकाज के सिलसिले में होती हैं तो धन लाभ होगा और यदि पारिवारिक यात्राएं होती हैं, तो लोगों से मिलना-जुलना होगा। नवम भाव में स्थित बुध को शुभफल देने वाला कहा गया है। इसके प्रभाव से व्यक्ति भाग्यशाली बनता है, अतः इस अवधि में भाग्य आपका साथ देगा। अच्छे भाग्य की बदौलत नौकरी या व्यापार में उन्नति और लाभ होगा।

करियर

यहां स्थित बुध जातकों को प्रभावशाली वाणी और व्यक्तित्व प्रदान करता है इसलिए इस अवधि में आप अपनी प्रभावशाली वाणी से अपनी बातों को मनवा लेंगे। समाज के प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध व्यक्ति आपके संपर्क में आएंगे। इस मेल मिलाप की वजह से समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यदि आप संपादन, लेखन और साहित्य के क्षेत्र से हैं तो इस अवधि में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा। जीवन के सुखमय पलों का खुलकर आनंद उठाएंगे। आप धर्म और माता-पिता के विपरीत जाकर कोई कार्य नहीं करेंगे। आपकी रुचि दान-पुण्य के कार्यों में अधिक रहेगी। इस अवधि में आप भौतिक सुखों का आनंद लेंगे। इस अवधि में आप तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं। आपकी उदारता और विनम्रता की वजह से लोग आपका आदर करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग के लिए आदर्श स्थिति रहेगी। इस अवधि में आप प्रियतम के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और उनके साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में भी मजबूती आएगी। जीवनसाथी के साथ संबंध और मधुर होंगे। जीवनसाथी के माध्यम से समाज में आपको मान-सम्मान प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। आप सेहतमंद और ऊर्जावान रहेंगे। यदि किसी पुरानी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं तो इस अवधि में आपको स्वास्थ्य लाभ मिलने की संभावना है। स्वस्थ रहने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बने।
- उच्च शिक्षा के लिए सदैव प्रयासरत रहे।

क्या न करें

- छोटी छोटी बातों को ज्यादा महत्व देकर ज्यादा ना सोचे।
- अपने ज्ञान को गलत दिशा में प्रयोग ना करें।

उपाय

- बुधवार के दिन 6 हरी इलायची हरे रुमाल में लपेटकर अपने पास रखें।
- काँसे के पात्र का दान करें।

अगस्त 02, 2025 - अगस्त 23, 2025 दशा केतु

आर्थिक जीवन

अचानक परिस्थितियां आपके अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदों से आपको बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। इस समय आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ करें।

करियर

इस अवधि में नौकरी में पदोन्नति हो सकती है। इसके अलावा वेतन वृद्धि की भी प्रबल संभावनाएं रहेंगी। व्यवसायिक यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आपको उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा। वहीं अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में आप अपने पारिवारिक जीवन से संतुष्ट रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में बड़े भाई-बहनों का साथ मिलेगा और घर में एकता का वातावरण रह सकता है। माता-पिताजी की सेहत का ख्याल रखें और अच्छे कार्यों से पहले उनका आशीर्वाद लें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस दौरान वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय बहुत ही अच्छा साबित होगा। आप अपने लव पार्टनर के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। प्रियतम आपकी भावनाओं को समझेगा।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको शारीरिक और मानसिक सुख प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा और आप ऊर्जा से सराबोर रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। इस समय आप अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए योग व व्यायाम को अधिक तवज्जो देंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कानों की देखभाल करें।
- भाई बहनों तथा वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपनी संतान के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने से पीछे न हटे।
- अपने सामाजिक स्तर को बढ़ाने का प्रयास करें और लोगों से मित्रता करें।

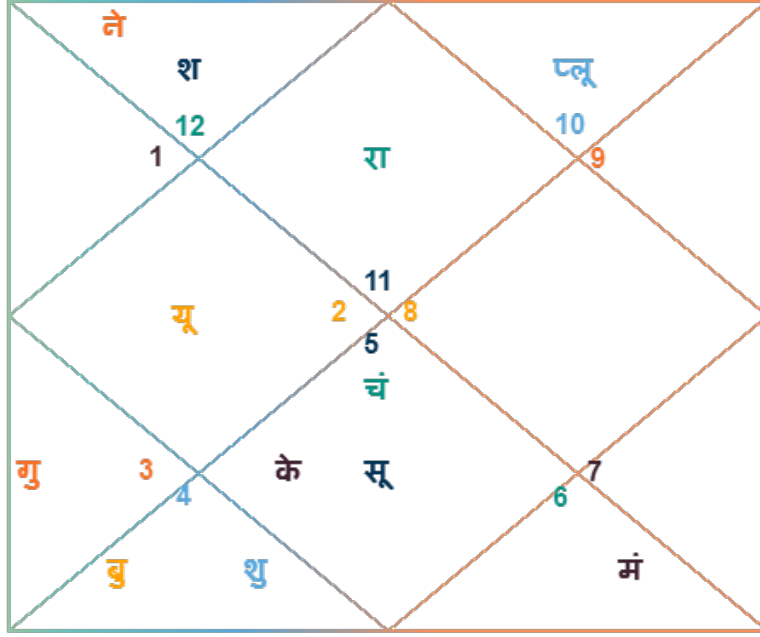
उपाय

- श्री गणेश चतुर्थी का व्रत रखें और गणेश जी को मोदक अर्पित करें।
- रंग बिरंगे कुत्ते को दूध और चपाती खिलाएं।

वर्षफल विवरण 2025

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1979	जन्म दिनांक	23/08/2025
23:53:18	जन्म समय	18:54:58
गुरुवार	जन्म दिन	शनिवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	18:33:50
05 : 54 : 06	सूर्योदय	05 : 54 : 39
18 : 53 : 43	सूर्यास्त	18 : 52 : 52
वृषभ	लग्न	कुंभ
शुक्र	लग्नस्वामी	शनि
सिंह	राशि	सिंह
सूर्य	राशि स्वामी	सूर्य
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	मघा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
वि	योग	वि
भाव	करण	किसंत्तुध्न
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-34-20	अयनांश	024-12-53
लाहिडी	अयनांश नाम	लाहिडी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2025



वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	कुंभ	08-34-11
सूर्य	सिंह	06-27-60
चंद्र	सिंह	10-06-16
मंगल	कन्या	16-16-54
बुध	कर्क	18-45-20
गुरु	मिथुन	22-02-53
शुक्र	कर्क	03-15-28
शनि	मीन	06-20-33
राहु	कुंभ	24-51-21
केतु	सिंह	24-51-21
यूरेनस	वृषभ	07-12-38
नेपच्यून	मीन	07-16-42
प्लूटो	मकर	07-30-51

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	गुरु
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शनि
त्रिराशी स्वामी	गुरु
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2025
वर्षप्रवेश जन्म-समय	18:54:57
मुन्था राशि	मीन
घर में मुन्था	2
जन्म कुण्डली में मुन्था	11

वर्षफल सहम

सहम	अंश	ग्रह
पुण्य	कुंभ 04 . 55 . 54	शनि
शिक्षा	मीन 12 . 12 . 27	गुरु
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	तुला 21 . 27 . 12	शुक्र
मित्र	वृषभ 25 . 58 . 55	शुक्र
पिता	सिंह 08 . 41 . 37	सूर्य
माता	मकर 01 . 43 . 22	शनि
जीवन	मिथुन 24 . 16 . 31	बुध
कर्ण	धनु 11 . 02 . 36	गुरु
मृत्यु	वृषभ 07 . 53 . 36	शुक्र
विदेश यात्रा	मिथुन 20 . 03 . 12	बुध
धन-सम्पत्ति	तुला 28 . 10 . 37	शुक्र
व्यभिचार	मकर 05 . 21 . 39	शनि
बीमारी	कन्या 07 . 02 . 05	बुध
वैकल्पिक व्यवसाय	कन्या 04 . 48 . 27	बुध
वाणिज्य	मीन 29 . 55 . 07	गुरु
कार्य सिद्धि	मकर 10 . 13 . 43	शनि
विवाह	कर्क 05 . 29 . 06	चंद्र
संतान	मेष 05 . 16 . 37	मंगल
प्रेम	मीन 15 . 50 . 43	गुरु

सहम	अंश	गह
व्यापार	वृषभ 06 . 05 . 45	शुक्र
शत्रु	कर्क 28 . 37 . 50	चंद्र
कारावास	मीन 09 . 58 . 49	गुरु
वित्तीय लाभ	मेष 15 . 24 . 59	मंगल

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

गह	से आरंभ करके	तक
सूर्य	23/08/2025	11/09/2025
चंद्र	11/09/2025	11/10/2025
मंगल	11/10/2025	01/11/2025
राहु	01/11/2025	26/12/2025
गुरु	26/12/2025	13/02/2026
शनि	13/02/2026	11/04/2026
बुध	11/04/2026	02/06/2026
केतु	02/06/2026	23/06/2026
शुक्र	23/06/2026	23/08/2026

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	गह	से आरंभ करके	तक
भ्रामरी	मंगल	23/08/2025	03/10/2025
भद्रिका	बुध	03/10/2025	23/11/2025
उल्का	शनि	23/11/2025	23/01/2026
सिद्धा	शुक्र	23/01/2026	04/04/2026
संकटा	राहु	04/04/2026	24/06/2026
मंगला	चंद्र	24/06/2026	04/07/2026
पिंगला	सूर्य	04/07/2026	24/07/2026
धान्या	गुरु	24/07/2026	23/08/2026

वर्षफल विवरण 2025 - 2026

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा द्वितीय भाव में है।

आकस्मिक धन प्राप्ति का योग है। यह धन लॉटरी, शेयर में सट्टेबाजी आदि माध्यमों से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न व्यवसायिक सौदों से आप अधिक धन प्राप्त करने में सक्षम होंगे। पुराने घर की खरीद बिक्री से भी आपको धन मिलेगा। मान सम्मान की प्राप्ति होगी, बेहतर भोजन का आनंद लेंगे और प्रशासनिक सहयोग प्राप्त करेंगे।



दशा सूर्य

अगस्त 23, 2025 - सितंबर 11, 2025



दशा चंद्र

सितंबर 11, 2025 - अक्टूबर 11, 2025



दशा मंगल

अक्टूबर 11, 2025 - नवंबर 01, 2025



दशा राहु

नवंबर 01, 2025 - दिसम्बर 26, 2025



दशा गुरु

दिसम्बर 26, 2025 - फरवरी 13, 2026



दशा शनि

फरवरी 13, 2026 - अप्रैल 11, 2026



दशा बुध

अप्रैल 11, 2026 - जून 02, 2026



दशा केतु

जून 02, 2026 - जून 23, 2026



दशा शुक्र

जून 23, 2026 - अगस्त 23, 2026

अगस्त 23, 2025 - सितंबर 11, 2025 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

ससम भाव में स्थित सूर्य सामान्यतः कठिनाइयां पैदा करता है, अतः यह समय आपके लिए चुनौतियों से भरा रह सकता है। धन हानि भी उठनी पड़ सकती है। सूर्य के इस भाव में स्थित होने की वजह से किसी बात को लेकर आप बेहद चिंतित रह सकते हैं।

करियर

सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी, सफलता आपको अवश्य मिलेगी लेकिन कड़े संघर्ष के बाद। यदि आप पार्टनरशिप में बिजनेस करते हैं तो आपके साथी आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं इसलिए उन पर जरूरत से ज्यादा विश्वास ना करें। यह चिंता परिवार, नौकरी, व्यवसाय या शिक्षा से जुड़ी

हो सकती है। बेहतर होगा कि आप इस अवधि में अधिक चिंता या तनाव करने की बजाय चिंतन और मनन करें। सरकार, सत्ता पक्ष या सरकारी विभागों की ओर से परेशानियां हो सकती हैं।

पारिवारिक जीवन

सप्तम भाव में सूर्य की उपस्थिति आपको जरूरत से ज्यादा स्वाभिमानी बना सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि, लोग आपको अहंकारी समझने लगेंगे, इसलिए अपने अहंकार का त्याग करें। यदि परिजनों के बीच किसी बात को लेकर मनमुटाव है तो उसका समाधान करने के लिए पहल करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

सूर्य की इस भाव में स्थिति वैवाहिक जीवन के लिए भी ठीक नहीं मानी गई है, इसलिए जीवन साथी से भी मतभेद संभव है। इस अवधि में वैवाहिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। विवाद या मतभेद होने की स्थिति में संयम के साथ काम लें और बातचीत के जरिये समस्याओं का समाधान करें।

स्वास्थ्य

आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। बुखार, सिरदर्द अथवा पित्त संबंधी रोगों से आपका सामना हो सकता है। इस समय अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें। यदि स्वास्थ्य खराब है तो चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार लें। आलस का त्याग कर शारीरिक परिश्रम भी करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवनसाथी को पूर्ण रूप से स्वीकार करें।
- अपने व्यवसायिक साझेदार के साथ इमानदारी बरते।

क्या न करें

- स्वयं से निचले स्तर के व्यक्तियों का तिरस्कार ना करें।
- व्यर्थ के वाद विवाद को ना बढ़ने दे।

उपाय

- रविवार के दिन लाल वस्त्र का दान करें।
- जल में लाल कनेर के फूल डालकर स्नान करें।

सितंबर 11, 2025 - अक्टूबर 11, 2025 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

चंद्रमा का सप्तम भाव में स्थित होना सुखद माना जाता है। इस अवधि में आपको संपत्ति मिलने की संभावना है। व्यापार में होने वाले सौदे से बड़ा धन लाभ होगा। चंद्रमा के प्रभाव से थोड़े ही प्रयास में आपको मनचाही सफलता मिल सकती है। यदि आप विदेश गमन की इच्छा रखते हैं तो थोड़े से प्रयास से ही आपका मनोरथ पूरा हो सकता है।

करियर

इस समय में समाज में अच्छे लोगों के साथ आपके संपर्क बनेंगे और उनकी मदद से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो इन संपर्कों की मदद से आपको नई जॉब मिलने की संभावना है। वहीं अगर आप व्यवसायी हैं तो आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। सुदूर स्थलों या विदेश से कोई अच्छी खबर मिलेगी। चंद्रमा के सातवें स्थान में होने से आपकी गिनती सभ्य व्यक्तियों में होगी। इस अवधि में समुद्र के रास्ते कोई यात्रा कर सकते हैं या समुद्र के किनारे किसी पर्यटन स्थल पर घूमने जा सकते हैं। आपको आपके व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

आपका पारिवारिक जीवन भी संतोषजनक रहेगा। इस अवधि में आपके बच्चे कहीं घूमने जा सकते हैं। उन्हें अपनी प्रोफेशनल लाइफ में भी सफलता मिलने की संभावना है। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपको उनकी ओर से हरसंभव सहयोग मिलता रहेगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप अविवाहित हैं तो इस समय अवधि में आपकी शादी होने की संभावना बनती है। आपका भावी जीवनसाथी बेहद आत्मीय होगा। आपको अपने जीवनसाथी के साथ खूब यात्राएं करने का मौका मिलेगा।

स्वास्थ्य

शारीरिक रूप से आप एकदम फीट रहेंगे, हालांकि आपका मन थोड़ा चंचल रह सकता है। इस अवधि में आप स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा को महसूस करेंगे और अपना हर काम पूरे जोश के साथ करेंगे। आपके बेहतर स्वास्थ्य का असर आपके काम और स्वभाव में देखने को मिलेगा। इसके फलस्वरूप आपको बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवनसाथी का सम्मान करें।
- योग एवं ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

क्या न करें

- किसी भी महिला का अनादर न करें।
- जल संबंधित व्यापार ना करें।

उपाय

- किसी महिला अनाथालय में दान दे।
- नियमित रूप से श्री शिव रुद्राभिषेक कराएं।

अक्टूबर 11, 2025 - नवंबर 01, 2025 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

इस समय आपका आर्थिक पक्ष कमजोर रह सकता है इसलिए आपको धन के मामले में सावधान रहना होगा। बड़े आर्थिक फैसले लेने से बचें। पैसों की लेनदेन में भी पूरी सतर्कता बरतें। धन खर्च के मामलों में आर्थिक प्रबंधन की आवश्यकता होगी। यदि आपने इस समय अपने आर्थिक पक्ष को नज़रअंदाज़ किया तो आपको धन हानि हो सकती है।

करियर

नौकरी और व्यापार में उतार-चढ़ाव की परिस्थितियाँ बन सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से उम्मीद की अपेक्षा सहयोग कम मिलेगा। कोई भी कार्य कानून के विरुद्ध ना करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत से न घबराएं, क्योंकि आगे चलकर आपको इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। किसी भी तरह के लालच में आकर शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

यदि पारिवारिक जीवन की बात करें तो, घर वालों के साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। खासकर भाई-बहनों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आपके स्वभाव में क्रोध बढ़ सकता है। इसके अलावा आपकी वाणी में भी कड़वाहट देखने को मिल सकती है, इससे आपके संबंध दूसरे लोगों से बिगड़ सकते हैं। इसलिए लोगों से हमेशा प्रेम से बातचीत करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आपके वैवाहिक जीवन में भी मंगल की बुरी नज़र पड़ सकती है, अतः सचेत रहें। प्रेम व वैवाहिक जीवन

में कुछ कष्ट संभव है। यदि विवाहित हैं तो आपके ससुराल पक्ष से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी चुनौती बनी रहेंगी। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और इसमें मधुरता लाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

मंगल की अष्टम भाव में उपस्थिति आपके लिए कष्टकारी रह सकती है। स्वास्थ्य को लेकर भी आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। आठवें भाव में स्थित मंगल आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। इस अवधि में आपके शरीर में फोड़े फुंसी अथवा किसी घाव के होने की संभावना है। इस अवधि में आपको गुदा से संबंधित पीड़ा भी हो सकती है इसलिए मिर्च-मसालेदार भोजन से परहेज करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अंतरंग संबंधों में धैर्य का परिचय दें।
- अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखें।

क्या न करें

- अत्यधिक गर्म प्रकृति का भोजन ना करें।
- अनैतिक कार्यों अथवा अनैतिक आय से दूर रहें।

उपाय

- तांबे के पात्र का दान करें।
- 11 पीपल के पत्तों पर राम-राम लिखकर उसकी माला बनाकर हनुमान जी को पहनायें।

नवंबर 01, 2025 - दिसम्बर 26, 2025 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आपको धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी अथवा व्यवसाय में लाभ प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे। यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने आपकी मेहनत का फल धन के रूप में मिलेगा।

करियर

इस समय कार्य के प्रति आपका मन कम लगेगा और मन में किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति भी रह

सकती है। इस अवधि में आपको नौकरी जाने का भय रह सकता है। सावधान, आपके सहकर्मी आपको धोखा दे सकते हैं। जल्दबाजी या हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें। इससे आपको ही नुकसान होगा।

पारिवारिक जीवन

घरेलू जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि घर में शांति और सामंजस्य बना रहे, इसके लिए आपको प्रयासरत रहना होगा। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनके आशीर्वाद से आप तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। वे हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

ध्यान रखें, इस अवधि में विपरीत लिंग के लोगों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। हालांकि वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा साथ मिलेगा। दोनों के बीच बढ़िया तालमेल दिखाई देगा। परंतु छोटी-मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। अपने लाइफ पार्टनर की सेहत का ख्याल करें।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको कोई गुप्त रोग होने की आशंका है, लिहाजा अपनी सेहत का ख्याल रखें। घर में भी परिजनों के स्वास्थ्य में कमी देखी जा सकती है। इस अवधि में आप थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं। हालांकि परिस्थितियाँ जल्द ही सुधरेंगी और आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने घर की छत नियमित रूप से साफ रखें।
- निर्णय लेते समय किसी समझदार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें और उस पर अमल करें।

क्या न करें

- किसी से कोई भी वस्तु मुफ्त में ना ले।
- स्वयं के आगे बढ़ने की चाह में कोई गलत मार्ग ना चुनें ।

उपाय

- बाजरा लेकर उसे जमीन पर रखकर किसी वजनी वस्तु से दबा दें।
- दूर्वा को समिधा बनाकर हवन करें।

आर्थिक जीवन

व्यापार/व्यवसाय में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। मित्र व हितैषी पूरा सहयोग देंगे। इस अवधि में आपकी सभी योजनाएं पूर्ण होंगी। इस अवधि में आप शेयर बाजार में निवेश को लेकर रुचि दिखा सकते हैं और इससे आपको आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आप अपने ज्ञान, कौशल और कलात्मक गुणों से सफलता पाएंगे।

करियर

यह समय आपके करियर के लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलायेगा। आप सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। यदि आप प्रकाशन, स्क्रिप्ट राइटिंग अथवा पत्रकारिता के क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो यह समय आपके लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगा। ऑफिस में विवादों से बचें और दफ्तर में होने वाली राजनीति का हिस्सा न बनें।

पारिवारिक जीवन

घर-परिवार में शुभ और मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। इस अवधि में आप अपने मन में कोई बात ज्यादा समय तक रख नहीं पाएंगे। घर वालों के साथ आप अपने विचारों को साझा करेंगे। घर में किसी बच्चे का जन्म हो सकता है। आपकी माता धार्मिक और दान-धर्म से जुड़े कार्य करेंगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप विवाहित हैं तो इस अवधि में संतान पक्ष की ओर से आपको सुख और प्रसन्नता मिलेगी। इसके अलावा आपको अपने जीवनसाथी के माध्यम से भी लाभ की प्राप्ति होगी। प्रेम-प्रसंग के मामलों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। आप अपने प्रियतम या जीवनसाथी के और करीब आएंगे।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए संतुलित आहार लें। वसा और चिकनाई युक्त भोजन से परहेज करना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा। इस समय में आपके वजन में वृद्धि हो सकती है इसलिए नियमित व्यायाम करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- समय निकालकर गरीब बच्चों अथवा किसी जरूरतमंद को अवश्य पढ़ाएं।
- अपनी संतान को समस्त संस्कार सिखाएं।

क्या न करें

- प्रेम संबंधों में अत्यधिक आदर्शवादी ना बने।
- अत्यधिक जुए तथा सट्टे बाजी से दूर रहें।

उपाय

- कच्ची हल्दी की गांठ पीले धागे में अपनी कलाई में बांधें।
- पीले रंग का रुमाल अपनी जेब में रखें।

फ़रवरी 13, 2026 - अप्रैल 11, 2026 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपके सामने कुछ आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं। ऐसे में हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहें। आर्थिक पक्ष कमजोर होने के कारण आपकी आमदनी में गिरावट देखने को मिल सकती है। इस समय धन के मामले में जोखिम उठाने से बचें, वरना आपको आर्थिक हानि हो सकती है।

करियर

यह समय आपके करियर के लिए आसान नहीं होगा, लिहाजा नौकरी अथवा व्यवसाय को लेकर सावधानी से कदम बढ़ाएं। इस समय बिना देखे और जल्दबाजी में किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। यदि आप नया उद्यम शुरू करना चाहते हैं तो पहले उसके सभी पहलुओं पर एकबार अच्छी तरह से अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस समय आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में असहाय महसूस करेंगे। परिजनों की अपेक्षाएं भी आपके द्वारा पूरी नहीं होंगी। घर वालों से मनमुटाव होने की संभावना है और इस समय माता-पिताजी की सेहत में भी कमी देखने को मिल सकती है। सारी टेंशन छोड़कर परिवार में खुशियाँ लाने का प्रयास करें। परिजनों से दूर जाने की भी संभावना बन रही है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यह अवधि वैवाहिक तथा प्रेम जीवन के लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण रहेगी। इस समय आपको धैर्य से काम लेना चाहिए तथा अपने रिश्ते को मजबूती प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इस समय

जीवनसाथी अथवा प्रियतम को समझने की कोशिश करें और उनकी ज़रूरतों को पूरा करें।

स्वास्थ्य

इस समय आपका स्वास्थ्य कुछ कमजोर रहेगा। किसी कारणवश आपके भोजन का रूटीन भी गड़बड़ हो सकता है, इसलिए आपको समय पर भोजन मिलना मुश्किल हो सकता है और इसका असर आपकी सेहत पर भी दिखाई देगा। ऐसे में अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी वाणी का प्रयोग जीविका उपार्जन के लिए करें।
- स्वयं के प्रति मजबूत बने और अपना सम्मान करना सीखें।

क्या न करें

- तोल-मोल कर बोलें किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचाएं।
- भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहे और भौतिक वस्तुओं को अधिक महत्व ना दे।

उपाय

- सांय काल के समय साबुत काले उड़द का दान करें।
- श्री कृष्ण की उपासना करें।

अप्रैल 11, 2026 - जून 02, 2026 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का षष्ठम भाव में स्थित होना सामान्यतः कष्टकारी होता है। यहां स्थित बुध दर्शाता है कि इस अवधि में आपके खर्च बढ़ेंगे, इसलिए बेहतर होगा कि फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। विरोधियों की ओर से चुनौती मिल सकती है और वे आपकी छवि को चोट पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, अतः अपने शत्रुओं से सावधान रहने की कोशिश करें। आप अच्छे और परोपकारी कार्यों के लिए धन खर्च करेंगे।

करियर

नौकरी व व्यवसाय के क्षेत्र में हालात सुधरेंगे हालांकि काम का बोझ बढ़ेगा, इसलिए काम की अधिकता की वजह से ज्यादा तनाव ना लें। इसके अलावा व्यर्थ के कामों से बचने की कोशिश करें। इस अवधि में वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों की आलोचना और कड़वे शब्द बोलने से बचें। इस दौरान यात्रा करने से भी

बचें। क्योंकि इस समय में यात्राएं सार्थक होने की उम्मीद बेहद कम है। अच्छी बात है कि बुध के प्रभाव से इस समय में आप परिश्रम के बल पर सफलता अर्जित करेंगे। हालांकि इस दौरान लोगों के साथ आपके विवाद भी हो सकते हैं, इसलिए तालमेल बनाकर चलने की जरूरत है। इस अवधि में लेखन के प्रति आपकी रुचि बढ़ सकती है। वहीं यदि आप लेखन या पत्रकारिता से जुड़े हैं तो इस अवधि में और बेहतर करेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में तनाव उत्पन्न हो सकता है और विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है, इसलिए थोड़ा संयम के साथ काम लें। जहां तक हो सके परिवार में बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। इस अवधि में माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय रहेगा। इस दौरान आप अपने प्रियतम के लिए कोई गिफ्ट खरीद सकते हैं। वहीं दूसरी ओर वैवाहिक जीवन में कुछ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, इसलिए संयम के साथ काम लें और जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाये रखने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस समय अवधि में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने की संभावना है, अतः सेहत को लेकर कोई लापरवाही ना बरतें। त्वचा और स्नायु तंत्र से संबंधित विकारों से परेशानी हो सकती है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं की सेहत का भरपूर ध्यान रखें।
- मौसी, मामी, बुआ, बहन आदि से अच्छा व्यवहार करें।

क्या न करें

- मानसिक अवसाद की अवस्था में जाने से बचें।
- अत्यधिक कार्य करने की आदत से बचे ।

उपाय

- प्रतिदिन गौं ग्रास निकालें।
- अपामार्ग की समिधा से हवन करें।

जून 02, 2026 - जून 23, 2026 दशा केतु

आर्थिक जीवन

आपके खर्चों में अचानक वृद्धि होने की संभावना है। यात्रा से आपको उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने की संभावना कम है। आर्थिक क्षेत्र में इस समय जोखिम भरे फैसले न लें। धन को लेकर भी सावधानी बरतें, क्योंकि इस समय आपको धन हानि की संभावना है। आमदनी में कमी देखी जा सकती है।

करियर

इस अवधि के दौरान आपको करियर में मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि अचानक आपका भाग्य चमक सकता है। इस दौरान करियर में आपके परिचय का दायरा बढ़ेगा। परंतु इसमें सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। निराश होने की आवश्यकता नहीं है, सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपका अहंकार घर की शांति को भंग कर सकता है। परिजनों से आपके रिश्ते कटु हो सकते हैं। अपने घमंड का त्याग करें और घर के बड़े सदस्यों का सम्मान व आदर करें। इस समय माता-पिता जी सेहत का ध्यान रखें। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर तकरार की स्थिति पैदा हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम जीवन के लिए समय शुभ नहीं है। प्रेमिका अथवा जीवनसाथी से विवाद होने की संभावना है। इस अवधि में वैवाहिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। विवाद या मतभेद होने की स्थिति में बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करें।

स्वास्थ्य

इस समय आपको सिरदर्द, बुखार अथवा पित्त संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में अपने स्वास्थ्य का उपचार कराएं। केतु के प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं। शारीरिक रूप से आप सुस्त दिखाई देंगे। इस समय प्रोटीन युक्त भोजन ग्रहण करें और खाने में सलाद अवश्य लें। प्रातः उठकर शारीरिक योग व्यायाम भी करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवनसाथी को समझने का प्रयास करें।
- जननांगों से संबंधित रोगों के प्रति सतर्क रहें।

क्या न करें

- अपने जीवन साथी के चरित्र पर बेवजह संदेश ना करें।
- साझेदारी में व्यवसाय करने से बचें।

उपाय

- प्रतिदिन प्रातःकाल एवं सायंकाल घर में लोबान की धूप जलाएं।
- भैरव मंदिर में जा कर काले रंग का ध्वज लगाएं।

जून 23, 2026 - अगस्त 23, 2026 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अचानक धन हानि होने से परेशानी बढ़ सकती है या आमदनी की तुलना में खर्च अचानक से बढ़ने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए इस अवधि में धन से जुड़े मामलों में समझदारी और संयम के साथ काम लेना बेहतर होगा। वहीं फिजूलखर्ची करने से बचें और आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

करियर

नौकरी में हालात पहले की तुलना में सुधरेंगे। हालांकि चुनौतियां पहले की तरह ही बरकरार रहेंगी। काम की अधिकता से थकान महसूस हो सकती है। सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा। विरोधी पक्ष पर हावी होने की कोशिश करेगा। इस दौरान कुछ लोग आपकी छवि को हानि पहुंचा सकते हैं, इसलिए सावधान रहें।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में परिवारजनों से संबंध अच्छे रहने की उम्मीद कम है। विरोधी पक्ष हावी रह सकता है। हालांकि इस अवधि में आपके बच्चे उन्नति करेंगे। आपके पिता के लिए भी यह स्थिति शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित कराएगी। इस समय में आपकी माँ का स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की उम्मीद है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग के मामलों के लिए अच्छा समय है लेकिन प्रियतम और आपके विचारों में मतभेद से परेशानी

हो सकती है। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी से भी मतभेद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि विवाद की स्थिति में बातचीत के जरिये मामले का हल निकालने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य संबंधी विकारों से परेशान हो सकती है। इस अवधि में आपको नेत्र या मूत्र रोग से संबंधित कोई विकार परेशान कर सकता है। परिवार में किसी व्यक्ति की सेहत पर संकट आ सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें। क्योंकि छोटी सी लापरवाही आपकी और आपके परिजनों की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- विपरीत लिंगी लोगों से सामंजस्यपूर्ण व्यवहार बनाए रखें।
- जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करें।

क्या न करें

- अपने मित्रों पर अत्यधिक विश्वास ना करें।
- जीवनसाथी से लड़ाई झगड़ा ना करें।

उपाय

- प्रतिदिन गौं ग्रास निकालें।
- गूलर की समिधा से हवन करें।

रत्न

चमकाएं अपनी किस्मत

100% वास्तविक एवं लैब प्रमाणित

अभी खरीदें >



5 करोड़ से भी ज्यादा लोगों का विश्वास

“मैंने अपने बेटे की राशि अनुसार एस्ट्रोसेज से रत्न खरीदा, जिसे धारण करते ही अब न केवल उसका मन पढ़ाई में लगता है बल्कि वो अपनी पूरी क्लास में अक्ल आता है।”

- ज्योति शर्मा , नॉएडा

“पहले मेरी शादी में कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही थी, लेकिन जब से मैंने एस्ट्रोसेज के ज्योतिष द्वारा सुझाया गया रत्न धारण किया तब से ही मुझे एक से एक यहाँ तक की विदेशों से भी अच्छे रिस्ते आ रहे हैं।”

- दीपक सागर , मुरादाबाद

“मुझे एस्ट्रोसेज से खरीदे रत्न से बहुत लाभ हुआ है। इसकी वास्तविक पर कोई भी निःसंदेह विश्वास कर सकता है।”

- रोहित सिंह , पंजाब



World's No. 1 Astrology Portal & App

A-139, Sector 63, Noida (UP) 201307. India

ईमेल: query@astrosage.com

वेबसाइट: <https://www.AstroSage.com>

दूरभाष: +91 95606 70006, +91 120 4138503

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment, that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provide no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case of any disputes, the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

Icons source - freepik.com